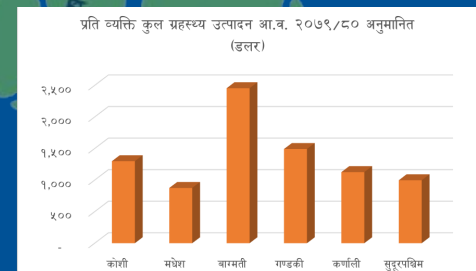
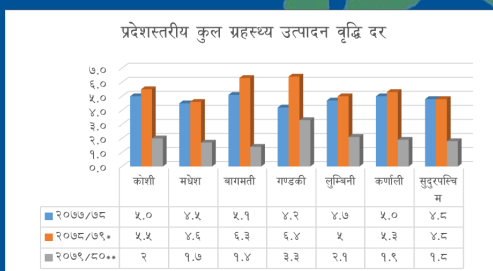
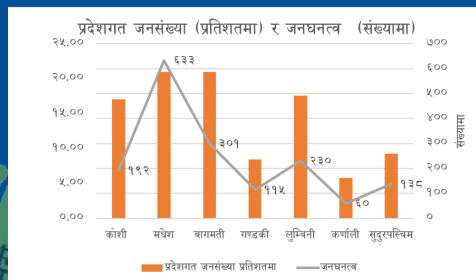
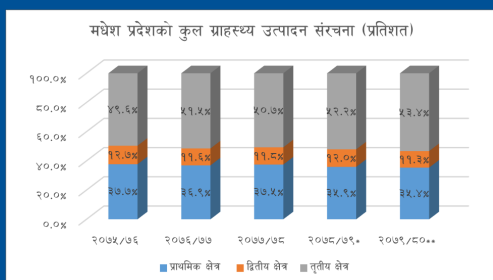


# आर्थिक सर्वेक्षण २०७९-८०

## मधेश प्रदेश



मधेश प्रदेश  
अर्थ मन्त्रालय  
२०८०

## विषय सूची

|                                                                                     |       |
|-------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| मन्तव्य.....                                                                        | ix    |
| कार्यकारी सारांश.....                                                               | x     |
| समग्र आर्थिक स्थिति.....                                                            | x     |
| सार्वजनिक वित्त.....                                                                | xi    |
| वित्तीय क्षेत्र.....                                                                | xi    |
| कृषि र वन.....                                                                      | xii   |
| गरिबी निवारण, श्रम, रोजगारी तथा वातावरण.....                                        | xiii  |
| ऊर्जा, सिँचाई, र खानेपानी.....                                                      | xv    |
| भौतिक पूर्वाधार, यातायात, र सञ्चार.....                                             | xv    |
| उद्योग र वाणिज्य.....                                                               | xvi   |
| सामाजिक क्षेत्र.....                                                                | xvii  |
| सुशासन, लैंगिक उत्तरदायित्व, र जलवायु परिवर्तन.....                                 | xviii |
| परिच्छेद १: समग्र आर्थिक स्थिति.....                                                | १     |
| १.१ विश्व अर्थतन्त्र.....                                                           | १     |
| १.२ राष्ट्रिय अर्थतन्त्र.....                                                       | १     |
| १.३ मधेश प्रदेशको अर्थतन्त्र.....                                                   | २     |
| १.४ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत संरचना.....                                  | २     |
| १.५ मधेश प्रदेशको अरु प्रदेश सँगको तुलनात्मक विवरण.....                             | ८     |
| परिच्छेद २: सार्वजनिक वित्त.....                                                    | १२    |
| परिच्छेद ३: वित्तीय क्षेत्र.....                                                    | २४    |
| ३.१ मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्था.....                                      | २४    |
| ३.२ मधेशमा लघुवित्तको अवस्था.....                                                   | ३२    |
| ३.३ सहकारी तथ्यांक.....                                                             | ३४    |
| ३.४ बीमा क्षेत्र.....                                                               | ३५    |
| परिच्छेद ४: कृषि र वन.....                                                          | ३८    |
| ४.१ खेतीयोग्य जमिन.....                                                             | ३८    |
| ४.२ विविध कृषि बाली खेती र उत्पादन.....                                             | ३९    |
| ४.२ वन क्षेत्र.....                                                                 | ४४    |
| परिच्छेद ५: गरिबी निवारण, श्रम तथा रोजगारी, र वातावरण.....                          | ४७    |
| ५.१ गरिबी.....                                                                      | ४७    |
| ५.२ मधेश प्रदेशमा वातावरण सम्बन्धी जानकारीको लागि विभिन्न संचार माध्यममा पहुँच..... | ५१    |
| ५.३ प्रदेशगत मानव विकाश सूचकांक.....                                                | ५२    |
| ५.४ प्रदेशका विभिन्न गुणात्मक मानव विकासको सूचकहरूको अवस्था.....                    | ५४    |
| ५.५ वैदेशिक रोजगारी.....                                                            | ५५    |
| ५.६ आन्तरिक श्रमिकको अवस्था.....                                                    | ५९    |
| ५.७ बेरोजगारको सूचीकरण.....                                                         | ६१    |

|                                                                            |            |
|----------------------------------------------------------------------------|------------|
| ५.८ प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन.....                       | ६२         |
| ५.९ न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएका विपन्न बेरोजगारको संख्या.....            | ६३         |
| ५.१० प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सशर्त अनुदान .....           | ६४         |
| ५.११ प्रदेश स्तरमा विपन्न राज्य (LDC) का सूचकहरू .....                     | ६५         |
| <b>परिच्छेद ६: ऊर्जा, सिँचाइ, र खानेपानी .....</b>                         | <b>६६</b>  |
| ६.१ ऊर्जा (विद्युत, पेट्रोलियम आदि) .....                                  | ६६         |
| ६.२ सिँचाइ .....                                                           | ६९         |
| ६.३ खानेपानी.....                                                          | ७०         |
| <b>परिच्छेद ७: भौतिक पूर्वाधार, यातायात, र सञ्चार.....</b>                 | <b>७२</b>  |
| ७.२ यातायात .....                                                          | ७४         |
| ७.३ सञ्चार क्षेत्र .....                                                   | ७६         |
| ७.४ खानेपानी र सरसफाइ .....                                                | ७९         |
| <b>परिच्छेद ८: उद्योग र वाणिज्य .....</b>                                  | <b>८५</b>  |
| <b>परिच्छेद ९: सामाजिक क्षेत्र .....</b>                                   | <b>९४</b>  |
| ९.१ मधेश प्रदेशको जनसंख्या विवरण .....                                     | ९४         |
| ९.२ मधेश प्रदेशमा साक्षरता .....                                           | ९९         |
| ९.३ विद्यालय संख्या.....                                                   | १०२        |
| ९.४ विद्यालय भर्ना दर.....                                                 | १०५        |
| ९.५ : मधेश प्रदेशमा उच्च शिक्षा .....                                      | ११०        |
| ९.६ प्राविधिक शिक्षा .....                                                 | ११५        |
| ९.७ मधेश प्रदेशमा स्वास्थ्य सेवा .....                                     | ११६        |
| <b>परिच्छेद १०: सुशासन, लैंगिक उत्तरदायित्व, र जलवायु परिवर्तन .....</b>   | <b>१२०</b> |
| १०.१ सुशासनको अवस्था .....                                                 | १२०        |
| १०.१.१ अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग .....                              | १२०        |
| १०.१.२. मधेश प्रदेशमा बेरुज्जोको स्थिति .....                              | १२५        |
| १०.२ लैंगिक उत्तरदायी बजेट तथा जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण बजेट ..... | १२९        |
| १०.३ प्रदेश लोक सेवा आयोग, मधेश प्रदेश .....                               | १२९        |
| <b>अनुसूचीहरू.....</b>                                                     | <b>१३१</b> |

## तालिका सूची

|             |                                                                                                                                       |    |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| तालिका १.१  | नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मधेश प्रदेशको योगदान                                                                                 | २  |
| तालिका १.२  | मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत संरचना (रु. दस लाखमा)                                                                | ३  |
| तालिका १.३  | प्रदेश-स्तरीय कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धि दर (उपभोक्ता मूल्यमा)                                                                     | ८  |
| तालिका १.४  | नेपाल तथा मधेश प्रदेशको तुलनात्मक आर्थिक तथा सामाजिक परिसूचक                                                                          | ९  |
| तालिका १.५  | मधेश प्रदेशमा भएका स्थानीय तहको विवरण                                                                                                 | १० |
| तालिका १.६  | प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (डलर)                                                                                            | १० |
| तालिका २.१  | मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/ निकायहरूको विगत चार आ.व.हरूको चालू खर्चको विवरण                                              | १४ |
| तालिका २.२  | मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/ निकायहरूको विगत चार आ.व.हरूको पुँजीगत खर्चको विवरण                                           | १६ |
| तालिका २.३  | मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/ निकायहरूको आ.व.हरूको विविध आय-व्ययको विवरण (रु. करोडमा)                                      | १८ |
| तालिका २.४  | मधेश प्रदेशको राजस्व विवरण                                                                                                            | २० |
| तालिका २.५  | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूबाट प्रदेशको कुल राजस्वमा भएको योगदान                                                                          | २२ |
| तालिका २.६  | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९-२०८०/८१ (रु. लाखमा)                                                                          | २२ |
| तालिका ३.१  | मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको अवस्था                                                                                        | २४ |
| तालिका ३.२  | मधेश प्रदेशमा बैंकिङ सेवा विस्तार विवरण                                                                                               | २५ |
| तालिका ३.३  | मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्या                                                                                                     | २७ |
| तालिका ३.४  | मधेश प्रदेशमा प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या                                                                                     | २८ |
| तालिका ३.५  | मधेश प्रदेशमा निक्षेप संकलन                                                                                                           | २९ |
| तालिका ३.६  | मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाह                                                                                                            | ३० |
| तालिका ३.७  | मधेश प्रदेशमा जिल्लागत तहमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या (लघुवित्त बाहेक)                                                         | ३१ |
| तालिका ३.८  | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा लघुवित्त वित्तीय संस्थाको शाखाहरूको विवरण                                                                   | ३३ |
| तालिका ३.९  | मधेश प्रदेशका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूबाट विभिन्न क्षेत्रमा भएको कर्जा लगानी विवरण                                                  | ३३ |
| तालिका ३.१० | मधेश प्रदेशका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूमा भएको निक्षेप बचत रकम                                                                       | ३४ |
| तालिका ३.११ | सहकारी संस्थाको जानकारीमूलक विवरण                                                                                                     | ३४ |
| तालिका ३.१२ | मधेश प्रदेशमा सहकारी संस्थाको विवरण                                                                                                   | ३५ |
| तालिका ३.१३ | बीमकको शाखा कार्यालय संख्या                                                                                                           | ३५ |
| तालिका ३.१४ | बीमा सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण जानकारी                                                                                                    | ३६ |
| तालिका ३.१५ | जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूको २०७९ चैत्र महिनासम्म (तेस्रो त्रैमासिक सम्मको) सक्रिय रहेका कुल बीमालेख संख्याको प्रदेशगत विवरण     | ३७ |
| तालिका ३.१६ | निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूको २०७९ चैत्र महिनासम्म (तेस्रो त्रैमासिक सम्मको) जारी गरेको रहेका बीमालेख संख्याको प्रदेशगत विवरण | ३७ |
| तालिका ४.१  | नेपाल र मधेश प्रदेशको खेतीयोग्य जमिनको विवरण                                                                                          | ३८ |
| तालिका ४.२  | मधेश प्रदेशको खेतीयोग्य जमिनको                                                                                                        | ३९ |
| तालिका ४.३  | मधेश प्रदेशमा खाद्यान्न बाली र उत्पादनको अवस्था                                                                                       | ४० |

|             |                                                                                                           |    |
|-------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| तालिका ४.४  | मधेश प्रदेशमा नगदे बालीको अवस्था                                                                          | ४२ |
| तालिका ४.५  | मधेश प्रदेशमा दलहन, फलफूल र तरकारी बालीको अवस्था                                                          | ४३ |
| तालिका ४.६  | मधेश प्रदेशमा पशुपंक्षीको अवस्था (संख्या)                                                                 | ४३ |
| तालिका ४.७  | मधेश प्रदेशमा पशुजन्य उत्पादन (मे.ट.)                                                                     | ४४ |
| तालिका ४.८  | प्रदेशगत वन क्षेत्रको स्थिति                                                                              | ४४ |
| तालिका ४.९  | मधेश प्रदेशमा रहेका वन क्षेत्रको जिल्लागत विवरण                                                           | ४५ |
| तालिका ४.१० | मधेश प्रदेशमा रहेका वनको प्रकार                                                                           | ४६ |
| तालिका ४.११ | मधेश प्रदेशमा सामुदायिक वनको जिल्लागत विवरण                                                               | ४६ |
| तालिका ५.१  | नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (MPI)                                                                     | ४७ |
| तालिका ५.२  | नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (सन् २०१४ र सन् २०१९)                                                     | ४८ |
| तालिका ५.३  | मधेश प्रदेशमा वातावरण सम्बन्धी जानकारीको लागि विभिन्न माध्यमको पहुँच (%)                                  | ५१ |
| तालिका ५.४  | प्रदेशहरूको मानव विकास सूचकांक                                                                            | ५३ |
| तालिका ५.५  | प्रदेशहरूको विभिन्न गुणात्मक सूचकांक                                                                      | ५४ |
| तालिका ५.६  | नयाँ श्रम स्वीकृति जारीमा अगाडि जिल्लाहरू                                                                 | ५६ |
| तालिका ५.७  | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केकाहरूको प्रदेशगत अवस्था                                                           | ५७ |
| तालिका ५.८  | मधेश प्रदेशमा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्कनेको संख्या                                                          | ५७ |
| तालिका ५.९  | वैदेशिक रोजगारीको लागि प्रमुख गन्तव्य (मधेश प्रदेश)                                                       | ५८ |
| तालिका ५.१० | शैक्षिक उपलब्धिका आधारमा मधेश प्रदेशका श्रमिकको अवस्था                                                    | ५९ |
| तालिका ५.११ | मधेश प्रदेशमा सहरी र ग्रामीण रोजगारीको अवस्था                                                             | ६० |
| तालिका ५.१२ | विभिन्न उमेर समूहका बेरोजगारको अवस्था (महिला र पुरुष दुवै)                                                | ६१ |
| तालिका ५.१३ | बेरोजगार सूचीकरण गर्ने स्थानीय तहको संख्या                                                                | ६१ |
| तालिका ५.१४ | आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहको संख्या                                                              | ६२ |
| तालिका ५.१५ | न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएका विपन्न बेरोजगारको संख्या                                                    | ६३ |
| तालिका ५.१६ | प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सशर्त अनुदानको विवरण (रु. हजारमा)                                | ६४ |
| तालिका ५.१७ | अति विपन्न राज्यका सूचकहरूको (LDC) प्रदेश स्तरमा विवरण                                                    | ६५ |
| तालिका ६.१  | राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत पहुँच प्राप्त प्रदेशगत जनसङ्ख्या (प्रतिशतमा)                           | ६६ |
| तालिका ६.२  | प्रदेशगत विद्युत उत्पादन क्षमता (मेगावाटमा) (वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक) | ६७ |
| तालिका ६.३  | प्रदेशगत पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता                                                               | ६८ |
| तालिका ६.४  | प्रदेशगत ग्यास उद्योगीको सङ्ख्या र सोको भण्डारण क्षमता (मे. टनमा)                                         | ६९ |
| तालिका ६.५  | मधेश प्रदेशको जिल्लामा कृषि, सिँचाइ र सिँचाइयोग्य क्षेत्र                                                 | ६९ |
| तालिका ६.६  | मधेश प्रदेशको खानेपानी अवस्था (%)                                                                         | ७१ |
| तालिका ६.७  | प्रदेशगत रूपमा हालसम्म निर्माण भएका खानेपानी प्रणालीको अवस्था                                             | ७१ |
| तालिका ७.१  | प्रादेशिक र स्थानीय सडक सञ्जालको प्रदेशगत सडकको विवरण (किलोमिटर)                                          | ७२ |
| तालिका ७.२  | प्रादेशिक र स्थानीय सडक विवरण (किलोमिटरमा)                                                                | ७३ |
| तालिका ७.३  | नेपालमा विमानस्थलहरूको विवरण                                                                              | ७४ |
| तालिका ७.४  | मधेश प्रदेशमा विमान उडान संख्या                                                                           | ७५ |
| तालिका ७.५  | जनकपुर यातायात व्यवस्थापन कार्यालयमा सानो र ठुलो सवारीसाधन दर्ताको विवरण                                  | ७६ |
| तालिका ७.६  | प्रदेशको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति                                                                      | ७६ |

|             |                                                                                                                                                                   |     |
|-------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| तालिका ७.७  | मधेश प्रदेशको जिल्लाहरूको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति                                                                                                             | ७७  |
| तालिका ७.८  | पत्रपत्रिकाको डिजिटल अभिलेखीकरणको नियमितताको                                                                                                                      | ७८  |
| तालिका ७.९  | पिउने पानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्या                                                                                                                 | ८०  |
| तालिका ७.१० | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूका पिउने पानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्या                                                                                       | ८१  |
| तालिका ७.११ | शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या                                                                                                                   | ८२  |
| तालिका ७.१२ | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या                                                                                         | ८३  |
| तालिका ८.१  | विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा उद्योगको सङ्ख्या र लगानीको अवस्था (फागुनसम्म)                                                                                        | ८५  |
| तालिका ८.२  | लघु घरेलु तथा साना उद्योगहरूको प्रदेशगत विवरण                                                                                                                     | ८७  |
| तालिका ८.३  | प्रदेश तहमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण जानकारी (प्रदेश स्तरमा तुलनात्मक विवरणको)                                                                        | ८८  |
| तालिका ८.४  | मधेश प्रदेशको उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण सूचकहरू                                                                                                        | ९१  |
| तालिका ८.५  | मधेश प्रदेशमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको कानुनी वैधानिकता                                                                                                            | ९३  |
| तालिका ८.६  | मधेश प्रदेशका उत्पादन प्रतिष्ठानहरूमा सामाजिक सुरक्षामा                                                                                                           | ९३  |
| तालिका ९.१  | मधेश प्रदेशमा जनसंख्याको आधारमा पहिलो २० वटा जाति/ समुदायको विवरण                                                                                                 | ९५  |
| तालिका ९.२  | घरपरिवारको संख्या, लिङ्ग अनुसार जनसंख्या, औसत घरपरिवारको आकार, लिङ्ग अनुपात, जनघनत्व र वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर, NPHC 2021                                      | ९६  |
| तालिका ९.३  | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूको घरपरिवारको संख्या, लिङ्ग अनुसार जनसंख्या, औसत घरपरिवारको आकार, लिङ्ग अनुपात, जनघनत्व र वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर                       | ९७  |
| तालिका ९.४  | नेपालमा बोलिने मातृभाषा (प्रतिशतमा)                                                                                                                               | ९८  |
| तालिका ९.५  | मधेश प्रदेशमा सबभन्दा बढी बोलिने २० वटा मातृभाषा (जनसंख्यामा)                                                                                                     | ९९  |
| तालिका ९.६  | प्रदेशगत साक्षरताको अवस्था                                                                                                                                        | १०० |
| तालिका ९.७  | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा साक्षरताको अवस्था                                                                                                                       | १०१ |
| तालिका ९.८  | प्रदेश स्तरमा विद्यालय संख्या                                                                                                                                     | १०३ |
| तालिका ९.९  | कक्षा तहको (१-८) आधारमा विद्यार्थी भर्ना (सन् २०२०-२०२१)                                                                                                          | १०६ |
| तालिका ९.१० | कक्षा तहको (९-१२) आधारमा विद्यार्थी भर्ना (सन् २०२०-२०२१)                                                                                                         | १०८ |
| तालिका ९.११ | प्रदेश स्तरमा क्याम्पसहरूको विवरण                                                                                                                                 | ११० |
| तालिका ९.१२ | स्वामित्वका आधारमा प्रदेश स्तरमा क्याम्पसहरूको विवरण                                                                                                              | ११० |
| तालिका ९.१३ | विश्वविद्यालय स्तरमा क्याम्पसहरूको प्रदेशगत विवरण                                                                                                                 | १११ |
| तालिका ९.१४ | विभिन्न विषयहरूको आधारमा क्याम्पसहरूको प्रदेशगत विवरण                                                                                                             | ११२ |
| तालिका ९.१५ | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा प्राथमिक, एसएलसी/ एसईई, प्रमाणपत्र तह (प्लस २), स्नातक, र स्नातकोत्तर शिक्षा हासिल गरेको जनसंख्या (५ वर्ष वा सो भन्दा माथि उमेर समूहको) | ११३ |
| तालिका ९.१६ | प्रदेश तहमा प्राविधिक शिक्षा (९-१२) को विवरण                                                                                                                      | ११५ |
| तालिका ९.१७ | सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रम (टेक्स) को विवरण                                                                                                  | ११५ |
| तालिका ९.१८ | निजी सम्बन्धन स्वीकृति प्राप्त शिक्षण संस्था र कार्यक्रम                                                                                                          | ११६ |
| तालिका ९.१९ | सम्बन्धन प्राप्त छोटो अवधिका तालिम प्रदायक निजी संस्थाहरू                                                                                                         | ११६ |
| तालिका ९.२० | मातृ मृत्यु दरको प्रदेशगत विवरण                                                                                                                                   | ११७ |
| तालिका ९.२१ | मातृ मृत्युको पृष्ठभूमि/ कारणहरू                                                                                                                                  | ११७ |

|                    |                                                                                                                                           |     |
|--------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| तालिका ९.२२        | बालबालिकाको कुपोषण अवस्था                                                                                                                 | ११८ |
| तालिका ९.२३        | प्रदेश तहमा हेमोग्लोबिन अनुसार रक्तअल्पता (एनीमिया) को स्थिति                                                                             | ११८ |
| तालिका ९.२४        | मृत जन्म र नवजात मृत्युको प्रतिशत वितरण                                                                                                   | ११९ |
| तालिका १०.१        | विगत तीन आ.व.मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरू तथा फछ्यौटको स्थानीय सरकार र मातहत निकायहरूको आधारमा प्रदेशगत विवरण | १२१ |
| तालिका १०.२        | आ.व. २०७६/७७ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण                            | १२३ |
| तालिका १०.३        | आ.व. २०७७/७८ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण                            | १२४ |
| तालिका १०.४        | आ.व. २०७८/७९ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण                            | १२५ |
| तालिका १०.५        | विगत तीन वर्षमा प्रदेश स्तरमा देखिएको बेरुजू (रु. हजारमा)                                                                                 | १२७ |
| तालिका १०.६        | मधेश प्रदेशको स्थानीय सरकारहरूमा बेरुजूको स्थिति                                                                                          | १२८ |
| तालिका १०.७        | विगत दुई वर्षको लैंगिक उत्तरदायी बजेट (रु. हजारमा)                                                                                        | १२९ |
| तालिका १०.८        | विगत दुई वर्षको जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण बजेट (रु. हजारमा)                                                                        | १२९ |
| तालिका १०.९        | प्रदेश लोक सेवा आयोग, मधेश प्रदेशले आह्वान गरेको दरखास्त, राजस्व, र पदपूर्ति                                                              | १२९ |
| अनुसूची तालिका २.१ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०८०/८१ (रु. लाखमा)                                                                                      | १४१ |
| अनुसूची तालिका २.२ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७९/८० (रु. लाखमा)                                                                                      | १४२ |
| अनुसूची तालिका २.३ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९ (रु. लाखमा)                                                                                      | १४३ |
| अनुसूची ३          | मधेश प्रदेश सभाबाट हालसम्म पारित भएका ऐनहरूको विवरणहरू                                                                                    | १४४ |

## चार्ट सूची

|            |                                                                               |    |
|------------|-------------------------------------------------------------------------------|----|
| चार्ट १.१  | मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन संरचना (प्रतिशत)                         | ४  |
| चार्ट १.२  | कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशत)   | ४  |
| चार्ट १.३  | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान (प्रतिशत)                | ५  |
| चार्ट १.४  | विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवाको योगदान (प्रतिशत)         | ५  |
| चार्ट १.५  | कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको योगदान (प्रतिशत)                   | ६  |
| चार्ट १.६  | थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा (प्रतिशत)              | ७  |
| चार्ट १.७  | घरजग्गा कारोबारको सेवा (प्रतिशत)                                              | ७  |
| चार्ट १.८  | सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा (प्रतिशत)                 | ८  |
| चार्ट १.९  | प्रदेश-स्तरीय कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धि दर                                | ९  |
| चार्ट १.१० | प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (डलर) आ.व.२०७९/८० (अनुमानित)             | ११ |
| चार्ट २.१  | मधेश प्रदेशको आ.व.हरूको विविध आय-व्ययको विवरण (रु. करोडमा)                    | १८ |
| चार्ट २.२  | मधेश प्रदेशको राजस्व विवरण                                                    | १९ |
| चार्ट २.३  | मधेश प्रदेशको चालु तथा पुँजीगत खर्चको लागि विनियोजित बजेट (रु. करोडमा)        | २० |
| चार्ट २.४  | मधेश प्रदेशको मधेश प्रदेशको विनियोजित बजेट तथा यथार्थ खर्च (रु. करोडमा)       | २१ |
| चार्ट २.५  | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९-२०८०/८१ (रु. लाखमा)                  | २३ |
| चार्ट ३.१  | मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको अवस्था                                | २४ |
| चार्ट ३.२  | मधेश प्रदेशमा एटिएम संख्या                                                    | २५ |
| चार्ट ३.३  | मधेश प्रदेशमा डेबिट कार्ड संख्या                                              | २६ |
| चार्ट ३.४  | मधेश प्रदेशमा क्रेडिट तथा प्रिपेड कार्ड संख्या                                | २६ |
| चार्ट ३.५  | मधेश प्रदेशमा मोबाइल बैंकिङ र इन्टरनेट बैंकिङ ग्राहक संख्या                   | २७ |
| चार्ट ३.६  | मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्या                                             | २८ |
| चार्ट ३.७  | मधेश प्रदेशमा प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या                             | २९ |
| चार्ट ३.८  | मधेश प्रदेशमा निक्षेप संकलन                                                   | ३० |
| चार्ट ३.९  | मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाह                                                    | ३१ |
| चार्ट ३.१० | मधेश प्रदेशमा जिल्लागत तहमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या (लघुवित्त बाहेक) | ३२ |
| चार्ट ४.१  | मधेश प्रदेशको खेतीयोग्य जमिनको विवरण                                          | ३९ |
| चार्ट ४.२  | मधेश प्रदेशमा खाद्यान्न बालीको उत्पादन (मे. ट.)                               | ४० |
| चार्ट ५.१  | नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (सन् २०१४ र सन् २०१९)                         | ४८ |
| चार्ट ५.२  | नेपालमा गरिबीको घटना (%)                                                      | ४९ |
| चार्ट ५.३  | नेपालमा गरिबीको तीव्रता (%)                                                   | ५० |
| चार्ट ५.४  | नेपालमा गरिब परिवारको संख्या (हजारमा)                                         | ५० |
| चार्ट ५.५  | मधेश प्रदेशमा विभिन्न वस्तुको पहुँच (%)                                       | ५२ |
| चार्ट ५.६  | प्रदेशहरूको मानव विकास सूचकांक (HDI)                                          | ५३ |
| चार्ट ५.७  | प्रदेशहरूको सरदार आयु (वर्षमा)                                                | ५५ |
| चार्ट ५.८  | प्रदेशहरूको प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (२०११ PPP\$)                       | ५५ |



|                   |                                                                                                            |     |
|-------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
| चार्ट ५.९         | वैदेशिक रोजगारीबाट फर्कनेको संख्या                                                                         | ५८  |
| चार्ट ५.१०        | बेरोजगार सूचीकरण गर्ने स्थानीय तहको संख्या                                                                 | ६२  |
| चार्ट ५.११        | आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहको संख्या                                                               | ६३  |
| चार्ट ५.१२        | न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएको बिपन्न बेरोजगारको संख्या                                                     | ६४  |
| चार्ट ६.१         | राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत पहुँच प्राप्त प्रदेशगत जनसङ्ख्या (प्रतिशतमा)                            | ६६  |
| चार्ट ६.२         | प्रदेशगत विद्युत उत्पादन क्षमता ( मेगावाटमा) (वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक) | ६७  |
| चार्ट ६.३         | प्रदेशगत पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमता                                                                | ६८  |
| चार्ट ६.४         | मधेश प्रदेशको जिल्लामा कृषि क्षेत्र                                                                        | ७०  |
| चार्ट ६.५         | मधेश प्रदेशको जिल्लामा सिँचाई र सिँचाईयोग्य क्षेत्र                                                        | ७०  |
| चार्ट ७.१         | प्रादेशिक र स्थानीय सडक सञ्जालको प्रदेशगत सडकको विवरण (किलोमिटर)                                           | ७३  |
| चार्ट ७.२         | प्रादेशिक र स्थानीय सडक विवरण (किलोमिटरमा)                                                                 | ७४  |
| चार्ट ७.३         | प्रदेशको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति                                                                       | ७७  |
| चार्ट ७.४         | जिल्लाको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति                                                                       | ७८  |
| चार्ट ७.५         | पत्रपत्रिकाको डिजिटल अभिलेखीकरणको नियमितताको स्थिति                                                        | ७९  |
| चार्ट ७.६         | शौचालय सुविधा अनुसार घरपरिवारको संख्या                                                                     | ८३  |
| चार्ट ७.७         | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या                                  | ८४  |
| चार्ट ८.१         | विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा उद्योगको सङ्ख्या                                                              | ८५  |
| चार्ट ८.२         | विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा लगानीको अवस्था                                                                | ८६  |
| चार्ट ८.३         | विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा प्रस्तावित रोजगारी                                                            | ८६  |
| चार्ट ९.१         | प्रदेशगत जनसंख्या वार्षिक वृद्धि दर                                                                        | ९४  |
| चार्ट ९.२         | प्रदेशगत जनसंख्या (प्रतिशतमा) र जनघनत्व (संख्यामा)                                                         | ९४  |
| चार्ट ९.३         | मधेश प्रदेशको कुल ग्राहस्थ्य उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान (प्रतिशत)                                   | ९९  |
| चार्ट ९.४         | मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा साक्षरताको अवस्था                                                                | १०१ |
| चार्ट १०.१        | आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीको प्रदेशगत विवरण                                               | १२२ |
| चार्ट १०.२        | आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीको फछ्यौट विवरण (प्रतिशत)                                       | १२२ |
| चार्ट १०.३        | विगत तीन वर्षमा प्रदेश स्तरमा देखिएको बेरुजू                                                               | १२६ |
| चार्ट १०.४        | मधेश प्रदेशको स्थानीय सरकारहरूमा बेरुजूको स्थिति                                                           | १२७ |
| अनुसूची चार्ट २.१ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०८०/८१ (रु. लाखमा)                                                       | १४१ |
| अनुसूची चार्ट २.२ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७९/८० (रु. लाखमा)                                                       | १४२ |
| अनुसूची चार्ट २.४ | अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९ (रु. लाखमा)                                                       | १४३ |

## मन्तव्य

संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र स्थापना पश्चात दोस्रो कार्यकालका लागि निर्वाचित यस गरिमामय प्रदेश सभामा मधेश प्रदेश सरकारको पहिलो आर्थिक सर्वेक्षण पेश गरेको छु । यसमा समग्र प्रदेशको आर्थिक सामाजिक अवस्थाको वास्तविक चित्रण गरिएको छ । मधेश प्रदेश सरकारले पहिलो पटक चालु आ.व. (२०७९/८०) को आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत गरेको छ । यो प्रयासले अब उप्रान्त मधेश प्रदेशले बजेट पेश गर्नु अगावै आर्थिक सर्वेक्षण सार्वजनिक गरी प्रदेशको समग्र आर्थिक र सामाजिक अवस्थाको वास्तविक विवरण जनता समक्ष पारदर्शी तरिकाले प्रस्तुत गर्ने आशा लिएको छु । यस सर्वेक्षणमा मधेश प्रदेशको आर्थिक स्थिति, क्षेत्रगत विकासको अवस्था, आर्थिक-सामाजिक सूचक एवं परिसूचकको तथ्यांकलाई विश्लेषण गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

प्रदेश सरकारको आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत गर्न सफल हुनुभएकोमा अर्थ मन्त्रालयका सचिव प्रेम प्रसाद भट्टराई लगायत सम्पूर्ण पदाधिकारी कर्मचारीहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

अन्त्यमा, मधेश प्रदेशको समग्र आर्थिक र सामाजिक स्थितिका सम्बन्धमा जानकारी राख्न चाहने सबै सरोकारवालालाई यो प्रकाशन उपयोगी हुने विश्वास लिएको छु ।

जेठ ३२, २०८०

संजय कुमार यादव  
अर्थ मन्त्री  
मधेश प्रदेश

## कार्यकारी सारांश

### समग्र आर्थिक स्थिति

कोभिड-१९ महामारीबाट प्रभावित विश्व अर्थतन्त्र क्रमिक रूपले सुधारोन्मुख हुँदै गए पनि, रूस-युक्रेन युद्धले बस्तुको मूल्यमा तीव्र वृद्धि भई विश्व मुद्रास्फीतिमा परेको दबाबले अर्थतन्त्र संकुचनमा परेको छ। यसको प्रभाव मधेश प्रदेशमा परेको व्यहोरा विदितै छ। खास गरी, मधेश प्रदेशको उत्पादनमूलक उद्योग, निर्माण क्षेत्र, थोक-खुद्रा व्यापार तथा गाडी मोटरसाइकल सेवा क्षेत्र, यातायात र भण्डारण क्षेत्रमा वृद्धि दर यस चालु आ.व. २०७९/२०८० मा ऋणात्मक रहने अनुमान केन्द्रीय तथ्यांक विभागले गरेको छ। यद्यपि, गत आ.व. २०७८/२०७९ मा कृषि, वन, मत्स्यपालन क्षेत्रमा मात्र १.३४ प्रतिशत वृद्धि दर भएता पनि चालु आ.व. (२०७९ / २०७९) मा सुधार भई ३.३२ प्रतिशतको वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ।

समग्रमा देशको आर्थिक वृद्धि दर (आधारभूत मूल्यमा) चालु आ.व. (२०७९/२०८०) मा मात्र २.१६ रहने अनुमान गरिएको छ भने, मधेश प्रदेशको आर्थिक वृद्धि दर मात्र १.९० प्रतिशत मात्र रहने अनुमान गरिएको छ। सोही अवधिमा समग्र देशको आर्थिक वृद्धि दर खरिदकर्ताको मूल्यमा १.८६ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने, मधेश प्रदेशको १.६९ प्रतिशत रहनेछ।

नेपालको प्रति व्यक्ति आय आर्थिक सर्वेक्षणले चालु आ.व. (२०७९/२०८०) मा १,३९९ अमेरिकी डलर रहने अनुमान गरिएको छ भने, केन्द्रीय तथ्यांक विभागका अनुसार चालु आ.व.मा मधेश प्रदेशको प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन ८७५ डलर हुने अनुमान छ। मधेश प्रदेशको प्रति व्यक्ति आय सातै वटा प्रदेशको तुलनामा सबैभन्दा कम रहेको छ।

यस आ.व.मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन उपभोक्ताको मूल्यमा करिब रु.७ खर्ब ७ अर्ब हुने अनुमान छ भने, गत आ.व.को संशोधित अनुमान करिब रु. ६ खर्ब ५० अर्ब रहेको छ। गत आ.व.मा (२०७८/२०७९) राष्ट्रिय तहमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको १३.१ प्रतिशत हिस्सा ओगटेको मधेश प्रदेशले यस आ.व. (२०७९/२०८०) मा समेत १३.१ प्रतिशत योगदान पुर्याउने अनुमान गरिएको छ।

अन्तरराष्ट्रिय मुद्रा कोषले गरेको प्रक्षेपणले न्यून आय भएका विकासशील अर्थतन्त्रको आर्थिक वृद्धि दर सन् २०२३ सम्म ४.७ प्रतिशत रहने अनुमान गरेको छ भने, सन् २०२४ सम्म ५.४ प्रतिशत रहने अनुमान गरेको छ। त्यस्तै, नेपालको वृद्धि दर सन् २०२३ मा ४.४ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण छ।

आ.व. २०७९/८० मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) रु. ३ खर्ब ९२ करोड पुग्ने अनुमान रहेको छ भने, आ.व. २०७८/७९ मा संशोधित अनुमान रु. ३ खर्ब ३५ करोड र आ.व. २०७७/७८ मा २ खर्ब र ९१ करोड रहेको थियो। त्यस्तै, आ.व. २०७९/८० मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन प्रचलित मूल्यमा रु. ६ खर्ब १५ करोड हुने अनुमान रहेकोमा प्राथमिक क्षेत्रको रु. २ खर्ब १७ करोड, द्वितीय क्षेत्रको रु. ६९ अर्ब ४२ करोड तथा तृतीय क्षेत्रको रु. ३ खर्ब २८ करोड रहने अनुमान छ।

औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार मधेस प्रदेशमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सबैभन्दा ठूलो योगदान कृषि, वन तथा माछापालनको ३५.२ प्रतिशत रहने अनुमान छ । त्यसपछि क्रमशः थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल मर्मत सेवा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र, यातायात तथा भण्डारण क्षेत्र, र उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको योगदान क्रमशः १४.३, १०.३, ८.९, ६.७ र ५.८ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ । त्यस्तै, मधेस प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान समग्र नेपालको सन्दर्भमा आ.व. २०७९/८० मा ५.५ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने, सोही आ.व.मा नेपालको ५.३ प्रतिशत रहने अनुमान छ ।

आ.व. २०७८/७९ को संशोधित वृद्धि दर अरू प्रदेशको तुलनामा मधेस प्रदेशको सबैभन्दा कम रहेको छ भने, दोस्रो कममा सुदूर-पश्चिम प्रदेश रहेको छ ।

### सार्वजनिक वित्त

मधेश प्रदेशको कुल विनियोजित बजेट आ.व. २०७९/२०८० मा चालु खर्चतर्फ करिब २० अर्ब ९३ करोड भएकोमा सोही अवधिमा पुँजीगततर्फ करिब २५ अर्ब ९८ करोड गरी जम्मा ४६ अर्ब ९१ करोड रहेको थियो ।

मधेश प्रदेशको आ.व. २०७९/२०८० को विनियोजित बजेटको चैत मसान्त सम्मको चालु खर्च ४ अर्ब ३६ करोड र पुँजीगततर्फ ५ अर्ब ६८ करोड गरी जम्मा करिब १० अर्ब ५ करोड भएको देखिन्छ । चालु आ.व २०७९/२०८० को चैत मसान्तसम्म कुल विनियोजित बजेटको जम्मा २१.४२ प्रतिशत खर्च भएको देखिन्छ ।

चालु आ.व. २०७९/२०८० (१७ जेठ २०८० सम्म) मा मधेश प्रदेशको कुल राजस्व योगदान करिब २२ अर्ब ४२ करोड रहेको देखिन्छ ।

### वित्तीय क्षेत्र

आ.व. २०७५/७६ को तुलनामा चालू आ.व. (२०७९/८०) मा मधेश प्रदेशमा समग्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा (क, ख, ग र घ वर्गको) ४७.८ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ ।

मधेश प्रदेशमा एटिएम संख्यामा आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० (चैत्र मसान्तसम्म) १७ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ । डेबिट कार्डतर्फ सोही अवधिमा ६४ प्रतिशतको वृद्धि भएको देखिन्छ । त्यस्तै, क्रेडिट कार्डको संख्यामा सोही अवधिमा झन्डै १२६ प्रतिशतको वृद्धि देखिएको छ ।

मधेस प्रदेशमा सबै वित्तीय संस्थाको निक्षेप संख्या २०७६/७७ देखि २०७९/८० सम्ममा करिब ६८ प्रतिशतले बढेको छ । आ.व. २०७६/७७ मा ५,०३१ जनालाई सेवा दिदै आएकोमा बैंक तथा वित्तीय समावेशीतालाई थप विस्तार गरी २०७९/७० (फाल्गुन मसान्तसम्म) मा ३,५११ जनामा औसत प्रति बैंकले सेवा दिदै आएको छ ।

मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा निक्षेप संकलनमा आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० (फाल्गुन मसान्तसम्म) को वृद्धि ३८.१ प्रतिशत देखिन्छ। साथै, मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाहमा आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० मा ५९ प्रतिशत वृद्धि देखिन्छ।

मधेश प्रदेशका लघुवित्त संस्थाहरूबाट आ.व. २०७८/७९ मा कुल लगानीको करिब ४८ प्रतिशत कृषि क्षेत्रमा लगानी भएको छ भने, साना तथा घरेलु उद्योगमा १२ प्रतिशत देखिन्छ। त्यस्तै, सोही अवधिमा सेवा क्षेत्रमा लघुवित्त संस्थाहरूबाट लगानी ३९ प्रतिशत लगानी देखिन्छ भने अन्य क्षेत्रमा १ प्रतिशत लगानी गरेको देखिन्छ।

मधेश प्रदेशमा उत्पादक, उपभोक्ता, वित्तीय, बहुउद्देश्यीय, र सेवाको क्षेत्र गरी कुल सहकारी संख्या ४,१५३ रहेको छ भने कुल सदस्य संख्या ५,५५,१७९ रहेको छ। नेपालभरि जीवन बीमातर्फ २,३०२ शाखाहरू छन् भने निर्जीवन बीमातर्फ १,०६४ शाखाहरू छन्। तीमध्ये मधेश प्रदेशमा जीवन बीमातर्फ कुल बीमा संख्याको १४ प्रतिशत रहेको छ भने निर्जीवन बीमातर्फ १२.४ प्रतिशत रहेको देखिन्छ। जीवन बीमातर्फ देशभरि कुल सक्रिय बीमकको संख्या १४,१६५,९९८ रहेको छ भने मधेश प्रदेशमा कुल बीमक संख्याको जम्मा ३.५८ प्रतिशत रहेको देखिन्छ। निर्जीवनतर्फ नेपालको कुल बीमक संख्या २१,६६,३२८ रहेको छ भने मधेश प्रदेशमा कुल बीमक संख्याको करिब ९ प्रतिशत मात्र रहेको देखिन्छ।

## कृषि र वन

मधेश प्रदेशले नेपालको कुल क्षेत्रफलमध्ये ६.६ प्रतिशत (९,६६१ वर्ग कि.मि.) ओगटेको छ। आ.व. २०७६/७७ मा नेपालको कुल खेतीयोग्य जमिनको १७.७५ प्रतिशत र खेती गरिएको जमिनको १९.०२ प्रतिशत मधेश प्रदेशमा रहेको छ। यो प्रदेशमा नेपालकै सबैभन्दा बढी सिंचित जमिन (२८.६८%) रहेको देखिन्छ। देशको कुल क्षेत्रफलको तुलनामा यो प्रदेशमा खेती नभएको जमिन १२.२६ प्रतिशत छ, जुन मूलतः नदीको बहाव क्षेत्रले ओगटेको छ। वनजंगल भने तुलनात्मक रूपमा यो प्रदेशमा कम (४.८३%) रहेको छ।

आ.व. २०७६/७७ मा खेती गरिएको जमिनको अनुपात सबभन्दा बढी सर्लाही र महोत्तरी जिल्लाहरूमा छ भने सबभन्दा कम बारा जिल्लामा छ। सिंचाइको हिसाबले सबभन्दा बढी सिंचित भूमि रौतहटमा (९४.४%) रहेको भने सबभन्दा कम सप्तरीमा (४२.२%) रहेको छ।

धानको खेती मधेश प्रदेशका रौतहट र महोत्तरी बाहेक सबै जिल्लाका एउटै हाराहारीको क्षेत्रफलमा गरिएको पाइन्छ, र धनुषा जिल्लामा सबभन्दा बढी क्षेत्रफलमा (६३,१२२ हेक्टरमा) खेती भएको र सबभन्दा बढी उत्पादन (२,५१,१८६ मे.ट.) भएको पाइन्छ। त्यस्तै, गहुँको खेती र उत्पादन पनि सबभन्दा बढी धनुषामै भएको छ भने, सबभन्दा कम सिराहामा ११,७७७ हेक्टरमा खेती भएर ३९,९५५ मे.ट. उत्पादन भएको छ।

मकैको खेती सबभन्दा बढी बारा (११,९४१ हेक्टर) र सर्लाहीमा (११,१२३ हेक्टर) मा भई उत्पादन भएको छ भने, सबभन्दा कम खेती रौतहटमा (३,२८४ हेक्टर) भएको तर सबभन्दा कम उत्पादन सिराहामा

(८,८९५ मे.ट.) भएको छ । त्यस्तै, उखु सबभन्दा बढी सर्लाहीमा खेती (२२,१५३ हेक्टरमा) भई उत्पादन (११,०१,९१५ मे.ट.) भएको छ भने, सबभन्दा कम सप्तरी (२०१ हेक्टर) मा खेती भई उत्पादन (८,०४० मे.ट.) भएको छ ।

आलुको खेती र उत्पादन सबभन्दा बढी सप्तरी (४,१७८ हेक्टर) र बारा (७,०३९ हेक्टर) मा भई उत्पादन क्रमशः ६३,२५२ मे.ट. र ७०,४८९ मे.ट. रहेको छ । त्यस्तै, आँपको खेती र उत्पादन सबभन्दा बढी सिराहा र सप्तरीमा उत्तिकै (७,८९५ र ७,८९२ हेक्टरमा क्रमशः ६९,६१८ र ६८,१०१ मे.ट.) रहेको छ भने, सबभन्दा कम पर्सा ४१० हेक्टरमा ३,५५२ मे.ट. रहेको छ ।

सुर्तीको उत्पादन सबभन्दा बढी पर्सा (१,४५० हेक्टरमा २,०५० मे.ट.) रहेको छ भने सबभन्दा कम सिराहामा (१० हेक्टरमा १२ मे.ट.) रहेको छ, र महोत्तरी र सप्तरीमा खेती हुँदैन । त्यस्तै, मधेश प्रदेशमा आ.व. २०७६/७७ मा दलहन, फलफूल, र तरकारीको कुल उत्पादन क्रमशः १,१९,१७७ मे.ट., ३,६९,७६६ मे.ट. र १२,६६,३६७ मे.ट. रहेको छ ।

पशुपालन अन्तर्गत गाई र भैँसीको संख्या सबभन्दा बढी सप्तरीमा र दोस्रोमा बारामा देखिए पनि दुधको उत्पादन भने सबभन्दा बढी बारामा (५४,१३४ मे.ट.) र त्यसपछि सप्तरीमा (४८,३८२ मे.ट.) भएको देखिन्छ ।

मधेश प्रदेशमा जिल्लागत रूपमा सबभन्दा बढी वन क्षेत्र पर्सा (७६.२३%) र त्यसपछि बारामा (४६.६४%) रहेको छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन सबभन्दा बढी बारामा (४९,१६६.०० हेक्टर) र त्यसपछि रौतहटमा (२२,४००.०० हेक्टर) छन् भने, सामुदायिक वन सबभन्दा बढी सप्तरीमा (१८,५५०.०० हेक्टर) र त्यसपछि सिराहामा र सर्लाहीमा छन् । त्यसै गरी, साझेदारी वन सबभन्दा बढी पर्सा (११,४०९.१४ हेक्टर) र त्यसपछि रौतहटमा रहेका छन् ।

## गरिबी निवारण, श्रम, रोजगारी तथा वातावरण

समग्र नेपालको गरिबीको सूचकांक हेर्ने हो भने नेपालका १७.४ प्रतिशत (४९,८०,००० जना) व्यक्ति गरिबीको रेखामुनि रहेका छन् । नेपालमा सबैभन्दा बढी गरिबहरू (झन्डै १२.९६ लाख) मधेश प्रदेशमा बसोबास छन् । जनसंख्याको प्रतिशतका हिसाबले मधेश प्रदेशको २४.२ प्रतिशत जनसंख्या गरिबीको रेखामुनि छन्, जुन कर्णाली (३९.५%) र सुदूर-पश्चिम (२५.३%) भन्दा मात्र कम छ । गरिबीको तीव्रता (अर्थात् गरिबीको रेखाबाट कति टाढा छ भनेर हेर्ने मापन) सबैभन्दा बढी मधेश प्रदेशमै (४३.३%) छ । बहुआयामिक गरिबीको सूचकांकका सबै पक्षहरूमा मधेश प्रदेश समग्र राष्ट्रिय अवस्था भन्दा तल नै रहेको छ ।

मधेश प्रदेशमा हरेक दुई जनामा एक जना गरिब रहेको अवस्थाबाट सुधार भएर हरेक पाँच जनामा एक जना गरिबको अवस्थामा आएको छ । सन् २०१४ मा सबैभन्दा पुछारमा रहेको गरिबीको अवस्थामा केही सुधार भएसँगै मधेश प्रदेशमा ५०% भन्दा बढीले घटेको छ । गरिबीको घट्दो क्रम कर्णाली र सुदूर-पश्चिमभन्दा बढी रहेको पाइन्छ ।

मधेश प्रदेशमा गरिबीको तीव्रताको मापन सन् २०१४ र २०१९ मा क्रमशः ४५.३ र ४३.९ देखिन्छ। मधेश प्रदेशमा गरिबको संख्या घटिरहे पनि सबैभन्दा धेरै गरिबको संख्या मधेशमै देखिन्छ। मधेशमा सन् २०१४ मा २६,५९,००० गरिबहरू रहेकोमा सन् २०१९ मा त्यो संख्या घटेर ११,६७,००० पुगेको छ ।

मानव विकास सूचकांक (HDI) को आधारमा सबैभन्दा पछाडि मधेश प्रदेश (०.५१) छ । लैंगिक विकास सूचकांक (GDI) मा मधेश सबैभन्दा पछाडि (०.९२९) छ भने बागमती प्रदेश सबैभन्दा अगाडि (०.७८६) छ । त्यसै गरी, लैंगिक असमानता (GII) सबैभन्दा बढी कर्णालीमा (०.५५८) र सबैभन्दा कम बागमतीमा (०.४५७) छ । मधेश प्रदेश तेस्रो धेरै लैंगिक असमानता (०.५०३) भएको प्रदेशमा पर्छ ।

नेपालका सबैभन्दा धेरै श्रम स्वीकृति लिने १० जिल्लामध्ये सन् २०१९/२० मा मधेश प्रदेशका ६ जिल्ला, सन् २०२०/२१ मा ५ जिल्ला, र सन् २०२१/२२ मा ६ जिल्ला छन् । पछिल्लो तीन वर्षको अवधिमा धनुषा जिल्लाबाट सबैभन्दा बढी श्रम स्वीकृति लिइएको छ ।

वैदेशिक रोजगारबाट मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै फर्केका छन् । आ.व. २०७७/७८ र २०७८/७९ को २ वर्षको अवधिमा कुल ५ लाख ९ हजार ७ जना फर्केकामा मधेश प्रदेशमा मात्र १ लाख ६५ हजार ९ सय २५ जना फर्केका छन् ।

मधेश प्रदेशबाट वैदेशिक रोजगारीमा जानेका लागि प्रमुख गन्तव्य खाडी मुलुक र मलेसिया हुन् । सन् २०२१/२२ को तथ्यांक अनुसार ३७ हजार ८२२ जना साउदी अरब, ३६ हजार ३५८ जना कतार, ८ हजार ७५६ जना यूएई र ८ हजार ३५१ जना मलेसिया गएका छन् ।

मधेश प्रदेशमा १९ लाख ८७ हजार श्रमिकमध्ये लगभग ५०% अशिक्षित छन् । मधेश प्रदेशको बेरोजगारी दर झन्डै २०.१% छ । यो सबै उमेर समूहमा लागू हुन्छ । सात प्रदेशमध्ये मधेशमा १५-२४ वर्ष उमेर समूहमा ३३.१% बेरोजगार छन् । त्यस्तै, २५-३९ वर्षमा १८.९% बेरोजगार छन्, ४०-५९ वर्षमा १४.९% बेरोजगार छन् र ६० वर्षभन्दा माथिका ११.२% बेरोजगार छन् ।

मधेश प्रदेशका १३६ स्थानीय तहहरूमध्ये २०७८/७९ मा १२१ ले मात्र बेरोजगारको सूचीकरण गरेका छन् । अन्य प्रदेशका स्थानीय निकायहरूको तुलनामा, मधेश प्रदेशबाट सबैभन्दा धेरै १५ स्थानीय सरकारहरूले सूची तयार पारेका छैनन् ।

नेपालमा प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरूको संख्या २०७८/७९ मा ७०६ वटा छन् । मधेश आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरूको संख्या भने २०७८/७९ मा १११ वटा छन् । मधेश प्रदेशमा प्रधान मन्त्री बेरोजगार कार्यक्रमबाट खासै फाइदा लिन सकिएको छैन । यो कार्यक्रमबाट लाभान्वित हुनेहरू तुलनात्मक रूपमा मधेश प्रदेशमा थोरै छन् ।

## ऊर्जा, सिँचाइ, र खानेपानी

विद्युत वितरणका आधारमा हालै मधेश प्रदेशका सबै परिवारमा राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत उपलब्ध छ, जुन प्रदेशहरूमध्ये सबभन्दा बढी हो । पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमताको हिसाबले प्रदेशगत रूपमा मधेश प्रदेशमा नै सबभन्दा बढी भण्डारण (३५.४१ प्रतिशत) भएको देखिन्छ ।

मधेश प्रदेशको कुल क्षेत्रफल सबभन्दा बढी भएको सप्तरी जिल्लामा कृषि क्षेत्र र सिँचाइयोग्य क्षेत्र पनि सबभन्दा बढी छ । तर सिँचाइ क्षेत्रको आकारमा भने केही फरक पाइन्छ । प्रदेशमा सबभन्दा बढी सिँचित क्षेत्र रौतहटमा (६२,९४५ हेक्टर) छ भने, सबभन्दा कम महोत्तरीमा रहेको छ ।

मधेश प्रदेशमा खानेपानी प्रणालीमा नसमेटिएका घरधुरी पनि उल्लेख्य (१,१३,११६ घरधुरी वा १२.१५ प्रतिशत) छ । खानेपानी प्रणालीको अवस्थाको कुरा गर्दा अरू प्रदेशमा भन्दा धेरै कम योजना (मात्र ११३ वटा) मधेश प्रदेशमा रहेको देखिन्छ ।

## भौतिक पूर्वाधार, यातायात, र सञ्चार

मधेश प्रदेशमा जम्मा सडक कर्णाली र सुदूर-पश्चिम प्रदेशपछिको सबभन्दा कम (६,०६० किलोमिटर, अर्थात् देशको ९.१७ प्रतिशत) रहेको छ । कच्ची सडक अरू सबै प्रदेशमा भन्दा कम (२,७५९ कि.मि.) रहेको छ, जसले भविष्यमा पनि कालोपत्रे सडकको अंश पनि कम नै हुने संकेत गर्छ । प्रादेशिक र स्थानीय सडकमा पनि मधेश प्रदेशमा ३,३८१ कि.मि. मात्र प्रादेशिक सडक रहेको छ भने २,६७९ कि.मि. मात्र स्थानीय सडकको संजाल रहेको छ ।

विमानस्थल र विमानको उडान संख्याको आधारमा नेपालमा चालू अवस्थामा रहेका ३५ विमानस्थलमा तीन वटा मधेश प्रदेशमा छन् : जनकपुर, सिमरा, र राजविराज विमानस्थल । प्रस्तावित वा निर्माणाधीन निजगढ विमानस्थल मधेशकै एक मात्र अन्तरराष्ट्रिय विमानस्थल हुनेछ ।

जनकपुर, सिमरा, र राजविराज विमानस्थलमध्ये उडान संख्या सिमरा विमानस्थलमा सबभन्दा बढी र राजविराज विमानस्थल सबभन्दा कम रहेको देखिन्छ । सन् २०१५ देखि २०१९ सम्मको तथ्यांक हेर्दा सिमरामा सन् २०१८ मा सबभन्दा बढी उडान (९,५००) भरी १,०७,१५४ जना यात्रुलाई सेवा दिएको र १,३१,४०३ किलोग्राम कार्गो ढुवानी गरेको देखिन्छ ।

जनकपुर यातायात व्यवस्थापन कार्यालयका अनुसार आ.व. ०७८/०७९ मा साना र ठूला गरी जम्मा ३,२८४ वटा सवारी साधन दर्ता भएका थिए, जसमा मोटरसाइकल सबभन्दा बढी (१,६१५ वटा) थिए । आ.व. ०७८/०७९ मा ४,७५६ वटा सवारी साधन दर्ता भएकोमा अरू सवारी साधनभन्दा मोटरसाइकल दुई गुणाभन्दा बढी दर्ता भएको देखिन्छ ।

नेपालका विभिन्न प्रदेशमा संचारको मुख्य अंग मानिएको प्रकाशनको दर्ता स्थित अनुसार बागमती पछिको सबभन्दा बढी प्रकाशन हुने प्रदेश मधेश प्रदेश हो, जहाँ १४३ वटा दैनिक, ५०५ साप्ताहिक, ४५ पाक्षिक, १९ मासिक प्रकाशन दर्ता छन् । मधेश प्रदेश अन्तर्गतका जिल्लाहरूमा प्रकाशनको दर्ता स्थितिमा पर्सा



जिल्लामा सबभन्दा बढी प्रकाशन (२५०) दर्ता भएको देखिन्छ र सबभन्दा कम महोत्तरी (३०) र रौतहटमा (३४) मा देखिन्छ । दैनिक पत्रपत्रिका सबभन्दा कम सर्लाहीमा (४ वटा) र महोत्तरीमा (५ वटा) दर्ता भएको देखिन्छ । डिजिटल पत्रपत्रिकाको दर्ता सबभन्दा बढी मधेश प्रदेशमै भएको देखिन्छ, जहाँ देशकै जम्मा २६२ मध्ये ७४ वटा दर्ता छन् ।

मधेश प्रदेशमा घरसँगै वा घरनजिकै ट्युबवेल/ह्यान्डपम्प हुने नेपालकै सबभन्दा बढी (८,३०,२१९ घरपरिवार) रहेको छ । घर परिसरभित्र र घर परिसरबाहिर पाइपबाट खानेपानी आपूर्ति हुने घरपरिवारको संख्या सबभन्दा बढी बारामा (३०,०७० र १६,०६९) छ भने सबभन्दा कम सप्तरीमा (४,६४५ र २,०९०) छ । यसो हुनुको कारण सप्तरीमा घरसँगै वा घरनजिकै ट्युबवेल/ह्यान्डपम्प हुने घरपरिवारको संख्या उच्च हुनुले हो, जुन यो जिल्लामा प्रदेशकै सबभन्दा बढी (१३७,१६५ घरपरिवार) छ ।

मधेश प्रदेशमा शौचालयको सुविधा नभएको घरपरिवारको संख्या पनि सर्वाधिक (१,३९,२१० घरपरिवार) छ ।

## उद्योग र वाणिज्य

मधेश प्रदेशमा हाल ६११ वटा उद्योग सञ्चालनमा छन् । गत एक वर्षमा ३९ वटा नयाँ उद्योग थपिएका छन् भने लगानी पनि बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा यस प्रदेशमा १ खर्ब ७० अर्ब ८२ करोड रुपैयाँ लगानी भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा ६४ हजार ५८६ जनालाई रोजगारको प्रस्ताव गरिएको थियो ।

मधेश प्रदेशमा १ लाख १८ हजार ८०२ वटा लघु घरेलु तथा साना उद्योग दर्ता रहेका छन् । यो संख्या देशको कुल लघु घरेलु तथा साना उद्योगको १७.६ प्रतिशत हो, जसले ४ लाख ९१ हजार ९७३ जनालाई रोजगारी दिने प्रस्ताव गरिएको छ ।

मधेश प्रदेशमा ७,२७९ वटा उत्पादन प्रतिष्ठान रहेका छन् । यी प्रतिष्ठानमा ८० हजार ७७३ जना व्यक्तिहरू संलग्न छन्, र प्रतिष्ठानमा ६८ हजार ४८८ जना कर्मचारी छन् । प्रतिष्ठानहरूबाट वार्षिक आउटपुट २ खर्ब १४ अर्ब ८६ करोड ८७ लाख ५० हजार रुपैयाँ रहेको छ । यसबाट मूल्य अभिवृद्धि भने १ खर्ब ५९ अर्ब ६९ करोड ९१ लाख १२ हजार छ । मधेश प्रदेशमा B वर्गका (खानी तथा उत्खनन) उत्पादन प्रतिष्ठानको संख्या २१ वटा रहेको छ, जसमा २९९ जना कर्मचारी छन् । मधेश प्रदेशमा C वर्गका (उत्पादनमूलक) प्रतिष्ठानको संख्या सबभन्दा उच्च (जम्मा ७,१०६) रहेको छ, जसमा ७८,९६० जना कर्मचारी कार्यरत छन् ।

मधेश प्रदेशमा रहेका उत्पादन प्रतिष्ठानमध्ये ६ हजार ९१८ वटाको व्यक्तिगत स्वामित्व रहेको छ । तिनमा ५० हजार ७७९ जना संलग्न छन् भने ३९ हजार २२१ जना कर्मचारी छन् । त्यसै गरी, १७१ वटा भागिदारी, १३९ वटा प्राइभेट लिमिटेड कम्पनी, १३ वटा पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, १३ वटा सहकारी र चार वटा सहकारी समेत छन् ।

मधेश प्रदेशमा रहेका उत्पादन प्रतिष्ठानहरू (७,२७९) मध्ये मात्र ६% सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध छन् ।

## सामाजिक क्षेत्र

देशको कुल जनसंख्यामध्ये मधेश प्रदेशको जनसंख्या करिब २१ प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशको जनघनत्व सातवटै प्रदेशभन्दा धेरै (६३३ प्रति वर्ग कि.मि.) छ । सातवटै प्रदेशमध्ये सबैभन्दा धेरै जनसंख्या वृद्धि दर लुम्बिनी र त्यसपछि मधेश प्रदेशको छ ।

देशको कुल घरधुरी ६६ लाख ६६ हजार ९३७ मध्ये मधेश प्रदेश प्रदेशमा ११ लाख ५६ हजार ७१५ वटा रहेका छन् । प्रदेशको कुल ६१ लाख १४ हजार ६०० जनसंख्यामध्ये ३० लाख ६५ हजार ७५१ पुरुष र ३० लाख ४८ हजार ८४९ महिला छन् । मधेश प्रदेशको औसत घरपरिवारको आकार ५.२९ रहेका छन् ।

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै यादव समुदायको (१५.२ प्रतिशत) बसोबास रहेको छ । दोस्रो बढी मुसलमान समुदायको जनसंख्या ७ लाख ९२ हजार ७७६ (१३ प्रतिशत) रहेको छ । तेस्रो बढी तेली समुदायको जनसंख्या ३ लाख २४ हजार ७०५ (५.३ प्रतिशत), र चौथोमा थारू समुदायको ३ लाख १ हजार ३८ (४.९ प्रतिशत) रहेको छ ।

देशमा सबैभन्दा धेरै नेपाली भाषा ४४.८६ प्रतिशत र त्यसपछि मैथिली भाषा ११.०५, भोजपुरी भाषा ६.२४ र थारू भाषा ५.८८ प्रतिशत व्यक्तिले बोल्छन् । मधेश प्रदेशमा भने सबैभन्दा धेरै जनसंख्या मैथिली भाषा बोल्नेको रहेको छ । मैथिली भाषा ४१.७३ प्रतिशत, भोजपुरी भाषा १८.८१ प्रतिशत, वज्जिका १८.४४, नेपाली ५.७६, थारू ४.१७, उर्दू ४.०८ र मगही ३.५४ प्रतिशतले बोलिरहेको तथ्यांक छ ।

मधेश प्रदेशमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा १०.३ प्रतिशत रहयो । सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशको साक्षरता अवस्था सबैभन्दा न्यून छ । यहाँ ६४ प्रतिशत जनसंख्या साक्षर छन् । महिलाको साक्षरता अवस्था पुरुषको तुलनामा निकै कम छ । साक्षरमध्ये ७२ प्रतिशत पुरुष र ५५ प्रतिशत मात्रै महिला छन् । मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा बढी साक्षरता भएको जिल्ला पर्सा र सबैभन्दा कम साक्षरता भएको जिल्ला रौतहट रहेको छ ।

सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशमा दोस्रो सबैभन्दा कम विद्यालयको संख्या रहेको छ । मधेश प्रदेशमा कक्षा १ देखि ८ सम्म १० लाख ७० हजार २३४ जना विद्यार्थी भर्ना भएका छन् । तीमध्ये छात्राको संख्या ५ लाख ४८ हजार ५२ र छात्रको संख्या ५ लाख २२ हजार १८२ रहेको छ । यीमध्ये ९ लाख ३ हजार ५० जना सामुदायिक विद्यालयमा र १ लाख ६७ हजार १८४ जना संस्थागत विद्यालयमा पढ्छन् । मधेश प्रदेशमा कक्षा ९ देखि १२ सम्म २ लाख ४७ हजार विद्यार्थी भर्ना भएका छन् । तीमध्ये छात्राको संख्या १ लाख १८ हजार ४५६ र छात्रको संख्या १ लाख २८ हजार ५४४ रहेको छ । मधेश प्रदेशमा उच्च शिक्षाको लागि १२३ वटा क्याम्पसहरू रहेका छन् । तीमध्ये आंगिक क्याम्पस ९, सामुदायिक ४१ र निजी ७३ वटा रहेका छन् । मधेश प्रदेशमा उच्च शिक्षाको क्याम्पसहरू मात्र ८.५४

प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै त्रिभुवन विश्वविद्यालयबाट सम्बन्धन लिएका क्याम्पस संचालनमा छन् । पोखरा विश्वविद्यालयबाट सम्बन्धन लिएका १८ वटा क्याम्पस संचालनमा छन् । नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालयबाट ३ वटा छन् ।

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै व्यवस्थापन र शिक्षा संकायमा पढाइ हुने क्याम्पसहरू रहेका छन् । व्यवस्थापनका ७१, शिक्षाका ६८, मानविकी र समाजशास्त्रका २३, विज्ञान तथा प्रविधिका ११, स्वास्थ्य विज्ञानका ८, कानूनका २, संस्कृतका २, र कृषि, आयुर्वेद र इन्जिनियरिङका एक-एक क्याम्पस संचालनमा छन् ।

मधेश प्रदेशमा एसईई उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ७.६१ प्रतिशत छ । प्लस टु उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ९.७४ प्रतिशत, स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ३.३१ प्रतिशत छन् । स्नातकोत्तर सो भन्दा माथि उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या १.३९ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, मधेश प्रदेशका ९१ वटा सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रम संचालनमा छन् । तीमध्ये प्रि-डिप्लोमा ३५ र डिप्लोमाका ८२ वटा कार्यक्रम संचालनमा छन् । मधेश प्रदेशमा ९-१२ प्राविधिक शिक्षा धारका ७७ वटा विद्यालय रहेका छन् । साथै, मधेश प्रदेशमा निजी सम्बन्धनबाट स्वीकृती प्राप्त गरेका शिक्षण संस्थाको संख्या ५५ वटा रहेका छन् । जसमा ३९ वटा प्रि-डिप्लोमा र ६५ वटा डिप्लोमा कार्यक्रम संचालनमा छन् । त्यसै गरी, यहाँ ११८ वटा छोटो अवधिका तालिम दिने निजी संस्था रहेका छन् ।

केन्द्रीय तथ्यांक विभागको सन् २०२१ को प्रतिवेदन अनुसार मधेश प्रदेशमा १५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहका महिलामध्ये २ हजार ३६१ जना महिलाको मृत्यु भएको देखिन्छ । मृतकमध्ये १४६ जना गर्भवती थिए । तथ्यांक अनुसार १ लाख जन्मेका बच्चामा १५१ जनाको मृत्यु भएको छ ।

### सुशासन, लैंगिक उत्तरदायित्व, र जलवायु परिवर्तन

अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको कार्यालयमा सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशबाट सबैभन्दा धेरै उजुरी दर्ता हुने गरेको पाइएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा २ हजार ८ सय ५८ वटा उजुरी परेको तथ्यांक छ । तीमध्ये ६९.५२ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको छ ।

बेरुजूको विषयमा विगत तीन आर्थिक वर्षयता प्रदेश स्तरमा कोशीपछि मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै बेरुजू रकम ठहर भएको देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा मधेश प्रदेशमा ५३ करोड ३४ लाख ७४ हजार रुपैयाँ बेरुजू देखिएको छ । मधेश प्रदेशका स्थानीय तहमा आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा २ अर्ब १३ करोड ७२ लाख १ हजार रुपैयाँ अनियमित भएको देखिएको छ ।

मधेश प्रदेशले आ.व. २०७८/७९ देखि लैंगिक उत्तरदायित्व बहन र जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरणको लागि बजेट छुट्ट्याउने अभ्यास सुरु गरेको छ । लैंगिक उत्तरदायी बजेट अन्तर्गत महिलालाई ५० प्रतिशत वा सोभन्दा बढी प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने क्रियाकलाप अनुसारको बजेटको हिस्सा आ.व. २०७८/२०७९ र २०७९/२०८० मा क्रमशः ५१.४० र ५२.०९ रहेको छ । त्यस्तै, जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण

बजेट अन्तर्गत ५० प्रतिशत वा सोभन्दा बढी प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने क्रियाकलाप अनुसारको बजेटको हिस्सा आ.व. २०७८/७९ र २०७९/८० मा क्रमशः ११.४० र ११.६९ रहेको छ ।

## परिच्छेद १: समग्र आर्थिक स्थिति

### १.१ विश्व अर्थतन्त्र

सन् २०२० देखि नै कोभिड-१९ महामारीका कारण विश्व अर्थतन्त्र संकुचित भएता पनि खोपको उपलब्धता र अधिकांश मुलुकले अवलम्बन गरेको सन्तुलित आर्थिक नीतिका कारण विश्व अर्थतन्त्र क्रमशः सुधारोन्मुख हुँदै गएको थियो । तर फेरि रूस-युक्रेन युद्धले वस्तुको मूल्यमा तिब्र वृद्धि भई विश्व मुद्रास्फीतिमा परेको दबावले अर्थतन्त्र संकुचनमा परेको छ । जसका कारण समग्र आपूर्ति प्रणाली खलबलिन पुग्यो । फलस्वरूप, पेट्रोलियम पदार्थ र खाद्यान्न लगायत दैनिक उपभोग्य वस्तुको मूल्य वृद्धि भई विश्वव्यापी रूपमा मुद्रास्फीति उच्च रहन गयो । यसको असरले उत्पादनमा संकुचन र रोजगारीका अवसरहरू न्यून हुन गई आम मानिसको जीवन कष्टकर हुन पुगेको छ ।

मुद्रास्फीति नियन्त्रण गर्ने कसिलो नीति अधिकांश मुलुकले अवलम्बन गरेकोले उच्च बैंक व्याज दरका कारण कर्जा प्रवाहमा नकारात्मक असर विश्वभरि नै र नेपालमा पनि देखिएको हो । वित्तीय क्षेत्रलाई चलायमान राख्न अवलम्बन गरेको नीतिले आर्थिक गतिविधि सुस्त हुन पुग्यो, जसका कारण अधिकांश मुलुकको आर्थिक वृद्धिमा कमी आएकोले सार्वजनिक स्रोत परिचालनमा समेत चाप पर्न गरेको हो ।

रूस-युक्रेन युद्धले ल्याएको बढ्दो राजनीतिक र आर्थिक ध्रुवीकरणले विश्व आर्थिक वृद्धि दर न्यून रहन गई रोजगारी र उत्पादनमा असर परेको छ । साथै, गरिबी र असमानता बढ्ने चुनौती थपेको छ । तसर्थ, न्यून आर्थिक वृद्धि दर, उच्च वित्तीय जोखिम र लक्ष्यभन्दा माथि मुद्रास्फीति रहने अनुमान अन्तरराष्ट्रिय मुद्रा कोषले गरेको छ । विश्व अर्थतन्त्र २.८ प्रतिशतले मात्र विस्तार हुने प्रक्षेपण गरेको छ । अन्तरराष्ट्रिय मुद्रा कोषले गरेको प्रक्षेपणले न्यून आए भएका विकासशील अर्थतन्त्रको आर्थिक वृद्धि दर सन् २०२३ सम्म ४.७ प्रतिशत रहने अनुमान गरेको छ भने, सन् २०२४ सम्म ५.४ प्रतिशत रहने अनुमान गरेको छ । त्यस्तै, नेपालको वृद्धि दर सन् २०२३ मा ४.४ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण छ ।

### १.२ राष्ट्रिय अर्थतन्त्र

कोभिड-१९ महामारी र रूस-युक्रेन युद्ध लगायतका बाहिरी प्रभावसँगै यो आ.व. (२०७९/८०) मा नेपालको अर्थतन्त्र न्यून रहने अनुमान छ । आ.व. २०७९/८० मा कोभिड-१९ महामारीले शिथिल भएको अर्थतन्त्र सुधारोन्मुख हुँदै गर्दा आन्तरिक मागमा भएको बढोत्तरीका कारण वस्तु पैठारी उच्च दरले वृद्धि हुन गयो, जसको कारण देश भित्रको विदेशी मुद्रा संचितिमा अत्याधिक दबाव सिर्जना भयो । यसबाट नेपाली मुद्राको अवमूल्यन हुनुको साथै वस्तु पैठारी झन् धेरै महँगो हुन पुग्यो । नेपाल राष्ट्र बैंकले कसिलो मुद्रा नीति अवलम्बन गरी आयात नियमन गर्दा वस्तु पैठारीमा कमी आएसँगै आयातमा आधारित राजस्व असुलीमा नकारात्मक प्रभाव पर्न गयो । यसै आ.व.मा संघ र प्रदेशको चुनावले बढ्दै गएको अनिवार्य दायित्वबाट चालू खर्चमा भएको वृद्धि र राजस्व असुलीमा आएको कमीका कारण स्रोत व्यवस्थापनमा थपिएको कठिनाइले अर्थतन्त्रमा अपेक्षाकृत विस्तार हुन सकेन, र यसको असर आर्थिक वृद्धि दरमा देखियो ।

### १.३ मधेश प्रदेशको अर्थतन्त्र

केन्द्रीय तथ्यांक विभागका अनुसार आ.व. २०७९/८० मा नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादक मूल्यमा) रु. ५३ खर्ब ८१ अर्ब पुग्ने अनुमान रहेको छ । त्यसै गरी, नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) २३ खर्ब १२ अर्ब रहने अनुमान छ । आ.व. २०७८/७९ को संशोधित अनुमान रु. ४९ खर्ब ३३ अर्ब रहेको थियो । आ.व. २०७७/७८ मा यथार्थ नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन रु. ४३ खर्ब ५२ अर्ब रहेको थियो ।

मधेश प्रदेशको आ.व. २०७९/८० मा कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा) रु. ३ खर्ब ९२ करोड पुग्ने अनुमान रहेको छ भने, आ.व. २०७८/७९ मा संशोधित अनुमान रु. ३ खर्ब ३५ करोड र आ.व. २०७७/७८ मा २ खर्ब २९ करोड रहेको थियो । मधेश प्रदेशको योगदान नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादक मूल्यमा) १३.१५ प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धि दर (उपभोक्ता मूल्यमा) १.६९ प्रतिशत रहने अनुमान केन्द्रीय तथ्यांक विभागको रहेको छ । (थप जानकारीको लागि, अनुसूची १.१ देखि १.६ सम्म हेर्नुस् ।)

| तालिका १.१: नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मधेश प्रदेशको योगदान             |           |           |           |           |           |
|-------------------------------------------------------------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| विवरण                                                                         | आ.व.      |           |           |           |           |
|                                                                               | २०७५/७६   | २०७६/७७   | २०७७/७८   | २०७८/७९*  | २०७९/८०** |
| नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन<br>(उत्पादकको मूल्यमा)<br>(रु. दस लाखमा)       | ३८,५८,९३१ | ३८,८८,७०४ | ४३,५२,५५० | ४९,३३,६९७ | ५३,८१,३३५ |
| मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य<br>उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा)<br>(रु. दस लाखमा) | ५,०३,५३७  | ५,११,४४४  | ५,७६,९३४  | ६,५०,४७७  | ७,०७,५१०  |
| नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन<br>(आधारभूत मूल्यमा)<br>(रु. दस लाखमा)         | २१,०९,२६३ | २०,५८,१४९ | २१,५०,४९८ | २२,६३,५७० | २३,१२,३८३ |
| मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य<br>उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा)<br>(रु. दस लाखमा)   | २,९०,८१३  | २,७९,८०६  | २,९१,४०९  | ३,०३,५२१  | ३,०९,२९४  |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर<br>(उपभोक्ताको मूल्यमा)                     | ८.००      | -२.०३     | ४.४८      | ४.६३      | १.६९      |
| देशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा<br>मधेश प्रदेशको योगदान (प्रतिशत)              | १३.०५     | १३.१५     | १३.२६     | १३.१८     | १३.१५     |

\*संशोधित \*\*प्रारम्भिक

### १.४ कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत संरचना

तालिका १.२ अनुसार, आ.व. २०७९/८० मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन प्रचलित मूल्यमा रु. ६ खर्ब १५ करोड हुने अनुमान रहेकोमा प्राथमिक क्षेत्रको रु. २ खर्ब १७ करोड, द्वितीय क्षेत्रको रु.

६९ अर्ब ४२ करोड तथा तृतीय क्षेत्रको रु. ३ खर्ब २८ करोड रहने अनुमान छ। तलको तालिकाले आ.व. २०७५/७६ देखि २०७९/८० सम्मको क्षेत्रगत योगदान प्रस्तुत गरिएको छ ।

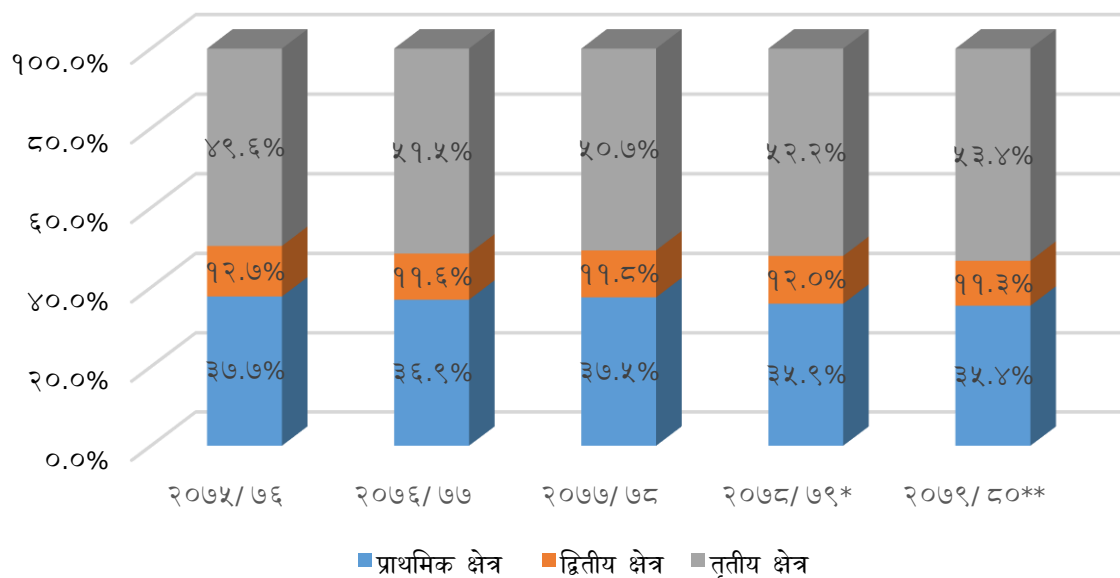
| तालिका १.२: मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको क्षेत्रगत संरचना (रु. दस लाखमा) |          |          |          |          |           |
|------------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|----------|-----------|
| क्षेत्र                                                                            | २०७५/७६  | २०७६/७७  | २०७७/७८  | २०७८/७९* | २०७९/८०** |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                                   | १,६७,६२६ | १,६५,८४० | १,८३,९८८ | १,९८,५१३ | २,१७,६०२  |
| द्वितीय क्षेत्र                                                                    | ५६,२६६   | ५२,१०३   | ५८,१८०   | ६६,२३०   | ६९,४२६    |
| तृतीय क्षेत्र                                                                      | २,२०,६५४ | २,३१,७५४ | २,४९,०६७ | २,८८,६५० | ३,२८,३३७  |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन<br>(आधारभूत मूल्यमा)                                        | ४,४४,५४६ | ४,४९,६९७ | ४,९१,२३४ | ५,५३,३९३ | ६,१५,३६५  |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                              |          |          |          |          |           |

चार्ट १.१ मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (प्रचलित मूल्य) को क्षेत्रगत संरचना प्रस्तुत गरिएको छ । आ.व. २०७७/७९ को तुलनामा २०७९/८० मा प्राथमिक क्षेत्रको योगदान ३७.५ प्रतिशतबाट केही घटेर ३५.४ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ । आ.व. २०७५/७६ को तुलनामा २०७९/८० सम्मको तथ्यांक हेर्दा तृतीय क्षेत्रको योगदान बढ्दो छ । द्वितीय क्षेत्रको योगदान आ.व. २०७९/८० मा मधेश प्रदेशमा ११.३ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ । आ.व. २०७८/७९ को संशोधित अनुपात १२ प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशमा तृतीय क्षेत्रको योगदान आ.व. २०७९/८० मा ५३.४ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ, र यो क्रम २०७५/७६ को तुलनामा बढ्दो छ ।

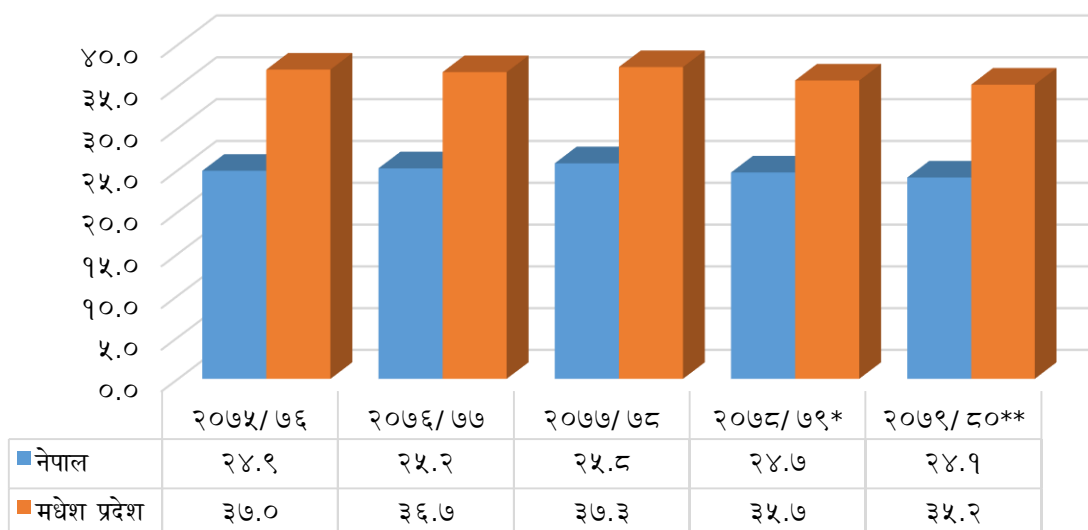
मधेश प्रदेशमा औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सबैभन्दा ठूलो योगदान कृषि, वन तथा माछापालनको ३५.२ प्रतिशत रहने अनुमान छ । त्यसपछि क्रमशः थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल मर्मत सेवा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र, यातायात तथा भण्डारण क्षेत्र, र उत्पादनमूलक उद्योग क्षेत्रको योगदान क्रमशः १४.३, १०.३, ८.९, ६.७ र ५.८ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएको छ । त्यस्तै, वित्तीय तथा बीमा क्रियाकलाप क्षेत्रको योगदान ४ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने सूचना-संचार क्षेत्रको २.६ प्रतिशत र घरजग्गा कारोबारको सेवा क्षेत्रमा २.८ प्रतिशत रहने छ ।

चार्ट १.१ मा मधेश प्रदेश तथा समग्र नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको योगदान प्रस्तुत गरिएको छ । योगदान प्रतिशतको आधारमा नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको योगदान आ.व. २०७९/८० मा २४.१ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने, सोही अवधिमा मधेश प्रदेशको ३५.२ प्रतिशत रहने छ । आ.व. २०७५/७६ देखि २०७९/८० सम्म औसतमा मधेश प्रदेश योगदान समग्र नेपालको औसतभन्दा उच्च रहेको छ ।

चार्ट १.१: मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन संरचना (प्रतिशत)



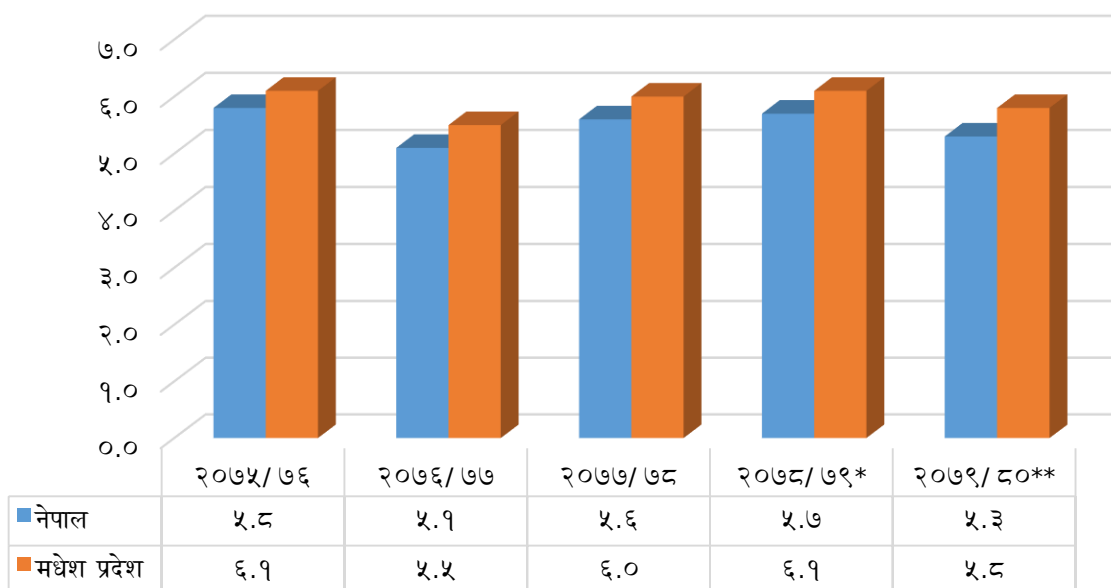
चार्ट १.२: कृषि, वन तथा मत्स्यपालन क्षेत्रको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा योगदान (प्रतिशत)



त्यस्तै, मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान समग्र नेपालको सन्दर्भमा आ.व. २०७९/८० मा ५.५ प्रतिशत रहने अनुमान छ भने, सोही आ.व.मा नेपालको ५.३ प्रतिशत रहने अनुमान छ । विगतको पाँच आ.व.को तथ्यांक हेर्दा मधेश प्रदेशको उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान नेपालको औसतभन्दा केही मात्रामा उच्च रहेको छ (हेर्नुस् चार्ट १.३) ।

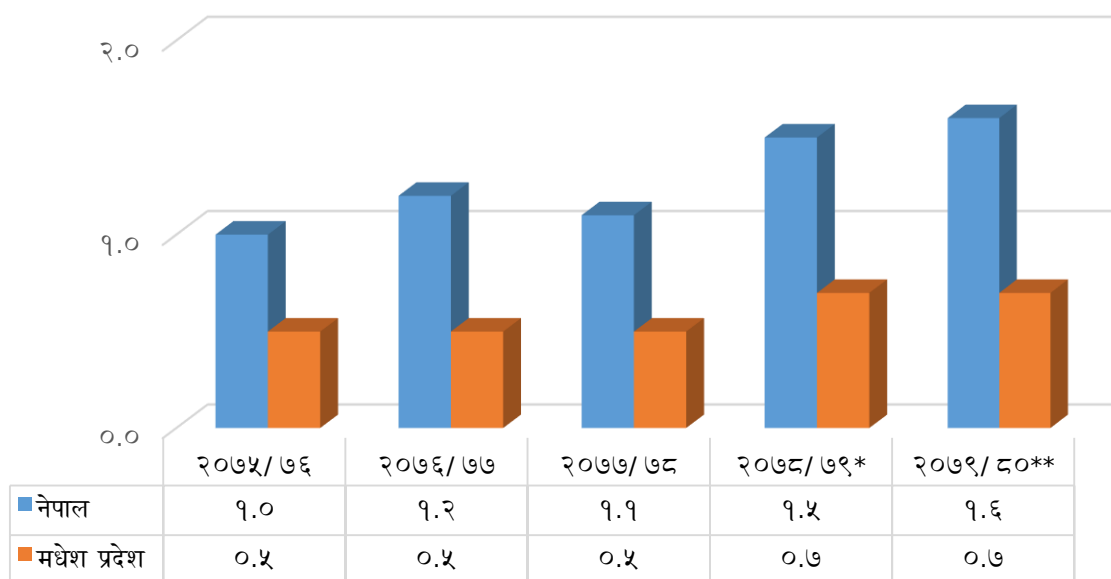


चार्ट १.३: कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उत्पादनमूलक उद्योगको योगदान (प्रतिशत)



मधेश प्रदेशमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा विद्युत, ग्यास, वाष्प, तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा क्षेत्रको योगदान मात्र ०.७ प्रतिशत रहेको छ । देशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान मधेश प्रदेशमा उच्च रहेको छ । यद्यपि, विगत पाँच आ.व.को तथ्यांक हेर्दा मधेश प्रदेशको योगदान बढ्दो क्रममा छ ।

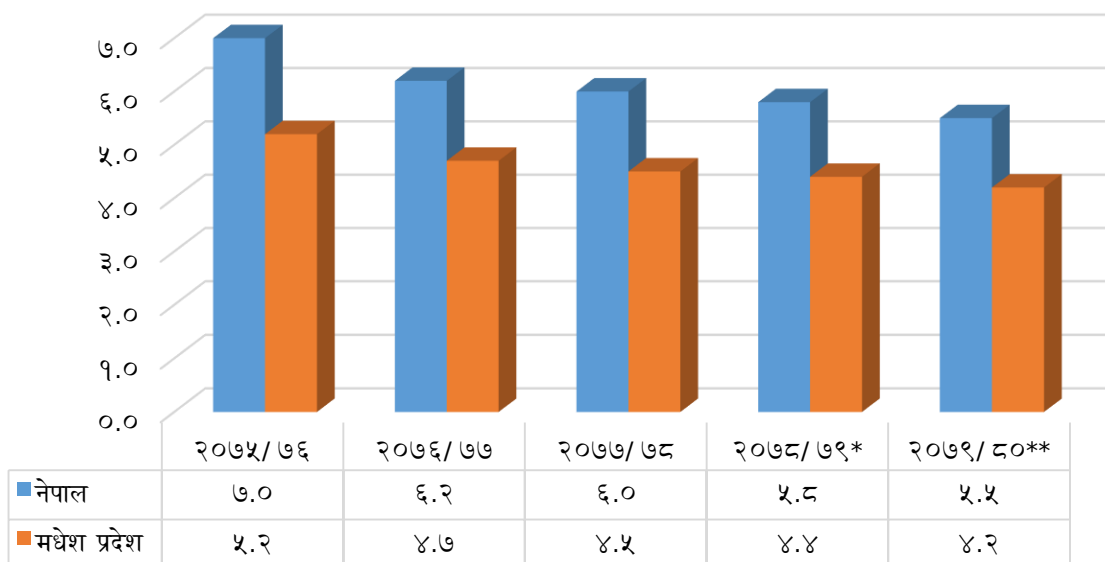
चार्ट १.४: विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवाको योगदान (प्रतिशत)



आ.व. २०७९/८० मा मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको योगदान ४.२ प्रतिशत रहने अनुमान छ । आ.व. २०७५/७६ देखि २०७९/८० सम्ममा मधेश प्रदेशको योगदान समग्र नेपालको

अनुपातमा घट्दो क्रममा रहेको देखिन्छ । आ.व. २०७९/८० मा निर्माण क्षेत्र घट्नुको मुख्य कारण समग्र व्यवस्थामा देखिएको संकुचन हो ।

चार्ट १.५: कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा निर्माण क्षेत्रको योगदान (प्रतिशत)

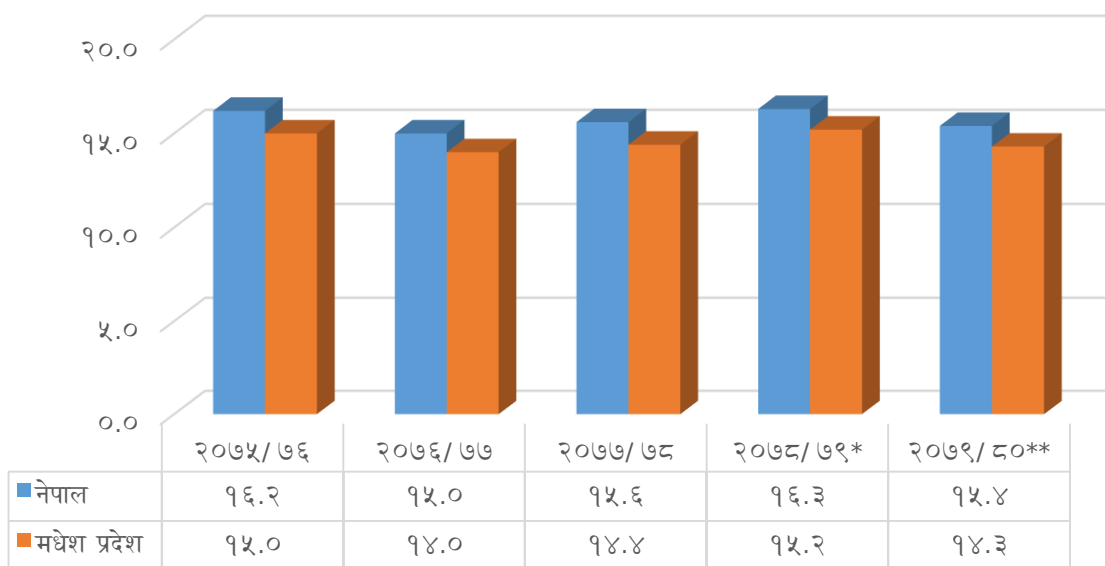


आ.व. २०७९/८० मा देशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटरसाइकल क्षेत्रको योगदान १५.४ प्रतिशत छ भने, मधेश प्रदेशमा यो क्षेत्रको योगदान १४.३ प्रतिशत रहने अनुमान छ । सम्भवतः कृषिपछि सबैभन्दा धेरै साना तथा मझौला व्यापार व्यवसायबाट रोजगारी दिने क्षेत्र पनि यही हो । विगतको पाँच आ.व.को तथ्यांकले यो क्षेत्रको देशको कुल योगदान मधेश प्रदेशमा भन्दा केही मात्रामा उच्च देखिन्छ ।

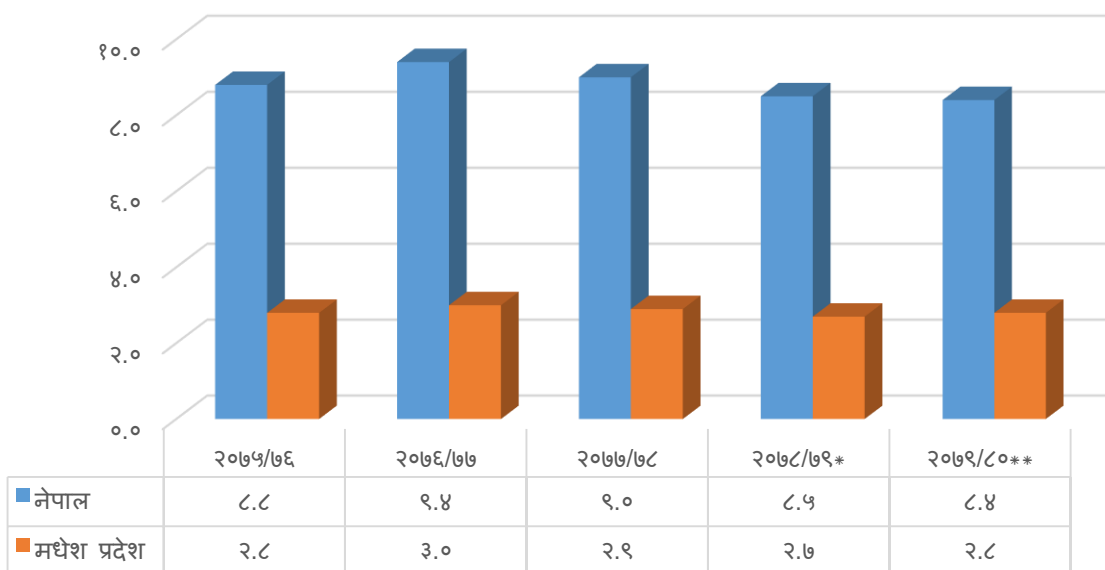
आ.व. २०७९/८० मा देशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा घर जग्गा कारोबारको सेवा क्षेत्रमा ८.४ प्रतिशत रहने अनुमान गरिएता पनि, मधेश प्रदेशमा यस क्षेत्रको योगदान मात्र २.८ प्रतिशत रहेको छ । विगतको पाँच आ.व.को तथ्यांकले पनि मधेश प्रदेशमा यस क्षेत्रको योगदान ३ प्रतिशतभन्दा माथि नरहेको देखाउँछ । समग्र देशको यस क्षेत्रको योगदानको तुलनामा मधेश प्रदेशको यति न्यून हुनुको कारणको थप खोजी गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

त्यस्तै, आ.व. २०७९/८० मा सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षाले कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा गरेको योगदान समग्र देशको र मधेश प्रदेशको उस्तै रहे पनि, आ.व. २०७६/७७ मा यो क्षेत्रको योगदान देशको अनुपातमा बढी रहेको थियो भने, २०७७/७८ मा ऋणात्मक रहेको थियो ।

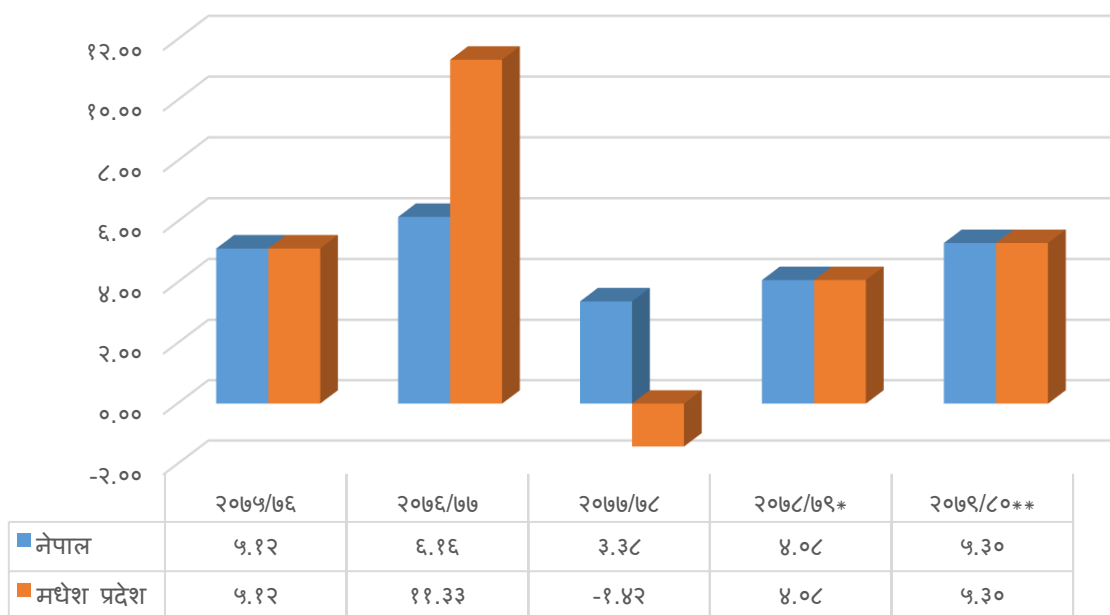
चार्ट १.६: थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा (प्रतिशत)



चार्ट १.७: घरजग्गा कारोबारको सेवा (प्रतिशत)



चार्ट १.८: सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा (प्रतिशत)



## १.५ मधेश प्रदेशको अरू प्रदेश सँगको तुलनात्मक विवरण

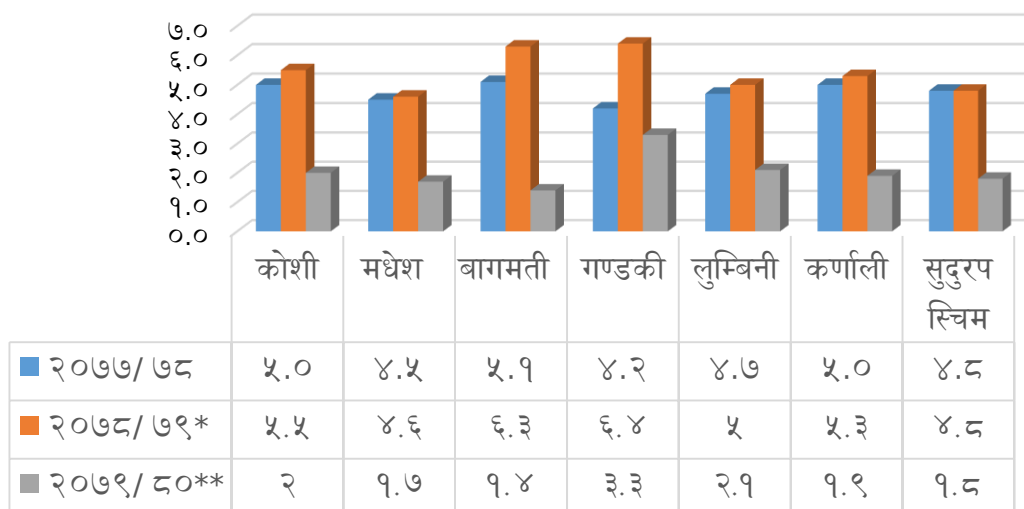
आ.व. २०७७/७८ मा लगभग सबै प्रदेशहरूले आर्थिक संकुचनको सामना गरेको देखिन्छ । अरू प्रदेशको तुलनामा मधेश प्रदेशको आर्थिक वृद्धि दर बाग्मती प्रदेश पनि दोस्रो हो. विगतको तिन वर्षको वृद्धि दरले श्रोत साधनको उपलब्धताको बाबजुद अपेक्षाकृत आर्थिक वृद्धि दर हासिल गर्न सकेको छैन।

तालिका १.३: प्रदेश-स्तरीय कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धि दर (उपभोक्ता मूल्यमा)

| प्रदेश       | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० (अनुमानित) |
|--------------|---------|---------|--------------------|
| कोशी         | ५.०     | ५.५     | २.०                |
| मधेश         | ४.५     | ४.६     | १.७                |
| बाग्मती      | ५.१     | ६.३     | १.४                |
| गण्डकी       | ४.२     | ६.४     | ३.३                |
| लुम्बिनी     | ४.७     | ५.०     | २.१                |
| कर्णाली      | ५.०     | ५.३     | १.९                |
| सुदूर-पश्चिम | ४.८     | ४.८     | १.८                |

आ.व. २०७८/७९ को संशोधित वृद्धि दर अरू प्रदेशको तुलनामा मधेश प्रदेशको सबैभन्दा कम रहेको छ भने, दोस्रो कममा सुदूर-पश्चिम प्रदेश रहेको छ ।

चार्ट १.९: प्रदेश-स्तरीय कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धि दर



तालिका १.४ मा केही महत्वपूर्ण सूचकहरूको आधारमा नेपाल र मधेश प्रदेशको तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत गरिएको छ । जनसंख्याको हिसाबले मधेश प्रदेश र बागमती प्रदेशको अनुपात २१ प्रतिशतको हाराहारीमा छ, तर मधेश प्रदेशको जनघनत्व ६३३ जनसंख्या प्रति वर्ग कि.मि. रहेको छ भने बागमती प्रदेशमा त्यसको आधाभन्दा कम जनघनत्व रहेको छ । तर आर्थिक वृद्धि दर मधेश प्रदेशको न्यून देखिन्छ । मधेश प्रदेशको आर्थिक वृद्धि दर औसतमा समग्र नेपालको भन्दा कम रहेको छ ।

| तालिका १.४: नेपाल तथा मधेश प्रदेशको तुलनात्मक आर्थिक तथा सामाजिक परिसूचक   |             |                 |
|----------------------------------------------------------------------------|-------------|-----------------|
| परिसूचक                                                                    | नेपाल       | मधेश            |
| स्थानीय तहको संख्या                                                        | ७५३         | १३६             |
| जनसंख्या                                                                   | २,१९,६४,५७८ | ६१,१४,६००       |
| जनसंख्या प्रतिशत                                                           | १००         | २०.९६           |
| आर्थिक वृद्धिदर (उपभोक्ताको मूल्यमा, २०७९/८०)<br>(अनुमानित)                | १.८६        | १.६९            |
| आर्थिक वृद्धिदर (आधारभूत मूल्यमा, २०७९/८०)<br>(अनुमानित)                   | २.१६        | १.९             |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा प्रदेशगत योगदान (उपभोक्ताको मूल्यमा, २०७९/८०)*    | १००         | १३.१५           |
| प्रदेशगत राजस्व (२०७८/७९) (१७ जेठ २०७९ सम्म)                               |             | २२,४२,५१,६६,४९० |
| प्रतिव्यक्ति आय (अमेरिकी डलर)**                                            | १,३९९       | ८७५             |
| जनघनत्व ( दोस्रोमा बागमती प्रदेश : ३०१)                                    | १९८         | ६३३             |
| वन क्षेत्र (प्रतिशत)**                                                     | ४१.६९       | २४.७८           |
| विद्यालय संख्या                                                            | ३५,६७४      | ४,१७४           |
| *बागमती प्रदेश: ३६.७%; कोशी १४% र लुम्बिनी १४%; **आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८० |             |                 |

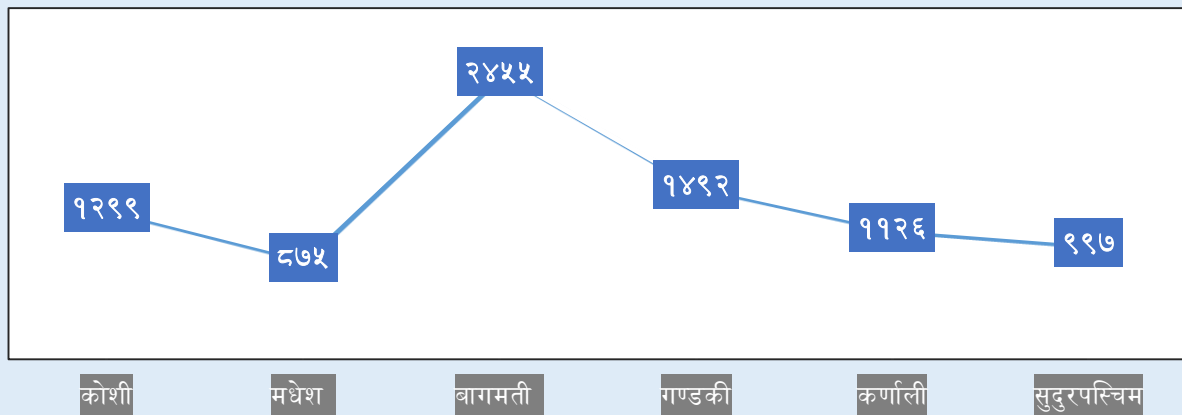
तालिका १.५ अनुसार मधेश प्रदेशको जनसंख्या समग्र देशको २१ प्रतिशत रहेको छ । तर देशको कुल स्थानीय सरकार संख्या ७५३ वटा रहेकोमा मधेश प्रदेशमा यसको १८.१ प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशमा एउटै मात्र महानगरपालिका वीरगंजमा रहेको छ भने देश भरिका ११ वटा उप-महानगरपालिका मध्ये मधेश प्रदेशमा तीन वटा रहेका छन् ।

| तालिका १.५: मधेश प्रदेशमा भएका स्थानीय तहको विवरण |        |       |           |         |                           |                    |
|---------------------------------------------------|--------|-------|-----------|---------|---------------------------|--------------------|
| जिल्ला                                            | गा.पा. | न.पा. | उ.प.न.पा. | म.न.पा. | जम्मा स्थानीय तहको संख्या | जम्मा वडाको संख्या |
| सप्तरी                                            | ९      | ९     | ०         | ०       | १८                        | १६४                |
| सिराहा                                            | ९      | ८     | ०         | ०       | १७                        | १६४                |
| धनुषा                                             | ६      | ११    | १         | ०       | १८                        | १६९                |
| महोत्तरी                                          | ५      | १०    | ०         | ०       | १५                        | १३८                |
| सर्लाही                                           | ९      | ११    | ०         | ०       | २०                        | २००                |
| रौतहट                                             | २      | १६    | ०         | ०       | १८                        | १५७                |
| बारा                                              | ९      | ५     | २         | ०       | १६                        | १६७                |
| पर्सा                                             | १०     | ३     | ०         | १       | १४                        | ११२                |
| प्रदेश नं. २                                      | ५९     | ७३    | ३         | १       | १३६                       | १,२७१              |
| नेपाल                                             | ४६०    | २७६   | ११        | ६       | ७५३                       | ६,७४३              |
| मधेश प्रदेशको अंश (%)                             | १२.८   | २६.४  | २७.३      | १६.७    | १८.१                      | १८.८               |

तालिका १.६ र चार्ट १.१० ले प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (अमेरिकी डलरमा) मापन गर्दा सातै वटा प्रदेश मध्ये मधेश प्रदेशको सबैभन्दा न्यून रहेको देखाएको छ । मधेश प्रदेशमा आर्थिक वृद्धि दर तुलनात्मक रूपले कमजोर रहेकोले यसको असर प्रति व्यक्तिमा परेको देखिन्छ ।

| तालिका १.६: प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (डलर) |               |
|--------------------------------------------------------|---------------|
| प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (डलर)             | आ.व. २०७९/८०* |
| कोशी                                                   | १,२९९         |
| मधेश                                                   | ८७५           |
| बागमती                                                 | २,४५५         |
| गण्डकी                                                 | १,४९२         |
| कर्णाली                                                | १,१२६         |
| सुदूर-पश्चिम                                           | ९९७           |
| *अनुमानित                                              |               |
| स्रोत : केन्द्रीय तथ्यांक विभाग                        |               |

चार्ट १.१०: प्रति व्यक्ति कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (डलर) आ.व.२०७९/८०  
(अनुमानित)



## परिच्छेद २: सार्वजनिक वित्त

मधेश प्रदेशमा विगत चार आ.व. २०७५/७६ देखि २०७८/७९ सम्मको चालू खर्च र पुँजीगत खर्चको विवरण क्रमशः तालिका २.१ र तालिका २.२ मा दिइएका छन् । चालू खर्चको हिसाबले आ.व. २०७५/७६ मा सबैभन्दा धेरै चालू खर्च गर्ने मन्त्रालयहरू क्रमशः आर्थिक मन्त्रालय, भौतिक मन्त्रालय, र सामाजिक विकास मन्त्रालय रहेका छन्, र ती मन्त्रालयहरूको खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ७७.७ प्रतिशत, ६८.५ प्रतिशत र ४१.८ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, आ.व. २०७६/७७ मा सबैभन्दा बढी चालू खर्च तीन मन्त्रालयहरू क्रमशः सामाजिक विकास मन्त्रालय, उद्योग, पर्यटन तथा वातावरण मन्त्रालय, र भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय रहेका देखिन्छन्, र ती मन्त्रालयहरूको खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ४२.९९ प्रतिशत, ६५.५४ प्रतिशत र ३६.७४ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । त्यस्तै, आ.व. २०७७/७८ मा सबैभन्दा धेरै चालू खर्च गर्ने तीन मन्त्रालयहरू क्रमशः सामाजिक विकास मन्त्रालय, भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, र उद्योग, पर्यटन, वन तथा सहकारी मन्त्रालय रहेको देखिन्छ, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको प्रतिशत क्रमशः ६७.९४ प्रतिशत, ५२.१ प्रतिशत र ६५.५१ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । आ.व. २०७८/७९ मा सबैभन्दा धेरै चालू खर्च गरेका मन्त्रालयहरू क्रमशः सामाजिक विकास मन्त्रालय, उद्योग, पर्यटन, वन तथा सहकारी मन्त्रालय, र भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय रहेका छन्, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ८०.२३ प्रतिशत, ७३.२ प्रतिशत र ४७.२७ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

मधेश प्रदेशमा विनियोजित बजेट र खर्च अनुपातको आधारलाई समग्रमा हेर्दा, २०७५/७६ मा ५५.४६ प्रतिशत, २०७६/७७ मा ४४.६२ प्रतिशत, २०७७/७८ मा ६१.३९ प्रतिशत र २०७८/७९ मा ६७.४७ प्रतिशत रहेको छ । विनियोजित बजेटको खर्चको तथ्यांक हेर्दा चालू खर्चमा पनि ठूलो अन्तर देखिन्छ । मधेश प्रदेशमा आ.व. २०७६/७७ पछि चालू खर्चको विनियोजित रकममा कमी आएको देखिन्छ ।

तालिका २.२ मा मधेश प्रदेश मातहत रहेका मन्त्रालय/निकायहरूको विगत चार आ.व.हरूको पुँजीगत खर्चको विवरण राखिएको छ । आ.व. २०७५/७६ मा सबैभन्दा धेरै पुँजीगत खर्च गरेका तीन मन्त्रालयहरू क्रमशः भौतिक विकास मन्त्रालय, भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय, र उद्योग पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय रहेको देखिन्छ, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ४९.९५ प्रतिशत, ४३.७९ प्रतिशत र ४९.७६ प्रतिशत रहेको छ । त्यस्तै, आ.व. २०७६/७७ मा पुँजीगततर्फ सबैभन्दा धेरै खर्च गरेका मन्त्रालयहरू क्रमशः भौतिक विकास मन्त्रालय, मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय, र उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय रहेको देखिन्छ, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ४४.०८ प्रतिशत, ७७.९७ प्रतिशत र ३०.४६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । त्यस्तै, आ.व. २०७७/७८ मा पुँजीगत खर्चतर्फ सबैभन्दा धेरै खर्च गरेका मन्त्रालयहरू क्रमशः भौतिक विकास मन्त्रालय, मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय, र सामाजिक विकास मन्त्रालय रहेको देखिन्छ, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ६९.८२ प्रतिशत, ८४.३६ प्रतिशत, र ८३.६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । त्यस्तै, आ.व. २०७८/७९ मा पुँजीगत खर्चतर्फ सबैभन्दा धेरै खर्च गरेको मन्त्रालयहरू क्रमशः भौतिक विकास मन्त्रालय,



सामाजिक विकास मन्त्रालय, र उद्योग पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय रहेको देखिन्छ, र खर्चित रकम विनियोजित रकमको क्रमशः ६२.६२ प्रतिशत, ७८.७२ प्रतिशत र ६२.२४ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

मधेश प्रदेशमा विनियोजित बजेट र खर्च अनुपातको आधारलाई समग्रमा हेर्दा, २०७५/७६ मा ४९.१४ प्रतिशत, २०७६/७७ मा ३६.८४ प्रतिशत, २०७७/७८ मा ६८.२७ प्रतिशत र २०७८/७९ मा ६२.०९ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

तालिका २.१: मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/निकायहरूको विगत चार आ.व.हरूको चालू खर्चको विवरण

| क्र.स | मन्त्रालय/निकाय                              | चालू खर्च (रु. करोडमा) |        |         |           |        |         |           |        |         |           |        |         |
|-------|----------------------------------------------|------------------------|--------|---------|-----------|--------|---------|-----------|--------|---------|-----------|--------|---------|
|       |                                              | २०७५/०७६               |        |         | २०७६/०७७  |        |         | २०७७/०७८  |        |         | २०७८/०७९  |        |         |
|       |                                              | विनियोजित              | खर्च   | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत |
| १     | प्रदेश सभा सचिवालय                           | ३५.०५                  | २२.७९  | ६५.०२   | ३९.१०     | २८.६३  | ७३.२२   | ३४.९८     | २७.४१  | ७८.३६   | ३४.००     | २६.९५  | ७९.०७   |
| २     | प्रदेश लोकसेवा आयोग                          | ०                      | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | ४.४४      | २.६७   | ६०.१४   | ९.२६      | ४.६९   | ५०.६४   |
| ३     | मुख्य न्यायधिवक्ताको कार्यालय                | २.२४                   | १.६६   | ७४.११   | ३.२४      | २.२३   | ६८.८३   | ३.७८      | ३.०४   | ८०.४२   | ३.२०      | २.७६   | ८६.१३   |
| ४     | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदको कार्यालय    | १४५.५९                 | ३७.०८  | २५.४७   | १११.३२    | ५२.०६  | ४६.७७   | १२७.६०    | ४०.०४  | ३१.३८   | ५३.९९     | १९.६१  | ३६.७१   |
| ५     | अर्थ मन्त्रालय                               | २२१.१४                 | १७१.८२ | ७७.७०   | २०.५०     | ८.७८   | ४२.८३   | २०.६५     | ९.९९   | ४८.३८   | ३०.२९     | ७.६५   | २५.२५   |
| ६     | गृह तथा संचार मन्त्रालय                      | १५.१०                  | ८.४६   | ५६.०३   | २९.४६     | १६.८२  | ५७.०९   | ३०.११     | ११.९६  | ३९.७२   | ३२.६९     | २२.८२  | ६९.९५   |
| ७     | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय     | ११८.८७                 | ६९.७५  | ५८.६८   | १७०.३०    | १११.६१ | ६५.५४   | १३०.३१    | ८५.३६  | ६५.५१   | १०९.१२    | ७९.८७  | ७३.२०   |
| ८     | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय     | ९६.१५                  | ५२.९८  | ५५.१०   | २३४.५१    | ९३.८५  | ४०.०२   | १८४.००    | ९६.०७  | ५२.१०   | १५५.१५    | ७३.१७  | ४७.२७   |
| ९     | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय              | २४२.९०                 | १६५.०० | ६८.०५   | २६३.४०    | ९६.७६  | ३६.७४   | ६३.१०     | ४५.१९  | ७१.६२   | ८०.९७     | ४४.३४  | ५४.७६   |
| १०    | सामाजिक विकास मन्त्रालय                      | ३१७.९९                 | १३२.९२ | ४१.८०   | ४६५.८३    | २००.२८ | ४२.९९   | ३६२.५९    | २४६.३४ | ६७.९४   | ४७५.६३    | ३८१.५३ | ८०.२३   |
| ११    | कानून, न्याय तथा प्रदेश सभा मामिला मन्त्रालय | ०                      | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | ४.१९      | १.९९   | ४७.५७   |
| १२    | खानेपानी तथा उर्जा विकास मन्त्रालय           | ०                      | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | १६.७७     | ६.१७   | ३६.७९   |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|       |                                                |          |        |       |          |        |       |          |        |       |          |          |       |
|-------|------------------------------------------------|----------|--------|-------|----------|--------|-------|----------|--------|-------|----------|----------|-------|
| १३    | वाणिज्य, आपूर्ति तथा विज्ञान प्रविधि मन्त्रालय | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | ५.००     | १.३६     | २७.३२ |
| १४    | महिला, बालबालिका, युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय    | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | १३.७६    | ५        | ३६.३४ |
| १५    | प्रदेश नीति तथा योजना आयोग                     | ०        | ०      | ०     | ४.७९     | ०.८६   | १७.९५ | ३.१५     | ०.६८   | २१.५९ | ३.७३     | ०.८८     | २३.६८ |
| १६    | अर्थ विविध                                     | ०        | ०      | ०     | ३८८.९८   | ९.१६   | २.३५  | १२८.८७   | ०.१३   | ०.१०  | १२९.३६   | ०        | ०     |
| १७    | स्थानीय तह अनुदान                              | ०        | ०      | ०     | ४३८.२२   | ३४७.१४ | ७९.२२ | ३१३.६०   | २९५.१८ | ९४.१३ | ३७४.७४   | ३५४.८१   | ९४.६९ |
| जम्मा |                                                | १,१९५.०३ | ६६२.७६ | ५५.४६ | २,१६९.६५ | ९६८.१८ | ४४.६२ | १,४०७.५८ | ८६४.०६ | ६१.३९ | १,५३१.८५ | १,०३३.६० | ६७.४७ |

तालिका २.२: मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/ निकायहरूको विगत चार आ.व.हरूको पुँजीगत खर्चको विवरण

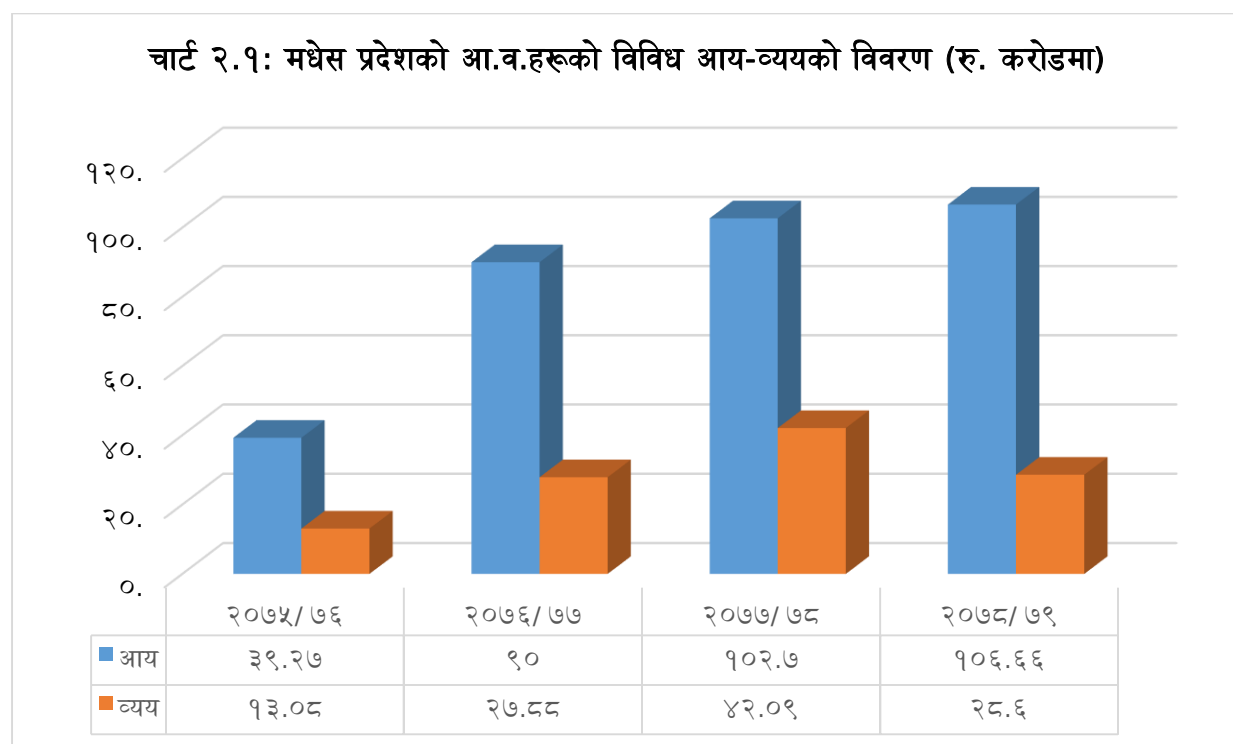
| क्र.स | मन्त्रालय/ निकाय                             | पुँजीगत खर्च (रु. करोडमा) |       |         |           |        |         |           |        |         |           |        |         |
|-------|----------------------------------------------|---------------------------|-------|---------|-----------|--------|---------|-----------|--------|---------|-----------|--------|---------|
|       |                                              | २०७५/०७६                  |       |         | २०७६/०७७  |        |         | २०७७/०७८  |        |         | २०७८/०७९  |        |         |
|       |                                              | विनियोजित                 | खर्च  | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत | विनियोजित | खर्च   | प्रतिशत |
| १     | प्रदेश सभा सचिवालय                           | १६.३६                     | १२.५१ | ७६.४७   | १४.१८     | ११.७   | ८२.५१   | १४.६६     | १०.२९  | ७०.१९   | ४.०५      | २.९८   | ७३.६९   |
| २     | प्रदेश लोकसेवा आयोग                          | ०                         | ०     | ०       | ०         | ०      | ०       | २.५       | १.८५   | ७४.     | १.९५      | ०.७२   | ३६.९६   |
| ३     | मुख्य न्यायाधिवक्ताको कार्यालय               | १.६१                      | १.५४  | ९५.६५   | १.१२      | १.१    | ९८.२१   | १.०१      | १.०१   | १००.    | ०.५६      | ०.५५   | ९९.८२   |
| ४     | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रिपरिषदको कार्यालय    | १४.२५                     | ५.९६  | ४१.८२   | ३३७.७३    | २६३.३२ | ७७.९७   | ३३५.७४    | २८४.१३ | ८४.६३   | १७.३७     | ५.६६   | ३२.५६   |
| ५     | अर्थ मन्त्रालय                               | ११.७६                     | ८.६३  | ७३.३८   | ५.३७      | २.८३   | ५२.७    | ५.१७      | २.९४   | ५६.८७   | ४.८६      | २.२३   | ४५.८९   |
| ६     | गृह तथा संचार मन्त्रालय                      | २७.३१                     | १३.१५ | ४८.१५   | ७९.४६     | २०.०९  | २५.२८   | ७२.८६     | ३३.२५  | ४५.६४   | २९.४९     | १७.६३  | ५९.७७   |
| ७     | उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय     | १७३.३४                    | ८६.२५ | ४९.७६   | १९९.५२    | ६०.७१  | ३०.४३   | २०७.८६    | १३७.६  | ६६.२    | १७९.९८    | ११२.०३ | ६२.२४   |
| ८     | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय     | २१५.७८                    | ९४.४८ | ४३.७९   | १३४.३७    | २७.७९  | २०.६८   | १४३.८     | ७५.५९  | ५२.५७   | ११४.५५    | ६६.५३  | ५८.०७   |
| ९     | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय              | १,२३५.७४                  | ६१७.२ | ४९.९५   | ९६४.१३    | ४२५.०१ | ४४.०८   | ९४१.५१    | ६५७.३३ | ६९.८२   | १,१५२.६६  | ७२१.८४ | ६२.६२   |
| १०    | सामाजिक विकास मन्त्रालय                      | २६.४६                     | ६.७१  | २५.३६   | ९९.२४     | ८.३४   | ८.४     | २२२.१९    | १८५.७५ | ८३.६    | १८५.९१    | १४६.३५ | ७८.७२   |
| ११    | कानून, न्याय तथा प्रदेश सभा मामिला मन्त्रालय | ०                         | ०     | ०       | ०         | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | ५.३७      | ५.३४   | ९९.५३   |
| १२    | खानेपानी तथा उर्जा विकास मन्त्रालय           | ०                         | ०     | ०       | ०         | ०      | ०       | ०         | ०      | ०       | १८१.५४    | ९८.६३  | ५४.३४   |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|       |                                                |          |        |       |          |        |       |          |         |       |         |          |       |
|-------|------------------------------------------------|----------|--------|-------|----------|--------|-------|----------|---------|-------|---------|----------|-------|
| १३    | वाणिज्य, आपूर्ति तथा विज्ञान प्रविधि मन्त्रालय | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | ०        | ०       | ०     | ५       | ३.२९     | ६५.७३ |
| १४    | महिला, बालबालिका, युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय    | ०        | ०      | ०     | ०        | ०      | ०     | ०        | ०       | ०     | ३६.९७   | ८.६१     | २३.२९ |
| १५    | प्रदेश नीति तथा योजना आयोग                     | ०        | ०      | ०     | ०.८४     | ०.७३   | ८६.९  | ०.३      | ०.१४    | ४६.६७ | ०.३४    | ०.०६     | १७.२६ |
| १६    | अर्थ विविध                                     | ०        | ०      | ०     | ४०५.९६   | ३.१    | ०.७६  | ८९.१६    | ०.६२    | ०.७   | ०       | ०        | ०     |
| १७    | स्थानीय तह अनुदान                              | ०        | ०      | ०     | २.७      | २.२४   | ८२.९६ | ०        | ०       | ०     | ०       | ०        | ०     |
| जम्मा |                                                | १,७२२.६१ | ८४६.४३ | ४९.१४ | २,२४४.६२ | ८२६.९६ | ३६.८४ | २,०३६.७६ | १,३९०.५ | ६८.२७ | १,९२०.६ | १,१९२.४५ | ६२.०९ |

विगतका चार आ.व.मा मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/निकायहरूको आ.व.हरूको विविध आय र व्ययको विवरण तालिका २.३ र चार्ट २.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ । आ.व. २०७५/७६ देखि क्रमशः आय बढ्दै गइरहेको देखिन्छ भने व्यय गर्ने क्षमता घट्दै गएको देखिन्छ । प्रदेश लेखा नियन्त्रक कार्यालय, मधेश प्रदेश, धनुषाले सार्वजनिक गरेको वित्तीय प्रतिवेदनले “खर्च गर्ने प्रवृत्तिमा सुधार गरी खर्च गर्ने माध्यमको विकास गर्न आवश्यक देखिन्छ” भनी सुझाव दिएको थियो ।

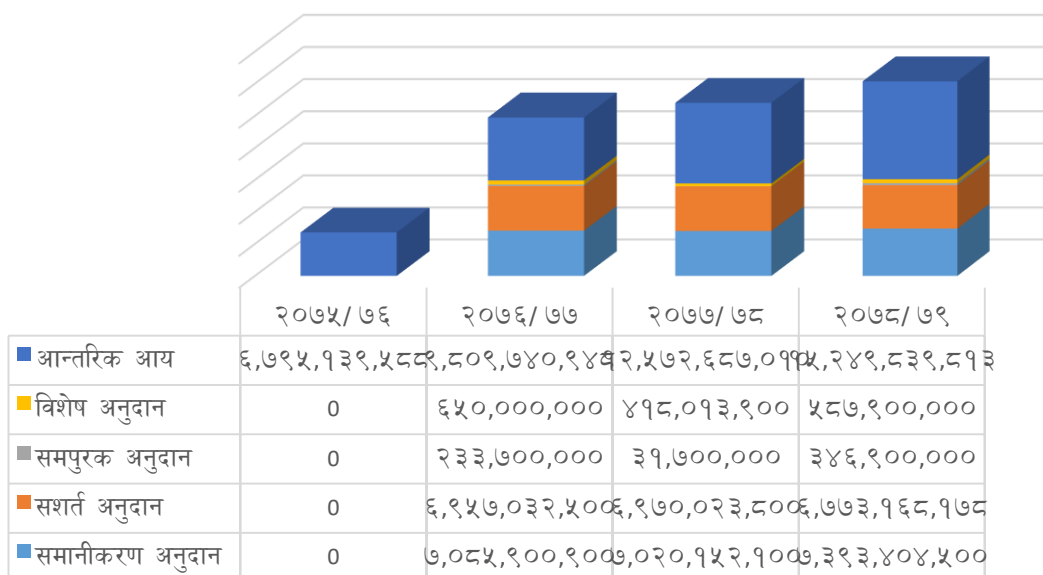
| तालिका २.३: मधेश प्रदेश सरकार मातहत रहेका मन्त्रालय/निकायहरूको आ.व.हरूको विविध आय-व्ययको विवरण (रु. करोडमा) |         |         |         |         |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|---------|
| शीर्षक                                                                                                      | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ |
| आय                                                                                                          | ३९.२७   | ९०.००   | १०२.७०  | १०६.६६  |
| व्यय                                                                                                        | १३.०८   | २७.८८   | ४२.०९   | २८.६०   |



नेपालको सामुदायिक वन संरक्षण र अरू दृष्टिकोणले विश्वमै उदाहरणीय रहेको छ । तालिका ४.१० ले मधेश प्रदेशमा रहेका सामुदायिक वनको जिल्लागत विवरण प्रस्तुत गरेको छ । मधेश प्रदेशमा कुन वन क्षेत्र २,६३,५५० हेक्टर रहेकोमा सामुदायिक वनको अंश ३०.५७ प्रतिशत (८०,५७०.७ हेक्टर) रहेको छ, जुन जम्मा ५३१ सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूले संचालन गर्छन् । जिल्लागत रूपमा, सामुदायिक वन क्षेत्रफलको हिसाबले सबभन्दा बढी सप्तरी (८५.४८%) र सिराहा (८८.१७%) मा छन् भने, सबभन्दा कम पर्सा (०.०१%) र बारामा (१९.५%) छन् । यी दुई जिल्लामा सरकारद्वारा व्यवस्थित वन र साझेदारी वन जस्ता अरू प्रकारका वनहरू धेरै हुनुले यस्तो भएको हुन सक्छ ।

तालिका २.४ ले मधेश प्रदेशको राजस्वको विवरणको तथ्यांक प्रस्तुत गरेको छ । आ.व. २०७५/७६ मा संघीयताको जग स्थापित गर्दै गर्दा आन्तरिक आय बाहेक अन्य अनुदान प्रविष्ट भैसकेको थिएन । २०७६/०७ देखि २०७८/७९ सम्म समानीकरण अनुदान ७ अर्ब ८ करोड रहेको थियो भने २०७८/७९ सम्म आउँदा ७ अर्ब ३९ करोड आएको देखिन्छ । तर, सशर्त अनुदान सोही अवधिमा केही मात्रामा घटेको देखिन्छ । त्यस्तै, सोही अवधिमा समपुरक अनुदान २३ करोडबाट बढेर ३४ करोड पुगेको देखिन्छ । तर, सोही अवधिमा विशेष अनुदान ६५ करोडबाट घटेर ५८ करोड पुगेको देखिन्छ । सोही अवधिमा आन्तरिक आय ९ अर्ब ८० करोडबाट बढेर १५ अर्ब २४ करोड पुगेको देखिन्छ । (चार्ट २.२ ले आय र व्ययको विवरणलाई थप प्रस्ट पार्नेछ ।)

चार्ट २.२: मधेश प्रदेशको राजस्व विवरण

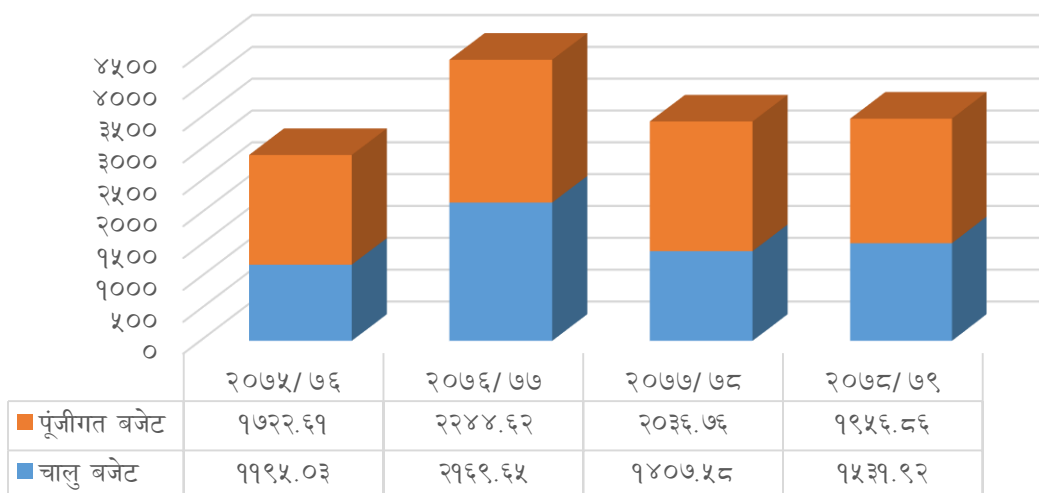


तालिका २.१ र २.२ को समष्टिगत विवरणलाई चार्ट २.३ ले अझ प्रस्ट गरेको छ । यो चार्टबाट दुईवटा विश्लेषण गर्न सकिन्छ । पहिलो, पुँजीगत बजेट २०७६/७७ को तुलनामा २०७८/७९ मा घटेको छ । दोस्रो, चालू खर्च पनि अपेक्षाकृत गर्न नसकेकोले २०७६/७७ को तुलनामा २०७८/७९ मा घटेको देखिन्छ ।

तालिका २.४: मधेश प्रदेशको राजस्व विवरण

| क्र. स. | राजस्व शीर्षक   | २०७५/७६        | २०७६/७७         | २०७७/७८         | २०७८/७९         |
|---------|-----------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| १       | समानिकरण अनुदान | -              | ७,०८,५९,००,९००  | ७,०२,०१,५२,१००  | ७,३९,३४,०४,५००  |
| २       | सशर्त अनुदान    | -              | ६,९५,७०,३२,५००  | ६,९७,००,२३,८००  | ६,७७,३१,६८,१७८  |
| ३       | समपुरक अनुदान   | -              | २३,३७,००,०००    | ३,१७,००,०००     | ३४,६९,००,०००    |
| ४       | विशेष अनुदान    | -              | ६५,००,००,०००    | ४१,८०,१३,९००    | ५८,७९,००,०००    |
| ५       | आन्तरिक आय      | ६,७९,५१,३९,५८८ | ९,८०,९७,४०,९४८  | १२,५७,२६,८७,०१० | १५,२४,९८,३९,८१३ |
| जम्मा   |                 | ६७,९५,१३९,५८८  | २४,७३,६३,७४,३४८ | २७,०१,२५,७६,८१० | ३०,३५,१२,१२,४९१ |

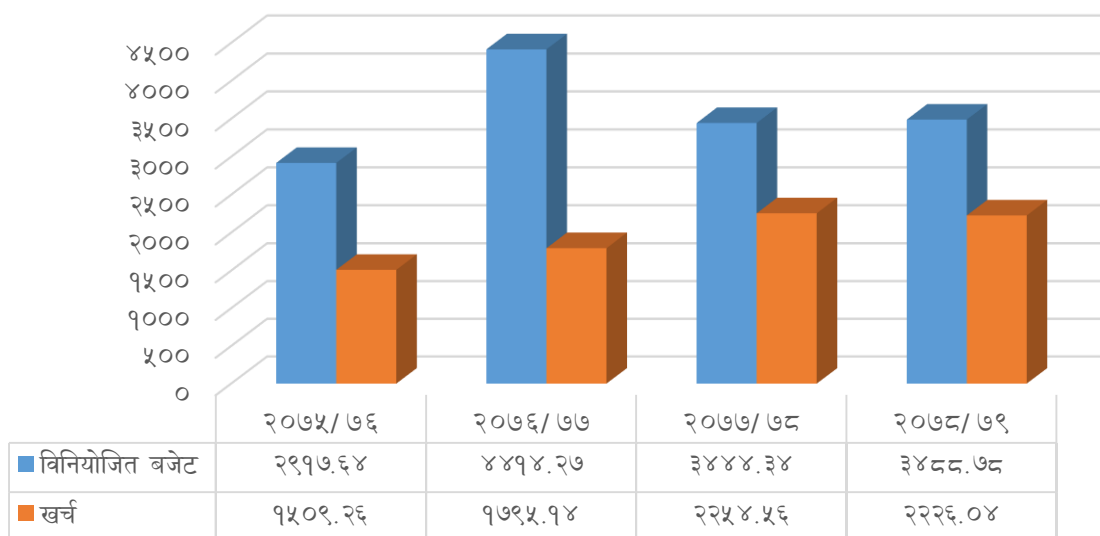
चार्ट २.३: मधेश प्रदेशको चालु तथा पूँजीगत खर्चको लागि विनियोजित बजेट (रु. करोडमा)



चार्ट २.४ ले प्रदेशको कुल विनियोजित बजेट र खर्चको अवस्थाको विवरण दिएको छ । यसबाट दुई वटा कुरो भन्न सकिन्छ । पहिलो, विनियोजित र खर्च बीचको खाडल २०७५/७६ देखि २०७८/७९ सम्ममा बढ्दै गएको देखिन्छ । दोस्रो, विनियोजित बजेट र खर्चको अनुपात क्रमशः कम हुदै गएको देखिन्छ ।



चार्ट २.४: मधेश प्रदेशको मधेश प्रदेशको विनियोजित बजेट तथा यथार्थ खर्च  
(रु. करोडमा)



तालिका २.५ ले मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूबाट प्रदेशको कुल राजस्वमा भएको योगदानलाई देखाउँछ । आ.व. २०७५/७६ देखि २०७९/८० सम्ममा सबैभन्दा धेरै राजस्व योगदान धनुषा र पर्सा जिल्लाको रहेको छ । धनुषाबाट अत्याधिक राजस्व देखिएको कारण यो जिल्ला मधेशको राजधानी भएर हो । विभिन्न मन्त्रालय/निकायहरूबाट राजस्व एकीकृत हुने देखिएकोले यस्तो भएको अनुमान लगाउन सकिन्छ । मधेश प्रदेशको औद्योगिक क्षेत्रको रूपमा वीरगंज रहेकोले पर्सा जिल्लाको सबैभन्दा बढी राजस्व योगदान भएको देखिन्छ ।

तालिका २.६ र चार्ट २.५ ले जिल्लागत रूपमा अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरणको तथ्यांक (२०७८/७९ देखि २०८०/८१) प्रस्तुत गरेको छ । मधेश प्रदेशको हकमा आ.व. २०८०/८१ मा अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरणको रकम अन्य प्रदेशको तुलनामा सबैभन्दा कम छ । यसको दुईवटा कारण देखिन्छ । पहिलो, समानीकरण अनुदान (न्यूनतम अनुदान, सूत्रमा आधारित अनुदान र कार्यसम्पादनमा आधारित अनुदान) आ.व. २०८०/८१ मा अन्य प्रदेशको तुलनामा सबैभन्दा कम देखिन्छ । दोस्रो, विशेष अनुदान पनि २०८०/८१ को अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरणमा अरु सबै प्रदेशभन्दा कम देखिएको छ । मुख्य चार अनुदान (समानीकरण अनुदान, समपूरक अनुदान, विशेष अनुदान र सशर्त अनुदान) को विस्तृत प्रदेशगत तथ्यांक अनुसूचीका तालिकाहरू २.१, २.२, २.३ र चार्टहरू २.१, २.२, र २.३ मा राखिएका छन् ।

तालिका २.५: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूबाट प्रदेशको कुल राजस्वमा भएको योगदान

| जिल्ला   | २०७५/७६        |         | २०७६/७७         |         | २०७७/७८         |         | २०७८/७९         |         | २०७९/८०*         |         |
|----------|----------------|---------|-----------------|---------|-----------------|---------|-----------------|---------|------------------|---------|
|          | रकम            | प्रतिशत | रकम             | प्रतिशत | रकम             | प्रतिशत | रकम             | प्रतिशत | रकम              | प्रतिशत |
| सप्तरी   | १,५०,९४,५०४    | ०.१७    | ३,५०,१२,६९०     | ०.१४    | ९,२५,७६,८३८     | ०.३६    | ९,१०,३२,०५३     | ०.३०    | २१,५३,८२,९७९     | ०.९६    |
| सिरह     | ३६,११,९०,८८३   | ४.१६    | ३२,१५,९१,९५७    | १.३०    | ५३,७४,४०,९९७    | २.०९    | ५९,६४,१०,९०७    | १.९७    | ४३,४५,६३,६५७     | १.९४    |
| धनुषा    | ६,७९,५१,३९,५८८ | ७८.१७   | २२,६१,७१,०१,४१९ | ९१.४३   | २४,४८,२५,५९,६१९ | ९५.०९   | २७,३७,९६,७७,२०५ | ९०.२१   | १९,९२,७९,००,६७,३ | ८८.८६   |
| महोत्तरी | ५,२७,६७,५९०    | ०.६१    | १६,४६,२५,५७६    | ०.६७    | २३,७९,१७,८५६    | ०.९२    | २९,४३,५१,८०१    | ०.९७    | ३२,३६,३३,२४६     | १.४४    |
| सर्लाही  | ६,६२,९२,९४८    | ०.७६    | १५,६५,५६,१३८    | ०.६३    | ८,०३,४२,५८७     | ०.३१    | १७,२२,८५,७४५    | ०.५७    | ६,११,८९,४२७      | ०.२७    |
| रौतहट    | २,९३,८९,४३९    | ०.३४    | ३,३४,२६,३८०     | ०.१४    | ७,३५,९४,९३१     | ०.२९    | ८,२५,१२,४१४     | ०.२७    | ७,७८,६०,२६८      | ०.३५    |
| बारा     | १०,२८,४१,०५८   | १.१८    | १६,८८,७७,८८७    | ०.६८    | १४,६७,३१,१२७    | ०.५७    | ७,२०,११,५८६     | ०.२४    | १४,४९,३४,०५१     | ०.६५    |
| पर्सा    | १,२६,९६,२४,५४५ | १४.६१   | १,२४,११,८१,३९८  | ५.०२    | ९,४७,६१,१३७     | ०.३७    | १,६६,२९,३०,७७६  | ५.४८    | १,२३,९७,०२,१८९   | ५.५३    |
| जम्मा    | ८,६९,२३,४०,५५५ |         | २४,७३,८३,७३,४४५ |         | २५,७४,५९,२५,०९२ |         | ३०,३५,१२,१२,४८७ |         | २२,४२,५१,६६,४९०  |         |

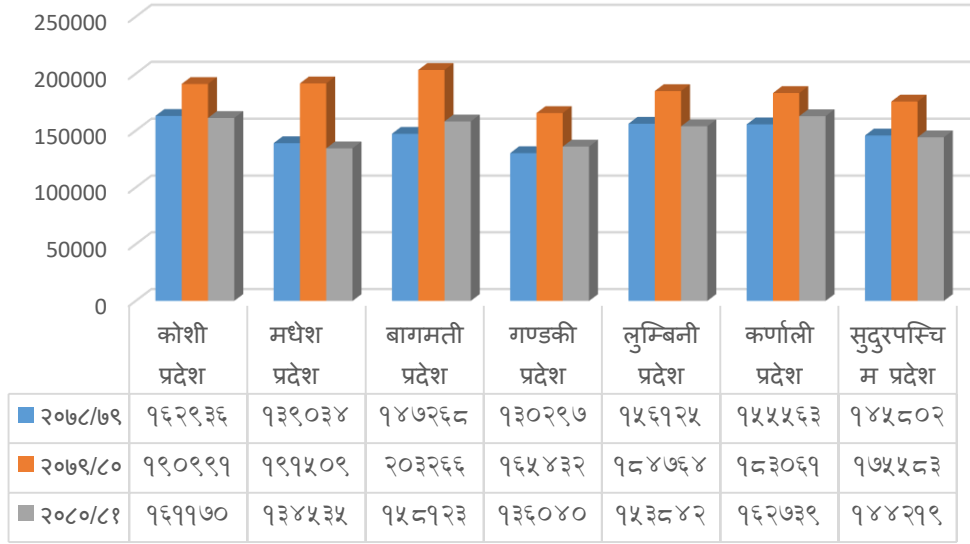
\*जेठ महिनासम्म

तालिका २.६: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९-२०८०/८१ (रु. लाखमा)

| शीर्षक              | २०७८/७९   | २०७९/८०   | २०८०/८१   |
|---------------------|-----------|-----------|-----------|
| कोशी प्रदेश         | १,६२,९३६  | १,९०,९९१  | १,६१,१७०  |
| मधेश प्रदेश         | १,३९,०३४  | १,९१,५०९  | १,३४,५३५  |
| बागमती प्रदेश       | १,४७,२६८  | २,०३,२६६  | १,५८,१२३  |
| गण्डकी प्रदेश       | १,३०,२९७  | १,६५,४३२  | १,३६,०४०  |
| लुम्बिनी प्रदेश     | १,५६,१२५  | १,८४,७६४  | १,५३,८४२  |
| कर्णाली प्रदेश      | १,५५,५६३  | १,८३,०६१  | १,६२,७३९  |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश | १,४५,८०२  | १,७५,५८३  | १,४४,२१९  |
| जम्मा               | १०,३७,०२५ | १२,९४,६०६ | १०,५०,६६८ |

स्रोत: राष्ट्रिय प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोग

चार्ट २.५: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९—२०८०/८१  
(रु. लाखमा)



## परिच्छेद ३: वित्तीय क्षेत्र

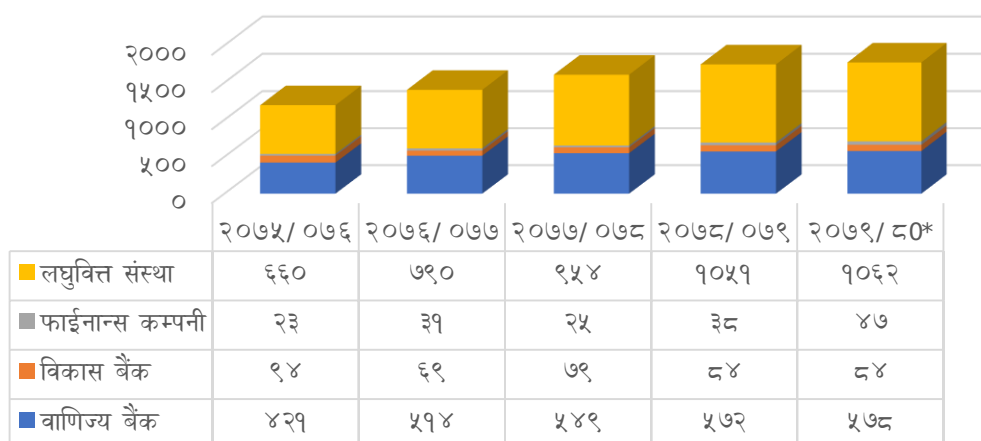
### ३.१ मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्था

तालिका ३.१ ले मधेश प्रदेशमा रहेका वाणिज्य बैंक, विकास बैंक, फाइनेन्स कम्पनी र लघुवित्त संस्थाहरूको विवरण प्रस्तुत गरेको छ। आ.व. २०७५/७६ को तुलनामा चालू आ.व. (२०७९/८०) मा प्रदेशमा समग्रमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा ४७.८ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ। वाणिज्य बैंकको हकमा सोही अवधिभित्र ३७.२९ प्रतिशतको वृद्धि भएको छ भने विकास बैंकको हकमा १०.६४ प्रतिशतले घटेको छ। तर फाइनेन्स कम्पनीहरूको हकमा सोही अवधिमा दुई गुणाभन्दा बढी वृद्धि भएको छ। त्यस्तै, लघुवित्त संस्थाहरूको हकमा झन्डै ६१ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ।

| तालिका ३.१: मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको अवस्था |              |              |              |              |              |
|------------------------------------------------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| वित्तीय क्षेत्र                                            | २०७५/०७<br>६ | २०७६/०७<br>७ | २०७७/०७<br>८ | २०७८/०७<br>९ | २०७९/८०<br>* |
| वाणिज्य बैंक                                               | ४२१          | ५१४          | ५४९          | ५७२          | ५७८          |
| विकास बैंक                                                 | ९४           | ६९           | ७९           | ८४           | ८४           |
| फाइनेन्स कम्पनी                                            | २३           | ३१           | २५           | ३८           | ४७           |
| लघुवित्त संस्था                                            | ६६०          | ७९०          | ९५४          | १,०५१        | १,०६२        |
| जम्मा                                                      | १,१९८        | १,४०४        | १,६०७        | १,७४५        | १,७७९        |
| स्रोत: नेपाल राष्ट्र बैंक                                  |              |              |              |              |              |

साथै, चार्ट ३.१ ले तालिका ३.१ लाई थप प्रस्ट पार्ने कोशिस गरेको छ। मधेश प्रदेशको बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा सबैभन्दा धेरै अनुपात लघुवित्त संस्थाको रहेको छ भने दोस्रोमा वाणिज्य बैंकको रहेको देखिन्छ।

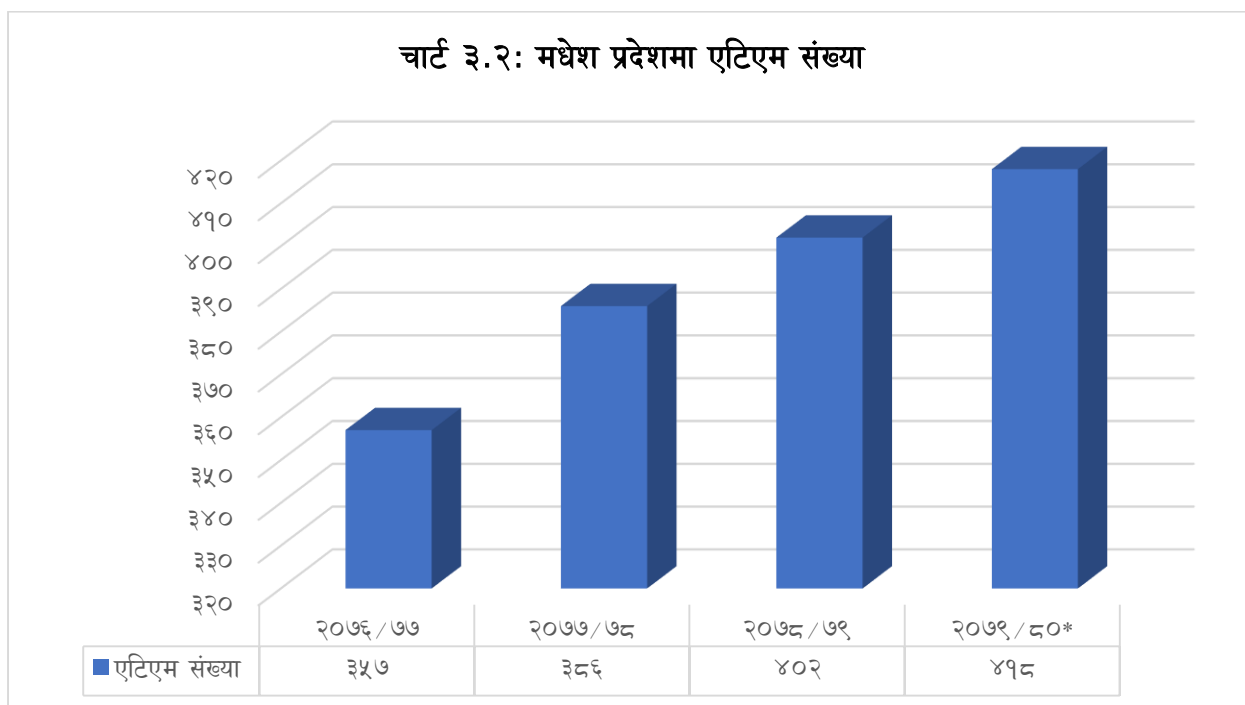
चार्ट ३.१: मधेश प्रदेशमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको अवस्था



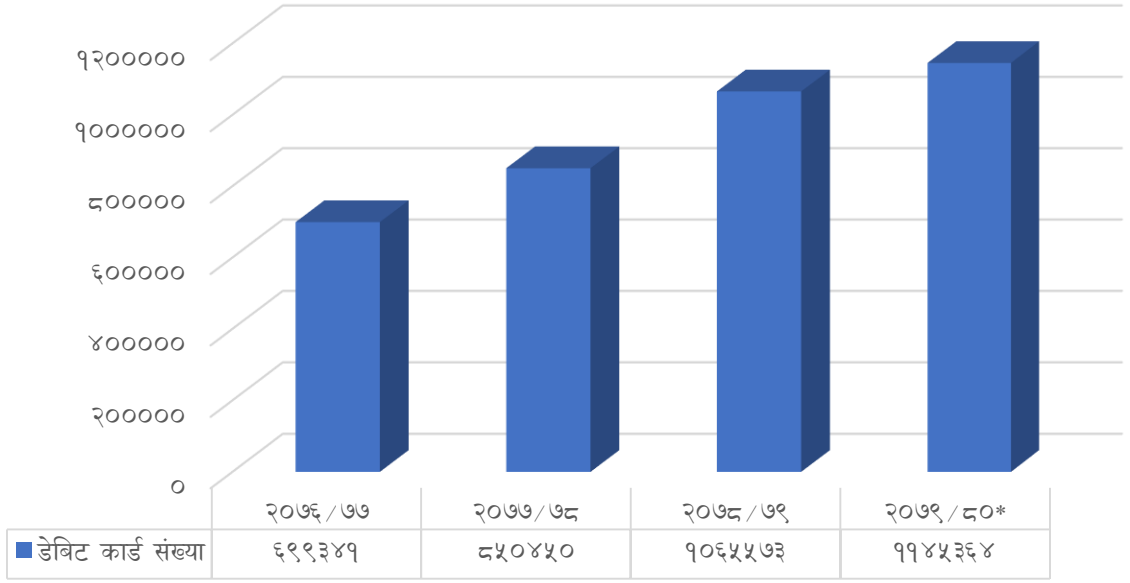
तालिका ३.२ ले मधेश प्रदेशमा बैंकिङ सेवा विस्तारको विवरण प्रस्तुत गरेको छ। एटिएम संख्यामा आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० (चैत्र मसान्तसम्म) १७ प्रतिशतले वृद्धि भएको देखिन्छ। डेबिट कार्डतर्फ सोही अवधिमा ६४ प्रतिशतको वृद्धि भएको देखिन्छ। त्यस्तै, क्रेडिट कार्डको संख्यामा सोही अवधिमा झन्डै १२६ प्रतिशतको वृद्धि देखिएको छ। तर, प्रिपेड कार्डतर्फ भने सोही अवधिमा करिब ३४ प्रतिशतले घटेको छ। यद्यपि, मोबाइल बैंकिङ र इन्टरनेट बैंकिङ ग्राहकको संख्यामा क्रमशः ९० प्रतिशत र ९२ प्रतिशतले वृद्धि देखिएको छ। थप विवरणको लागि चार्ट ३.२, ३.३, ३.४ र ३.५ हेर्नुहोस्।

| तालिका ३.२: मधेश प्रदेशमा बैंकिङ सेवा विस्तार विवरण |           |           |           |           |
|-----------------------------------------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| विवरण                                               | २०७६/७७   | २०७७/७८   | २०७८/७९   | २०७९/८०*  |
| एटिएम संख्या                                        | ३५७       | ३८६       | ४०२       | ४१८       |
| डेबिट कार्ड संख्या                                  | ६,९९,३४१  | ८,५०,४५०  | १०,६५,५७३ | ११,४५,३६४ |
| क्रेडिट कार्ड संख्या                                | ७,५५२     | ९,२१७     | १३,२०५    | १७,०७१    |
| प्रिपेड कार्ड संख्या                                | १,१८१     | ५९३       | ६८७       | ७८०       |
| मोबाइल बैंकिङ ग्राहक संख्या                         | ११,१२,१७४ | १४,०१,८४९ | १८,३६,४१४ | २१,०६,३६० |
| इन्टरनेट बैंकिङ ग्राहक संख्या                       | ६४,६६९    | ८३,६१३    | १,१७,३१९  | १,२४,७२२  |

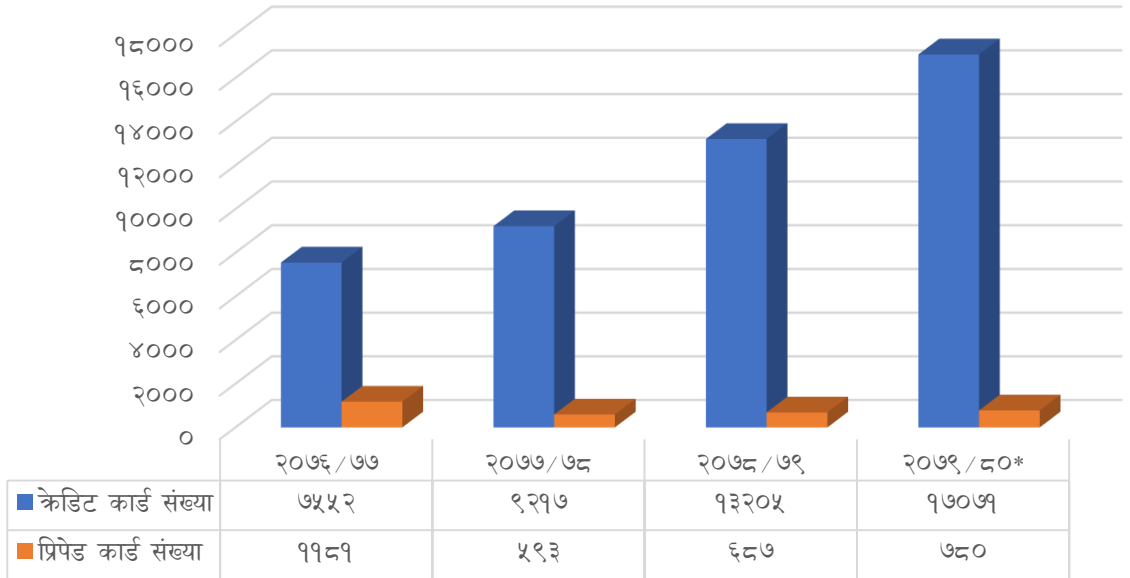
\*चैत्र मसान्तसम्म



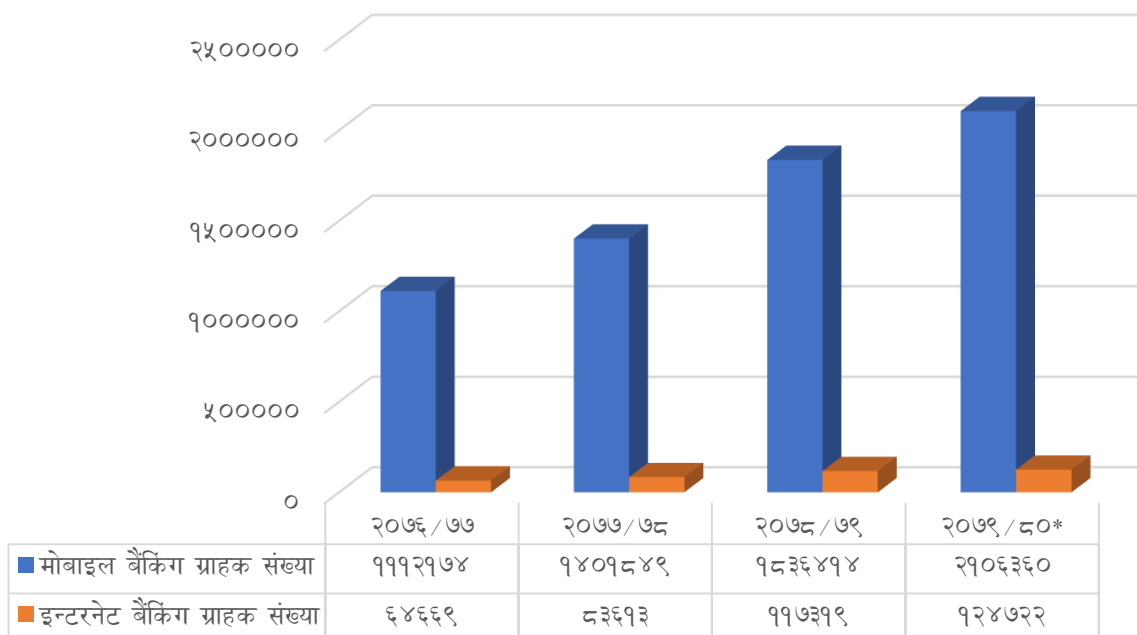
ચાર્ટ ૩.૩: મધેશ પ્રદેશમા ડેબિટ કાર્ડ સંખ્યા



ચાર્ટ ૩.૪: મધેશ પ્રદેશમા ક્રેડિટ તથા પ્રિપેડ કાર્ડ સંખ્યા



चार्ट ३.५: मधेश प्रदेशमा मोबाइल बैंकिङ र इन्टरनेट बैंकिङ ग्राहक संख्या

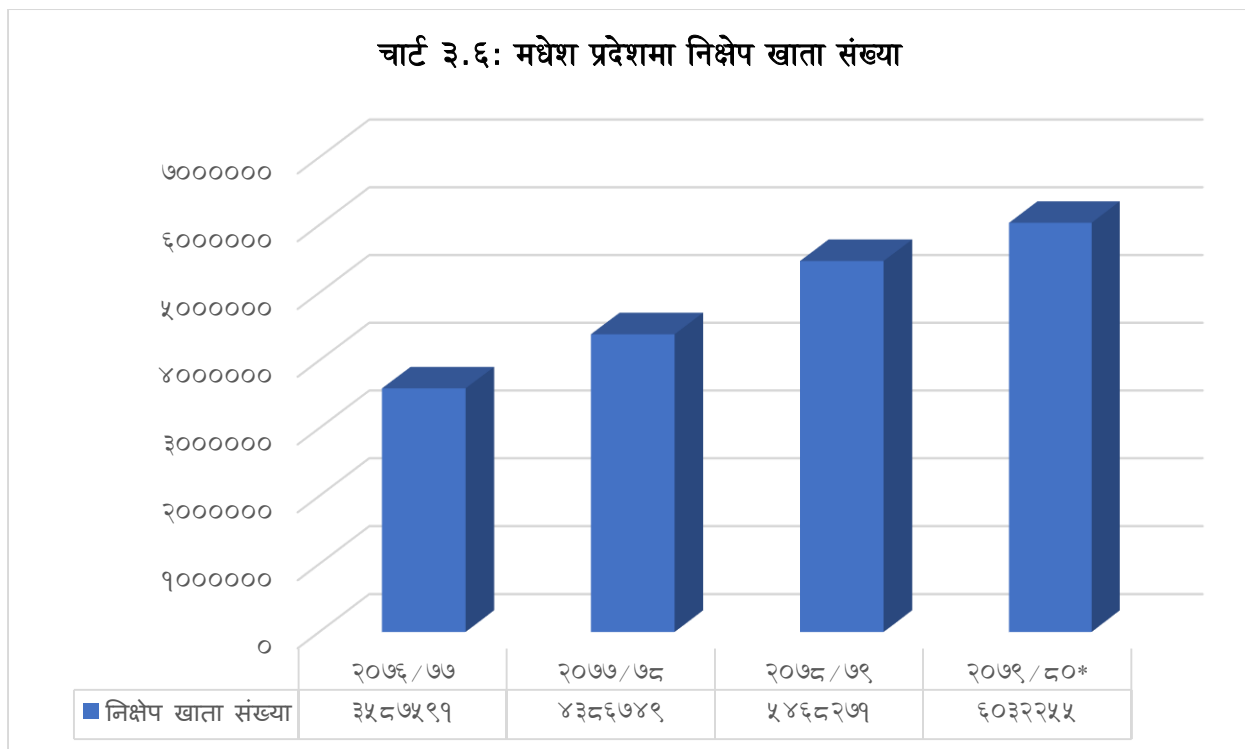


तालिका ३.३ ले मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्याको विवरण दिएको छ। मधेश प्रदेशमा सबै वित्तीय संस्थाको निक्षेप संख्या २०७६/७७ देखि २०७९/८० सम्ममा करिब ६८ प्रतिशतले बढेको छ। यो वित्तीय समावेशीकरणको दृष्टिकोणले पनि राम्रो प्रगतिको सूचक हो। चार्ट ३.६ ले मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्याको विवरणलाई थप प्रस्ट पार्न यसको क्रमिक वृद्धिलाई देखाएको छ।

तालिका ३.३: मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्या

| विवरण               | २०७६/७७   | २०७७/७८   | २०७८/७९   | २०७९/८०*  |
|---------------------|-----------|-----------|-----------|-----------|
| निक्षेप खाता संख्या | ३५,८७,५९१ | ४३,८६,७४९ | ५४,६८,२७१ | ६०,३२,२५५ |
| *फाल्गुन मसान्तसम्म |           |           |           |           |

चार्ट ३.६: मधेश प्रदेशमा निक्षेप खाता संख्या

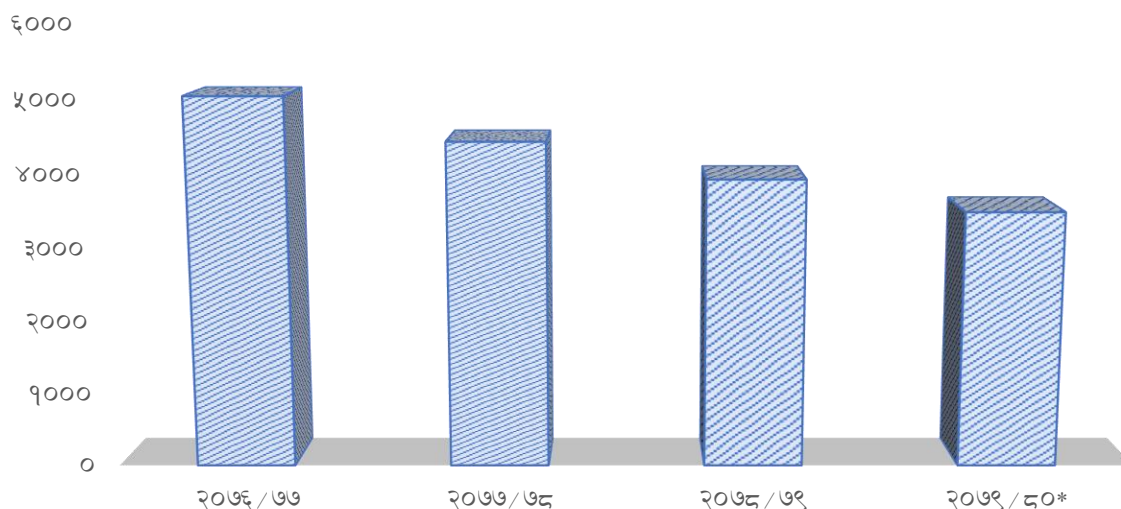


तालिका ३.३ र चार्ट ३.७ को तथ्यांकलाई थप पुष्टि गर्दै तालिका ३.४ ले मधेश प्रदेशमा प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्याको विवरण दिएको छ। आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा ५,०३१ जनालाई सेवा दिदै आएकोमा बैंक वित्तीय समावेशीतालाई थप विस्तार गरी २०७९/७० (फाल्गुन मसान्तसम्म) मा ३,५११ जनामा औसत प्रति बैंकले सेवा दिदै आएको छ।

| तालिका ३.४: मधेश प्रदेशमा प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या |         |         |         |          |
|---------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|----------|
| विवरण                                                         | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८०* |
| प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या                           | ५,०६१   | ४,४५६   | ३,९५२   | ३,५११    |
| *फाल्गुन मसान्तसम्म                                           |         |         |         |          |



चार्ट ३.७: मधेश प्रदेशमा प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या

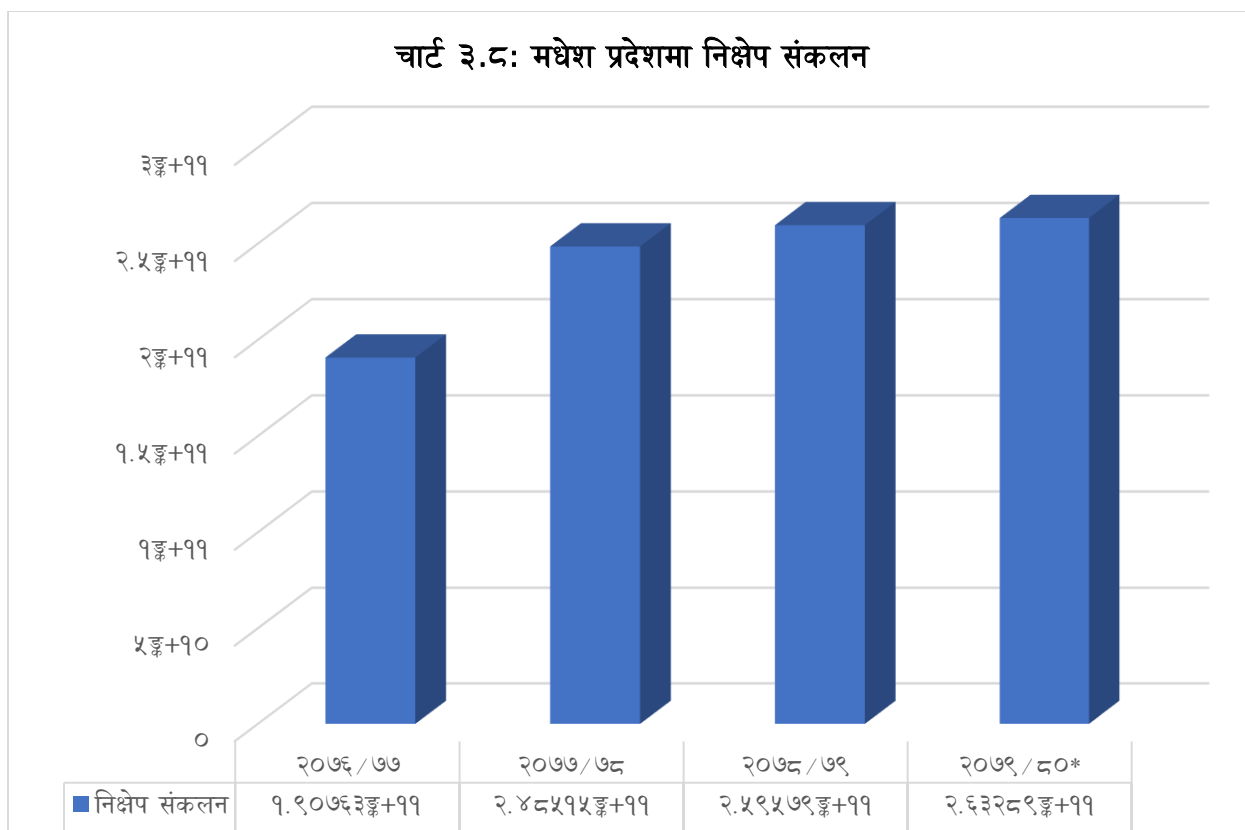


|                                     | २०७६/७७    | २०७७/७८     | २०७८/७९     | २०७९/८०*    |
|-------------------------------------|------------|-------------|-------------|-------------|
| प्रति बैंकले सेवा दिने औसत जनसंख्या | ५०६०.७५७९३ | ४४५५.९५८८३६ | ३९५९.६९३२९७ | ३५९०.७६६७६२ |

तालिका ३.५ ले मधेश प्रदेशमा निक्षेप संकलनको तथ्यांक प्रस्तुत गरिएको छ। यसलाई दुई किसिमले गर्न सकिन्छ। पहिलो, आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० (फाल्गुन मसान्तसम्म) को वृद्धि ३८.९ प्रतिशत देखिन्छ। दोस्रो, वृद्धि देखिएता पनि वार्षिक वृद्धि हेर्दा २०७७/७८ मा झन्डै ३० प्रतिशत भएता पनि २०७८/७९ मा जम्मा ४.४५ प्रतिशत र २०७९/८० मा मात्र १.४३ प्रतिशत देखिन्छ। यसले पनि तरलताको अभावलाई बुझ्न सहयोग गर्ने देखिन्छ। चार्ट ३.८ ले निक्षेप संकलनलाई बुझ्न थप सहयोग गरेको छ, र यसले प्रस्ट देखाउँछ कि विगतको तीन आ.व. (२०७७/७८ देखि २०७९/८०) मा शिथिलता आएको छ।

तालिका ३.५: मधेश प्रदेशमा निक्षेप संकलन

| विवरण               | २०७६/७७           | २०७७/७८           | २०७८/७९           | २०७९/८०*          |
|---------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| निक्षेप संकलन       | १,९०,७६,२६,५४,७१० | २,४८,५९,४७,७३,९५३ | २,५९,५७,९०,६२,३५९ | २,६३,२८,८६,०५,९९९ |
| *फाल्गुन मसान्तसम्म |                   |                   |                   |                   |

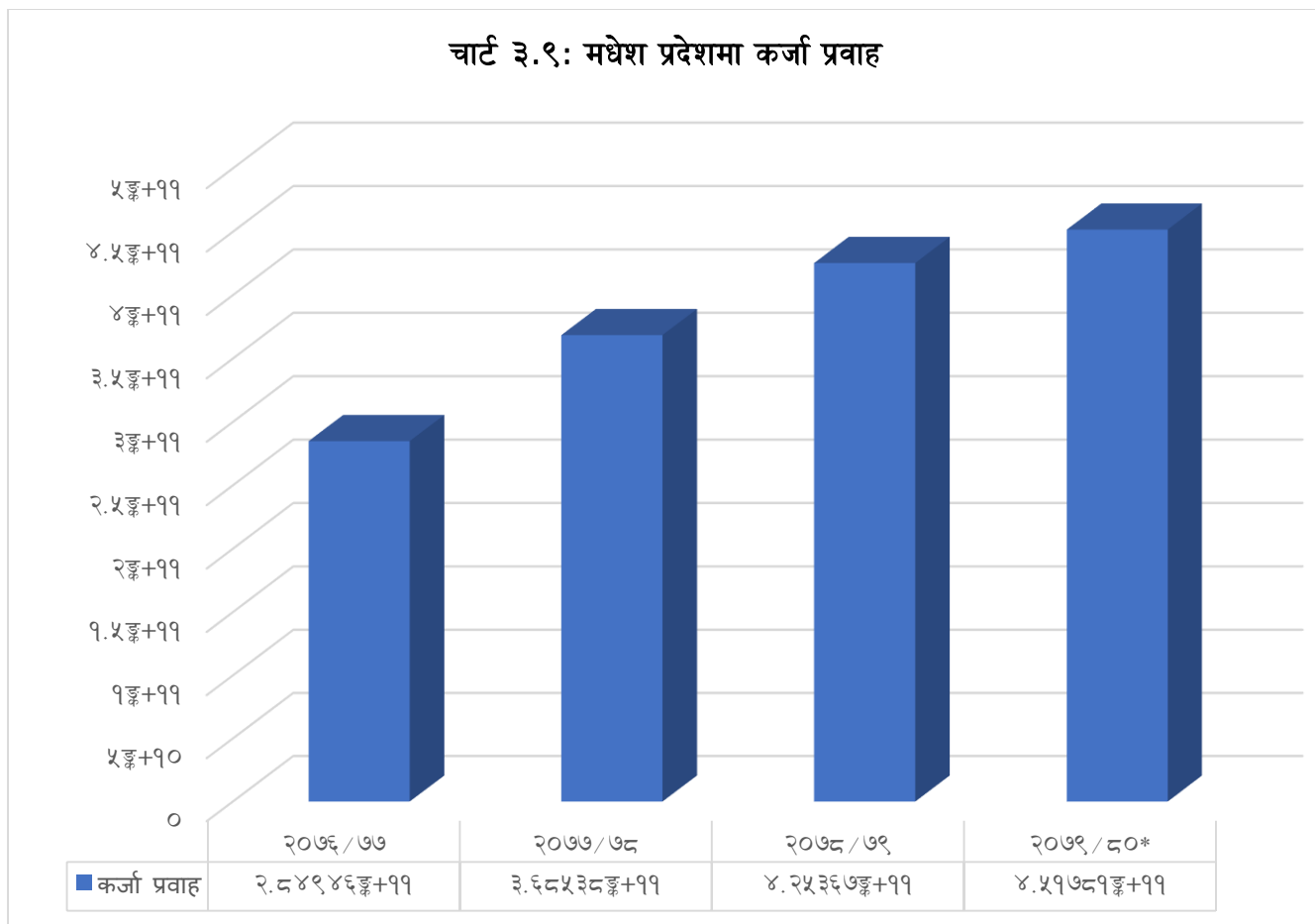


तालिका ३.६ ले मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाहको तथ्यांक देखाउँछ। यसलाई पनि दुई तरिकाले हेर्नु पर्ने हुन्छ। पहिलो, आ.व. २०७६/७७ को तुलनामा २०७९/८० मा मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाहमा ५९ प्रतिशत वृद्धि देखिन्छ। दोस्रो, वार्षिक वृद्धि हेर्दा २०७७/७८ मा २९ प्रतिशत, २०७८/७९ मा १५.४२ प्रतिशत र २०७९/८० मा ६.२९ % देखिन्छ। आर्थिक शिथिलताले कर्जा प्रवाहमा पनि वृद्धि कम देखिएको हो।

| तालिका ३.६: मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाह |                   |                   |                   |                   |
|----------------------------------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| विवरण                                  | २०७६/७७           | २०७७/७८           | २०७८/७९           | २०७९/८०*          |
| कर्जा प्रवाह                           | २,८४,९४,५५,७६,९९९ | ३,६८,५३,७९,१०,१२४ | ४,२५,३६,७२,३५,६८९ | ४,५१,७८,०९,५८,३५२ |
| *फाल्गुन मसान्त सम्म                   |                   |                   |                   |                   |

तालिका ३.७ ले मधेश प्रदेशमा रहेका बैंक तथा वित्तीय संस्थाको विवरण दिएको छ। सबैभन्दा धेरै बैंक तथा वित्तीय संस्था धनुषा जिल्लामा रहेको छ। करिब १५ प्रतिशतको हिस्सेदारी धनुषा जिल्लाको रहेको छ भने, सबैभन्दा कम बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू क्रमशः सप्तरी र रौतहट जिल्लामा रहेको देखिन्छ।

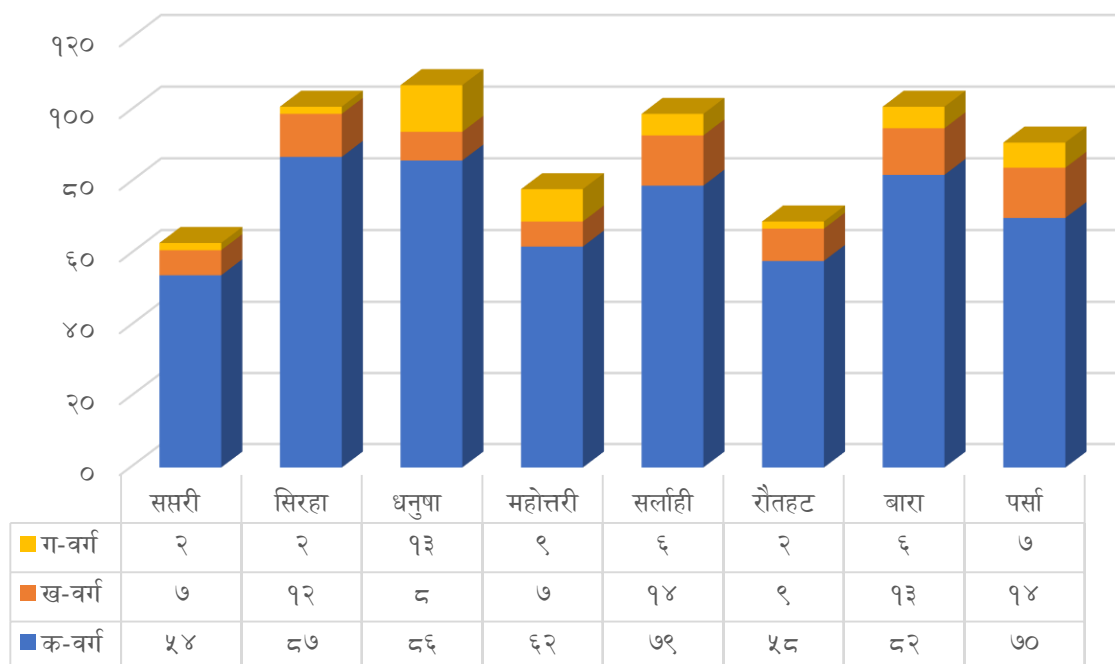
चार्ट ३.९: मधेश प्रदेशमा कर्जा प्रवाह



मधेश प्रदेशमा "क" वर्गको बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रतिनिधित्व करिब ८१ प्रतिशत छ भने "ख" वर्गको प्रतिनिधित्व ११.८५ प्रतिशत रहेको छ। त्यसै गरी, "ग" वर्गको बैंक तथा वित्तीय संस्था प्रतिनिधित्व मात्र ६.६३ प्रतिशत रहेको देखिन्छ। साथै, चार्ट ३.११ ले मधेश प्रदेशमा रहेको बैंक तथा वित्तीय संस्थाको जिल्लागत तहमा विश्लेषण गर्न मद्दत गरेको छ।

| तालिका ३.७: मधेश प्रदेशमा जिल्लागत तहमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या (लघुवित्त बाहेक) |          |          |          |       |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|-------|
| जिल्ला                                                                                    | "क" वर्ग | "ख" वर्ग | "ग" वर्ग | जम्मा |
| सप्तरी                                                                                    | ५४       | ७        | २        | ६३    |
| सिराहा                                                                                    | ८७       | १२       | २        | १०१   |
| धनुषा                                                                                     | ८६       | ८        | १३       | १०७   |
| महोत्तरी                                                                                  | ६२       | ७        | ९        | ७८    |
| सर्लाही                                                                                   | ७९       | १४       | ६        | ९९    |
| रौतहट                                                                                     | ५८       | ९        | २        | ६९    |
| बारा                                                                                      | ८२       | १३       | ६        | १०१   |
| पर्सा                                                                                     | ७०       | १४       | ७        | ९१    |
| जम्मा                                                                                     | ५७८      | ८४       | ४७       | ७०९   |

चार्ट ३.१०: मधेश प्रदेशमा जिल्लागत तहमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाको संख्या (लघुवित्त बाहेक)



### ३.२ मधेशमा लघुवित्तको अवस्था

हालै प्राप्त नेपाल राष्ट्र बैंकको तथ्यांक अनुसार, मधेश प्रदेशका आठ जिल्लाहरूमा लघुवित्तको शाखाहरूको विवरण तालिका ३.८ मा राखिएको छ । समग्र नेपालको करिब २० प्रतिशत लघुवित्त शाखाहरू मधेश प्रदेशमा छन् भने मधेश प्रदेशका जिल्ला मध्ये आनुपातिक रूपमा करिब १४ प्रतिशत लघुवित्तको शाखाहरू बारा जिल्लामा रहेको देखिन्छ ।

तालिका ३.९ ले मधेश प्रदेशका लघुवित्त संस्थाहरूबाट भएको लगानीको विवरण प्रस्तुत गरेको छ । आ.व. २०७८/७९ मा कुल लगानीको करिब ४८ प्रतिशत कृषि क्षेत्रमा लगानी भएको छ भने, साना तथा घरेलु उद्योगमा १२ प्रतिशत देखिन्छ । त्यस्तै, सोही अवधिमा सेवा क्षेत्रमा लघुवित्त संस्थाहरूबाट लगानी ३९ प्रतिशत लगानी देखिन्छ भने अन्य क्षेत्रमा १ प्रतिशत लगानी गरेको देखिन्छ ।

| तालिका ३.८: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा लघुवित्त वित्तीय संस्थाको शाखाहरूको विवरण |                                           |                                     |
|---------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------|-------------------------------------|
| जिल्लाको नाम                                                                    | आ.व.२०७८/७९ को अन्त्यमा रहेका शाखा संख्या | २०७९ चैत मसान्तमा रहेका शाखा संख्या |
| बारा                                                                            | १४७                                       | १४९                                 |
| धनुषा                                                                           | १४५                                       | १४६                                 |
| महोत्तरी                                                                        | १४०                                       | १४३                                 |
| पर्सा                                                                           | १०५                                       | १०९                                 |
| रौतहट                                                                           | १०७                                       | १०९                                 |
| सप्तरी                                                                          | १२८                                       | १२९                                 |
| सर्लाही                                                                         | १३३                                       | १३५                                 |
| सिराहा                                                                          | १३४                                       | १३५                                 |
| मधेश प्रदेशका ८ जिल्लाहरूमा रहेको जम्मा शाखा संख्या                             | १०३९                                      | १०५५                                |
| देशभरि रहेको लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूको शाखा संख्या                           | ५०६२                                      | ५०९३                                |

| तालिका ३.९: मधेश प्रदेशका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूबाट विभिन्न क्षेत्रमा भएको कर्जा लगानी विवरण |                       |              |              |                               |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|--------------|--------------|-------------------------------|
| क्र. सं.                                                                                         | क्षेत्र               | आ.व.२०७६/७७  | आ.व.२०७७/७८  | रकम रु. हजारमा<br>आ.व.२०७८/७९ |
| १                                                                                                | कृषि क्षेत्र          | २६,०५,७२७.१९ | ३७,९४,८३८.५० | ४९,१६,३०८.०२                  |
| २                                                                                                | साना तथा घरेलु उद्योग | २,१४,५२४.७८  | १२,५०,५२२.१६ | १२,३४,८६०.८१                  |
| ३                                                                                                | सेवा क्षेत्र          | २४,३९,८६६.९१ | २६,५६,११५.९८ | ३९,४१,०२४.५३                  |
| ४                                                                                                | थोक कर्जा             |              |              |                               |
| ५                                                                                                | अन्य                  | १,४०,६८२.९१  | ७१,५४१.६३    | ९६,१६६.४२                     |
|                                                                                                  | जम्मा कर्जा लगानी     | ५४,००,८०१.७९ | ७७,७३,०१८.२७ | १,०१,८८,३५९.७८                |

तालिका ३.१० ले मधेश प्रदेशका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूमा भएको निक्षेप बचत र लगानीको विवरण विगत तीन आ.व.को दिएको छ। सो अवधिमा बचत र लगानीको अनुपात हेर्दा निक्षेपभन्दा तीन गुणा बढी लगानी रहेको देखिन्छ।

| तालिका ३.१०: मधेश प्रदेशका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरूमा भएको निक्षेप बचत रकम* |                 |                  |
|-------------------------------------------------------------------------------|-----------------|------------------|
|                                                                               |                 | रकम रु. हजारमा   |
| आ.व.                                                                          | कर्जा लगानी रु. | बचत/ निक्षेप रु. |
| आ.व.२०७६/७७                                                                   | ५४,००,८०१.७९    | २१,१४,६८०.८३     |
| आ.व.२०७७/७८                                                                   | ७७,७३,०१८.२७    | २६,५४,१३०.५४     |
| आ.व.२०७८/७९                                                                   | १,०१,८८,३५९.७८  | ३४,८१,३८६.८३     |

\*नोट: मधेश प्रदेशमा केन्द्रीय कार्यालय रहेका लघुवित्त वित्तीय संस्थाहरू क्रमशः समाज लघुवित्त, श्रृजनशील लघुवित्त, स्वस्तिक लघुवित्त, मिथिला लघुवित्त र माहुली लघुवित्त वित्तीय संस्था गरी जम्मा पाँच वटा संस्थाहरूको तथ्यांक माथिको बुँदा नं. २ र ३ मा समावेश गरिएको छ ।

### ३.३ सहकारी तथ्यांक

सहकारी संस्थालाई सहकारी ऐन २०७४ अन्तर्गत सहकारी विभागले नियमन गरेको छ। तालिका ३.११ ले मधेश प्रदेशमा उत्पादक, उपभोक्ता, वित्तीय, बहुउद्देशीय, र सेवाको क्षेत्र गरी कुल सहकारी संख्या ४,१५३ रहेको देखाउँछ भने कुल सदस्य संख्या ५,५५,१७९ रहेको छ। मधेश प्रदेशमा सहकारी संस्थाको कुल शेयर पुँजी करिब २ अर्ब ३६ करोड रहेको छ भने बचत संकलन २ अर्ब ३१ करोड रहेको देखिन्छ। जसबाट कुल लगानी करिब १५ अर्ब ५ करोड गरिएको छ भने करिब १०,८४३ जनाले प्रत्यक्ष रोजगारी पाएका छन्।

| तालिका ३.११: सहकारी संस्थाको जानकारीमूलक विवरण |                 |
|------------------------------------------------|-----------------|
| कुल सहकारी संख्या                              | ४,१५३           |
| कुल सदस्य संख्या                               | ५,५५,१७९        |
| महिला                                          | २,५२,११२        |
| पुरुष                                          | ३,०३,०८५        |
| कुल शेयर पुँजी                                 | २,३६,५२,४६,१५८  |
| कुल बचत संकलन                                  | २३,१९,९६,४१,३१३ |
| कुल ऋण लगानी                                   | १५,०५,११,९८,०६४ |
| प्रत्यक्ष रोजगारी                              | १०,८४३          |
| स्रोत : सहकारी विभाग, २०७७                     |                 |

तालिका ३.१२ ले मधेश प्रदेशभित्र सहकारी संस्थाको थप विवरण दिएको छ। मधेश प्रदेशका १३६ वटा स्थानीय तहलाई करिब ३,३१४ वटा संस्थाले आफ्नो कार्य क्षेत्र बनाएको छ। त्यस्तै, मधेश प्रदेशलाई कार्य क्षेत्र बनाएर ८४१ वटा संस्था कार्यरत रहेको देखिन्छ। मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा बढी सहकारी संस्था भएको जिल्ला धनुषा रहेको छ भने सबैभन्दा कम सहकारी संस्था भएको जिल्ला पर्सा रहेको छ। थप विवरण तलको तालिकामा हेर्नुस् ।

| तालिका ३.१२: मधेश प्रदेशमा सहकारी संस्थाको विवरण |                                                      |                             |        |
|--------------------------------------------------|------------------------------------------------------|-----------------------------|--------|
| क्र. स.                                          | तथ्यांक                                              |                             | संख्या |
| १                                                | स्थानीय तह मात्र कार्य क्षेत्र भएका सहकारी संस्थाहरू |                             | ३,३१२  |
| २                                                | प्रदेश कार्यक्षेत्र भएका जम्मा सहकारी संस्थाहरू      |                             | ८४१    |
| ३                                                | सबै भन्दा बढी सहकारी संस्था भएको जिल्ला              | धनुषा                       | ६१७    |
| ४                                                | सबै भन्दा कम सहकारी संस्था भएको जिल्ला               | पर्सा                       | २,३६५  |
| ५                                                | सबै भन्दा धेरै सहकारी भएको स्थानीय तह                | जनकपुरधाम<br>उ.म.न.पा.      | १९१    |
| ६                                                | सबै भन्दा कम सहकारी भएको स्थानीय तह                  | राजदेवी न.पा.<br>कमला न.पा. | १.१    |
| ७                                                | सबै भन्दा धेरै महिला सदस्य सहकारीमा आवद् भएको जिल्ला | रौतहट                       | ४०,७१४ |
| ८                                                | सबै भन्दा कम महिला सहभागी भएको जिल्ला                | सप्तरी                      | १७,६९२ |
| ९                                                | सबै भन्दा बढी पुरुष सदस्य सहकारी आवद् भएको जिल्ला    | पर्सा                       | ३३,७२८ |
| १०                                               | सबै भन्दा कम पुरुष सदस्य सहकारी आवद् भएको जिल्ला     | सप्तरी                      | १४,२०५ |
| ११                                               | प्रदेश २ मा प्रत्यक्ष रोजगारी                        |                             | १०,८४३ |
| स्रोत : सहकारी विभाग, २०७७                       |                                                      |                             |        |

### ३.४ बीमा क्षेत्र

तालिका ३.१३ ले प्रदेश स्तरमा बीमक शाखा कार्यालयको विवरण दिएको छ । जसमा नेपालभरि जीवन बिमातर्फ २,३०२ शाखाहरू छन् भने निर्जीवन बिमातर्फ १०६४ शाखाहरू छन्। ती मध्य मधेश प्रदेशमा जीवन बिमातर्फ कुल बीमा संख्याको १४ प्रतिशत रहेको छ भने निर्जीवन बिमातर्फ १२.४ प्रतिशत रहेको देखिन्छ।

| तालिका ३.१३: बीमकको शाखा कार्यालय संख्या |      |          |
|------------------------------------------|------|----------|
| प्रदेश                                   |      |          |
|                                          | जीवन | निर्जीवन |
| कोशी                                     | ३७४  | १६८      |
| मधेश                                     | ३२६  | १३२      |
| बागमती                                   | ६००  | ३२३      |
| गण्डकी                                   | २३६  | १४४      |
| लुम्बिनी                                 | ३६८  | १८०      |
| कर्णाली                                  | १४४  | ४४       |
| सुधुरपश्चिम                              | २५४  | ७३       |
| स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, २०७९/८०         |      |          |

तालिका ३.१४ ले बिमा सम्बन्धी केही महत्त्वपूर्ण जानकारी समावेश रहेको छ। आ.व. २०७७/७८ को तुलनामा २०७८/७९ मा वैदेशिक रोजगार बीमा बाहेकको जीवन बिमाको दायरामा २५.२३ प्रतिशतबाट वृद्धि भई ३८.२६ प्रतिशत रहेको छ भने सोही अवधिमा वैदेशिक रोजगार बीमा सहितको दायरा २७.५३ प्रतिशतबाट बढेर ४१.२० प्रतिशत पुगेको छ। त्यस्तै, सोही अवधिमा जीवन बिमामा प्रति व्यक्ति पहुँच ४,०५२ बाट बढेर ४,५७६ सम्म पुगेको छ।

| तालिका ३.१४: बीमा सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण जानकारी                                                                              |                           |                            |                            |                |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|----------------------------|----------------------------|----------------|
| विवरण                                                                                                                        |                           | आ. व. २०७७/७८              | आ. व. २०७८/७९              | वृद्धि प्रतिशत |
| कुल बीमा शुल्क संकलन                                                                                                         | जीवन बीमा                 | रु. १ खर्ब २० अर्ब ९५ करोड | रु. १ खर्ब ३८ अर्ब ६४ करोड | १४.६३          |
|                                                                                                                              | निर्जीवन बीमा             | रु. ३१ अर्ब ६० करोड        | रु. ३९ अर्ब १६ करोड        | २३.५६          |
|                                                                                                                              | जम्मा                     | रु. १ खर्ब ५२ अर्ब ६५ करोड | रु. १ खर्ब ७७ अर्ब ८१ करोड | १६.४८          |
| चुक्ता पुँजी                                                                                                                 | जीवन बीमा                 | रु. ३८ अर्ब ९१ करोड        | रु. ४३ अर्ब ८९ करोड        | १२.८१          |
|                                                                                                                              | निर्जीवन बीमा             | रु. १९ अर्ब ८४ करोड        | रु. २२ अर्ब ८० करोड        | १४.९२          |
| जीवन बीमाको दायरामा आएको जनसंख्या प्रतिशत                                                                                    | वैदेशिक रोजगार बीमा बाहेक | २५.२३%                     | ३८.२६%                     |                |
|                                                                                                                              | वैदेशिक रोजगार बीमा सहित  | २७.५३%                     | ४१.२०%                     |                |
| कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा कुल बीमा शुल्कको अनुपात                                                                               | जीवन बीमा                 | २.८३%                      | २.८६%                      |                |
|                                                                                                                              | निर्जीवन बीमा             | ०.७४%                      | ०.८१%                      |                |
|                                                                                                                              | जम्मा                     | ३.५७%                      | ३.६७%                      |                |
| बीमा                                                                                                                         | जीवन बीमा                 | रु. ४,०५२.४१ प्रति व्यक्ति | रु. ४,५७३.७१ प्रति व्यक्ति |                |
| स्रोत: <a href="https://nia.gov.np/insurance-industry-at-a-glance/">https:// nia.gov.np/ insurance-industry-at-a-glance/</a> |                           |                            |                            |                |

तालिका ३.१४ र तालिका ३.१५ ले प्रदेश स्तरमा जीवन बिमा र निर्जीवन बिमाको स्थितिको विवरण दिन्छ। जीवन बिमातर्फ देशभरि कुल सक्रिय बीमकको संख्या १४,१६५,९९८ रहेको छ भने मधेश प्रदेशमा कुल बीमक संख्याको जम्मा ३.५८ प्रतिशत रहेको देखिन्छ भने निर्जीवनतर्फ कुल बीमक संख्या २१,६६,३२८ रहेको छ भने मधेश प्रदेशमा कुल बीमक संख्याको करिब ९ प्रतिशत मात्र रहेको देखिन्छ। थप विस्तृत विवरणको लागि तलको तालिका १४ र १५ हेर्नुहोस्।



तालिका ३.१५: जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूको २०७९ चैत्र महिनासम्म (तेस्रो त्रैमासिक सम्मको) सक्रिय रहेका कुल बीमालेख संख्याको प्रदेशगत विवरण

| प्रदेश      | सावधिक जीवन बीमा | अग्रिम भुक्तानी सावधिक जीवन बीमा | रूपान्तरित सावधिक जीवन बीमा | बालबच्चा सम्बन्धित साविक जीवन बीमा | वैदेशिक रोजगार म्यादी जीवन बीमा | आजीवन जीवन बीमा | एकल बीमा शुल्क जीवन | म्यादी जीवन बीमा | लघु जीवन बीमा | जम्मा       |
|-------------|------------------|----------------------------------|-----------------------------|------------------------------------|---------------------------------|-----------------|---------------------|------------------|---------------|-------------|
| कोशी        | २,८३,०३०         | ७५,८८८                           | ६६,१२५                      | १,४४,००५                           | ८५१                             | २०,६१२          | ३,६६०               | ४,०६,१६५         | २,६२,५२६      | १२,६२,८६२   |
| मधेश        | १,५६,३७७         | ५७,२३३                           | १,४९,८६५                    | ८३,२१८                             | ०                               | २१,५९९          | ४,०१८               | ११,७१९           | २३,८२४        | ५,०७,८५३    |
| बागमती      | ९,८७,५८१         | १,२०,८३१                         | १,३०,८६८                    | २,३६,०१४                           | १४,५८,४६३                       | १८,६२८          | ३,८६८               | ३७,५८,८२४        | ३५,१५,००३     | १,०२,३०,०८० |
| गण्डकी      | १,५२,१७२         | ४०,७५८                           | ४०,४९२                      | ८९,६१६                             | ०                               | १९,३२८          | २,२८४               | ८,५०१            | २,५५,३९७      | ६,०८,५४८    |
| लुम्बिनी    | २,३९,६८५         | ८०,८२४                           | ८८,५५३                      | १,७४,७००                           | ०                               | २९,९६७          | ५,३८४               | २२,५९८           | २,५९,९३०      | ९,०१,६४१    |
| कर्णाली     | ७१,५०८           | २१,३९०                           | १५,०४१                      | ६७,२२४                             | ०                               | ८,२९५           | १,२८४               | ६,०५७            | १२,८०१        | २,०३,६००    |
| सुधुरपश्चिम | १,२१,४३२         | ३९,६७०                           | २५,५५२                      | १,१६,१३८                           | १                               | ८,९१८           | ३,९३७               | १२,९५२           | १,२२,८१४      | ४,५१,४१४    |
| जम्मा       | २०,११,७८५        | ४,३६,५९४                         | ५,१६,४९६                    | ९,१०,९१५                           | १४,५९,३१५                       | १,२७,३४७        | २४,४३५              | ४२,२६,८१६        | ४४,५२,२९५     | १,४१,६५,९९८ |

तालिका ३.१६: निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूको २०७९ चैत्र महिनासम्म (तेस्रो त्रैमासिक सम्मको) जारी गरेको रहेका बीमालेख संख्याको प्रदेशगत विवरण

| प्रदेश      | सम्पत्ति | सामुद्रिक | हवाई | मोटर      | इन्जि. तथा ठे. जो. | विविध    | कृषि तथा बाली | लघु    | जम्मा     |
|-------------|----------|-----------|------|-----------|--------------------|----------|---------------|--------|-----------|
| कोशी        | ५८,३१७   | १३,३९५    | ०    | १,७३,०५०  | २,२९०              | ६,८६२    | १८,५३४        | ३,८४४  | २,७६,२९२  |
| मधेश        | ३६,१७६   | १७,५५४    | ०    | १,२४,५६८  | १,३६०              | ५,४६९    | ९,१४५         | ४०५    | १,९४,६७७  |
| बागमती      | १,३८,०५७ | ४५,२३०    | ९१   | ६,३४,६९८  | १२,०३०             | ८८,०५०   | ५१,०९१        | ८,९४५  | ९,७८,१९२  |
| गण्डकी      | ३८,७०८   | १,४५३     | ७    | १,४१,७५०  | १,७२६              | ७,८२०    | १४,८४३        | ६,५२०  | २,१२,८२७  |
| लुम्बिनी    | ६२,६५७   | २२,४२६    | ०    | २,१४,९१६  | ३,४८४              | ९,३६७    | २६,५९५        | ६,४०४  | ३,४५,८४९  |
| कर्णाली     | १२,३९८   | ११२       | ०    | १९,६६४    | ४४७                | १,८६७    | १०,११०        | २,६३१  | ४७,२२९    |
| सुधुरपश्चिम | २४,१६१   | १,९१२     | ०    | ७४,४२५    | १,२४२              | ३,२८२    | ४,७२५         | १,५१५  | १,११,२६२  |
| जम्मा       | ३,७०,४७४ | १,०२,०८२  | ९८   | १३,८३,०७१ | २२,५७९             | १,२२,७१७ | १,३५,०४३      | ३०,२६४ | २१,६६,३२८ |

## परिच्छेद ४: कृषि र वन

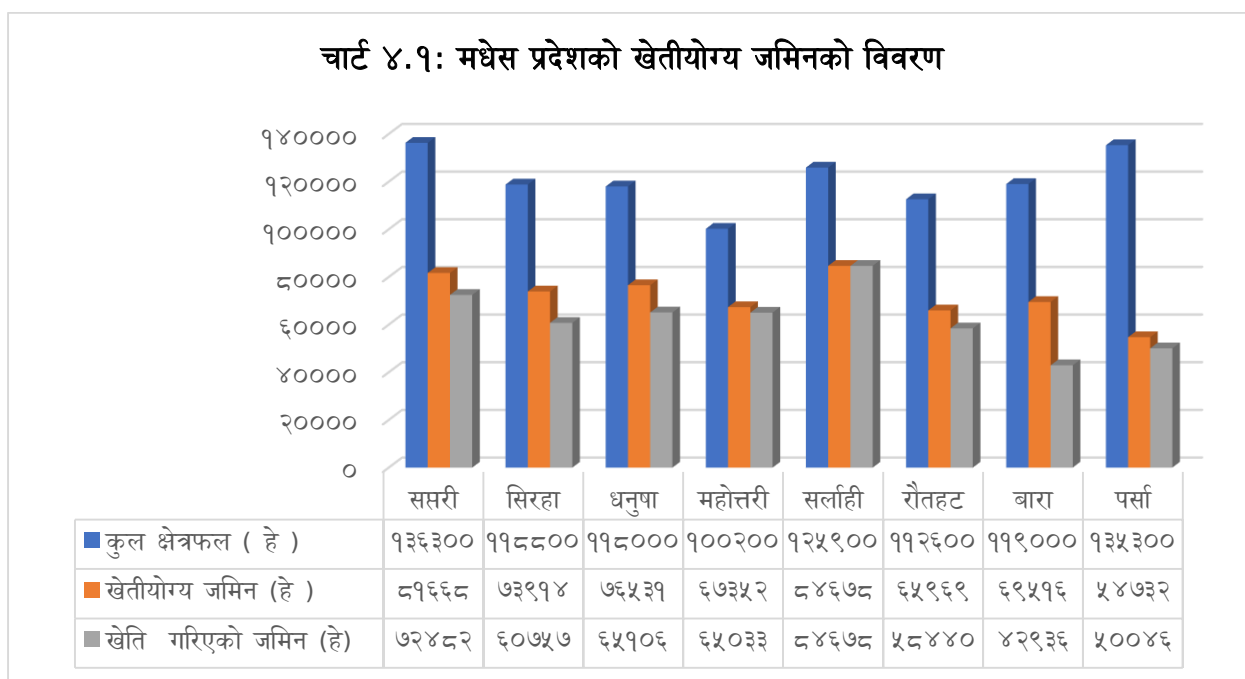
### ४.१ खेतीयोग्य जमिन

नेपालको तराई-मधेश क्षेत्र कृषि र वनको हिसाबले महत्त्वपूर्ण छ । समथर जमिन भएको यो क्षेत्र नेपालको अन्न भण्डारको रूपमा चिनिन्छ । मधेश प्रदेशले नेपालको कुल क्षेत्रफलमध्ये ६.६ प्रतिशत (९,६६१ वर्ग कि.मि.) ओगटेको छ । तर देशको कुल क्षेत्रफलको तुलनामा यो प्रदेशको खेतीयोग्य जमिन, खेती गरिएको जमिन, र उत्पादन उच्च छ । तालिका ४.१ मा देखाइए अनुसार, आ.व. २०७६/७७ मा नेपालको कुल खेतीयोग्य जमिनको १७.७५ प्रतिशत र खेती गरिएको जमिनको १९.०२ प्रतिशत यो प्रदेशमा रहेको छ । यो प्रदेशमा नेपालकै सबैभन्दा बढी सिंचित जमिन (२८.६८%) रहेको देखिन्छ । देशको कुल क्षेत्रफलको तुलनामा यो प्रदेशमा खेती नभएको जमिन १२.२६ प्रतिशत छ, जुन मूलतः नदीको बहाव क्षेत्रले ओगटेको छ । वनजंगल भने तुलनात्मक रूपमा यो प्रदेशमा कम (४.८३%) रहेको छ ।

| तालिका ४.१: नेपाल र मधेश प्रदेशको खेतीयोग्य जमिनको विवरण |           |             |         |
|----------------------------------------------------------|-----------|-------------|---------|
|                                                          | नेपाल     | मधेश प्रदेश | प्रतिशत |
| कुल क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)                              | १,४७,१८१  | ९,६६१       | ६.६०    |
| खेतीयोग्य जमिन (हे.)                                     | ३२,३६,२३९ | ५,७४,३६०    | १७.७५   |
| खेती गरिएको जमिन (हे.)                                   | २६,२५,५२६ | ४,९९,४६९    | १९.०२   |
| खेती नभएको जमिन (हे.)                                    | ६,१०,७१३  | ७४,८९१      | १२.२६   |
| सिंचित जमिन (हे.)                                        | १२,४७,७२७ | ३,५७,७९३    | २८.६८   |
| वनजंगल (हे.)                                             | ४२,६८,००० | २,०६,३१५    | ४.८३    |

मधेश प्रदेशका सबै जिल्लाको कुल क्षेत्रफल उस्तै-उस्तै रहेको छ, जुन महोत्तरीमा अरूमा भन्दा केही कम छ । मधेश प्रदेशका सबै जिल्लाको अधिकांश खेतीयोग्य जमिनमा खेती गरिएको छ । तालिका ४.२ मा देखाइए अनुसार, आ.व. २०७६/७७ मा खेती गरिएको जमिनको अनुपात सबभन्दा बढी सर्लाही र महोत्तरी जिल्लाहरूमा छ भने सबभन्दा कम बारा जिल्लामा छ । सिँचाइको हिसाबले सबभन्दा बढी सिंचित भूमि रौतहटमा (९४.४%) रहेको भने, सबभन्दा कम सप्तरीमा (४२.२%) रहेको छ ।

| तालिका ४.२: मधेश प्रदेशको खेतीयोग्य जमिनको विवरण                             |                     |                      |                        |                 |
|------------------------------------------------------------------------------|---------------------|----------------------|------------------------|-----------------|
| जिल्ला                                                                       | कुल क्षेत्रफल (हे.) | खेतीयोग्य जमिन (हे.) | खेती गरिएको जमिन (हे.) | सिंचित जमिन (%) |
| सप्तरी                                                                       | १,३६,३००            | ८१,६६८               | ७२,४८२                 | ४२.२            |
| सिराहा                                                                       | १,१८,८००            | ७३,९१४               | ६०,७५७                 | ७३.५            |
| धनुषा                                                                        | १,१८,०००            | ७६,५३१               | ६५,१०६                 | ७८.२            |
| महोत्तरी                                                                     | १,००,२००            | ६७,३५२               | ६५,०३३                 | ७९.८            |
| सर्लाही                                                                      | १,२५,९००            | ८४,६७८               | ८४,६७८                 | ८०.६            |
| रौतहट                                                                        | १,१२,६००            | ६५,९६९               | ५८,४४०                 | ९४.४            |
| बारा                                                                         | १,१९,०००            | ६९,५१६               | ४२,९३६                 | ७४.४            |
| पर्सा                                                                        | १,३५,३००            | ५४,७३२               | ५०,०४६                 | ८७.५            |
| जम्मा                                                                        | ९,६६,१००            | ५,७४,३६०             | ४,९९,४७८               | ७५.६            |
| स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश |                     |                      |                        |                 |



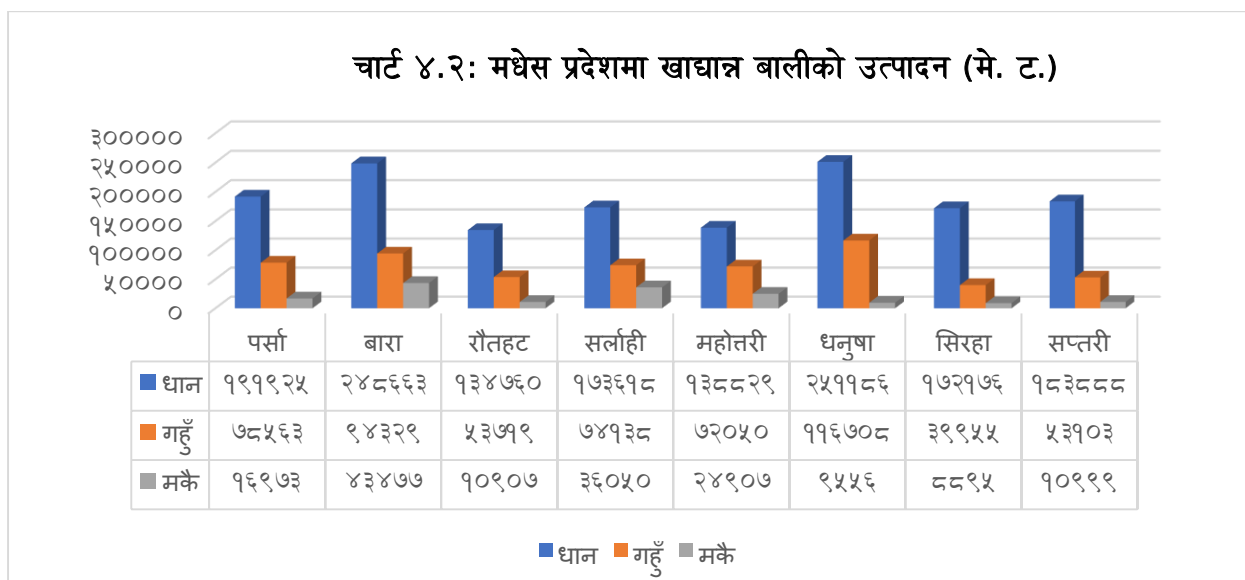
## ४.२ विविध कृषि बाली खेती र उत्पादन

कृषि उत्पादनमा मुख्यतः खाद्यान्न बाली, नगदे बाली, र दलहन, फलफूल तथा तरकारी बाली पर्छन् । यो प्रदेशका मुख्य खाद्यान्न बालीमा धान, गहुँ, र मकै पर्दछन् । तालिका ४.३ र चार्ट ४.२ मा आ.व. २०७६/७७ मा मधेश प्रदेशका विभिन्न जिल्लाको यी खाद्यान्न बाली र उत्पादन प्रस्तुत गरिएको छ । धानको खेती मधेश प्रदेशका रौतहट र महोत्तरी बाहेक सबै जिल्लाका एउटै हाराहारीको क्षेत्रफलमा गरिएको पाइन्छ, र धनुषा जिल्लामा सबभन्दा बढी क्षेत्रफलमा (६३,१२२ हेक्टरमा) खेती भएको र सबभन्दा बढी

उत्पादन (२,५१,१८६ मे.ट.) भएको पाइन्छ । गहुँको खेती र उत्पादन पनि सबभन्दा बढी धनुषामै भएको छ भने, सबभन्दा कम सिराहामा ११,७७७ हेक्टरमा खेती भएर ३९,९५५ मे.ट. उत्पादन भएको छ । मकैको खेती सबभन्दा बढी बारा (११,९४१ हेक्टर) र सर्लाहीमा (११,१२३ हेक्टर) मा भई उत्पादन भएको छ भने, सबभन्दा कम खेती रौतहटमा (३,२८४ हेक्टर) भएको तर सबभन्दा कम उत्पादन सिराहामा (८,८९५ मे.ट.) भएको छ ।

| तालिका ४.३: मधेश प्रदेशमा खाद्यान्न बाली र उत्पादनको अवस्था |                 |                 |                 |                 |                 |                 |
|-------------------------------------------------------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| जिल्ला                                                      | धान             |                 | गहुँ            |                 | मकै             |                 |
|                                                             | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.ट.) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.ट.) | क्षेत्रफल (हे.) | उत्पादन (मे.ट.) |
| पर्सा                                                       | ४६,६९७          | १,९१,९२५        | २१,९८१          | ७८,५६३          | ४,४१२           | १६,९७३          |
| बारा                                                        | ६१,२४७          | २,४८,६६३        | २७,०९४          | ९४,३२९          | ११,९४१          | ४३,४७७          |
| रौतहट                                                       | ३९,५१९          | १,३४,७६०        | १४,९८२          | ५३,७१९          | ३,४१६           | १०,९०७          |
| सर्लाही                                                     | ४८,७६९          | १,७३,६१८        | २२,४६२          | ७४,१३८          | ११,१२३          | ३६,०५०          |
| महोत्तरी                                                    | ४०,१२४          | १,३८,८२९        | २४,२९२          | ७२,०५०          | ९,७१४           | २४,९०७          |
| धनुषा                                                       | ६३,१२२          | २,५१,१८६        | ३६,२९०          | १,१६,७०८        | ३,२८४           | ९,५५६           |
| सिराहा                                                      | ५०,१९७          | १,७२,१७६        | ११,७७७          | ३९,९५५          | ३,८१६           | ८,८९५           |
| सप्तरी                                                      | ५२,२४१          | १,८३,८८८        | १५,२७३          | ५३,१०३          | ३,८५४           | १०,९९९          |
| जम्मा                                                       | ४,०१,९१६        | १४,९५,०४५       | १,७४,१५१        | ५,८२,५६५        | ५१,५६०          | १,६१,७६४        |

स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश



मधेश प्रदेशका मुख्य नगदे बालीमा उखु, आलु, तेलवली, आँप, र सुर्ती पर्छन् । नगदे बालीको खेती र उत्पादन विभिन्न जिल्लामा अन्न बाली जस्तो समान छैन । उखु, आँप, र सुर्तीको खेती र उत्पादनमा जिल्ला अनुसार धेरै अन्तर पाइन्छन् भने, आलु र तेलवलीको खेती र उत्पादनमा तुलनात्मक कम अन्तर पाइन्छन् । तालिका ४.४ मा आ.व. २०७६/७७ मा यी नगदे बालीको खेती र उत्पादनको अवस्था देखाइएको छ । सो तालिका अनुसार, उखु सबभन्दा बढी सर्लाहीमा खेती (२२,१५३ हेक्टरमा) भई उत्पादन (११,०१,९१५ मे.ट.) भएको छ भने, सबभन्दा कम सप्तरी (२०१ हेक्टर) मा खेती भई उत्पादन (८,०४० मे.ट.) भएको छ । आलुको खेती र उत्पादन सबभन्दा बढी सप्तरी (४,१७८ हेक्टर) र बारा (७,०३९ हेक्टर) मा भई उत्पादन क्रमशः ६३,२५२ मे.ट. र ७०,४८९ मे.ट. रहेको छ । आलुको खेती र उत्पादन सबभन्दा कम सर्लाहीमा (१,३५१ हेक्टरमा २१,३१९ मे.ट.) रहेको छ । त्यसै गरी, तेलवलीको उत्पादन सबभन्दा बढी सर्लाहीमा (८,९६५ हेक्टरमा १०,२२८ मे.ट.) र सबभन्दा कम धनुषामा (४,२८५ हेक्टरमा ४,०९८ मे.ट.) मा रहेको छ । आँपको खेती र उत्पादन सबभन्दा बढी सिराहा र सप्तरीमा उत्तिकै (७,८९५ र ७,८९२ हेक्टरमा क्रमशः ६९,६१८ र ६८,१०१ मे.ट.) रहेको छ भने, सबभन्दा कम पर्सा ४१० हेक्टरमा ३,५५२ मे.ट. रहेको छ । यसै गरी, सुर्तीको उत्पादन सबभन्दा बढी पर्सा (१,४५० हेक्टरमा २,०५० मे.ट.) रहेको छ भने सबभन्दा कम सिराहामा (१० हेक्टरमा १२ मे.ट.) रहेको छ, र महोत्तरी र सप्तरीमा खेती हुँदैन ।

तालिका ४.५ मा मधेश प्रदेशका विभिन्न जिल्लामा दलहन, फलफूल, र तरकारी बारीको समग्र अवस्था प्रस्तुत गरिएको छ । यी मध्ये सबभन्दा बढी उत्पादन तरकारी र त्यसपछि फलफूल र दलहनको हुने गरेको छ । मधेश प्रदेशमा आ.व. २०७६/७७ मा दलहन, फलफूल, र तरकारीको कुल उत्पादन क्रमशः १,१९,१७७ मे.ट., ३,६९,७६६ मे.ट. र १२,६६,३६७ मे.ट. रहेको छ । तेलहनको खेती र उत्पादनमा जिल्ला अनुसार समानता पाइन्छ भने फलफूल र तरकारीमा भने केही अन्तर पाइन्छ । दलहनमा तुलनात्मक रूपले सर्लाहीमा केही कम खेती र उत्पादन (१०,८४२ हेक्टरमा ११,७१५ मे.ट.) भएको छ भने रौतहटमा केही बढी (१६,४१६ हेक्टरमा १९,४५२ मे.ट.) छ । यसै गरी, फलफूलमा सप्तरी (९,८०६ हेक्टर), रौतहट, र सिराहामा सबभन्दा बढी खेती भई सबभन्दा बढी उत्पादन (सप्तरीमा १,१३,४९८ मे.ट.) भएको देखिन्छ, भने सबभन्दा कम खेती र उत्पादन पर्सा (५५३ हेक्टरमा ५,१७६ मे.ट.) भएको देखिन्छ । यसै गरी, तरकारीमा पनि सप्तरीमा बढी खेती र उत्पादन (१७,९३९ हेक्टरमा २,५६,९४२ मे.ट.) भएको छ भने सबभन्दा कम सिराहामा (६,२५३ हेक्टरमा ८८,१३८ मे.ट.) र महोत्तरीमा (७,०३७ हेक्टरमा ८३,०२४ मे.ट.) भएको छ ।

## ४.२ पशुपंक्षी पालन

मधेश प्रदेशमा पालिने मुख्य पशुपंक्षीमा गाई, भैंसी, बाख्रा, भैंडा, सुँगुर, कुखुरा र हाँस पर्छन् । तालिका ४.४ मा यो प्रदेशमा आ.व. २०७६/७७ मा पालिएका मुख्य पशुपंक्षीको तथ्यांक जिल्लागत रूपमा देखाइएको छ । जिल्लागत रूपमा पशुपंक्षीको संख्याको वितरण एकैनासको छैन, तर धेरै ठूलो फरक पनि देखिँदैन । सप्तरी जिल्लामा सबै जसो प्रकारका पशुपंक्षी (बाख्रा बाहेक) सबभन्दा बढी पालिएका छन् भने, पर्सामा सबै जसो प्रकारका पशुपंक्षी कम पालिएका छन् । रौतहटमा भैंडा खासै पालिने गरिएको छैन भने बाख्रा सबभन्दा बढी बारामा (३,०६,६९० वटा) छन् ।

तालिका ४.४: मधेश प्रदेशमा नगदे बालीको अवस्था

| जिल्ला   | उखु                |                    | आलु                |                    | तेलवली             |                    | सुर्ती             |                    | आँप                |                    |
|----------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|
|          | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) |
| पर्सा    | ९९३                | ४६,६६४             | २,९५७              | ४७,०१६             | ८,९०७              | ९,४२७              | १,४५०              | २,०५०              | ४१०                | ३,५५२              |
| बारा     | २,७९०              | १,३८,९३७           | ४,०३९              | ७०,४८९             | ४,४८३              | ४,८०८              | १२९                | १४५                | १,४०९              | ११,९८७             |
| रौतहट    | ९,११२              | ४,३८,९२५           | २,६९६              | ३८,७८२             | ७,९२०              | ८,३७९              | १६४                | २६३                | ५,४५२              | ५०,७२४             |
| सर्लाही  | २२,१५३             | ११,०१,९१५          | १,३५१              | २१,३१९             | ८,९६५              | १०,२२८             | ४३                 | ४२                 | १,९३७              | १८,३५६             |
| महोत्तरी | ७,६४२              | ३,९२,४९३           | ३,६४८              | ५३,४१२             | ५,१६९              | ५,०५७              | ०                  | ०                  | १,७३२              | १५,६६५             |
| धनुषा    | ३,५६४              | १,५४,०१५           | २,५२५              | ३७,३४४             | ४,२८५              | ४,०९८              | ४१                 | ६२                 | २,४१२              | २०,५०६             |
| सिराहा   | ३,६५०              | १,९३,४५०           | ३,००६              | ४५,५१३             | ६,४६६              | ६,२९०              | १०                 | १२                 | ७,८९५              | ६९,६१८             |
| सप्तरी   | २०१                | ८,०४०              | ४,१७८              | ६३,२५२             | ६,७२२              | ६,७१८              | ०                  | ०                  | ७,८९२              | ६८,१०१             |
| जम्मा    | ५०,१०५             | २४,७४,४३९          | २४,४००             | ३,७७,१२७           | ५२,९१७             | ५५,००५             | १,८३७              | २,५७४              | २९,१३९             | २,५८,५०९           |

स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश

| तालिका ४.५: मधेश प्रदेशमा दलहन, फलफूल र तरकारी बालीको अवस्था                 |                    |                    |                    |                    |                    |                    |
|------------------------------------------------------------------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|
| जिल्ला                                                                       | दलहन               |                    | फलफूल              |                    | तरकारी             |                    |
|                                                                              | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) | क्षेत्रफल<br>(हे.) | उत्पादन<br>(मे.ट.) |
| पर्सा                                                                        | १२,३९५             | १३,५१२             | ५५३                | ५,१७६              | ९,०८२              | १,५४,०३४           |
| बारा                                                                         | १५,६३९             | १९,३८०             | २,३५७              | २३,४८३             | १२,४६४             | २,३१,७७५           |
| रौतहट                                                                        | १६,४१६             | १९,४५२             | ८,२७८              | ७८,०४०             | १०,९९०             | १,४८,३६७           |
| सर्लाही                                                                      | १०,८४२             | ११,७१५             | २,३९२              | २४,९५४             | १२,५९२             | १,८४,७७९           |
| महोत्तरी                                                                     | १२,८३४             | १२,९२३             | १,९५६              | १८,१११             | ७,०३७              | ८३,०२४             |
| धनुषा                                                                        | ११,६१४             | १२,५३७             | ३,७१६              | ३२,३४४             | ८,७१६              | १,१९,३०८           |
| सिराहा                                                                       | १६,२५७             | १७,२५१             | ८,२१०              | ७४,१६०             | ६,२५३              | ८८,१३८             |
| सप्तरी                                                                       | ११,४४४             | १२,४०७             | ९,८०६              | १,१३,४९८           | १७,९३९             | २,५६,९४२           |
| जम्मा                                                                        | १०७,४४१            | १,१९,१७७           | ३७,२६८             | ३,६९,७६६           | ८५,०७३             | १२,६६,३६७          |
| स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश |                    |                    |                    |                    |                    |                    |

| तालिका ४.६: मधेश प्रदेशमा पशुपंक्षीको अवस्था (संख्या)                        |           |          |       |           |         |           |        |
|------------------------------------------------------------------------------|-----------|----------|-------|-----------|---------|-----------|--------|
| जिल्ला                                                                       | गाई       | भैसी     | भेडा  | बाख्रा    | सुँगुर  | कुखुरा    | हाँस   |
| सप्तरी                                                                       | २,३२,१००  | १,८३,९४३ | २,७१५ | २,०५,६५९  | २४,०८८  | १०,७०,९९८ | २३,०४६ |
| सिराहा                                                                       | ८९,५६७    | ९२,३४०   | १,१३२ | १,३०,३४७  | ५,९०१   | ८,५८,३७७  | १०,०७४ |
| धनुषा                                                                        | १,४०,३१४  | ६५,८८४   | ६५२   | २,३२,६१८  | ६,४७८   | ५,८३,८३३  | ८,९७३  |
| महोत्तरी                                                                     | १,१९,३७५  | ६८,६४७   | ६४५   | १,९५,५१४  | १४,५०४  | ३,१६,८४३  | ६,१९७  |
| सर्लाही                                                                      | १,८९,४२६  | ८७,९३८   | १,१४३ | २,३०,५२९  | १०,४३०  | ३,२०,९६७  | ९,२७०  |
| रौतहट                                                                        | १,२०,९२४  | ७७,१२१   | ०     | १,९४,५९७  | ९,२५२   | ३,१२,२१७  | ७,५९९  |
| बारा                                                                         | १,३९,४४०  | १,६५,२६५ | ३३५   | ३,०६,६९०  | २३,०४६  | ४,१४,७२०  | ११,१७४ |
| पर्सा                                                                        | ८०,०८९    | ५३,४१७   | १४५   | १,१८,०००  | ११,११७  | ६,१९,८६३  | ७,६४८  |
| जम्मा                                                                        | ११,११,२३५ | ७,९४,५५५ | ६,७६७ | १६,१३,९५४ | १०४,८१६ | ४४,९७,८१८ | ८३,९८१ |
| स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश |           |          |       |           |         |           |        |

यो प्रदेशमा पशुजन्य उत्पादनमा मुख्यतः दुध, मासु, अन्डा र ऊन पर्छन् । सबै जसो प्रकारको पशुजन्य उत्पादन सप्तरीमा सबभन्दा बढी भएको देखिन्छ । तालिका ४.६ अनुसार गाई र भैसीको संख्या सबभन्दा बढी सप्तरीमा र दोस्रोमा बारामा देखिए पनि तालिका ४.७ अनुसार दुधको उत्पादन भने सबभन्दा बढी बारामा (५४,१३४ मे.ट.) र त्यसपछि सप्तरीमा (४८,३८२ मे.ट.) भएको देखिन्छ । त्यसै गरी, मासुको उत्पादन पनि बारा र सप्तरीमा सबभन्दा बढी तर उस्तै देखिन्छ । अन्डा र ऊनको उत्पादन पनि सबभन्दा बढी सप्तरीमा भएको देखिन्छ ।

| तालिका ४.७: मधेश प्रदेशमा पशुजन्य उत्पादन (मे.ट.)                            |          |        |          |       |
|------------------------------------------------------------------------------|----------|--------|----------|-------|
| जिल्ला                                                                       | दुध      | मासु   | अन्डा    | उन    |
| सप्तरी                                                                       | ४८,३८२   | ८,३२८  | २४,८३६   | १,९८२ |
| सिराहा                                                                       | ३७,९१७   | ५,७१६  | १९,८३१   | ८३३   |
| धनुषा                                                                        | ३९,९३१   | ४,८३४  | १३,९८८   | ४६९   |
| महोत्तरी                                                                     | ३१,४०७   | ४,१४८  | ८,७८३    | ४६४   |
| सर्लाही                                                                      | ३८,६०९   | ५,०६१  | ७,३४९    | ७४३   |
| रौतहट                                                                        | ३३,३२३   | ४,८८६  | ९,४४६    | ०     |
| बारा                                                                         | ५४,१३४   | ८,३४७  | ११,२७८   | २३९   |
| पर्सा                                                                        | २५,२५१   | ६,०३९  | १४,६५०   | १००   |
| जम्मा                                                                        | ३,०८,९५४ | ४७,३५९ | १,१०,१६१ | ४,८३० |
| स्रोत : वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा तथ्यांक पुस्तिका - २०७६/७७, मधेश प्रदेश |          |        |          |       |

## ४.२ वन क्षेत्र

नेपालको कुल क्षेत्रफलको ४१.६९ प्रतिशत (६१,६६,७६६ हेक्टर) वन क्षेत्रले ढाकेको छ, र प्रत्येक प्रदेशको कम्तीमा एक चौथाइ वनले ढाकेको छ । तालिका ४.८ ले प्रदेशगत वन क्षेत्रको स्थिति प्रस्तुत गरेको छ । प्रदेशगत रूपमा सबभन्दा कम वन क्षेत्र (२६३.६३ हजार हेक्टर) मधेश प्रदेशमा रहेको छ, जुन कुल प्रदेशको क्षेत्रफलको मात्र २४.७८ प्रतिशत छ, र नेपालको कुल क्षेत्रफलको मात्र ३.९ प्रतिशत छ ।

| तालिका ४.८: प्रदेशगत वन क्षेत्रको स्थिति        |                             |                     |                                           |                                                       |
|-------------------------------------------------|-----------------------------|---------------------|-------------------------------------------|-------------------------------------------------------|
| प्रदेश                                          | प्रदेशको क्षेत्रफल (हेक्टर) | वन क्षेत्र (हेक्टर) | नेपालको कुल वन क्षेत्रको हिस्सा (प्रतिशत) | प्रदेशको कुल भूभागको तुलनामा वनको क्षेत्रफल (प्रतिशत) |
| कोशी                                            | २६,०५,२६०                   | ११,५७,९०५           | १८.८                                      | ४४.४४                                                 |
| मधेश                                            | ९,५८,९३०                    | २,३७,६३६            | ३.९                                       | २४.७८                                                 |
| बागमती                                          | २०,२८,४२८                   | ११,५४,६८५           | १८.७                                      | ५६.९३                                                 |
| गण्डकी                                          | २१,९६,०६२                   | ७,८७,८६५            | १२.८                                      | ३५.८८                                                 |
| लुम्बिनी                                        | १९,३०,४४५                   | ९,९६,९४१            | १६.२                                      | ५१.६४                                                 |
| कर्णाली                                         | ३०,६४,८२१                   | ८,३७,०१६            | १३.६                                      | २७.३१                                                 |
| सुदूर पश्चिम                                    | २०,०९,०६९                   | ९,८९,२६८            | १६.१                                      | ४९.२४                                                 |
| नेपाल                                           | १,४७,९३,०१५                 | ६१,६६,७६६           | ४१.६९                                     |                                                       |
| स्रोत: वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र, २०७९ |                             |                     |                                           |                                                       |



मधेश प्रदेशमा जिल्लागत रूपमा सबभन्दा बढी वन क्षेत्र पर्सा (७६.२३%) र त्यसपछि बारामा (४६.६४%) रहेको छ । यसको कारण यी जिल्लामा पर्सा राष्ट्रिय निकुञ्ज र चितवन राष्ट्रिय निकुञ्ज हुनुले हो । सबभन्दा कम वन क्षेत्र सिराहामा (१८.१९ हजार हे.) छ ।

| तालिका ४.९: मधेश प्रदेशमा रहेका वन क्षेत्रको जिल्लागत विवरण |                       |                |
|-------------------------------------------------------------|-----------------------|----------------|
| जिल्ला                                                      | वन क्षेत्र (हजार हे.) | वन क्षेत्र (%) |
| पर्सा                                                       | ७६.२३                 | ५४.२१          |
| बारा                                                        | ४६.६४                 | ३६.६४          |
| रौतहट                                                       | २६.२९                 | २५.३२          |
| सर्लाही                                                     | २५.७७                 | २०.४०          |
| महोत्तरी                                                    | २२.२४                 | २२.२३          |
| धनुषा                                                       | २७.१५                 | २२.८४          |
| सिराहा                                                      | १८.१९                 | १५.९७          |
| सप्तरी                                                      | २१.०४                 | १६.५०          |
| जम्मा                                                       | २६३.६३                | २७.४९          |
| स्रोत: प्रदेश वन निर्देशनालय                                |                       |                |

मधेश प्रदेशमा विभिन्न प्रकारका वन रहेका छन् । सबभन्दा बढी वन क्षेत्र सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, सामुदायिक वन, र साझेदारी वनले ओगटेको छ । तालिका ४.९ ले मधेश प्रदेशमा रहेका विभिन्न प्रकारका वनको क्षेत्रफल जिल्लागत रूपमा प्रस्तुत गरेको छ । जिल्लागत रूपमा तिनको वितरण समान भने छैन, र सबै जिल्लामा सबै प्रकारका वन पाइँदैनन् । धार्मिक वन, कबुलियती वन, निजी वन, र संरक्षित वन अत्यन्त थोरै वा नगण्य छन् । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन सबभन्दा बढी बारामा (४९,१६६.०० हेक्टर) र त्यसपछि रौतहटमा (२२,४००.०० हेक्टर) छन् भने, सामुदायिक वन सबभन्दा बढी सप्तरीमा (१८,५५०.०० हेक्टर) र त्यसपछि सिराहामा र सर्लाहीमा छन् । त्यसै गरी, साझेदारी वन सबभन्दा बढी पर्सामा (११,४०९.१४ हेक्टर) र त्यसपछि रौतहटमा रहेका छन् ।

तालिका ४.१०: मधेश प्रदेशमा रहेका वनको प्रकार

| वनको किसिम                   | जिल्ला    |           |           |          |           |           |           |           |
|------------------------------|-----------|-----------|-----------|----------|-----------|-----------|-----------|-----------|
|                              | सप्तरी    | सिराहा    | धनुषा     | महोत्तरी | सर्लाही   | रौतहट     | बारा      | पर्सा     |
| सरकारद्वारा व्यवस्थित        | ३,३०३.९०  | ०         | १६,०१७.४२ | ३,२४५.७६ | ०         | २२,४००.०० | ४९,१६६.०० | ०         |
| सामुदायिक                    | १८,५५०.०० | १५,५४८.०२ | ७,८३५.२३  | ७,९४५.०० | १४,०२३.०० | ७,५६५.५०  | ९,०९६.००  | ७.५१      |
| साझेदारी                     | ०         | ०         | २,१९०.७३  | ४,४३६.७८ | ५,५३४.३४  | १०,३९७.८३ | ७,७७७.५७  | ११,४०९.१४ |
| धार्मिक                      | ०         | ७.९२      | ०         | २१.५०    | ६.०६      | २६.२९     | ०         | ३४.६३     |
| कबुलियती                     | ०         | ०.००      | १५४.०२    | १९.२४    | ६४.१४     | ०         | ०         | ०         |
| निजी                         | ४०.५०     | ६६.९२     | १४०.४१    | ३०.४०    | ०         | ०         | ०         | १३०.३५    |
| संरक्षित                     | ०         | ०         | ३०६.००    | ०        | ०         | ०         | ०         | ०         |
| स्रोत: प्रदेश वन निर्देशनालय |           |           |           |          |           |           |           |           |

तालिका ४.११: मधेश प्रदेशमा सामुदायिक वनको जिल्लागत विवरण

| जिल्ला                       | सामुदायिक वनको संख्या | कुल वनको क्षेत्रफल | सामुदायिक वनको क्षेत्रफल | सामुदायिक वन (%) |
|------------------------------|-----------------------|--------------------|--------------------------|------------------|
| पर्सा                        | ४                     | ७६,२३०             | ८.०                      | ०.०१             |
| बारा                         | ४१                    | ४६,६४०             | ९,०९६.०                  | १९.५             |
| रौतहट                        | ४३                    | २६,२९०             | ७,५६५.५                  | २८.७८            |
| सर्लाही                      | ८४                    | २५,७७०             | १४,०२३.०                 | ५४.४२            |
| महोत्तरी                     | ७५                    | २२,२४०             | ७,९४५.०                  | ३५.७२            |
| धनुषा                        | ४०                    | २७,१५०             | ७,८३५.२                  | २८.८६            |
| सिराहा                       | ११०                   | १८,१९०             | १५,५४८.०                 | ८५.४८            |
| सप्तरी                       | १३४                   | २१,०४०             | १८,५५०.०                 | ८८.१७            |
| जम्मा                        | ५३१                   | २,६३,५५०           | ८०,५७०.७                 | ३०.५७            |
| स्रोत: प्रदेश वन निर्देशनालय |                       |                    |                          |                  |

## परिच्छेद ५: गरिबी निवारण, श्रम तथा रोजगारी, र वातावरण

### ५.१ गरिबी

समग्र नेपालको गरिबीको सूचकांक हेर्ने हो भने नेपालका १७.४ प्रतिशत (४९,८०,००० जना) व्यक्ति गरिबीको रेखामुनि रहेका छन् । नेपालमा सबैभन्दा बढी गरिबहरू (झन्डै १२.९६ लाख) मधेश प्रदेशमा बसोबास छन् । जनसंख्याको प्रतिशतका हिसाबले मधेश प्रदेशको २४.२ प्रतिशत जनसंख्या गरिबीको रेखामुनि छन्, जुन कर्णाली (३९.५%) र सुदूर-पश्चिम (२५.३%) भन्दा मात्र कम छ । गरिबीको तीव्रता, अर्थात गरिबीको रेखाबाट कति टाढा छ भनेर हेर्ने मापन, सबैभन्दा बढी मधेश प्रदेशमै (४३.३%) छ । बहुआयामिक गरिबीको सूचकांकका सबै पक्षहरूमा मधेश प्रदेश समग्र राष्ट्रिय अवस्था भन्दा तल नै रहेको छ । गरिबीको अवस्थामा जनसंख्याको प्रतिशतका हिसाबले कर्णाली र सुदूर-पश्चिमभन्दा अघि रहे पनि कुल संख्यात्मक हिसाबले सबैभन्दा धेरै गरिबी मधेश प्रदेशमा पाइएको छ ।

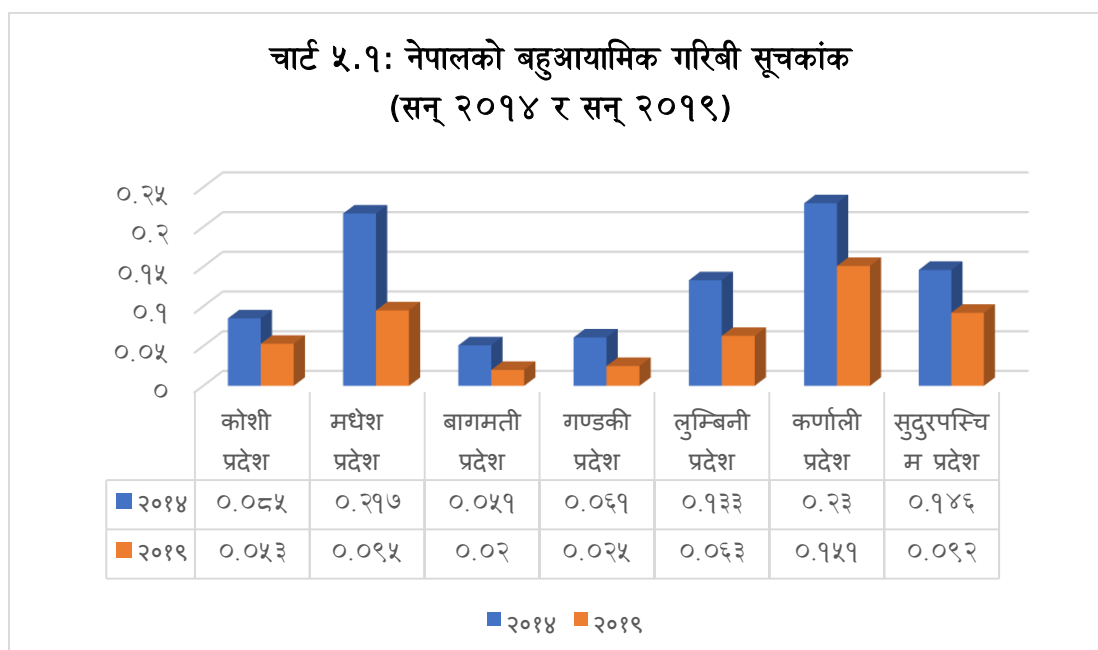
तालिका ५.१: नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (MPI)

| तालिका ५.१: नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (MPI) |                 |       |                           |       |                  |                           |      |                  |                           |      |                      |
|---------------------------------------------------|-----------------|-------|---------------------------|-------|------------------|---------------------------|------|------------------|---------------------------|------|----------------------|
|                                                   | जनसंख्या हिस्सा | MPI   |                           |       | Incidence (H, %) |                           |      | Intensity (A, %) |                           |      | गरिबको संख्या ('०००) |
|                                                   |                 | Value | Confidence Interval (95%) |       | Value            | Confidence Interval (95%) |      | Value            | Confidence Interval (95%) |      |                      |
| कोशी                                              | १७.०            | ०.०७  | ०.०५                      | ०.०८२ | १५.९             | १२.३                      | १९.५ | ४१               | ३९.६                      | ४३.३ | ७७३                  |
| मधेश                                              | १८.७            | ०.११  | ०.०८५                     | ०.१३२ | २४.२             | १९.१                      | २९.३ | ४५               | ४३.३                      | ४६.६ | १,२९६                |
| बागमती                                            | २३.३            | ०.०३  | ०.०१८                     | ०.०३८ | ७                | ४.८                       | ९.३  | ४०               | ३८.६                      | ४२   | ४७०                  |
| गण्डकी                                            | ८.२             | ०.०४  | ०.०२७                     | ०.०४४ | ९.६              | ७.३                       | ११.९ | ३६               | ३५.७                      | ३७.२ | २२७                  |
| लुम्बिनी                                          | १८.४            | ०.०८  | ०.०५९                     | ०.०९८ | १८.२             | १४.१                      | २२.२ | ४३               | ४१                        | ४५.२ | ९५८                  |
| कर्णाली                                           | ५.६             | ०.१७  | ०.१४४                     | ०.१९५ | ३९.५             | ३३.९                      | ४५.१ | ४३               | ४१.७                      | ४४.१ | ६३६                  |
| सुदूर-पश्चिम                                      | ८.७             | ०.११  | ०.०८३                     | ०.१२६ | २५.३             | २०.४                      | ३०.३ | ४१               | ४०.१                      | ४२.५ | ६३१                  |
| राष्ट्रिय                                         | १००             | ०.०७  | ०.०६७                     | ०.०८२ | १७.४             | १५.८                      | १९.१ | ४३               | ४१.८                      | ४३.२ | ४,९८०                |

नेपालको समग्र बहुआयामिक गरिबी सूचकांक ०.०७, गरिबीको घटना १७.४% र गरिबीको तीव्रता ४१.८ % छ । उच्च गरिबीको तीव्रता (intensity) ले धेरै जनसंख्या गरिबीको रेखाभन्दा धेरै तल रहेको देखाउँछ । प्रदेशगत रूपमा हेर्दा कर्णाली र सुदूर-पश्चिम मधेशभन्दा पछाडि छन् ।

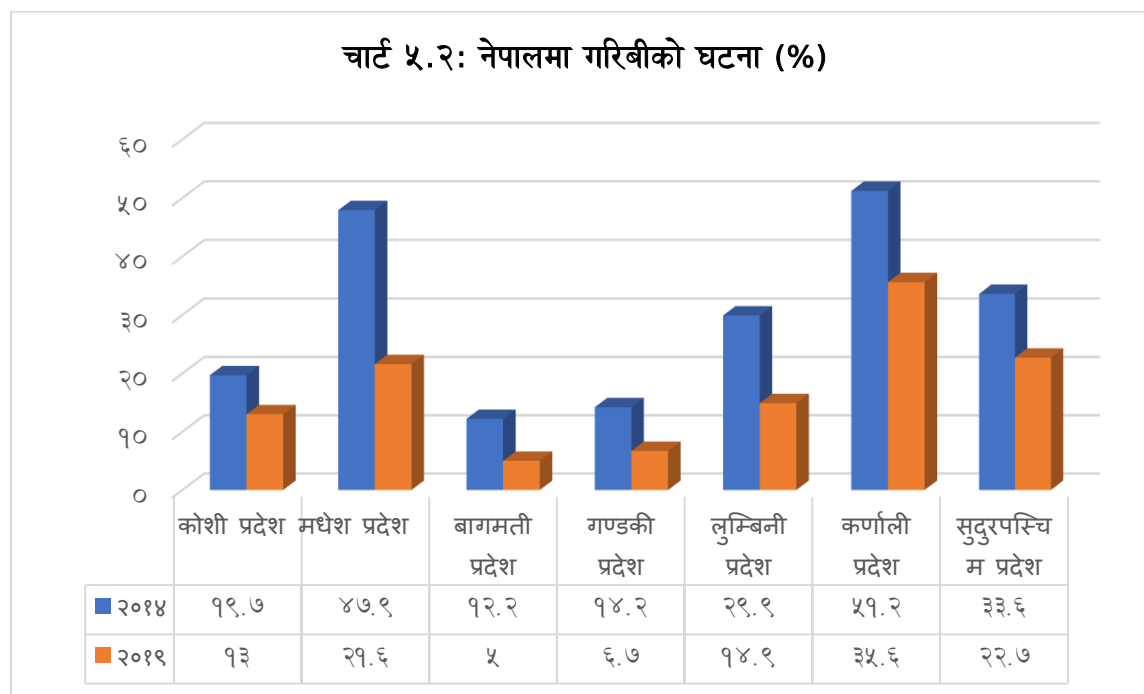
| तालिका ५.२: नेपालको बहुआयामिक गरिबी सूचकांक (सन् २०१४ र सन् २०१९) |                         |          |                   |          |                     |          |                             |          |
|-------------------------------------------------------------------|-------------------------|----------|-------------------|----------|---------------------|----------|-----------------------------|----------|
| प्रदेश                                                            | बहुआयामिक गरिबी सूचकांक |          | गरिबी को घटना (%) |          | गरिबीको तीव्रता (%) |          | गरिब परिवारको संख्या ('000) |          |
|                                                                   | सन् २०१४                | सन् २०१९ | सन् २०१४          | सन् २०१९ | सन् २०१४            | सन् २०१९ | सन् २०१४                    | सन् २०१९ |
| कोशी                                                              | ०.०८५                   | ०.०५     | १९.७              | १३.०     | ४३.२                | ४०.८     | ८७५                         | ६२९      |
| मधेश                                                              | ०.२१७                   | ०.१०     | ४७.९              | २१.६     | ४५.३                | ४३.९     | २६५९                        | १,१६७    |
| बागमती                                                            | ०.०५१                   | ०.०२     | १२.२              | ५.०      | ४१.९                | ४०.४     | ६४२                         | ३३४      |
| गण्डकी                                                            | ०.०६१                   | ०.०३     | १४.२              | ६.७      | ४२.९                | ३७.२     | ३६२                         | १५७      |
| लुम्बिनी                                                          | ०.१३३                   | ०.०६     | २९.९              | १४.९     | ४४.३                | ४२.१     | १,४४७                       | ७८१      |
| कर्णाली                                                           | ०.२३०                   | ०.१५     | ५१.२              | ३५.६     | ४४.९                | ४२.४     | ८१२                         | ५७५      |
| सुदूर-पश्चिम                                                      | ०.१४६                   | ०.०९     | ३३.६              | २२.७     | ४३.५                | ४०.६     | ९०२                         | ५६७      |

बहुआयामिक सूचकांक हेर्दा पाँच वर्षको अन्तरालमा गरिबीको सूचकांकमा सुधार आएको पाइन्छ । विशेष गरी, गरिबीको घटनामा उल्लेखनीय सुधार देखिन्छ, तर गरिबीको तीव्रतामा भने त्यस्तो सुधार पाइँदैन । मधेश प्रदेशमा हरेक दुई जनामा एक जना गरिब रहेको अवस्थाबाट सुधार भएर हरेक पाँच जनामा एक जना गरिबको अवस्थामा आएको छ। सन् २०१४ मा सबैभन्दा पुछारमा रहेको गरिबीको अवस्थामा केही सुधार भएसँगै मधेश प्रदेशमा ५०% भन्दा बढीले घटेको छ । गरिबीको घट्दो क्रम कर्णाली र सुदूर-पश्चिमभन्दा बढी रहेको पाइन्छ ।



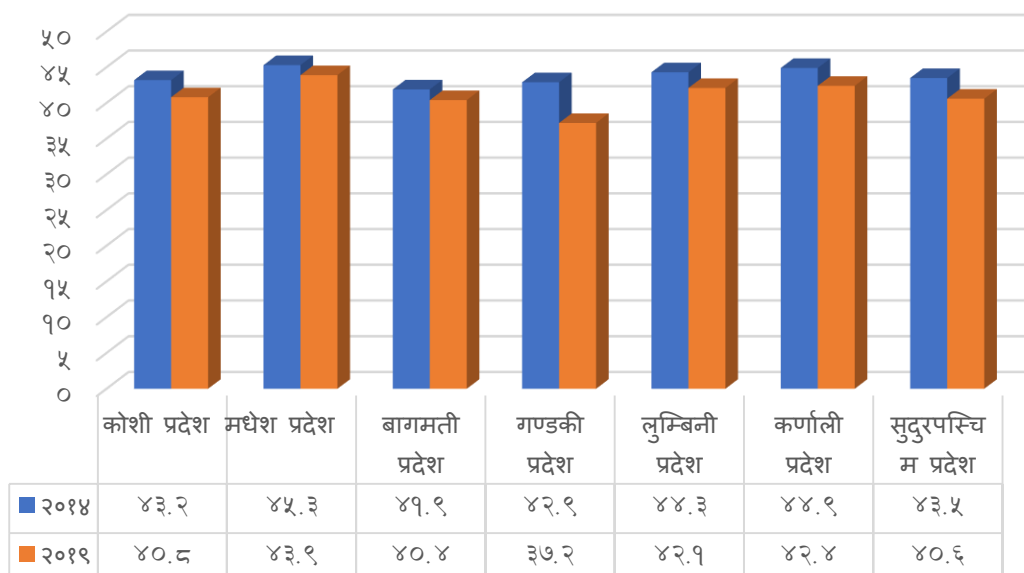
बहुआयामिक गरिबी सूचकांकका आधारमा सबैभन्दा पछाडि कर्णाली प्रदेश छ । पाँच वर्षको अवधिमा मधेश प्रदेश सबैभन्दा बढी गरिब भएको प्रदेशबाट माथि उक्लिएको छ । गरिबीको अवस्थामा मधेश प्रदेशको सूचकांक ०.२१७ बाट घटेर ०.०९५ मा झरेको छ । सन् २०१४ मा कर्णाली प्रदेशको सबैभन्दा बढी अंक र बागमती प्रदेशको सबैभन्दा कम अंक थियो । यो अवस्थामा सन् २०१९ मा पनि कुनै परिवर्तन भएको छैन । समग्रमा गरिबीको अवस्था कर्णालीमा सबैभन्दा बढी र बागमती प्रदेशमा सबैभन्दा कम रहेको पाइन्छ ।

चार्ट ५.२: नेपालमा गरिबीको घटना (%)



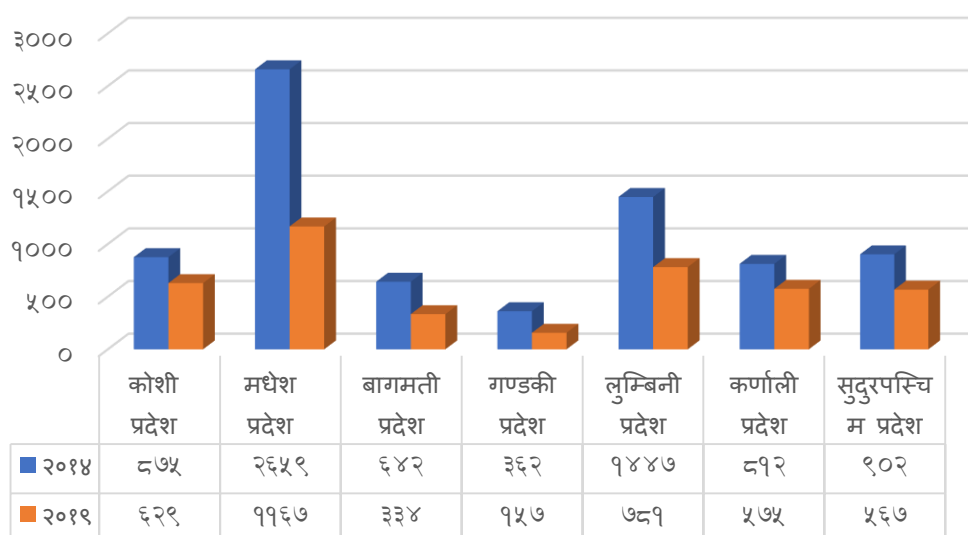
सन् २०१४ मा कर्णाली र मधेशका झन्डै आधा जनसंख्या गरिबीको रेखामुनि थिए । कोशी, गण्डकी र बागमती प्रदेशमा तुलनात्मक रूपमा कम गरिबी थियो । सुदूर-पश्चिम र लुम्बिनीका झन्डै एक तिहाइ जनसंख्या गरिबीको रेखामुनि थिए । गरिबीको घटनाले गरिब जनसंख्या र जम्मा जनसंख्याको अनुपातलाई बुझाउँछ । पाँच वर्षमा गरिबीमा उल्लेख्य उपलब्धि देखिन्छ । मधेश प्रदेशको हकमा गरिबी दर ४७.९% बाट घटेर २१.६ % भएको छ । कर्णाली र सुदूर-पश्चिम प्रदेशमा भने कम मात्रामा गरिबी घटेको देखिन्छ । कर्णालीमा अझै ३५.६% जनसंख्या गरिबीको रेखामुनि छन् । सन् २०१९ को तथ्यांक हेर्ने हो भने बागमती प्रदेशमा सबैभन्दा कम (५%) जनसंख्या गरिब छ ।

चार्ट ५.३: नेपालमा गरिबीको तीव्रता (%)



गरिबीको तीव्रताले गरिबीको रेखाबाट कतिसम्म तल छु भन्ने पक्षको मापन गर्छ । यसका आधारमा मधेश प्रदेशमा गरिबीको रेखाभन्दा धेरै तल रहेको जनसंख्याको अनुपात सबैभन्दा धेरै रहेको देख्न सकिन्छ । मधेश प्रदेशमा गरिबीको तीव्रताको मापन सन् २०१८ र २०१९ मा क्रमशः ४५.३ र ४३.९ देखिन्छ । सन् २०१८ मा सबैभन्दा कम गरिबीको तीव्रता बागमती प्रदेशमा (४१.९) रहेकोमा सन् २०१९ मा गण्डकी प्रदेशमा सबैभन्दा कम गरिबीको तीव्रता (३७.२) देखिन्छ ।

चार्ट ५.४: नेपालमा गरिब परिवारको संख्या (हजारमा)



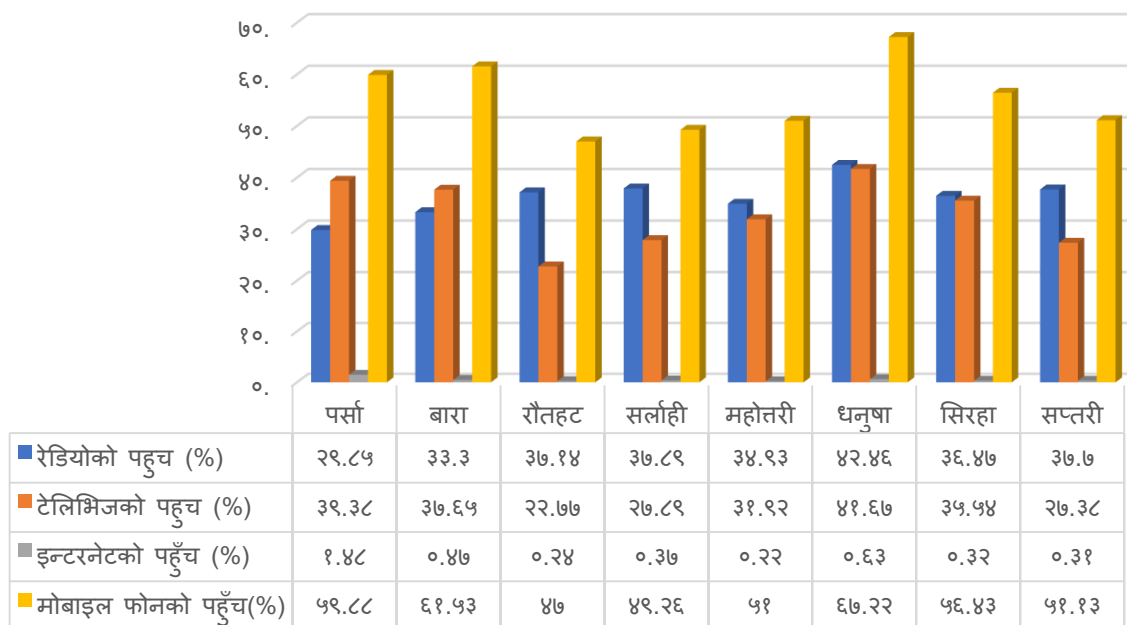
मधेश प्रदेशमा गरिबको संख्या घटिरहे पनि सबैभन्दा धेरै गरिबको संख्या मधेशमै देखिन्छ। मधेशमा सन् २०१४ मा २६,५९,००० गरिबहरू रहेकोमा सन् २०१९ मा त्यो संख्या घटेर ११,६७,००० पुगेको छ। यस अवधिमा कोशी प्रदेशमा गरिबको संख्या ८,७५,००० बाट घटेर ६,२९,०००, बागमती प्रदेशमा ६,४२,००० बाट घटेर ३,३४,०००, गण्डकी प्रदेशमा ३,६२,००० बाट घटेर १,५७,०००, लुम्बिनी प्रदेशमा १४,४७,००० बाट घटेर ७,८१,००० पुगेको छ। त्यसै गरी, कर्णाली प्रदेशमा ८,१२,००० बाट घटेर ५,७५,००० र सुदूर-पश्चिम प्रदेशमा ९,०२,००० बाट घटेर ५,६७,००० पुगेको देखिन्छ। सबै प्रदेशहरूमा गरिबको संख्या घटेको देखिन्छ। गण्डकी प्रदेशमा सबैभन्दा थोरै संख्यामा गरिबहरू छन्।

## ५.२ मधेश प्रदेशमा वातावरण सम्बन्धी जानकारीको लागि विभिन्न संचार माध्यममा पहुँच

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा बढी प्रयोग गरिने र पहुँच भएको संचारको मध्यम मोबाइल फोन हो। इन्टरनेटको पहुँच १% भन्दा थोरै जनसंख्याको मात्र रहेको देखिन्छ। रेडियो र टिभीको सामान्य पहुँच देखिन्छ।

| तालिका ५.३: मधेश प्रदेशमा वातावरण सम्बन्धी जानकारीको लागि विभिन्न माध्यमको पहुँच (%) |                    |                     |                      |                        |
|--------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|---------------------|----------------------|------------------------|
| जिल्ला                                                                               | रेडियोको पहुँच (%) | टेलिभिजको पहुँच (%) | इन्टरनेटको पहुँच (%) | मोबाइल फोनको पहुँच (%) |
| पर्सा                                                                                | २९.८५              | ३९.३८               | १.४८                 | ५९.८८                  |
| बारा                                                                                 | ३३.३०              | ३७.६५               | ०.४७                 | ६१.५३                  |
| रौतहट                                                                                | ३७.१४              | २२.७७               | ०.२४                 | ४७.००                  |
| सर्लाही                                                                              | ३७.८९              | २७.८९               | ०.३७                 | ४९.२६                  |
| महोत्तरी                                                                             | ३४.९३              | ३१.९२               | ०.२२                 | ५१.००                  |
| धनुषा                                                                                | ४२.४६              | ४१.६७               | ०.६३                 | ६७.२२                  |
| सिरहा                                                                                | ३६.४७              | ३५.५४               | ०.३२                 | ५६.४३                  |
| सप्तरी                                                                               | ३७.७०              | २७.३८               | ०.३१                 | ५१.१३                  |
| स्रोत: राष्ट्रिय योजना आयोग, सन् २०२२                                                |                    |                     |                      |                        |

चार्ट ५.५: मधेश प्रदेशमा विभिन्न बस्तुको पहुँच (%)



मधेशका आठ जिल्लाहरूमध्ये धनुषामा रेडियोको सबैभन्दा बढी (४२.४६%) र पर्सामा सबैभन्दा कम (२९.८५%) पहुँच रहेको छ । घरमा टिभी भएका धनुषामा सबैभन्दा धेरै (४१.६७%) र रौतहटमा सबैभन्दा कम (२२.७७%) छन् । त्यसै गरी, मोबाइल फोनको पहुँचमा पनि धनुषामा सबैभन्दा धेरै ६७.२२% र रौतहटमा सबैभन्दा कम ४७% छन् । इन्टरनेटको पहुँच सबै जिल्लाहरूमा नगण्य छ । पर्सामा सबैभन्दा धेरै १.४८% इन्टरनेट प्रयोगकर्ता छन् भने महोत्तरीमा सबैभन्दा कम ०.२२% छन् । संचारको माध्यमको पहुँचमा धनुषा अरू जिल्लाहरूभन्दा अगाडि देखिन्छ ।

### ५.३ प्रदेशगत मानव विकास सूचकांक

मानव विकास सूचकांक (HDI) को आधारमा सबैभन्दा अगाडि बागमती (०.६६१) र सबैभन्दा पछाडि मधेश प्रदेश (०.५१) छ । असमानता समायोजन गर्दा मानव विकास सूचकांकमा सबैभन्दा बढी हास कर्णाली प्रदेशमा (३०.४%) र सबैभन्दा कम बागमती प्रदेशमा (२४%) आएको देखिन्छ । मधेश प्रदेशको हकमा २४.१% को हास सूचकांकको मापनमा आउने देखिन्छ । लैंगिक विकास सूचकांक (GDI) मा मधेश सबैभन्दा पछाडि (०.९२९) छ भने बागमती प्रदेश सबैभन्दा अगाडि (०.७८६) छ । त्यसै गरी, लैंगिक असमानता (GII) सबैभन्दा बढी कर्णालीमा (०.५५८) र सबैभन्दा कम बागमतीमा (०.४५७) छ । मधेश प्रदेश तेस्रो धेरै लैंगिक असमानता (०.५०३) भएको प्रदेशमा पर्छ । बहुआयामिक गरिबीको सूचकांकको आधारमा कर्णाली प्रदेश सबैभन्दा धेरै गरिब (३५.६%) जनसंख्या भएको प्रदेश हो । सुदूर-पश्चिममा २२.७% र मधेश प्रदेशमा २१.६% जनसंख्या गरिब छन् । बागमती प्रदेशमा सबैभन्दा कम (५%) जनसंख्या गरिब छन् ।

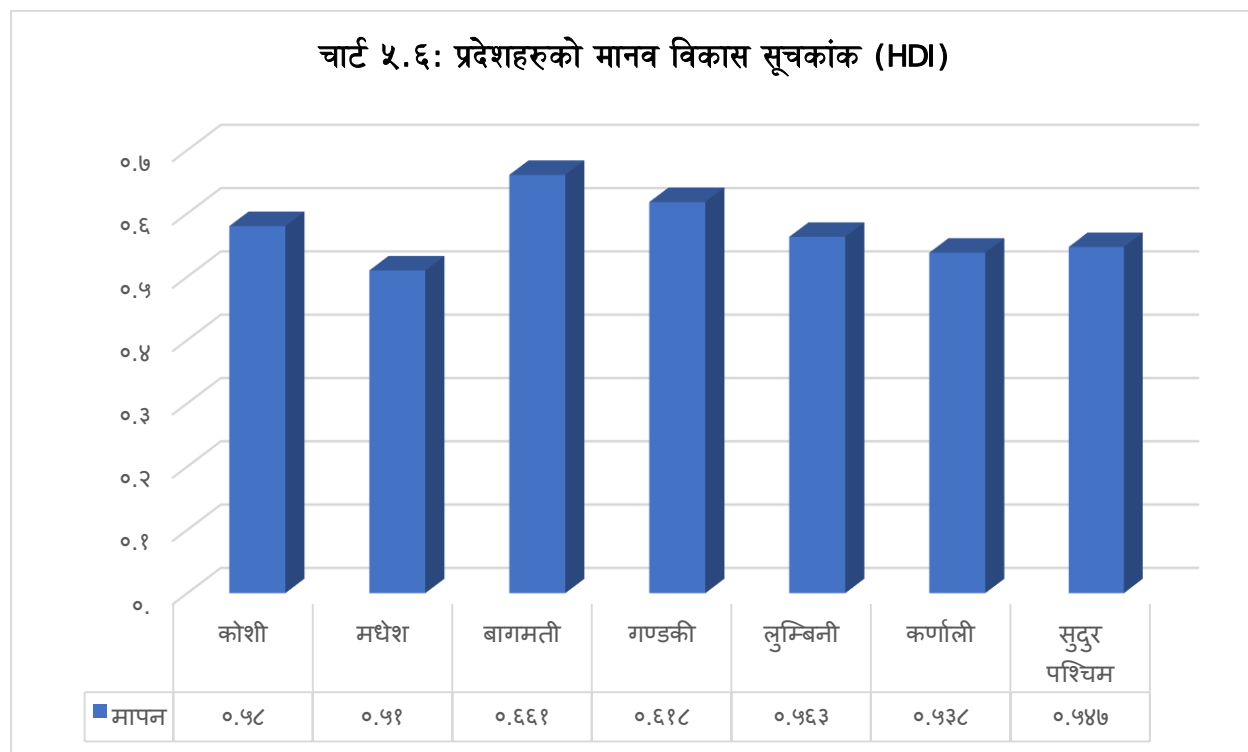


तालिका ५.४: प्रदेशहरूको मानव विकास सूचकांक

| प्रदेश       | HDI (२०१९) |      | IDHI (२०१९) |      | GDI (२०१९) |      | GII (२०१९) |      | MPI(%)  |      |
|--------------|------------|------|-------------|------|------------|------|------------|------|---------|------|
|              | मापन       | क्रम | हास (%)     | क्रम | मापन       | क्रम | मापन       | क्रम | सूचकांक | क्रम |
| कोशी         | ०.५८       | ३    | २६.४        | ४    | ०.९०१      | ४    | ०.४५९      | २    | १३.०    | ३    |
| मधेश         | ०.५१       | ७    | २४.१        | २    | ०.७८६      | ७    | ०.५०३      | ५    | २१.६    | ५    |
| बागमती       | ०.६६१      | १    | २४          | १    | ०.९२९      | १    | ०.४५७      | १    | ५.०     | १    |
| गण्डकी       | ०.६१८      | २    | २८.६        | ६    | ०.८९६      | ६    | ०.४६       | ३    | ६.७     | २    |
| लुम्बिनी     | ०.५६३      | ४    | २५.९        | ३    | ०.९०१      | ५    | ०.४७४      | ४    | १४.९    | ४    |
| कर्णाली      | ०.५३८      | ६    | ३०.४        | ७    | ०.९०२      | ३    | ०.५५८      | ७    | ३५.६    | ७    |
| सुदूर पश्चिम | ०.५४७      | ५    | २६.९        | ५    | ०.९०३      | २    | ०.५२२      | ६    | २२.७    | ६    |

स्रोत: राष्ट्रिय मानव विकास प्रतिवेदन, २०१९ (IHDI=inequality-adjusted HDI; GII=Gender Inequality index; GDI=Gender Development Index; HDI=Human Development Index)

चार्ट ५.६: प्रदेशहरूको मानव विकास सूचकांक (HDI)



मानव विकास सूचकांक सबैभन्दा कम मधेश प्रदेशमा (०.५१) छ । सबैभन्दा उच्च मानव विकास सूचकांक बागमती प्रदेशको (०.६६१) छ । गण्डकी, कोशी, लुम्बिनी, सुदूर-पश्चिम र कर्णालीको मानव विकास सूचकांक क्रमशः ०.६१८, ०.५८, ०.५६३, ०.५४७ र ०.५३८ मापन भएको देखिन्छ ।

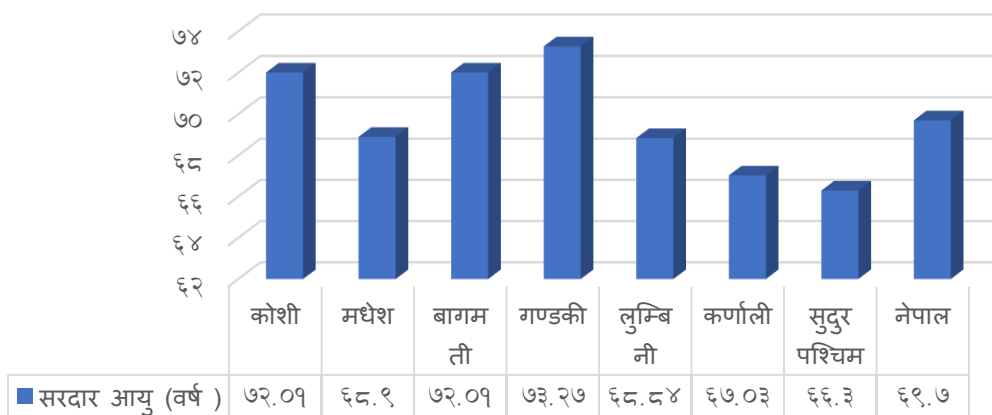
## ५.४ प्रदेशका विभिन्न गुणात्मक मानव विकासको सूचकहरूको अवस्था

मानव विकासको सूचकमा आयु, शिक्षा, र आयलाई मुख्य आधार मानिएको हुन्छ । समग्रमा नेपालको सरदर आयु ६९.७ वर्ष छ । सरदर आयु गण्डकी प्रदेशको सबैभन्दा बढी (७३.२७ वर्ष) र सुदूर-पश्चिमको सबैभन्दा कम (६६.३ वर्ष) छ । शिक्षामा समग्र नेपालको विद्यालयमा विद्यार्थीहरू १२.७३ वर्ष अध्ययन गर्छन् । बागमती प्रदेशका विद्यार्थीहरू १४.०७ वर्ष शैक्षिक संस्थामा पढ्छन् भने । मधेश प्रदेशका जम्मा १०.९ वर्ष विद्यालयमा पढ्छन् । समग्र नेपालमा २५ वर्ष भन्दा माथिका व्यक्तिहरूको शैक्षिक अवधि ५.२३ वर्षको पाइन्छ । यो अवधि सबैभन्दा कम मधेशमा (३.९२ वर्ष) र सबैभन्दा बढी बागमतीमा (६.३७ वर्ष) छ । प्रति व्यक्ति आय बागमतीको सबैभन्दा धेरै र मधेशको सबैभन्दा थोरै देखिन्छ । शैक्षिक सूचकांकमा पनि मधेश सबैभन्दा पछाडि र बागमती सबैभन्दा अगाडि छ । आर्थिक असमानता भने बागमती प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै र कर्णाली प्रदेशमा सबैभन्दा थोरै छ ।

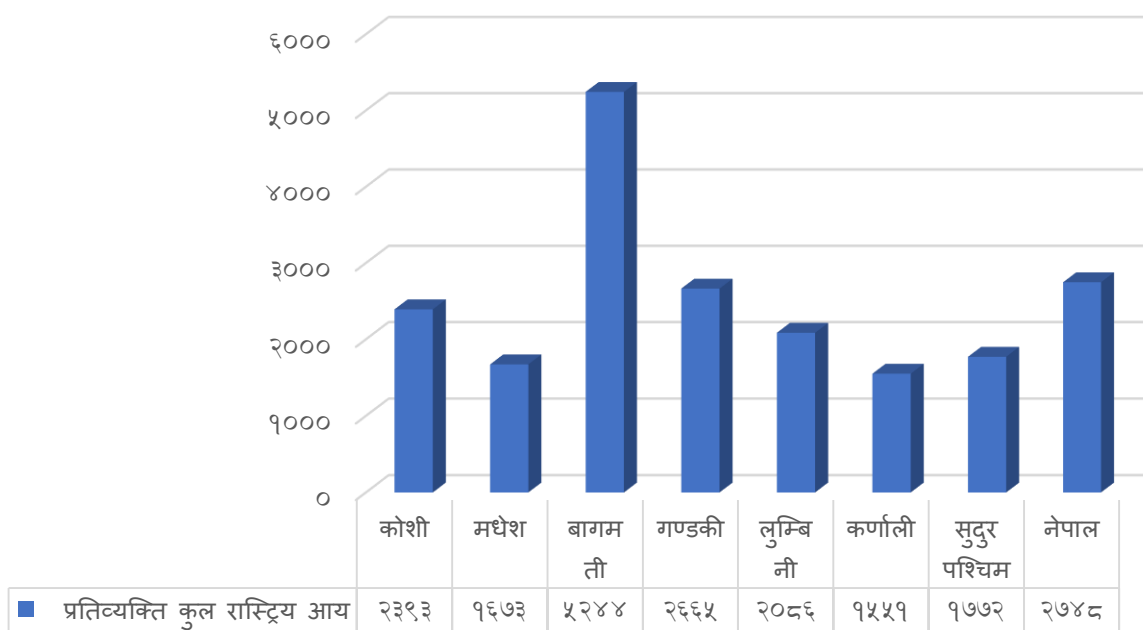
| तालिका ५.५: प्रदेशहरूको विभिन्न गुणात्मक सूचकांक |                    |                          |                                            |                                                  |                 |           |
|--------------------------------------------------|--------------------|--------------------------|--------------------------------------------|--------------------------------------------------|-----------------|-----------|
| प्रदेश                                           | सरदार आयु (वर्षमा) | विद्यालयको अवधि (वर्षमा) | सरदार शैक्षिक अवधि (२५ वर्ष माथि) (वर्षमा) | प्रतिव्यक्ति कुल रास्ट्रिय आय (२०११ PPP dollars) | शैक्षिक सूचकांक | GNI Index |
| कोशी                                             | ७२.०१              | १३.१४                    | ४.२८                                       | २,३९३                                            | ०.५०८           | ०.४८      |
| मधेश                                             | ६८.९०              | १०.१९                    | ३.९२                                       | १,६७३                                            | ०.४१४           | ०.४२६     |
| बागमती                                           | ७२.०१              | १४.०७                    | ६.३७                                       | ५,२४४                                            | ०.६०३           | ०.५९८     |
| गण्डकी                                           | ७३.२७              | १३.७६                    | ५.९४                                       | २,६६५                                            | ०.५८०           | ०.४९६     |
| लुम्बिनी                                         | ६८.८४              | १२.६०                    | ५.०१                                       | २,०८६                                            | ०.५१७           | ०.४५९     |
| कर्णाली                                          | ६७.०३              | १३.१९                    | ४.६४                                       | १,५५१                                            | ०.५२१           | ०.४१४     |
| सुदूर-पश्चिम                                     | ६६.३०              | १२.२८                    | ४.८२                                       | १,७७२                                            | ०.५३            | ०.४३४     |
| नेपाल                                            | ६९.७०              | १२.७३                    | ५.२३                                       | २,७४८                                            | ०.५२८           | ०.५०१     |
| स्रोत : राष्ट्रिय मानव विकास प्रतिवेदन, २०१९     |                    |                          |                                            |                                                  |                 |           |

चार्ट ५.७ अनुसार नेपालीहरूको सरदार आयु ६९.७ वर्ष छ । सुदूर-पश्चिमका जनताको सबैभन्दा थोरै ६६.३ वर्ष मात्र छ भने गण्डकी प्रदेशको सबैभन्दा बढी ७३.२७ वर्ष छ । कर्णाली, लुम्बिनी, मधेश, कोशी र बागमती प्रदेशको क्रमशः ६७.०३, ६८.८४, ६८.९, ७२.०१ र ७२.०१ वर्ष रहेका छन् ।

चार्ट ५.७: प्रदेशहरूको सरदार आयु (वर्षमा)



चार्ट ५.८: प्रदेशहरूको प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय (२०११ PPP\$)



नेपालको प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय २,७४४ अमेरिकी डलर रहेको छ । विभिन्न देशहरू बीचको उपभोग्य वस्तु र सेवाको मूल्यान्तरलाई पनि समायोजन गरी GDP (PPP) को अनुमान गरिन्छ । बागमतीको सबैभन्दा धेरै ५,२४४ डलर छ भने सबैभन्दा कम मधेश प्रदेशको १,६७३ डलर छ ।

## ५.५ वैदेशिक रोजगारी

वैदेशिक रोजगारप्रति आकर्षण मधेश प्रदेशमा अरू प्रदेशको तुलनामा धेरै देखिन्छ । नेपालका सबैभन्दा धेरै श्रम स्वीकृति लिने १० जिल्लामध्ये सन् २०१९/२० मा मधेश प्रदेशका ६ जिल्ला, सन् २०२०/२१ मा ५ जिल्ला, र सन् २०२१/२२ मा ६ जिल्ला छन् । पछिल्लो तीन वर्षको अवधिमा धनुषा जिल्लाबाट

सबैभन्दा बढी श्रम स्वीकृति लिइएको छ । त्यसै गरी महोत्तरी, सिराहा, सर्लाही, र सप्तरीबाट पनि उच्च मात्रामा श्रम स्वीकृति लिइएको छ । सन् २०१९/२० मा धनुषाबाट ५.४%, सिराहाबाट ४.५% र महोत्तरीबाट ३.७% ले श्रम स्वीकृति लिएका छन् । सन् २०२०/२१ मा श्रम स्वीकृति लिने मध्ये ७.५% धनुषा, ६.४% सिराहा र ५% महोत्तरी जिल्लाका छन् । त्यसै गरी, सन् २०२१/२०२२ मा धनुषाबाट ६.६%, सिराहाबाट ५.१% र महोत्तरीबाट ४.८% श्रम स्वीकृति लिइएको छ ।

| तालिका ५.६: नयाँ श्रम स्वीकृति जारीमा अगाडि जिल्लाहरू |             |           |             |           |             |
|-------------------------------------------------------|-------------|-----------|-------------|-----------|-------------|
| जिल्ला                                                | २०१९/२० (%) | जिल्ला    | २०२०/२१ (%) | जिल्ला    | २०२१/२२ (%) |
| धनुषा                                                 | ५.४         | धनुषा     | ७.५         | धनुषा     | ६.६         |
| झापा                                                  | ५.०         | सिराहा    | ६.४         | सिराहा    | ५.१         |
| सिराहा                                                | ४.५         | महोत्तरी  | ५.          | महोत्तरी  | ४.८         |
| मोरंग                                                 | ४.३         | झापा      | ४.२         | झापा      | ३.९         |
| महोत्तरी                                              | ३.७         | मोरंग     | ३.६         | सर्लाही   | ३.८         |
| सुनसरी                                                | ३.१         | सर्लाही   | ३.३         | मोरंग     | ३.६         |
| सर्लाही                                               | ३.०         | सुनसरी    | ३.२         | सप्तरी    | ३.२         |
| सप्तरी                                                | २.९         | दांग      | २.७         | सुनसरी    | ३.१         |
| रूपन्देही                                             | २.४         | सप्तरी    | २.५         | रूपन्देही | २.७         |
| दांग                                                  | २.४         | रूपन्देही | २.१         | रौतहट     | २.५         |
| अन्य                                                  | ६३.३        | अन्य      | ५९.५        | अन्य      | ६०.८        |
| जम्मा                                                 | १००.०       |           | १००         |           | १००         |

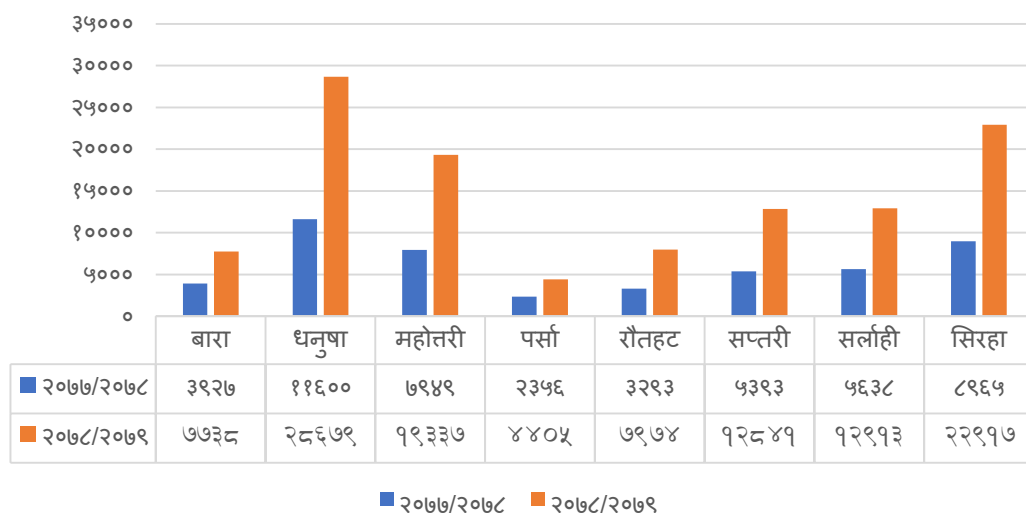
वैदेशिक रोजगारबाट मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै फर्केका छन् । आ.व. २०७७/७८ र २०७८/७९ को २ वर्षको अवधिमा कुल ५ लाख ९ हजार ७ जना फर्केकामा मधेश प्रदेशमा मात्र १ लाख ६५ हजार ९ सय २५ जना फर्केका छन् । सुदूर-पश्चिमबाट गएकाबाट जम्मा १६ हजार ७ सय ३८ जना फर्केका छन् । आ.व. २०७७/७८ मा मधेश प्रदेशका ४९ हजार १ सय २१ जना फर्केका थिए, जसमध्ये ५४० जना महिला थिए । त्यसै गरी, आ.व. २०७८/७९ मा १,४३६ महिला सहित जम्मा १ लाख १६ हजार ८ सय ४ जना फर्केका थिए । वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केको संख्या आ.व. २०७८/७९ मा अघिल्लो वर्षको तुलनामा झन्डै तीन गुणाले बढेको छ ।

तालिका ५.८ मा देखाइएको छ कि मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमध्ये धनुषा जिल्लाका ४० हजार २७९ जना फर्केका छन् । रौतहट जिल्लाबाट वैदेशिक रोजगारीमा गएका ६ हजार ७६१ जना फर्केका छन् । सर्लाहीबाट वैदेशिक रोजगारीमा गएका महिला सबैभन्दा धेरै सर्लाहीमा फर्केका छन् । आ.व. २०७७/७८ मा ५४० महिला गरी जम्मा ४८ हजार ५८१ जना मधेश प्रदेश फर्केका छन् । आ.व. २०७८/७९ मा भने १,४३६ महिला सहित १ लाख १६ हजार ८०४ जना वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका छन् ।

| तालिका ५.७: वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केकाहरुको प्रदेशगत अवस्था |           |        |          |           |        |          |          |
|-------------------------------------------------------------|-----------|--------|----------|-----------|--------|----------|----------|
| प्रदेश                                                      | २०७७/२०७८ |        |          | २०७८/२०७९ |        |          | जम्मा    |
|                                                             | पुरुष     | महिला  | जम्मा    | पुरुष     | महिला  | जम्मा    |          |
| कोशी                                                        | ४१,०३७    | ३,४८५  | ४४,५२२   | ९४,०००    | ९,७१९  | १,०३,७१९ | १,४८,२४१ |
| मधेश                                                        | ४८,५८९    | ५४०    | ४९,१२९   | १,१५,३६८  | १,४३६  | १,१६,८०४ | १,६५,९२५ |
| बागमती                                                      | २५,३३९    | ५,२३३  | ३०,५७२   | ५५,५२४    | १३,०७३ | ६८,५९७   | ९९,१६९   |
| गण्डकी                                                      | ३०,८५५    | १,२२१  | ३२,०७६   | ७३,४८३    | ३,२१६  | ७६,६९९   | १,०८,७७५ |
| लुम्बिनी                                                    | ३५,७५४    | १,०३१  | ३६,७८५   | ७८,८५३    | ३,०४८  | ८१,९०१   | १,१८,६८६ |
| कर्णाली                                                     | ५,२९५     | १३६    | ५,४३१    | ११,५३४    | ४३३    | ११,९६७   | १७,३९८   |
| सुदूर-पश्चिम                                                | ५,२९६     | १३१    | ५,४२७    | १०,९४७    | ३६४    | ११,३११   | १६,७३८   |
| जम्मा                                                       | १,४३,५७६  | ११,२३७ | १,५४,८१३ | ३,२४,३४१  | २९,८५३ | ३,५४,१९४ | ५,०९,००७ |
| स्रोत: Nepal Labor Migration Report, 2022                   |           |        |          |           |        |          |          |

| तालिका ५.८: मधेश प्रदेशमा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्कनेको संख्या |           |       |        |           |       |          |          |
|--------------------------------------------------------------|-----------|-------|--------|-----------|-------|----------|----------|
| जिल्ला                                                       | २०७७/२०७८ |       |        | २०७८/२०७९ |       |          | जम्मा    |
|                                                              | पुरुष     | महिला | जम्मा  | पुरुष     | महिला | जम्मा    |          |
| बारा                                                         | ३,८०१     | १२६   | ३,९२७  | ७,३६४     | ३७४   | ७,७३८    | ११,६६५   |
| धनुषा                                                        | ११,५५४    | ४६    | ११,६०० | २८,५८१    | ९८    | २८,६७९   | ४०,२७९   |
| महोत्तरी                                                     | ७,९०७     | ४२    | ७,९४९  | १९,२४५    | ९२    | १९,३३७   | २७,२८६   |
| पर्सा                                                        | २,२९२     | ६४    | २,३५६  | ४,२७२     | १३३   | ४,४०५    | ६,७६१    |
| रौतहट                                                        | ३,२४६     | ४७    | ३,२९३  | ७,८१३     | १६१   | ७,९७४    | ११,२६७   |
| सप्तरी                                                       | ५,३७२     | २१    | ५,३९३  | १२,७४५    | ९६    | १२,८४१   | १८,२३४   |
| सर्लाही                                                      | ५,४७०     | १६८   | ५,६३८  | १२,४९१    | ४२२   | १२,९१३   | १८,५५१   |
| सिरहा                                                        | ८,९३९     | २६    | ८,९६५  | २२,८५७    | ६०    | २२,९१७   | ३१,८८२   |
| जम्मा                                                        | ४८,५८९    | ५४०   | ४९,१२९ | १,१५,३६८  | १,४३६ | १,१६,८०४ | १,६५,९२५ |
| स्रोत: Nepal Labor Migration Report, 2022                    |           |       |        |           |       |          |          |

चार्ट ५.९: वैदेशिक रोजगारीबाट फर्कनेको संख्या



| गन्तव्य देश | सन् २०१९/२० | गन्तव्य देश | सन् २०२०/२१ | गन्तव्य देश | सन् २०२१/२२ |
|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|-------------|
| मलेसिया     | ११,८८३      | कतार        | ११,००७      | साउदी अरब   | ३७,८२२      |
| कतार        | १०,३०६      | साउदी अरब   | ६,३३९       | कतार        | ३६,३५८      |
| साउदी अरब   | ९,१९३       | यूएई        | १,९२७       | यूएई        | ८,७५६       |
| यूएई        | ९,०३८       | बहराइन      | ६४२         | मलेसिया     | ८,३५१       |
| कुवेत       | २४०७        | ओमान        | २९०         | कुवेत       | ५,०१३       |
| बहराइन      | ४४०         | रोमानिया    | १०९         | बहराइन      | १,७८८       |
| ओमान        | २२३         | माल्दिभ्स   | ८०          | ओमान        | ४९६         |
| जोर्डन      | १०७         | टर्की       | ५६          | रोमानिया    | २७७         |
| रोमानिया    | १०१         | क्रोएसिया   | ३२          | क्रोएसिया   | २५२         |
| टर्की       | ६४          | साइप्रस     | २५          | माल्दिभ्स   | १७८         |
| अन्य        | ३५६         | अन्य        | १३८         | अन्य        | ७७६         |

स्रोत: Nepal Labor Migration Report, 2022

मधेश प्रदेशबाट वैदेशिक रोजगारीमा जानेका लागि प्रमुख गन्तव्य खाडी मुलुक र मलेसिया हुन् । सन् २०१९/२० मा मधेश प्रदेशबाट ११ हजार ८८३ जना मलेसिया, १० हजार ३०६ जना कतार, ९ हजार १९३ जना साउदी अरब र ९ हजार ३८ जना यूएई गएका छन् । सन् २०२०/२१ मा मधेशबाट ११ हजार ७ जना कतार, ६ हजार ३३९ जना साउदी अरब, १ हजार ९२७ जना यूएई र ६४२ जना बहराइन गएका छन् । पछिल्लो सन् २०२१/२२ को तथ्यांक अनुसार ३७ हजार ८२२ जना साउदी अरब, ३६ हजार ३५८ जना कतार, ८ हजार ७५६ जना यूएई र ८ हजार ३५१ जना मलेसिया गएका छन् । साउदी अरब र कतार जानेको संख्या अधिक रूपमा बढेको पाइन्छ ।

## ५.६ आन्तरिक श्रमिकको अवस्था

मधेश प्रदेशमा जम्मा ३९ लाख ७१ हजार श्रम गर्न सक्षम व्यक्तिहरू छन् । विशेष गरी १५-५९ वर्ष उमेर समूहका जनसंख्यालाई श्रमिकका रूपमा लिइन्छ । रोजगारी पाएका श्रमिकको संख्या १२ लाख ६२ हजार छ भने बेरोजगारहरू ३ लाख १५ हजार जना छन् । त्यस्तै, श्रम बाहिर २३ लाख ९४ हजार जना छन् ।

महिला श्रमिक रोजगारी पाएका ४ लाख ५ हजार, बेरोजगार १ लाख ६२ हजार र श्रम बाहिर १६ लाख २२ हजार गरी जम्मा २१ लाख ८९ हजार जना छन् । त्यस्तै, पुरुष श्रमिक रोजगार पाएका ८ लाख ५७ हजार, बेरोजगार १ लाख ५३ हजार र श्रम बाहिर ७ लाख ७२ हजार गरी जम्मा १७ लाख ८२ हजार जना छन् ।

मधेश प्रदेशमा १९ लाख ८७ हजार श्रमिकमध्ये लगभग ५०% अशिक्षित छन् । झन्डै २३ लाख ९४ हजार जना श्रम बाहिर छन्, जसमध्ये १६ लाख २२ हजार महिला छन् । महिलाको श्रम सहभागिता न्यून देखिन्छ, र यो सबै शैक्षिक योग्यता भएकामा लागू हुन्छ । करिब ३ लाख २७ हजार जनाले मात्र मा.वि. वा सोभन्दा माथिको शिक्षा लिएका छन् । यस अर्थमा मधेशका श्रमिकको शैक्षिक योग्यता निकै नै कम छ ।

तालिका ५.१०: शैक्षिक उपलब्धिका आधारमा मधेश प्रदेशका श्रमिकको अवस्था

| शैक्षिक उपलब्धि    | रोजगारी पाएका (हजारमा) |       |       | बेरोजगार (हजारमा) |       |       | श्रम बाहिर (हजारमा) |       |       | जम्मा (हजारमा) |       |       |
|--------------------|------------------------|-------|-------|-------------------|-------|-------|---------------------|-------|-------|----------------|-------|-------|
|                    | पुरुष                  | महिला | जम्मा | पुरुष             | महिला | जम्मा | पुरुष               | महिला | जम्मा | पुरुष          | महिला | जम्मा |
| अशिक्षित           | ३०२                    | २६९   | ५७१   | ३६                | ८४    | १२०   | २८३                 | १,०१३ | १,२९६ | ६२१            | १,३६६ | १,९८७ |
| बाल शिक्षा         | ५                      | ४     | ९     | ०                 | ०     | ०     | ४                   | ७     | ११    | ९              | ११    | २०    |
| साक्षर (अनौपचारिक) | ९                      | ४     | १३    | २                 | १     | ३     | ५                   | २०    | २५    | १६             | २५    | ४१    |
| आधारभूतभन्दा कम    | २३६                    | ४०    | २७६   | ३८                | ३५    | ७३    | १७८                 | २५५   | ४३३   | ४५२            | ३३०   | ७८२   |
| आधारभूत शिक्षा     | ५८                     | १२    | ७०    | १३                | ४     | १७    | ४४                  | ७०    | ११४   | ११५            | ८६    | २०१   |
| मा.वि.भन्दा कम     | १३६                    | ३८    | १७४   | ४१                | २९    | ७०    | १७४                 | १९५   | ३६९   | ३५१            | २६२   | ६१३   |
| मा.वि. शिक्षा      | ५४                     | २०    | ७४    | १८                | ९     | २७    | ६४                  | ५२    | ११६   | १३६            | ८१    | २१७   |
| तृतीयक शिक्षा      | ५७                     | १८    | ७५    | ५                 | ०     | ५     | २०                  | १०    | ३०    | ८२             | २८    | ११०   |
| जम्मा              | ८५७                    | ४०५   | १,२६२ | १५३               | १६२   | ३१५   | ७७२                 | १,६२२ | २,३९४ | १,७८२          | २,१८९ | ३,९७१ |

मधेश प्रदेशका अधिकांश श्रम गर्ने उमेरका व्यक्तिहरू सहरमा बस्ने गर्छन् । शहरी श्रमिक २३ लाख ३९ हजार रहेकोमा ग्रामीण श्रमिक १३ लाख ३३ हजार मात्र छन् । शहरी र ग्रामीण दुवैमा महिलाको श्रम सहभागिता पुरुषको तुलनामा धेरै नै न्यून देखिन्छ । ४७.९% शहरी पुरुषको श्रम सहभागिता हुँदा १८.९% शहरी महिलाको श्रम सहभागिता देखिन्छ । त्यस्तै ४८.२ % ग्रामीण पुरुषको श्रम सहभागिता हुँदा १७.३% ग्रामीण महिलाको मात्र श्रम सहभागिता देखिन्छ । बेरोजगारी दर पनि पुरुषको तुलनामा महिलामा धेरै (झन्डै दोब्बर) छ ।

तालिका ५.११: मधेश प्रदेशमा शहरी र ग्रामीण रोजगारीको अवस्था

| मधेश प्रदेश                       | शहरी (हजारमा) |       |       | ग्रामीण (हजारमा ) |       |       | जम्मा (हजारमा) |       |       |
|-----------------------------------|---------------|-------|-------|-------------------|-------|-------|----------------|-------|-------|
|                                   | पुरुष         | महिला | जम्मा | पुरुष             | महिला | जम्मा | पुरुष          | महिला | जम्मा |
| १५ वर्षभन्दा माथि उमेरको जनसंख्या | १,१८९         | १,४५० | २,६३९ | ५९५               | ७३८   | १,३३३ | १,७८४          | २,१८८ | ३,९७२ |
| श्रम शक्ति भित्रको संख्या         | ६७१           | ३८९   | १,०६० | ३४१               | १७७   | ५१८   | १,०१२          | ५६६   | १,५७८ |
| रोजगारी पाएका                     | ५७०           | २७५   | ८४५   | २८७               | १३०   | ४१७   | ८५७            | ४०५   | १,२६२ |
| बेरोजगार                          | १०१           | ११५   | २१६   | ५४                | ४७    | १०१   | १५५            | १६२   | ३१७   |
| श्रम शक्ति बाहिरको संख्या         | ५१८           | १,०६१ | १,५७९ | २५४               | ५६१   | ८१५   | ७७२            | १,६२२ | २,३९४ |
| बेरोजगारी दर                      | १५.१          | २९.५  | २०.४  | १५.८              | २६.५  | १९.४  | १५.३           | २८.६  | २०.१  |
| रोजगार र जनसंख्याको अनुपात        | ४७.९          | १८.९  | ३२    | ४८.२              | १७.६  | ३१.३  | ४८             | १८.५  | ३१.८  |
| श्रम सहभागिता दर                  | ५६.४          | २६.८  | ४०.२  | ५७.३              | २३.९  | ३८.८  | ५६.७           | २५.९  | ३९.७  |

नेपालको बेरोजगारी दर ११.४% देखिन्छ । १५-२४ वर्षको उमेर समूहमा यो बेरोजगारी दर सबैभन्दा धेरै देखिन्छ । बेरोजगारीको तथ्यांक हेर्दा मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा बढी बेरोजगार भेटिन्छन् । मधेश प्रदेशको बेरोजगारी दर झन्डै २०.१% छ । यो सबै उमेर समूहमा लागू हुन्छ । सात प्रदेशमध्ये मधेशमा १५-२४ वर्ष उमेर समूहमा ३३.१% बेरोजगार छन् । त्यस्तै, २५-३९ वर्षमा १८.९% बेरोजगार छन्, ४०-५९ वर्षमा १४.९% बेरोजगार छन् र ६० वर्षभन्दा माथिका ११.२% बेरोजगार छन् । बागमती प्रदेशमा सबै उमेर समूहमा सबैभन्दा न्यून बेरोजगारी देखिन्छ । बागमतीमा १५-२४ वर्ष उमेर समूहमा १६.१% बेरोजगार छन् । त्यस्तै, २५-३९ वर्षमा ७.२% बेरोजगार छन्, ४०-५९ वर्षमा २.८% बेरोजगार छन् र ६० वर्षभन्दा माथिका ०.१% बेरोजगार छन् ।



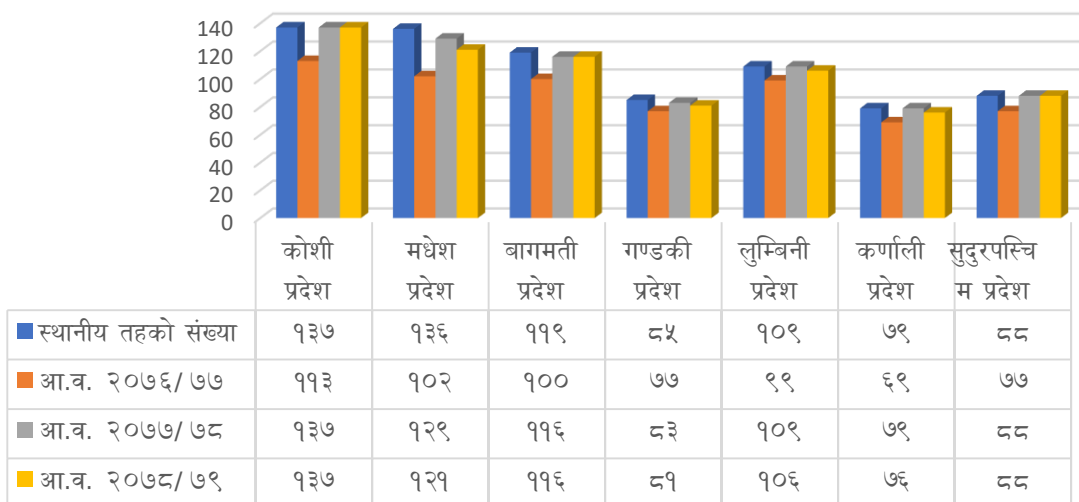
| तालिका ५.१२: विभिन्न उमेर समूहका बेरोजगारको अवस्था (महिला र पुरुष दुवै) |                |                |                |                  |           |
|-------------------------------------------------------------------------|----------------|----------------|----------------|------------------|-----------|
| प्रदेश                                                                  | १५-२४ वर्ष (%) | २५-३९ वर्ष (%) | ४०-५९ वर्ष (%) | ६० वर्ष माथि (%) | जम्मा (%) |
| कोशी                                                                    | १८.८           | १२.३           | ४.५            | ३                | १०.२      |
| मधेश                                                                    | ३३.१           | १८.९           | १४.९           | ११.२             | २०.१      |
| बागमती                                                                  | १६.१           | ७.२            | २.८            | ०.१              | ७.०       |
| गण्डकी                                                                  | १८.९           | ८.८            | ५.३            | १.२              | ९.०       |
| लुम्बिनी                                                                | १९.२           | १२.८           | ५.१            | ४.२              | ११.२      |
| कर्णाली                                                                 | १९.६           | ९.५            | ४.९            | ०.१              | ९.७       |
| सुदूर-पश्चिम                                                            | २०.९           | ११.७           | ५.६            | ५.५              | ११.५      |
| शहरी                                                                    | २१.८           | ११.३           | ६.६            | ४.६              | ११.६      |
| नेपाल                                                                   | २१.४           | ११.६           | ६.३            | ४.२              | ११.४      |

## ५.७ बेरोजगारको सूचीकरण

सबै स्थानीय तहहरूले बेरोजगारको सूचीकरण गरिसकेका छैनन् । ७५३ स्थानीय तहहरूमध्ये आ.व. २०७६/७७ मा ६३७, २०७७/७८ मा ७४१ र २०७८/७९ मा ७३५ ले बेरोजगारहरूको सूचीकरण गरेका छन् । कोशी र सुदूर-पश्चिम प्रदेशका सबै स्थानीय तहहरूले मात्र बेरोजगारको सूचीकरण गरेका छन् । आ.व. २०७८/७९ मा २०७७/७८ भन्दा कम स्थानीय तहहरूले बेरोजगारको सूचीकरण गरेका छन् । मधेश प्रदेशका १३६ स्थानीय तहहरूमध्ये २०७८/७९ मा १२१ ले मात्र बेरोजगारको सूचीकरण गरेका छन् ।

| तालिका ५.१३: बेरोजगार सूचीकरण गर्ने स्थानीय तहको संख्या |                     |         |         |         |
|---------------------------------------------------------|---------------------|---------|---------|---------|
| प्रदेश                                                  | स्थानीय तहको संख्या | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ |
| कोशी                                                    | १३७                 | ११३     | १३७     | १३७     |
| मधेश                                                    | १३६                 | १०२     | १२९     | १२१     |
| बागमती                                                  | ११९                 | १००     | ११६     | ११६     |
| गण्डकी                                                  | ८५                  | ७७      | ८३      | ८१      |
| लुम्बिनी                                                | १०९                 | ९९      | १०९     | १०६     |
| कर्णाली                                                 | ७९                  | ६९      | ७९      | ७६      |
| सुदूर-पश्चिम                                            | ८८                  | ७७      | ८८      | ८८      |
| जम्मा                                                   | ७५३                 | ६३७     | ७४१     | ७२५     |

चार्ट ५.१०: बेरोजगार सूचीकरण गर्ने स्थानीय तहको संख्या



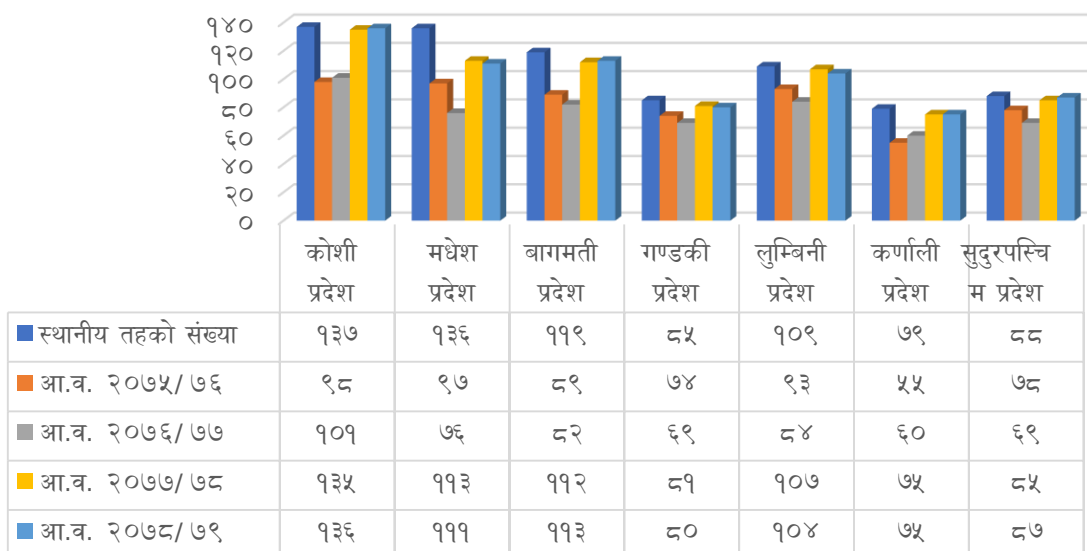
बेरोजगारको सूचीकरण गर्ने स्थानीय सरकारहरू २०७६/७७ बाट २०७७/७८ मा बढेको देखिन्छ भने, २०७८/७९ मा त्यस्तो सूची तयार पर्ने स्थानीय सरकारहरूको संख्या घटेको देखिन्छ । पछिल्लो तथ्यांक अनुसार कोशी र सुदूर-पश्चिमका सबै स्थानीय सरकारहरूले यो सूची तयार परेका छन् । मधेश प्रदेशमा १५, बागमतीमा ३, गण्डकीमा ४, लुम्बिनीमा ३ र कर्णालीमा ३ गरी २८ स्थानीय सरकारहरूले बेरोजगारको सूची तयार परेका छन् । मधेश प्रदेशबाट सबैभन्दा धेरै १५ स्थानीय सरकारहरूले सूची तयार परेका छन् ।

## ५.८ प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन

प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरूको संख्या २०७८/७९ मा ७०६ वटा छन् । यो संख्या २०७५/७६ मा ५८४, २०७६/७७ मा ५४९ र २०७६/७८ मा ७०८ थियो । मधेश आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरूको संख्या २०७८/७९ मा १११ वटा छन् । यो संख्या २०७५/७६ मा ९७, २०७६/७७ मा ७६ र २०७६/७८ मा ११३ थियो । २०७७/७८ मा आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय सरकारहरूको संख्या उल्लेखनीय रूपमा बढेको देखिन्छ ।

| तालिका ५.१४: आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहको संख्या |                     |         |         |         |         |
|-----------------------------------------------------------|---------------------|---------|---------|---------|---------|
| प्रदेश                                                    | स्थानीय तहको संख्या | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ |
| कोशी                                                      | १३७                 | ९८      | १०१     | १३५     | १३६     |
| मधेश                                                      | १३६                 | ९७      | ७६      | ११३     | १११     |
| बागमती                                                    | ११९                 | ८९      | ८२      | ११२     | ११३     |
| गण्डकी                                                    | ८५                  | ७४      | ६९      | ८१      | ८०      |
| लुम्बिनी                                                  | १०९                 | ९३      | ८४      | १०७     | १०४     |
| कर्णाली                                                   | ७९                  | ५५      | ६०      | ७५      | ७५      |
| सुदूर-पश्चिम                                              | ८८                  | ७८      | ६९      | ८५      | ८७      |
| जम्मा                                                     | ७५३                 | ५८४     | ५४९     | ७०८     | ७०६     |

चार्ट ५.११: आयोजना कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहको संख्या



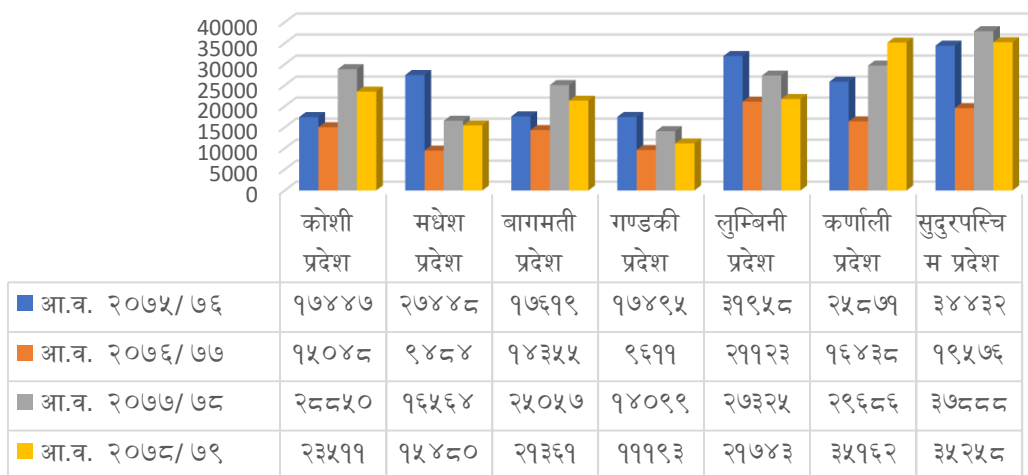
पछिल्लो चार वर्षको अवधिमा २०७६/७७ र २०७८/७९ मा प्रधानमन्त्री बेरोजगार कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरू घटेको देखिन्छ । २०७६/७७ बाट २०७७/७८ जाँदा यो संख्या सबै प्रदेशहरूमा बढेको देखिन्छ । २०७८/७९ मा मधेशका २५, कोशीको १, बागमतीको ६, गण्डकीको ५, लुम्बिनीको ५, कर्णालीको ४ र सुदूर-पश्चिमको १ जिल्लाले मात्र कार्यान्वयन गर्न बाँकी छ । योजना कार्यान्वयनमा कोशी र सुदूर-पश्चिम अगाडि छ भने मधेश सबैभन्दा पछाडि छ ।

### ५.९ न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएका विपन्न बेरोजगारको संख्या

पछिल्लो तथ्यांक अनुसार न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएको विपन्न बेरोजगारहरू कर्णाली र सुदूर-पश्चिममा सबैभन्दा धेरै छन् । २०७५/७६ मा सुदूर-पश्चिममा ३४,४३२ र लुम्बिनी प्रदेशमा ३१,९५८ रोजगारी प्रदान गरिएको छ । २०७६/७७ मा लुम्बिनीमा २१,१२३ र सुदूर-पश्चिममा १९,५७६, २०७७/७८ मा सुदूर-पश्चिममा ३७,८८८ र कर्णालीमा २९,६८६ र २०७८/७९ मा सुदूर-पश्चिममा ३५,२५८ र कर्णालीमा ३५,१६२ रोजगारी प्रदान गरिएको छ ।

| तालिका ५.१५: न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएका विपन्न बेरोजगारको संख्या |          |          |          |          |
|---------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|----------|
| प्रदेश                                                              | २०७५/७६  | २०७६/७७  | २०७७/७८  | २०७८/७९  |
| कोशी                                                                | १७,४४७   | १५,०४८   | २८,८५०   | २३,५११   |
| मधेश                                                                | २७,४४८   | ९,४८४    | १६,५६४   | १५,४८०   |
| बागमती                                                              | १७,६१९   | १४,३५५   | २५,०५७   | २१,३६१   |
| गण्डकी                                                              | १७,४९५   | ९,६११    | १४,०९९   | ११,१९३   |
| लुम्बिनी                                                            | ३१,९५८   | २१,१२३   | २७,३२५   | २१,७४३   |
| कर्णाली                                                             | २५,८७१   | १६,४३८   | २९,६८६   | ३५,१६२   |
| सुदूर-पश्चिम                                                        | ३४,४३२   | १९,५७६   | ३७,८८८   | ३५,२५८   |
| जम्मा                                                               | १,७२,२७० | १,०५,६३५ | १,७९,४६९ | १,६३,७०८ |

चार्ट ५.१२: न्यूनतम रोजगारी प्रदान गरिएको बिपन्न बेरोजगारको संख्या



मधेश प्रदेशमा प्रधान मन्त्री बेरोजगार कार्यक्रमबाट खासै फाइदा लिन सकिएको छैन । यो कार्यक्रमबाट लाभान्वित हुनेहरू तुलनात्मक रूपमा मधेश प्रदेशमा थोरै छन् । आ.व. २०७५/७६ मा २७,४४८ जनाले रोजगारी पाएकामा २०७६/७७ मा त्यो संख्या ९,४८४ मा झर्‍यो र त्यसपछि क्रमशः १६,५६४ र १५,४८० जनाले रोजगारी पाए । यो कार्यक्रममा २०७५/७६ जति रोजगारी गएका तीन वर्षमा दिन सकिएको छैन ।

#### ५.१० प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सशर्त अनुदान

प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रममा २०७७/७८ र २०७८/७९ उल्लेखनीय बजेट छुट्टाइएको छ । २०७५/७६ मा २ अर्ब ३७ करोड र २०७६/७७ मा २ अर्ब ३० करोड छुट्टाइएकोमा २०७७/७८ मा ९ अर्ब ९५ करोड र २०७८/७९ मा १० अर्ब ८६ करोड छुट्टाइएको छ । कर्णाली र सुदूर-पश्चिममा यस शीर्षकमा सबैभन्दा धेरै १ अर्ब ९७ करोड र २ अर्ब ७ करोड विनियोजन गरिएको छ ।

| तालिका ५.१६: प्रधान मन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत सशर्त अनुदानको विवरण (रु. हजारमा) |              |              |              |              |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| प्रदेश                                                                                  | आ.व. २०७५/७६ | आ.व. २०७६/७७ | आ.व. २०७७/७८ | आ.व. २०७८/७९ |
| कोशी                                                                                    | ३,६३,०००     | २,५३,१५१     | १५,४९,८८०    | १५,९४,९५६    |
| मधेश                                                                                    | ४,१५,०००     | ४,२९,२३५     | १२,२८,८१५    | १३,४४,०२३    |
| बागमती प्रदेश                                                                           | ३,४३,३००     | ३,०६,९२१     | १४,६७,६३७    | १४,४१,७५४    |
| गण्डकी प्रदेश                                                                           | १,९९,३००     | १,५३,९२८     | ९,१०,१५४     | ९,७३,०६४     |
| लुम्बिनी                                                                                | ३,९९,५००     | ३,५८,१६७     | १४,४४,५५४    | १४,६८,०८०    |
| कर्णाली                                                                                 | २,६८,२००     | ४,०५,२४४     | १६,६६,७६३    | १९,६८,२८८    |
| सुदूर-पश्चिम                                                                            | ३,७९,६६९     | ३,९६,५५४     | १६,८१,८४४    | २०,६७,००६    |
| कुल                                                                                     | २३,६७,९६९    | २३,०३,२००    | ९९,४९,६४६    | १,०८,५७,१७१  |

बेरोजगारको संख्या र दर दुबै हिसाबले मधेश प्रदेश अगाडि छ, तर त्यही अनुपातमा सशर्त अनुदान भने विनियोजन गरिएको छैन । मधेश प्रदेशमा २०७५/७६ मा ४१ करोड ५० लाख, २०७६/७७ मा ४२ करोड ९२ लाख, २०७७/७८ मा १ अर्ब २२ करोड ८८ लाख र २०७८/७९ मा १ अर्ब ३४ करोड ४० लाख सशर्त अनुदान विनियोजन गरिएको छ । गण्डकी प्रदेशमा सबैभन्दा कम सशर्त अनुदान विनियोजन गरिएको छ ।

### ५.११ प्रदेश स्तरमा विपन्न राज्य (LDC) का सूचकहरू

प्रति व्यक्ति आम्दानी बागमती प्रदेशको १,४४८ अमेरिकी डलर छ भने कर्णालीको ४२८ अमेरिकी डलर छ । मानव सम्पत्ति सूचकांकमा भने गण्डकी ७५ अंक सहित अगाडि छ र मधेश ५० अंक सहित पुछारमा छ । बागमती प्रदेश सबैभन्दा कम आर्थिक जोखिममा छ । बागमती को ३६.८ सूचकांकको मापन हुँदा सुदूर-पश्चिम २९.१ अंक सहित सबभन्दा बढी आर्थिक जोखिममा छ ।

| तालिका ५.१७: अति विपन्न राज्यका सूचकहरूको (LDC) प्रदेश स्तरमा विवरण |                |                       |                      |
|---------------------------------------------------------------------|----------------|-----------------------|----------------------|
| प्रदेश                                                              | आम्दानी (US\$) | मानव सम्पत्ति सूचकांक | आर्थिक जोखिम सूचकांक |
| कोशी                                                                | ६६१            | ६५.३                  | ३२.०                 |
| मधेश                                                                | ४६१            | ५०.०                  | ३१.६                 |
| बागमती                                                              | १,४४८          | ७४.०                  | ३६.८                 |
| गण्डकी                                                              | ७३६            | ७५.०                  | ३५.२                 |
| लुम्बिनी                                                            | ५७६            | ६२.४०                 | ३१.९                 |
| कर्णाली                                                             | ४२८            | ५८.०                  | ३३.६                 |
| सुदूर-पश्चिम                                                        | ४८९            | ५८.४                  | २९.१                 |

## परिच्छेद ६: ऊर्जा, सिँचाइ, र खानेपानी

### ६.१ ऊर्जा (विद्युत, पेट्रोलियम आदि)

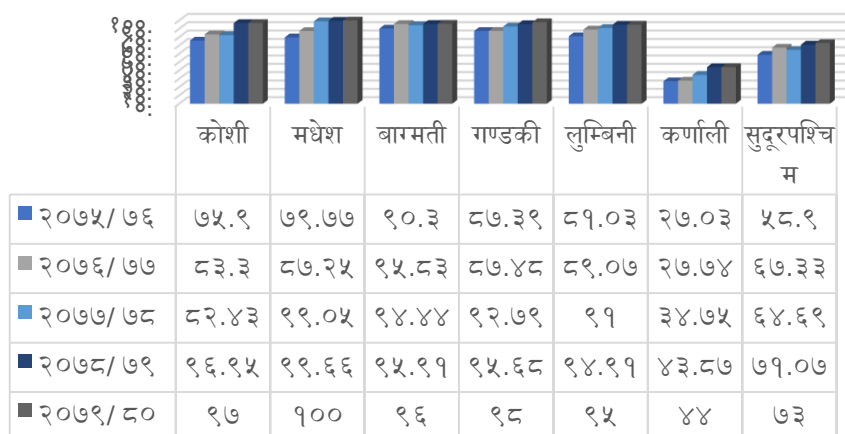
विद्युत वितरणका आधारमा हालै मधेश प्रदेशका सबै परिवारमा राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत उपलब्ध छ, जुन प्रदेशहरूमध्ये सबभन्दा बढी हो । तालिका ६.१ अनुसार विद्युत पहुँच यो प्रदेशमा २०७५/७६ सालदेखि नै उच्च नै रहेको थियो । यसलाई चार्ट ६.१ ले अझ स्पष्ट पारेको छ ।

| तालिका ६.१: राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत पहुँच प्राप्त प्रदेशगत जनसङ्ख्या (प्रतिशतमा) |         |         |         |         |          |
|---------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|---------|----------|
| प्रदेश                                                                                      | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८०* |
| कोशी                                                                                        | ७५.९०   | ८३.३०   | ८२.४३   | ९६.९५   | ९७       |
| मधेश                                                                                        | ७९.७७   | ८७.२५   | ९९.०५   | ९९.६६   | १००      |
| बागमती                                                                                      | ९०.३०   | ९५.८३   | ९४.४४   | ९५.९९   | ९६       |
| गण्डकी                                                                                      | ८७.३९   | ८७.४८   | ९२.७९   | ९५.६८   | ९८       |
| लुम्बिनी                                                                                    | ८९.०३   | ८९.०७   | ९९.००   | ९४.९९   | ९५       |
| कर्णाली                                                                                     | २७.०३   | २७.७४   | ३४.७५   | ४३.८७   | ४४       |
| सुदूर-पश्चिम                                                                                | ५८.९०   | ६७.३३   | ६४.६९   | ७९.०७   | ७३       |
| नेपाल (वैकल्पिक ऊर्जासहित)                                                                  | ८८.००   | ९०.००   | ९३.००   | ९४.००   | ९५       |

स्रोत: नेपाल विद्युत प्राधिकरण, २०७९

\* फागुनसम्म

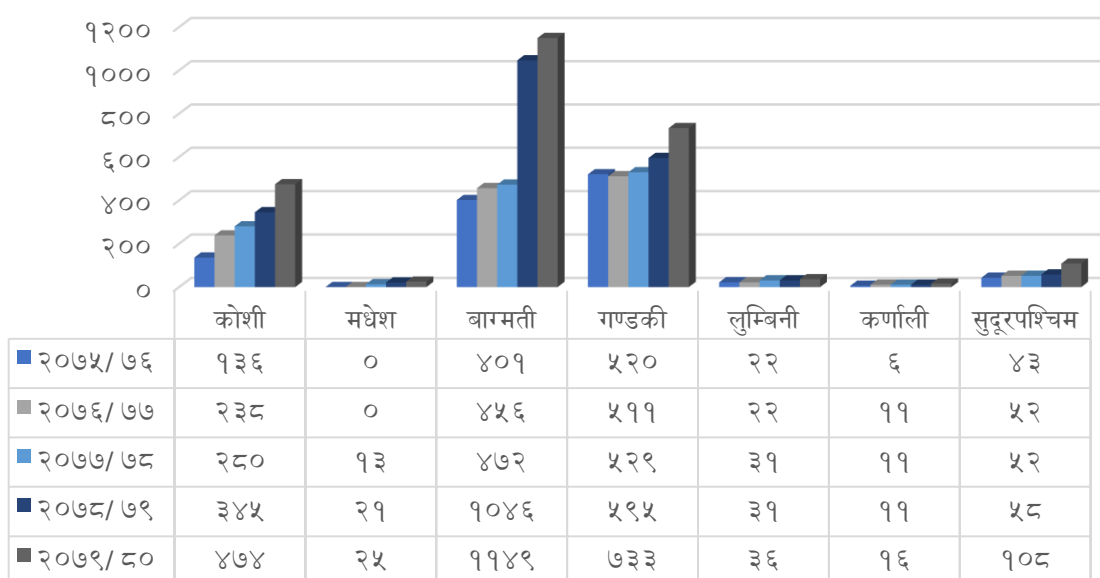
चार्ट ६.१: राष्ट्रिय प्रसारण ग्रिडबाट विद्युत पहुँच प्राप्त प्रदेशगत जनसङ्ख्या (प्रतिशतमा)



नेपालका प्रदेशहरूमध्ये सबभन्दा बढी जल विद्युत गण्डकी प्रदेशमा उत्पादन हुँदै आएको छ, जुन आ.व. २०७९/८० मा १,१४९ मेगावाट छ । तालिका ६.२ र चार्ट ६.२ अनुसार मधेश प्रदेशमा जलविद्युत उत्पादन नगण्य छ । यसको कारण यो प्रदेशको सम्पूर्ण क्षेत्र समथर भूमि भएकोले हो । यहाँ आ.व. २०७७/७८ मा केही उत्पादन सुरु भएर २०७९/८० मा जम्मा २५ मात्र पुगेको छ, जुन कर्णाली प्रदेशको तुलनामा भने केही बढी हो ।

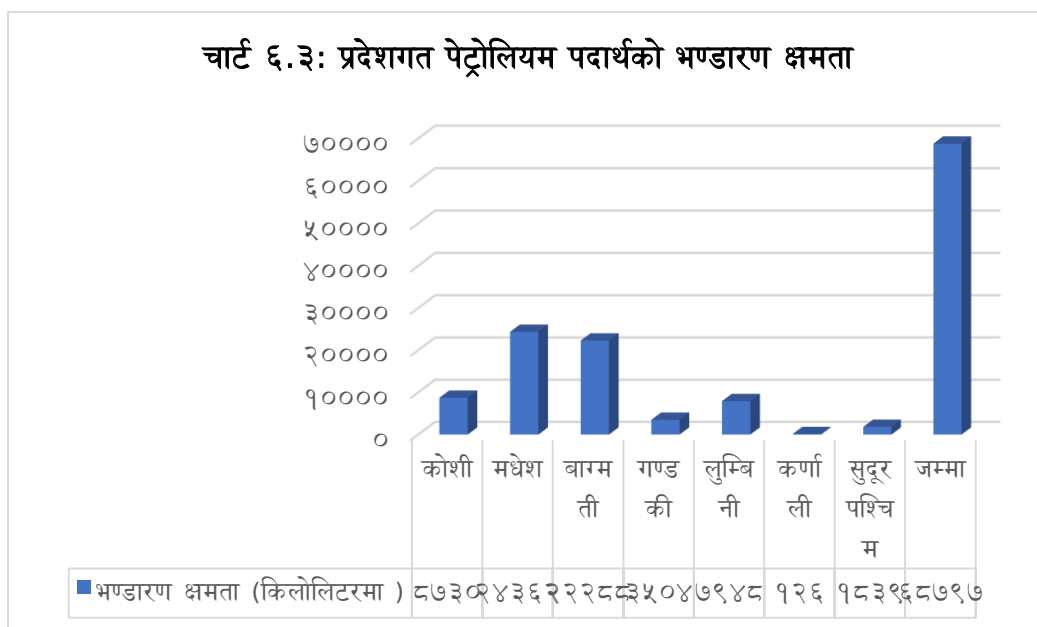
| तालिका ६.२: प्रदेशगत विद्युत उत्पादन क्षमता (मेगावाटमा)<br>(वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक) |         |         |         |         |         |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| प्रदेश                                                                                                                   | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० |
| कोशी                                                                                                                     | १३६     | २३८     | २८०     | ३४५     | ४७४     |
| मधेश                                                                                                                     | ०       | ०       | १३      | २१      | २५      |
| बागमती                                                                                                                   | ४०१     | ४५६     | ४७२     | १,०४६   | १,१४९   |
| गण्डकी                                                                                                                   | ५२०     | ५११     | ५२९     | ५९५     | ७३३     |
| लुम्बिनी                                                                                                                 | २२      | २२      | ३१      | ३१      | ३६      |
| कर्णाली                                                                                                                  | ६       | ११      | ११      | ११      | १६      |
| सुदूर-पश्चिम                                                                                                             | ४३      | ५२      | ५२      | ५८      | १०८     |
| जम्मा                                                                                                                    | १,१२९   | १,२९०   | १,३८८   | २,१०८   | २,५८४   |
| स्रोत: नेपाल विद्युत प्राधिकरण, २०७९                                                                                     |         |         |         |         |         |
| * फागुनसम्म                                                                                                              |         |         |         |         |         |

चार्ट ६.२: प्रदेशगत विद्युत उत्पादन क्षमता ( मेगावाटमा) (वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन केन्द्रबाट उत्पादित विद्युत बाहेक)



पेट्रोलियम पदार्थको भण्डारण क्षमताको हिसाबले प्रदेशगत रूपमा मधेश प्रदेशमा नै सबभन्दा बढी भण्डारण (३५.४१ प्रतिशत) भएको देखिन्छ । तालिका ६.३ र चार्ट ६.३ अनुसार भण्डारण क्षमताका साथै बिक्री पनि यो प्रदेशमा सबभन्दा उच्च (२७.९०%) छ । यो माग धान्न सक्ने क्षमताको आधारमा पनि बागमती प्रदेशपछिको सबभन्दा उच्च हो ।

| प्रदेश       | प्रादेशिक भण्डारण क्षमता    |         | बिक्री (किलोलिटरमा) |            | माग धान्ने सक्ने क्षमता (दिनमा) |
|--------------|-----------------------------|---------|---------------------|------------|---------------------------------|
|              | भण्डारण क्षमता (किलोलिटरमा) | प्रतिशत | आ. २०७८/७९          | व. प्रतिशत |                                 |
| कोशी         | ८,७३०                       | १२.६९   | ४,६७,०३२            | १७.७६      | ७                               |
| मधेश         | २४,३६२                      | ३५.४१   | ७,३३,८४०            | २७.९०      | १२                              |
| बागमती       | २२,२८८                      | ३२.४०   | ६,१२,१५२            | २३.२८      | १३                              |
| गण्डकी       | ३,५०४                       | ५.०९    | १,१८,९३१            | ४.५२       | ११                              |
| लुम्बिनी     | ७,९४८                       | ११.५५   | ५,३४,३१०            | २०.३२      | ५                               |
| कर्णाली      | १२६                         | ०.१८    | ३३,७९८              | १.२९       | २                               |
| सुदूर-पश्चिम | १,८३९                       | २.६७    | १,२९,८७२            | ४.९४       | ५                               |
| जम्मा        | ६८,७९७                      | १००     | २६,२९,९३५           | १००        | १०                              |



ग्यासको भण्डार क्षमताको आधारमा प्रदेशहरूमध्ये सबभन्दा बढी बागमती प्रदेशको क्षमता रहेको छ । जनसंख्या र विकासको आधारमा बागमती प्रदेशमा यो उच्च रहन गएको हो । बागमतीपछि र लुम्बिनीकै हाराहारीमा मधेश प्रदेशमा भण्डारण क्षमता उच्च छ, जुन १,१०४ मे.ट. रहेको छ ।



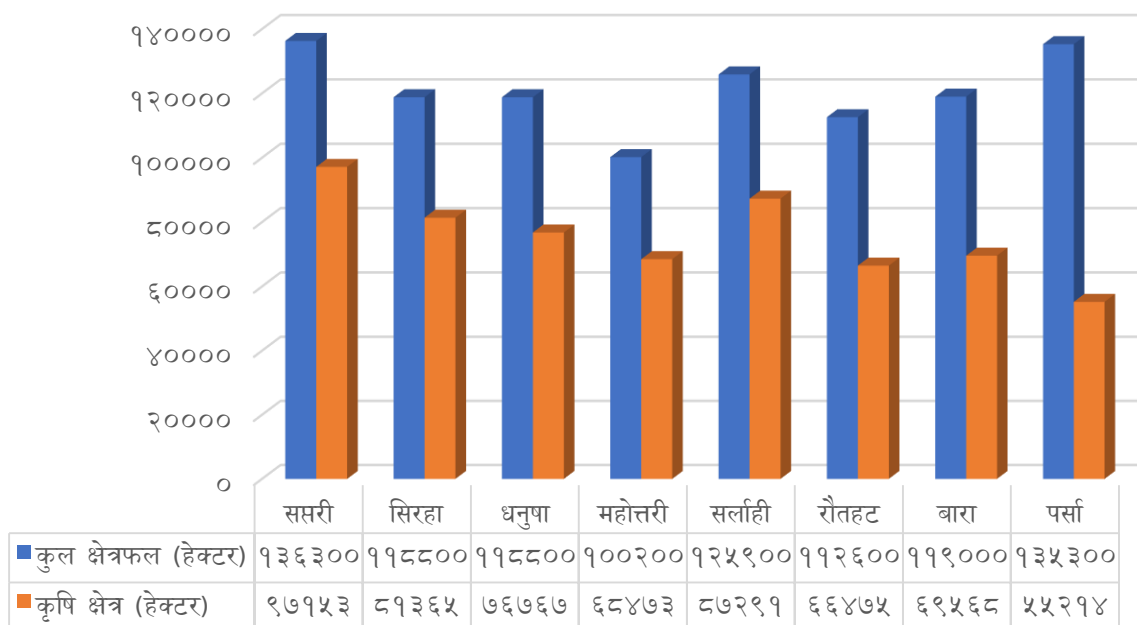
| तालिका ६.४: प्रदेशगत ग्यास उद्योगीको सङ्ख्या र सोको भण्डारण क्षमता (मे. टनमा) |                           |
|-------------------------------------------------------------------------------|---------------------------|
| प्रदेश                                                                        | भण्डारण क्षमता (मे. टनमा) |
| कोशी                                                                          | १,०३६                     |
| मधेश                                                                          | १,१०४                     |
| बागमती                                                                        | ४,८०६                     |
| गण्डकी                                                                        | ८५५                       |
| लुम्बिनी                                                                      | १,११६                     |
| कर्णाली                                                                       | -                         |
| सुदूर-पश्चिम                                                                  | २००                       |

## ६.२ सिँचाइ

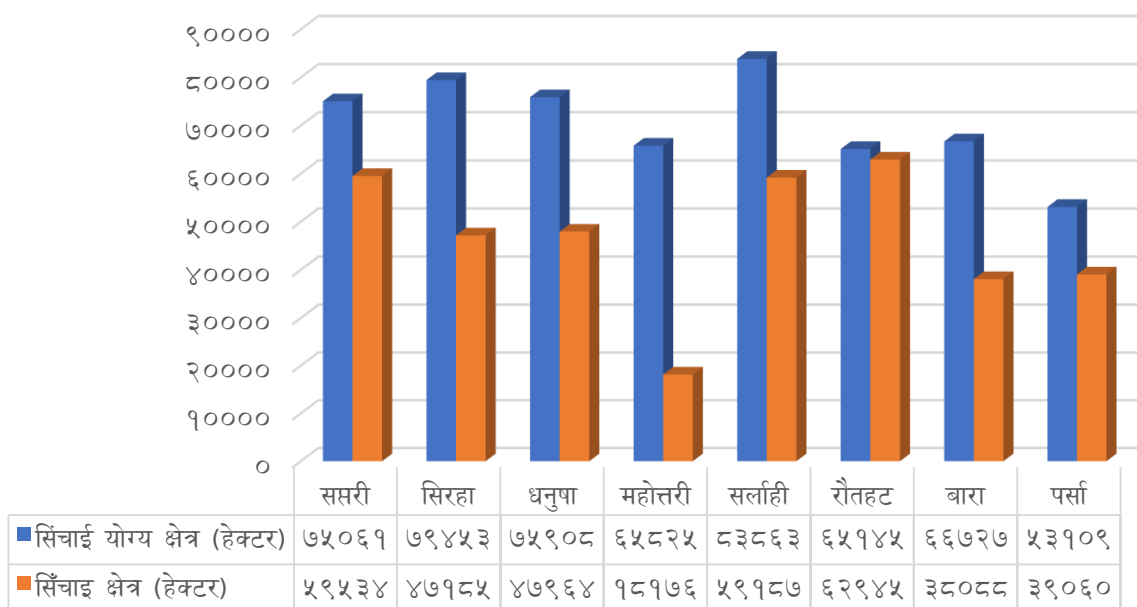
मधेश प्रदेशको कृषि, सिँचाइ र सिँचाइयोग्य क्षेत्रलाई जिल्लागत रूपमा तालिका ६.५ र चार्ट ६.४ र ६.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ । यो प्रदेशका जिल्लाको कुल क्षेत्रफल, कृषि क्षेत्र, र सिँचाइयोग्य क्षेत्रमा समानता पाइन्छ । कुल क्षेत्रफल सबभन्दा बढी भएको सप्तरी जिल्लामा कृषि क्षेत्र र सिँचाइयोग्य क्षेत्र पनि सबभन्दा बढी छ । तर सिँचाइ क्षेत्रको आकारमा भने केही फरक पाइन्छ । प्रदेशमा सबभन्दा बढी सिंचित क्षेत्र रौतहटमा (६२,९४५ हेक्टर) छ भने, सबभन्दा कम महोत्तरीमा रहेको छ । त्यसैले नै महोत्तरीमा सिँचाइ विकासको लागि सम्भावित क्षेत्र सबभन्दा बढी (४७,६५० हेक्टर) रहेको हुन सक्छ ।

| तालिका ६.५: मधेश प्रदेशको जिल्लामा कृषि, सिँचाइ र सिँचाइयोग्य क्षेत्र |          |                        |                       |                               |                         |                                               |
|-----------------------------------------------------------------------|----------|------------------------|-----------------------|-------------------------------|-------------------------|-----------------------------------------------|
| क्र. स.                                                               | जिल्ला   | कुल क्षेत्रफल (हेक्टर) | कृषि क्षेत्र (हेक्टर) | सिँचाई योग्य क्षेत्र (हेक्टर) | सिँचाइ क्षेत्र (हेक्टर) | सिँचाइ विकासको लागि सम्भावित क्षेत्र (हेक्टर) |
| १                                                                     | सप्तरी   | १,३६,३००               | ९७,१५३                | ७५,०६१                        | ५९,५३४                  | १५,५२८                                        |
| २                                                                     | सिराहा   | १,१८,८००               | ८१,३६५                | ७९,४५३                        | ४७,१८५                  | ३२,२६८                                        |
| ३                                                                     | धनुषा    | १,१८,८००               | ७६,७६७                | ७५,९०८                        | ४७,९६४                  | २७,९४५                                        |
| ४                                                                     | महोत्तरी | १,००,२००               | ६८,४७३                | ६५,८२५                        | १८,७६                   | ४७,६५०                                        |
| ५                                                                     | सर्लाही  | १,२५,९००               | ८७,२९१                | ८३,८६३                        | ५९,१८७                  | २४,६७७                                        |
| ६                                                                     | रौतहट    | १,१२,६००               | ६६,४७५                | ६५,१४५                        | ६२,९४५                  | २,२००                                         |
| ७                                                                     | बारा     | १,१९,०००               | ६९,५६८                | ६६,७२७                        | ३८,०८८                  | २८,६३९                                        |
| ८                                                                     | पर्सा    | १,३५,३००               | ५५,२१४                | ५३,१०९                        | ३९,०६०                  | १४,०४९                                        |
| जम्मा                                                                 |          | ९,६६,९००               | ६,०२,३०६              | ५,६५,०९१                      | ३,७२,१३९                | १,९२,९५६                                      |
| स्रोत: प्रदेश नीति तथा योजना आयोग, सन् २०२०                           |          |                        |                       |                               |                         |                                               |

चार्ट ६.४: मधेश प्रदेशको जिल्लामा कृषि क्षेत्र



चार्ट ६.५: मधेश प्रदेशको जिल्लामा सिँचाइ र सिँचाइयोग्य क्षेत्र



### ६.३ खानेपानी

मधेश प्रदेशका खानेपानीका पूर्वाधार मुख्य स्रोतमा ट्युबवेल र पाइप प्रणाली हुन् । तालिका ६.६ अनुसार यो प्रदेशमा खानेपानी प्रणालीमा नसमेटेका घरधुरी पनि उल्लेख्य (१,१३,११६ घरधुरी वा १२.१५ प्रतिशत) छ ।

| तालिका ६.६: मधेश प्रदेशको खानेपानी अवस्था (%) |                            |               |         |
|-----------------------------------------------|----------------------------|---------------|---------|
| क्र. स.                                       | खानेपानी प्रणाली           | घरघुरी संख्या | प्रतिशत |
| १                                             | पाइप प्रणाली               | ९७,४३६        | १०.४६   |
| २                                             | ट्युबवेल                   | ७,१६,२७३      | ७६.९१   |
| ३                                             | अन्य सुरक्षित स्रोत        | ४,३८४         | ०.४७    |
| ४                                             | वर्षा पानी                 | १०२           | ०.०१    |
| ५                                             | प्रणालीमा नसमेटीएका घरघुरी | १,१३,११६      | १२.१५   |
| जम्मा                                         |                            | ९,३१,३११      | १००     |

त्यसै गरी, खानेपानी प्रणालीको अवस्थाको कुरा गर्दा अरू प्रदेशमा भन्दा धेरै कम योजना (मात्र ११३ वटा) मधेश प्रदेशमा रहेको देखिन्छ । तालिका ६.७ ले सुचारु रहेकाका साथै पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापना, र मर्मत गर्नु पर्ने योजनाको तथ्यांक प्रस्तुत गरेको छ । मधेश प्रदेशको जनसंख्याको हिसाबले यो अत्यन्तै न्यून हो ।

| तालिका ६.७: प्रदेशगत रूपमा हालसम्म निर्माण भएका खानेपानी प्रणालीको अवस्था |       |      |        |        |          |         |              |
|---------------------------------------------------------------------------|-------|------|--------|--------|----------|---------|--------------|
|                                                                           | कोशी  | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूर-पश्चिम |
| पुनर्निर्माण गर्नु पर्ने                                                  | ५४२   | १६   | ७०३    | ७९९    | ५१६      | ४०३     | ३५४          |
| पुनर्स्थापना गर्नु पर्ने                                                  | १,४१५ | ३४   | १,६०२  | १,२७०  | १,००४    | ५४३     | ७९९          |
| ठुलो मर्मत गर्नु पर्ने                                                    | ८३९   | ३०   | ९७३    | ९४६    | ४६३      | ४५३     | ५००          |
| सामान्य मर्मत गर्नु पर्ने                                                 | ३,६३८ | ५८   | ३,५८२  | ३,३०७  | २,६८१    | १,०२५   | १,७१६        |
| सुचारु रहेका                                                              | २,५७७ | ११३  | २,४७१  | २,४६७  | १,८३३    | ९९३     | १,३७४        |

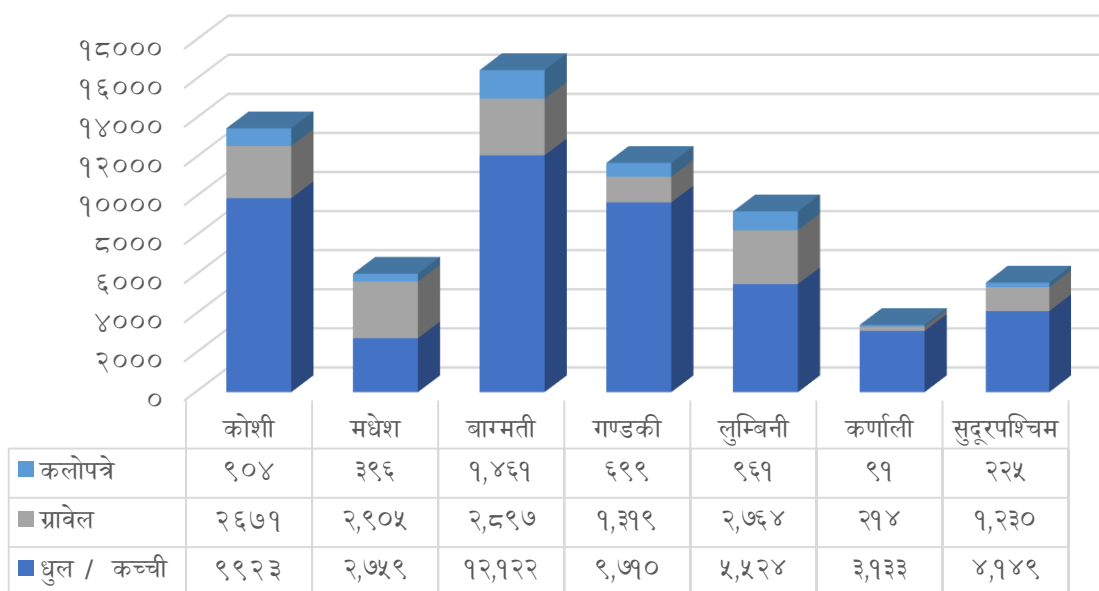
## परिच्छेद ७: भौतिक पूर्वाधार, यातायात, र सञ्चार

### ७.१ भौतिक पूर्वाधार (सडक)

भौतिक पूर्वाधारमा मुख्यतः सडक, यातायात, र संचार क्षेत्र मुख्य छन् । तालिका ७.१ र चार्ट ७.१ ले प्रादेशिक र स्थानीय सडक संजालको प्रदेशगत समग्र तथ्यांक प्रस्तुत गरेको छ । सो तालिका अनुसार मधेश प्रदेशमा जम्मा सडक कर्णाली र सुदूर-पश्चिम प्रदेशपछिको सबभन्दा कम (६,०६० किलोमिटर, अर्थात देशको ९.१७ प्रतिशत) रहेको छ । कच्ची सडक अरू सबै प्रदेशमा भन्दा कम (२,७५९ कि.मि.) रहेको छ, जसले भविष्यमा पनि कालोपत्रे सडकको अंश पनि कम नै हुने संकेत गर्छ ।

| तालिका ७.१: प्रादेशिक र स्थानीय सडक संजालको प्रदेशगत सडकको विवरण (किलोमिटर) |           |         |           |           |                           |                                  |
|-----------------------------------------------------------------------------|-----------|---------|-----------|-----------|---------------------------|----------------------------------|
| प्रदेश                                                                      | धुल/कच्ची | ग्राभेल | कालोपत्रे | जम्मा सडक | प्रदेशको अंश<br>(प्रतिशत) | सडक घनत्व<br>(प्रति वर्ग कि.मि.) |
| कोशी                                                                        | ९,९२३     | २,६७१   | ९०४       | १३,४९८    | २०.४३                     | ०.५२                             |
| मधेश                                                                        | २,७५९     | २,९०५   | ३९६       | ६,०६०     | ९.१७                      | ०.६३                             |
| बागमती                                                                      | १२,१२२    | २,८९७   | १,४६१     | १६,४८०    | २४.९५                     | ०.८१                             |
| गण्डकी                                                                      | ९,७१०     | १,३१९   | ६९९       | ११,७२८    | १७.७५                     | ०.५५                             |
| लुम्बिनी                                                                    | ५,५२४     | २,७६४   | ९६१       | ९,२४९     | १४.००                     | ०.४१                             |
| कर्णाली                                                                     | ३,१३३     | २१४     | ९१        | ३,४३८     | ५.२१                      | ०.१२                             |
| सुदूर-पश्चिम                                                                | ४,१४९     | १,२३०   | २२५       | ५,६०४     | ८.४९                      | ०.२८                             |
| जम्मा                                                                       | ४७,३२०    | १४,०००  | ४,७३७     | ६६,०५७    | १००.००                    | १००                              |

चाई ७.१: प्रादेशिक र स्थानीय सडक सञ्जालको प्रदेशगत सडकको विवरण  
(किलोमिटर)

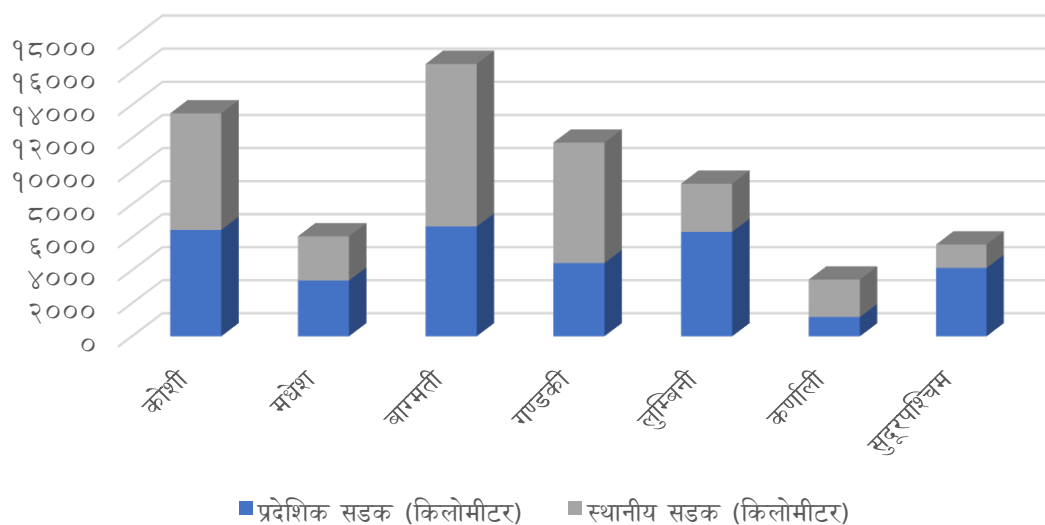


प्रादेशिक र स्थानीय सडक पनि मधेश प्रदेशमा कर्णाली र सुदूर-पश्चिम पछिको भन्दा कम नै देखिन्छ । तालिका ७.२ र चाई ७.२ मा देखाइए अनुसार, यो प्रदेशमा ३,३८१ कि.मि. मात्र प्रादेशिक सडक रहेको छ, जुन कर्णाली पछिको सबभन्दा कम हो, र २,६७९ कि.मि. मात्र स्थानीय सडकको संजाल रहेको छ, जुन कर्णाली र सुदूर-पश्चिम पछिको भन्दा कम हो ।

तालिका ७.२: प्रादेशिक र स्थानीय सडक विवरण (किलोमिटरमा)

| प्रदेश       | प्रादेशिक सडक विवरण (किलोमिटर) | स्थानीय सडक विवरण (किलोमिटर) |
|--------------|--------------------------------|------------------------------|
| कोशी         | ६,४४६                          | ७,०५२                        |
| मधेश         | ३,३८१                          | २,६७९                        |
| बागमती       | ६,६५५                          | ९,८२५                        |
| गण्डकी       | ४,४३५                          | ७,२९३                        |
| लुम्बिनी     | ६,३३४                          | २,९१५                        |
| कर्णाली      | १,१६७                          | २,२७१                        |
| सुदूर-पश्चिम | ४,१४६                          | १,४१८                        |
| जम्मा        | ३२,५६४                         | ३३,४५३                       |

चार्ट ७.२: प्रादेशिक र स्थानीय सडक विवरण (किलोमिटरमा)



## ७.२ यातायात

यातायातका पूर्वाधारमा खास गरी विमानस्थल र सवारी साधन महत्त्वपूर्ण हुन् । विमानस्थल र विमानको उडान संख्याको आधारमा नेपालमा चालू अवस्थामा रहेका ३५ विमानस्थलमा तीन वटा मधेश प्रदेशमा छन् : जनकपुर, सिमरा, र राजविराज विमानस्थल । प्रस्तावित वा निर्माणाधीन निजगढ विमानस्थल मधेशकै एक मात्र अन्तरराष्ट्रिय विमानस्थल हुनेछ ।

तालिका ७.३: नेपालमा विमानस्थलहरूको विवरण

| क्र. स. | विमानस्थलको अवस्था                        | संख्या |
|---------|-------------------------------------------|--------|
| १       | जम्मा विमानस्थल                           | ५४     |
| २       | आन्तरिक विमानस्थल                         | ५३     |
| ३       | अन्तरराष्ट्रिय विमानस्थल                  | १      |
| ४       | हब विमानस्थल                              | ४      |
| ५       | अन्य आन्तरिक विमानस्थल                    | ४९     |
| ६       | अन्य अन्तरराष्ट्रिय विमानस्थल (नयाँ समेत) | ३      |
| ७       | आन्तरिक विमानस्थल निर्माणाधीन             | १      |
| ८       | जम्मा विमानस्थल                           | ५४     |
| ९       | चालू अवस्थामा                             | ३५     |
| १०      | बन्द अवस्थामा                             | १९     |

जनकपुर, सिमरा, र राजविराज विमानस्थलमध्ये उडान संख्या सिमरा विमानस्थलमा सबभन्दा बढी र राजविराज विमानस्थल सबभन्दा कम रहेको देखिन्छ । तालिका ७.४ अनुसार २०१५ देखि २०१९ सम्मको तथ्यांक हेर्दा सिमरामा सन् २०१८ मा सबभन्दा बढी उडान (९,५००) भरी १,०७,१५४ जना यात्रुलाई सेवा दिएको र १,३१,४०३ किलोग्राम कार्गो ढुवानी गरेको देखिन्छ ।

| तालिका ७.४: मधेश प्रदेशमा विमान उडान संख्या |              |             |               |                    |
|---------------------------------------------|--------------|-------------|---------------|--------------------|
| विमानस्थल                                   | मिति (ई.सं.) | उडान संख्या | यात्रु संख्या | कार्गो (किलोग्राम) |
| जनकपुर                                      | २०१५         | १,५३२       | ४४,६५५        | ७९,१३१             |
|                                             | २०१६         | १,७२४       | ५३,२८३        | ७१,१७६             |
|                                             | २०१७         | २,०७३       | ६४,७०३        | ७९,०२०             |
|                                             | २०१८         | ३,९७५       | ७९,२९६        | ७९,१८८             |
|                                             | २०१९         | २,८४६       | १,३६,६७८      | १,०७,४१९           |
| सिमरा                                       | २०१५         | ३,१०८       | ४५,५२५        | ७४,०१५             |
|                                             | २०१६         | ४,५८४       | ७८,७५६        | ६०,८९७             |
|                                             | २०१७         | ५,३७४       | १,०७,१५४      | ७४,८६७             |
|                                             | २०१८         | ९,५००       | २,३१,२९१      | १,३१,४०३           |
|                                             | २०१९         | ५,३४०       | १,३४,५७३      | ७७,८१९             |
| राजविराज                                    | २०१८         | २६३         | १०,०००        | २,८३२              |
|                                             | २०१९         | २८८         | ११,५५०        | २,८३५              |

साना तथा ठूला सवारी साधन दर्ताको तथ्यांक जनकपुर यातायात व्यवस्थापन कार्यालयबाट मात्र उपलब्ध छ । तालिका ७.५ अनुसार सो कार्यालयका अनुसार आ.व. ०७८/०७९ मा साना र ठूला गरी जम्मा ३,२८४ वटा सवारी साधन दर्ता भएका थिए, जसमा मोटरसाइकल सबभन्दा बढी (१,६१५ वटा) थिए । आ.व. ०७८/०७९ मा ४,७५६ वटा सवारी साधन दर्ता भएकोमा अरू सवारी साधनभन्दा मोटरसाइकल दुई गुणाभन्दा बढी दर्ता भएको देखिन्छ ।

| तालिका ७.५: जनकपुर यातायात व्यवस्थापन कार्यालयमा सानो र ठुलो सवारीसाधन दर्ताको विवरण |                   |                   |
|--------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|-------------------|
| किसिम                                                                                | ०७८/०७९ (वार्षिक) | ०७९/०८० (वार्षिक) |
| बस                                                                                   | २४                | २२                |
| ट्रक                                                                                 | २९                | ४                 |
| क्रेन, डोजर                                                                          | ११२               | १५                |
| मिनिबस, मिनि ट्रक                                                                    | १०                | २                 |
| कार जिप                                                                              | २३८               | ३८                |
| पिकअप भ्यान                                                                          | ११७               | २५                |
| माइक्रो बस                                                                           | ४                 | १३                |
| एम्बुलेन्स                                                                           | २०                | ६                 |
| टेम्पो                                                                               | ४७१               | १०३               |
| ई-रिक्सा                                                                             | २८२               | १९६               |
| मोटरसाइकल                                                                            | १,६१५             | ४,१६२             |
| ट्रेक्टर                                                                             | ३६२               | १७०               |
| जम्मा                                                                                | ३,२८४             | ४,७५६             |

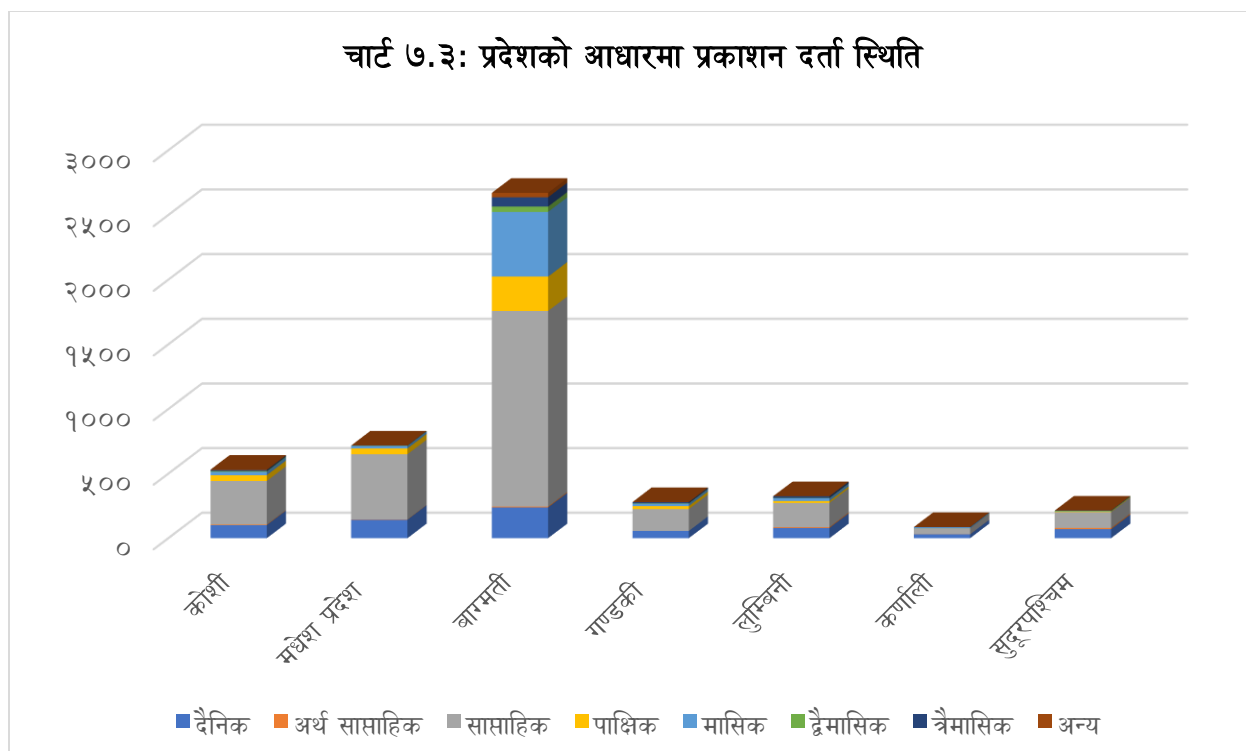
### ७.३ संचार क्षेत्र

तालिका ७.६ र चार्ट ७.३ ले नेपालका विभिन्न प्रदेशमा संचारको मुख्य अंग मानिएको प्रकाशनको दर्ता स्थित प्रस्तुत गरेको छ । यस अनुसार बागमती पछिको सबभन्दा बढी प्रकाशन हुने प्रदेश मधेश प्रदेश हो, जहाँ १४३ वटा दैनिक, ५०५ साप्ताहिक, ४५ पाक्षिक, १९ मासिक प्रकाशन दर्ता छन् । यो प्रदेशको जनसंख्या र जनघनत्वको आधारमा यसलाई स्वाभाविक मान्न सकिन्छ ।

| तालिका ७.६: प्रदेशको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति |              |       |                |           |         |       |           |           |      |       |
|--------------------------------------------------|--------------|-------|----------------|-----------|---------|-------|-----------|-----------|------|-------|
| क्र सं                                           | प्रदेश       | दैनिक | अर्ध साप्ताहिक | साप्ताहिक | पाक्षिक | मासिक | त्रैमासिक | त्रैमासिक | अन्य | जम्मा |
| १                                                | कोशी         | १०१   | ४              | ३३८       | ४५      | २६    | ५         | ९         | ३    | ५३१   |
| २                                                | मधेश         | १४३   | २              | ५०५       | ४५      | १९    | २         | २         | ०    | ७१८   |
| ३                                                | बागमती       | २३८   | ७              | १,५१३     | २६६     | ५००   | ४१        | ७२        | ३४   | २,६७१ |
| ४                                                | गण्डकी       | ५६    | ०              | १६९       | २४      | १८    | ३         | ९         | १    | २८०   |
| ५                                                | लुम्बिनी     | ७९    | ७              | १८७       | १५      | २१    | २         | १४        | ०    | ३२५   |
| ६                                                | कर्णाली      | ३०    | १              | ४४        | १       | ९     | ०         | १         | ०    | ८६    |
| ७                                                | सुदूर-पश्चिम | ७०    | ९              | १२३       | ४       | २     | ४         | २         | ०    | २१४   |



चार्ट ७.३: प्रदेशको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति

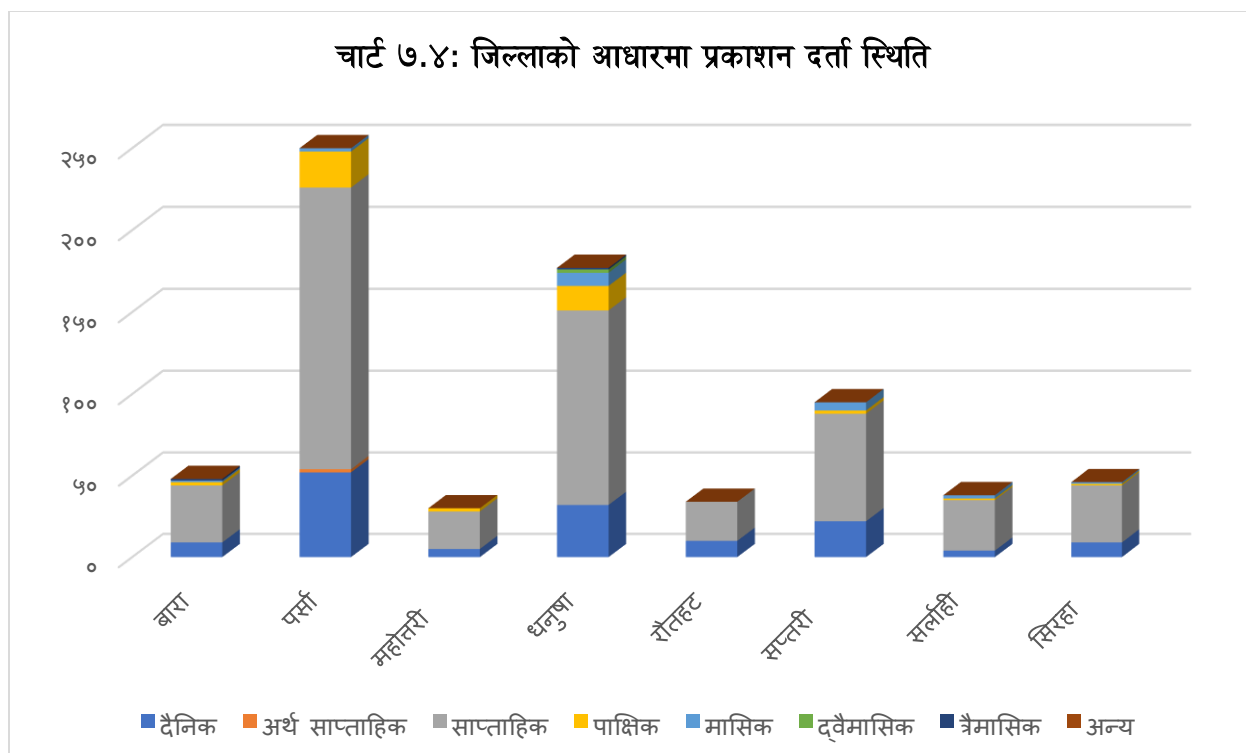


तालिका ७.७ र चार्ट ७.४ ले मधेश प्रदेश अन्तर्गतका जिल्लाहरूमा प्रकाशनको दर्ता स्थिति देखाएको छ । यस अनुसार पर्सा जिल्लामा सबभन्दा बढी प्रकाशन (२५०) दर्ता भएको देखिन्छ र सबभन्दा कम महोत्तरी (३०) र रौतहटमा (३४) मा देखिन्छ । दैनिक पत्रपत्रिका सबभन्दा कम सर्लाहीमा (४ वटा) र महोत्तरीमा (५ वटा) दर्ता भएको देखिन्छ ।

तालिका ७.७: मधेश प्रदेशको जिल्लाहरूको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति

| क्र.सं. | जिल्ला   | दैनिक | अर्थ साप्ताहिक | साप्ताहिक | पाक्षिक | मासिक | द्वैमासिक | त्रैमासिक | अन्य | जम्मा |
|---------|----------|-------|----------------|-----------|---------|-------|-----------|-----------|------|-------|
| १       | बारा     | ९     | ०              | ३५        | २       | १     | ०         | १         | ०    | ४८    |
| २       | पर्सा    | ५२    | २              | १७२       | २२      | २     | ०         | ०         | ०    | २५०   |
| ३       | महोत्तरी | ५     | ०              | २३        | २       | ०     | ०         | ०         | ०    | ३०    |
| ४       | धनुषा    | ३२    | ०              | ११९       | १५      | ८     | २         | १         | ०    | १७७   |
| ५       | रौतहट    | १०    | ०              | २४        | ०       | ०     | ०         | ०         | ०    | ३४    |
| ६       | सप्तरी   | २२    | ०              | ६६        | २       | ५     | ०         | ०         | ०    | ९५    |
| ७       | सर्लाही  | ४     | ०              | ३१        | १       | २     | ०         | ०         | ०    | ३८    |
| ८       | सिराहा   | ९     | ०              | ३५        | १       | १     | ०         | ०         | ०    | ४६    |

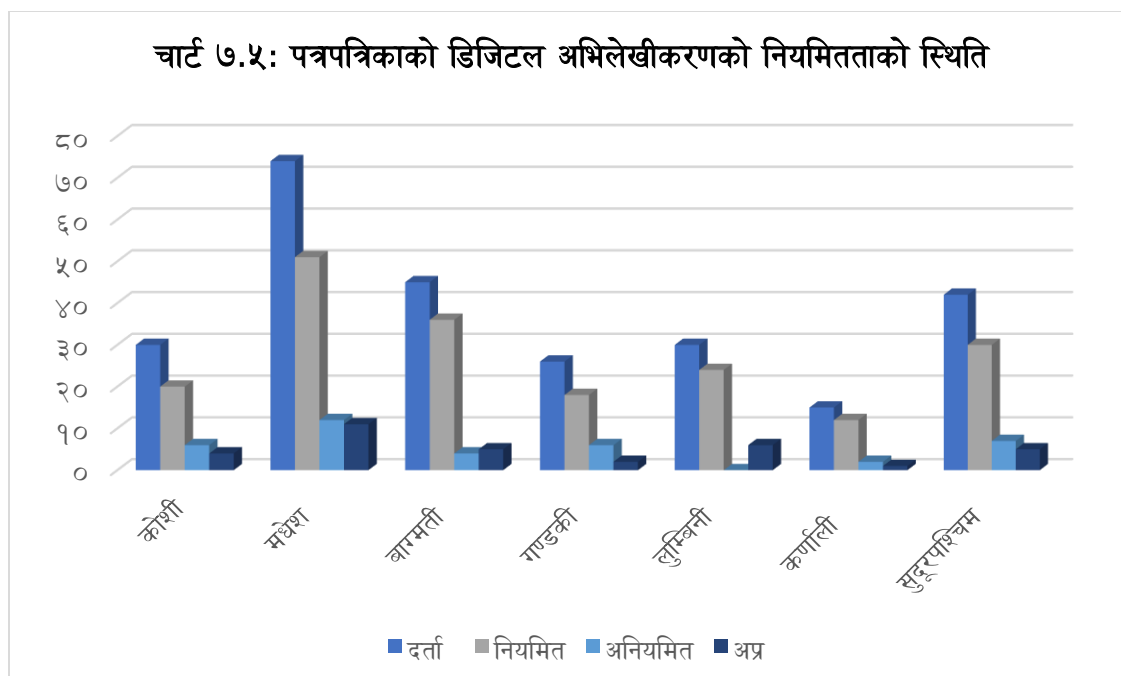
चार्ट ७.४: जिल्लाको आधारमा प्रकाशन दर्ता स्थिति



नेपालका प्रदेशहरूमा पत्रपत्रिकाको डिजिटल अभिलेखीकरणको नियमितताको स्थितिलाई तालिका ७.८ र चार्ट ७.५ ले प्रस्तुत गरेको छ । डिजिटल पत्रपत्रिकाको दर्ता सबभन्दा बढी मधेश प्रदेशमै भएको देखिन्छ, जहाँ देशकै जम्मा २६२ मध्ये ७४ वटा दर्ता छन् । यसै गरी, दर्ता भएर नियमित हुने पनि मधेश प्रदेशमै सबभन्दा बढी छन्, जहाँ ५१ वटा नियमित, १२ वटा अनियमित, र ११ वटा अप्रकाशित छन् । यस अनुसार यो प्रदेशमा डिजिटल पत्रपत्रिकाको प्रकाशनको स्थिति राम्रो देखिन्छ ।

तालिका ७.८: पत्रपत्रिकाको डिजिटल अभिलेखीकरणको नियमितताको स्थिति

| प्रदेश       | दर्ता | नियमित | अनियमित | अप्र |
|--------------|-------|--------|---------|------|
| कोशी         | ३०    | २०     | ६       | ४    |
| मधेश         | ७४    | ५१     | १२      | ११   |
| बागमती       | ४५    | ३६     | ४       | ५    |
| गण्डकी       | २६    | १८     | ६       | २    |
| लुम्बिनी     | ३०    | २४     | ०       | ६    |
| कर्णाली      | १५    | १२     | २       | १    |
| सुदूर-पश्चिम | ४२    | ३०     | ७       | ५    |
| जम्मा        | २६२   | १९१    | ३७      | ३४   |



#### ७.४ खानेपानी र सरसफाइ

नेपालका विभिन्न प्रदेशमा खानेपानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्यालाई तालिका ७.९ ले प्रस्तुत गरेको छ । घर परिसरमा पाइपबाट खानेपानी आपूर्ति हुने घरपरिवारको संख्या मधेश प्रदेशमा तुलनात्मक रूपले कम छ, तर कर्णाली र सुदूर-पश्चिम प्रदेशहरूमा भन्दा बढी नै छ । त्यस्तै, घर परिसरबाहिर पाइपबाट खानेपानी आपूर्ति हुने घरपरिवारको संख्या मधेश प्रदेशमा सबभन्दा कम छ । यस्तो हुनुको कारण मधेश प्रदेशमा घरसँगै वा घरनजिकै ट्युबवेल/ह्यान्डपम्प हुनुले हो, जुन यो प्रदेशमा नेपालकै सबभन्दा बढी (८,३०,२१९ घरपरिवार) छ । यसको कारण यो प्रदेशको सम्पूर्ण भूभाग समथर तराई क्षेत्रमा रहेकोले हो । खानेपानीका अरू स्रोतहरू (जस्तै, कुवा, थोपा पानी, नदी/खोला, र जार/बोटल) पनि यो प्रदेशमा तुलनात्मक रूपमा कम छन् ।

यो प्रदेशका जिल्लाहरूमा खानेपानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्यालाई तालिका ७.१० ले प्रस्तुत गरेको छ । यो प्रदेशका सबै जिल्लामा घरपरिवार संख्या तुलनात्मक रूपमा समान भए पनि, खानेपानीको स्रोतमा केही भिन्नता देखिन्छ । घर परिसरभित्र र घर परिसरबाहिर पाइपबाट खानेपानी आपूर्ति हुने घरपरिवारको संख्या सबभन्दा बढी बारामा (३०,०७० र १६,०६९) छ भने सबभन्दा कम सप्तरीमा (४,६४५ र २,०९०) छ । यसो हुनुको कारण सप्तरीमा घरसँगै वा घरनजिकै ट्युबवेल/ह्यान्डपम्प हुने घरपरिवारको संख्या उच्च हुनुले हो, जुन यो जिल्लामा प्रदेशकै सबभन्दा बढी (१३७,१६५ घरपरिवार) छ ।

तालिका ७.९: पिउने पानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्या

| क्षेत्र      | जम्मा     | ट्याप/ पाइप पानी (परिसर भित्र) | ट्याप/ पाइप पानी (परिसर बाहिर) | ट्युबवेल/ ह्यान्डपम्प | राम्रोसँग ढाकिएको/ कुवा | खुला/ कुवा | थोपा पानी | नदी/ खोला | जार/ बोतल | अन्य   |
|--------------|-----------|--------------------------------|--------------------------------|-----------------------|-------------------------|------------|-----------|-----------|-----------|--------|
| कोशी         | ११,९०,७५५ | ४,०७,६४५                       | २,३९,६८६                       | ४,७६,६५८              | ९,९७९                   | १९,६१३     | २६,४२०    | २,७२५     | ४,८१६     | ३,२१३  |
| मधेश         | ११,५६,३८३ | १,७७,१५६                       | ८४,६५३                         | ८,३०,२१९              | ८,०६२                   | २५,९६६     | १३,८५७    | ७२९       | २,२५२     | १३,४८९ |
| बागमती       | १५,६७,९१७ | ६,८८,१०७                       | ३,७८,४८४                       | ७५,२०५                | ३५,६४७                  | ४२,६८२     | ६२,३९१    | ३,७७८     | २,६४,२०४  | १७,४१९ |
| गण्डकी       | ६,६१,६३२  | ३,४७,२६१                       | २,१५,४६८                       | १०,७७६                | ७,८०८                   | १०,२९८     | ४५,५६७    | २,४७५     | २०,२३४    | १,७४५  |
| लुम्बिनी     | ११,४१,३४५ | ४,३१,६४२                       | २,२४,०६४                       | ३,७३,९५६              | २९,७८४                  | २६,१७२     | २९,६०८    | ४,४३३     | १५,१२८    | ६,५५८  |
| कर्णाली      | ३,६६,०३७  | १,३०,४६५                       | १,६२,६१९                       | १,६३५                 | ७,५७३                   | ९,२१०      | ४८,६९९    | ४,२७६     | ४८०       | १,०८०  |
| सुदूर-पश्चिम | ५,७६,७७२  | १,२१,७३९                       | १,८५,८७२                       | २,१३,७३१              | ३,३८२                   | ७,९१६      | ३५,५०२    | ५,४११     | १,२७४     | १,९४५  |
| नेपाल        | ६६,६०,८४१ | २३,०४,०१५                      | १४,९०,८४६                      | १९,८२,१८०             | १,०२,२३५                | १,४१,८५७   | २,६२,०४४  | २३,८२७    | ३,०८,३८८  | ४५,४४९ |

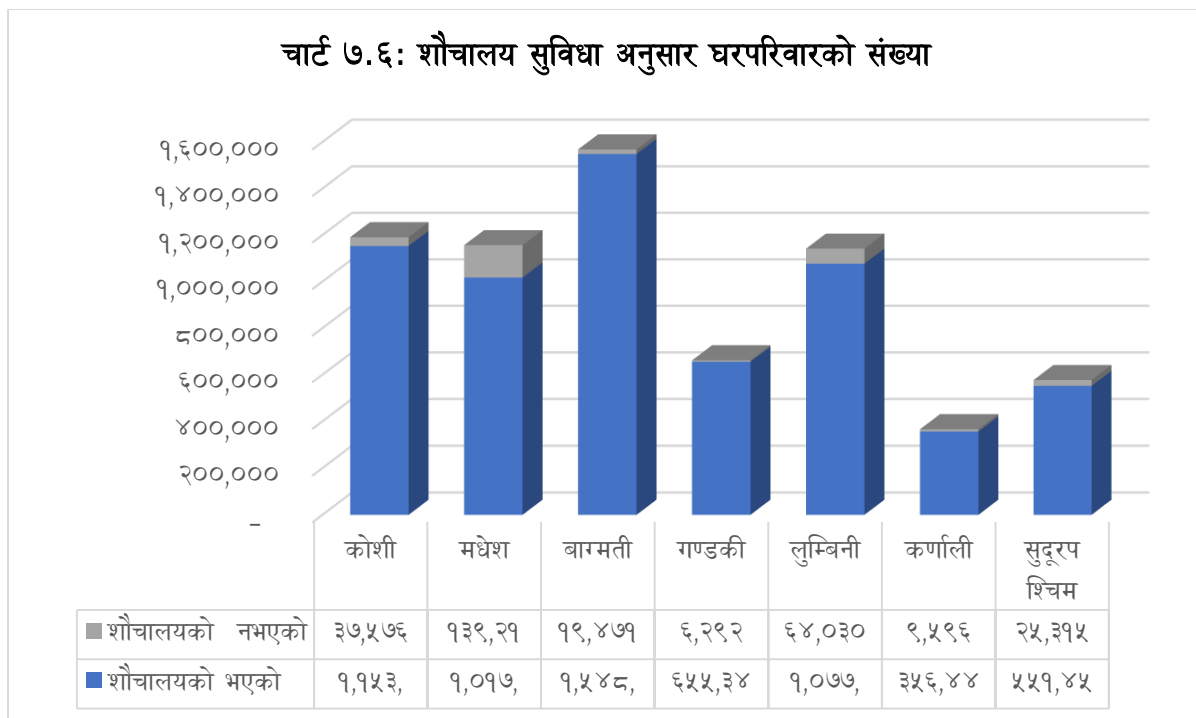
| तालिका ७.१०: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूका पिउने पानीको मुख्य स्रोत अनुसार घरपरिवारको संख्या |          |                                |                                |                       |                         |            |           |           |           |       |
|------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--------------------------------|--------------------------------|-----------------------|-------------------------|------------|-----------|-----------|-----------|-------|
| क्षेत्र                                                                                  | जम्मा    | ट्याप/ पाइप पानी (परिसर भित्र) | ट्याप/ पाइप पानी (परिसर बाहिर) | ट्युबवेल/ ह्यान्डपम्प | राम्रोसँग ढाकिएको/ कुवा | खुला/ कुवा | थोपा पानी | नदी/ खोला | जार/ बोतल | अन्य  |
| सप्तरी                                                                                   | १,४६,८१६ | ४,६४५                          | २,०९०                          | १३७,१६४               | ५८८                     | १,०८४      | २०७       | ६३        | २१२       | ७६३   |
| सिराहा                                                                                   | १,४८,५४९ | १५,०५९                         | ८,२६२                          | ११६,७५९               | १,५३५                   | ४,०७४      | ६८९       | २८५       | ३७८       | १,५०८ |
| धनुषा                                                                                    | १,७७,०९१ | २०,६४५                         | ६,९९९                          | १३३,३७८               | १,९१३                   | १०,४१२     | १,५२९     | ११४       | ५४२       | १,५५९ |
| महोत्तरी                                                                                 | १,३७,८८६ | २७,६३१                         | १४,०७०                         | ८७,१९२                | १,०१५                   | २,१३७      | २,२३१     | ४७        | ९४        | ३,४६९ |
| सर्लाही                                                                                  | १,६४,८२४ | २९,२३१                         | १३,१००                         | १११,४०७               | १,६२५                   | ५,७४७      | १,२८९     | ८५        | ४०६       | १,९३४ |
| रौतहट                                                                                    | १,३७,०२५ | २६,२८५                         | १०,४६३                         | ९४,७९३                | ७१४                     | ७७८        | १,८९९     | ८७        | २२९       | १,७७७ |
| बारा                                                                                     | १,३१,१७९ | ३०,०७०                         | १६,०६९                         | ७९,४९६                | ४५६                     | १,००६      | २,६२२     | २१        | ७८        | १,३६१ |
| पर्सा                                                                                    | १,१३,०१३ | २३,५९०                         | १३,६००                         | ७०,०३०                | २१६                     | ७२८        | ३,३९१     | २७        | ३१३       | १,११८ |

तालिका ७.११ र चार्ट ७.६ मा नेपालका विभिन्न प्रदेशमा शौचालय सुविधा र विभिन्न प्रकारका शौचालय भएका घरपरिवारको संख्या प्रस्तुत गरिएको छ । मधेश प्रदेशमा शौचालय सुविधा तुलनात्मक रूपमा अरू प्रदेशको हाराहारीमा बा बढी छ । यो प्रदेशमा फलस शौचालय (सार्वजनिक ढल) पनि बागमती र लुम्बिनी प्रदेशहरू पछिको सबभन्दा बढी (३१,१५९ घरपरिवार) हो ।

मधेश प्रदेशमा सबभन्दा बढी घरपरिवारले फलस शौचालय (सार्वजनिक ढल) (५,६१,६६०) प्रयोग गर्छन् भने, त्यसपछि फलस शौचालय (सेप्टिक ट्याङ्की) प्रयोग गर्छन् । सार्वजनिक शौचालय पनि यसै प्रदेशका घरपरिवारले सबभन्दा बढी प्रयोग गर्छ । साथै, यसै प्रदेशमा शौचालयको सुविधा नभएको घरपरिवारको संख्या पनि सर्वाधिक (१,३९,२१० घरपरिवार) छ ।

| तालिका ७.११: शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या |           |                           |                               |            |                  |                       |
|--------------------------------------------------------------|-----------|---------------------------|-------------------------------|------------|------------------|-----------------------|
| प्रदेश                                                       | जम्मा     | फलस शौचालय (सार्वजनिक ढल) | फलस शौचालय (सेप्टिक ट्याङ्की) | पिट शौचालय | सार्वजनिक शौचालय | शौचालयको सुविधा नभएको |
| कोशी                                                         | ११,९०,७५५ | २६,५४२                    | ७,२६,५७७                      | ३,९४,६९८   | ५,३६२            | ३७,५७६                |
| मधेश                                                         | ११,५६,३८३ | ३१,१५९                    | ४,१४,०३२                      | ५,६१,६६०   | १०,३२२           | १,३९,२१०              |
| बागमती                                                       | १५,६७,९१७ | ५,१२,०२६                  | ७,७७,८७४                      | २,५३,५१५   | ५,०३१            | १९,४७१                |
| गण्डकी                                                       | ६,६१,६३२  | १८,४५६                    | ५,०१,८५५                      | १,३२,८९८   | २,१३१            | ६,२९२                 |
| लुम्बिनी                                                     | ११,४१,३४५ | ४५,८६७                    | ६,६८,७३०                      | ३,५७,९५५   | ४,७६३            | ६४,०३०                |
| कर्णाली                                                      | ३,६६,०३७  | ८,१४९                     | २,२०,२२६                      | १,२६,७७९   | १,२८७            | ९,५९६                 |
| सुदूर-पश्चिम                                                 | ५,७६,७७२  | ११,५११                    | ३,५८,४८६                      | १,७७,९७५   | ३,४८५            | २५,३१५                |
| नेपाल                                                        | ६६,६०,८४१ | ६,५३,७१०                  | ३६,६७,७८०                     | २०,०५,४८०  | ३२,३८१           | ३,०१,४९०              |

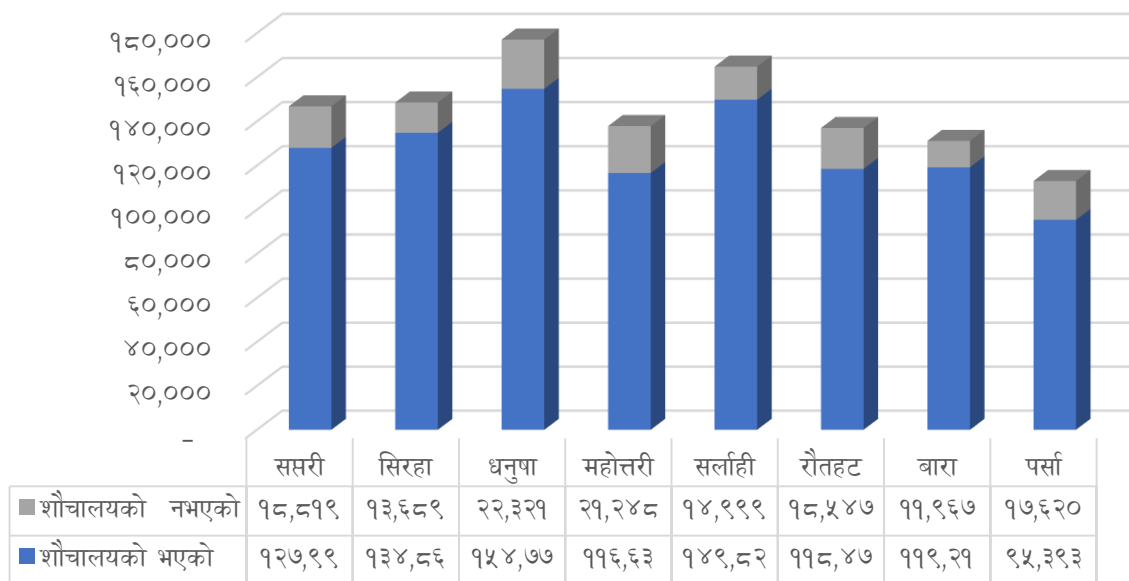
चार्ट ७.६: शौचालय सुविधा अनुसार घरपरिवारको संख्या



तालिका ७.१२ र चार्ट ७.७ मा मधेश प्रदेशका विभिन्न जिल्लामा शौचालय सुविधा र विभिन्न प्रकारका शौचालय भएका घरपरिवारको संख्या प्रस्तुत गरिएको छ । जिल्लागत रूपमा कुल घरपरिवारको संख्यामा समानता भए जस्तै शौचालयको प्रकारमा पनि समानता देखिन्छ । यो प्रदेशका सबै जिल्लामा घरपरिवार संख्या तुलनात्मक रूपमा समान भए जस्तै शौचालयको प्रकार र उपलब्धतामा पनि समानता देखिन्छ । सबैभन्दा बढी फलस शौचालय (सार्वजनिक ढल) पर्सा जिल्लामा र सबैभन्दा बढी फलस शौचालय (सेप्टिक ट्याङ्की) धनुषा र पर्सा जिल्लामा देखिन्छ । सार्वजनिक शौचालय भने सबैभन्दा बढी सप्तरीमा र सर्लाहीमा देखिन्छ भने, शौचालयको सुविधा नभएका घरपरिवारको संख्या सप्तरीमा (१८,८१९) र त्यसपछि पर्सामा (१७,६२०) रहेको छ ।

| तालिका ७.१२: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या |          |                              |                                  |               |                     |                          |
|----------------------------------------------------------------------------------------|----------|------------------------------|----------------------------------|---------------|---------------------|--------------------------|
| क्षेत्र                                                                                | जम्मा    | फलस शौचालय<br>(सार्वजनिक ढल) | फलस शौचालय<br>(सेप्टिक ट्याङ्की) | पिट<br>शौचालय | सार्वजनिक<br>शौचालय | शौचालयको<br>सुविधा नभएको |
| सप्तरी                                                                                 | १,४६,८१६ | ३,३९०                        | ३७,७९८                           | ८४,८२६        | १,९८३               | १८,८१९                   |
| सिराहा                                                                                 | १,४८,५४९ | ३,६९७                        | ५३,०३५                           | ७६,७०९        | १,४१९               | १३,६८९                   |
| धनुषा                                                                                  | १,७७,०९१ | ४,१९६                        | ७४,९६८                           | ७४,२४९        | १,३५७               | २२,३२१                   |
| महोत्तरी                                                                               | १,३७,८८६ | ३,३१०                        | ४०,२३०                           | ७२,१५१        | ९४७                 | २१,२४८                   |
| सर्लाही                                                                                | १,६४,८२४ | ३,७७४                        | ६०,३६०                           | ८४,१८२        | १,५०९               | १४,९९९                   |
| रौतहट                                                                                  | १,३७,०२५ | ३,६९७                        | ४८,१४१                           | ६५,४०२        | १,२३८               | १८,५४७                   |
| बारा                                                                                   | १,३१,१७९ | ४,२७२                        | ४५,३२६                           | ६८,६५४        | ९६०                 | ११,९६७                   |
| पर्सा                                                                                  | १,१३,०१३ | ४,८२३                        | ५४,१७४                           | ३५,४८७        | ९०९                 | १७,६२०                   |

चार्ट ७.७: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा शौचालय सुविधाको प्रकार अनुसार घरपरिवारको संख्या



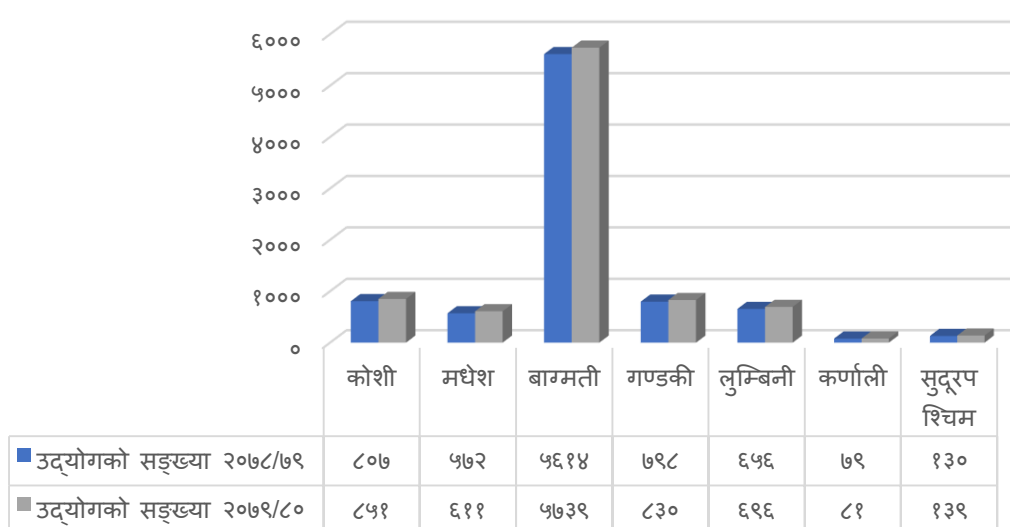


## परिच्छेद ८: उद्योग र वाणिज्य

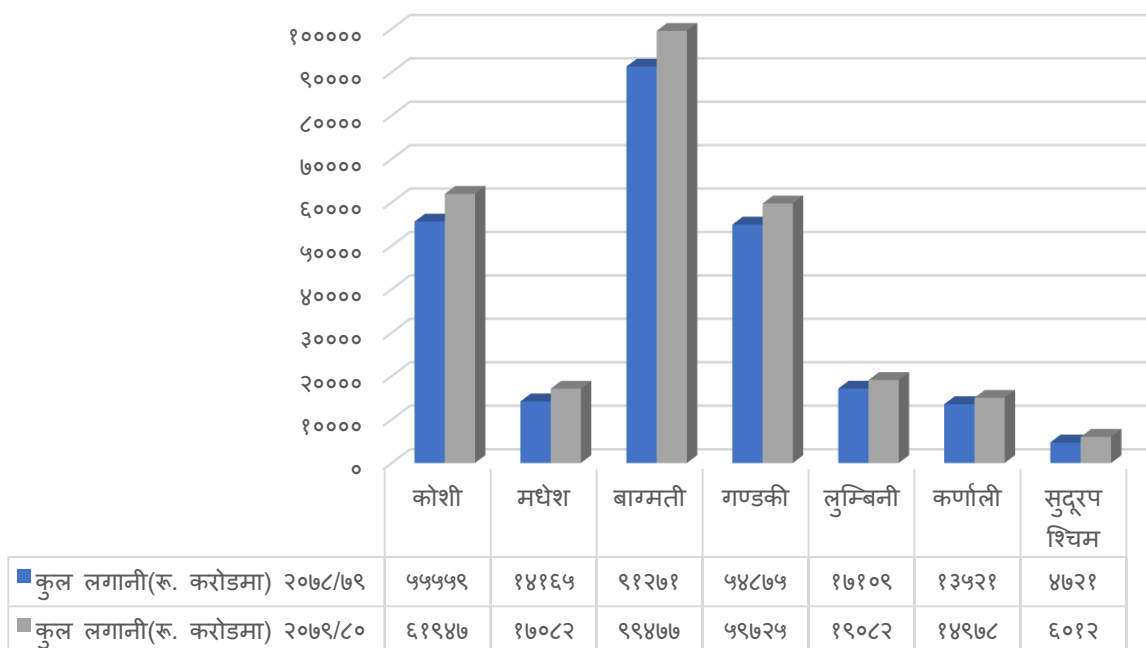
मधेश प्रदेशमा हाल ६११ वटा उद्योग सञ्चालनमा छन् । गत एक वर्षमा ३९ वटा नयाँ उद्योग थपिएका छन् भने लगानी पनि बढेको छ । आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा यस प्रदेशमा १ खर्ब ७० अर्ब ८२ करोड रुपैयाँ लगानी भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा ६४ हजार ५८६ जनालाई रोजगारको प्रस्ताव गरिएको थियो ।

| तालिका ८.१: विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा उद्योगको सङ्ख्या र लगानीको अवस्था (फागुनसम्म) |                  |         |                        |         |                    |         |
|----------------------------------------------------------------------------------------|------------------|---------|------------------------|---------|--------------------|---------|
| प्रदेश                                                                                 | उद्योगको सङ्ख्या |         | कुल लगानी (रु. करोडमा) |         | प्रस्तावित रोजगारी |         |
|                                                                                        | २०७८/७९          | २०७९/८० | २०७८/७९                | २०७९/८० | २०७८/७९            | २०७९/८० |
| कोशी                                                                                   | ८०७              | ८५१     | ५५,५५९                 | ६१,९४७  | ८३,०४३             | ८६,४९९  |
| मधेश                                                                                   | ५७२              | ६११     | १४,१६५                 | १७,०८२  | ६०,२३५             | ६४,५८६  |
| बागमती                                                                                 | ५,६१४            | ५,७३९   | ९१,२७१                 | ९९,४७७  | ३८०,९३८            | ३८८,२०० |
| गण्डकी                                                                                 | ७९८              | ८३०     | ५४,८७५                 | ५९,७२५  | ३८,५०२             | ४०,०९३  |
| लुम्बिनी                                                                               | ६५६              | ६९६     | १७,१०९                 | १९,०८२  | ६५,०५२             | ६९,३४५  |
| कर्णाली                                                                                | ७९               | ८१      | १३,५२१                 | १४,९७८  | ८,४५०              | ९,१०७   |
| सुदूर-पश्चिम                                                                           | १३०              | १३९     | ४,७२१                  | ६,०१२   | ११,८१५             | १२,४२५  |
| जम्मा                                                                                  | ८,६५६            | ८,९४७   | २५१,२२१                | २७८,३०३ | ६४८,०३५            | ६७०,२५५ |
| स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०                                                        |                  |         |                        |         |                    |         |

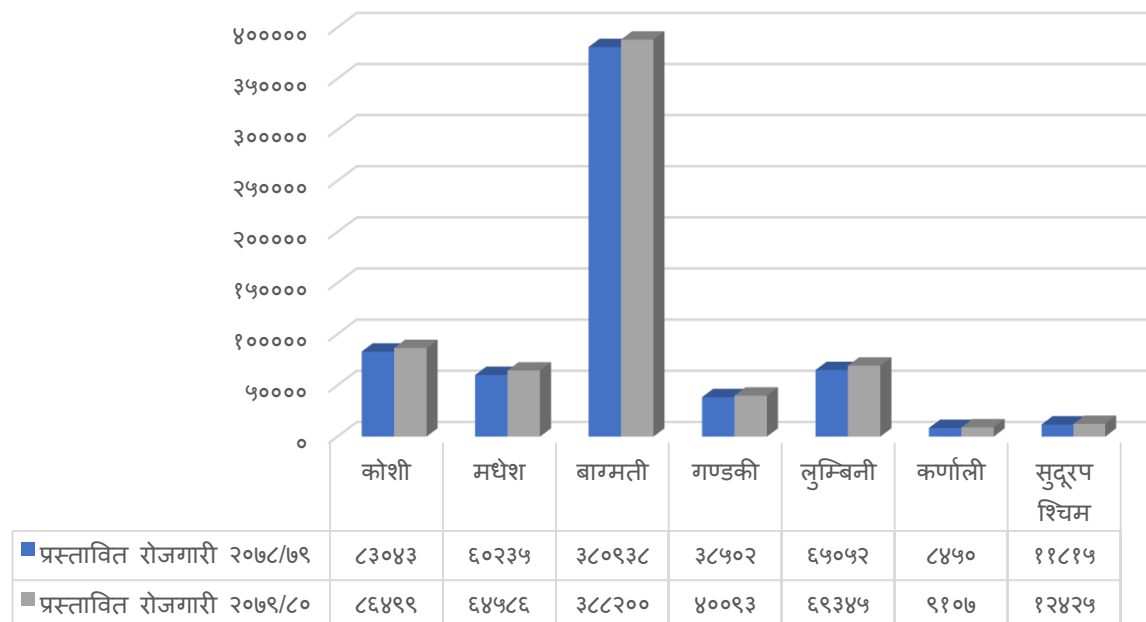
चार्ट ८.१: विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा उद्योगको सङ्ख्या



चार्ट ८.२: विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा लगानीको अवस्था



चार्ट ८.३: विगत २ वर्षमा प्रदेशगत रूपमा प्रस्तावित रोजगारी



मधेश प्रदेशमा १ लाख १८ हजार ८०२ वटा लघु घरेलु तथा साना उद्योग दर्ता रहेका छन् । यो संख्या देशको कुल लघु घरेलु तथा साना उद्योगको १७.६ प्रतिशत हो । जसले ४ लाख ९१ हजार ९७३ जनालाई रोजगारी दिने प्रस्ताव गरिएको छ ।

| तालिका ८.२: लघु घरेलु तथा साना उद्योगहरूको प्रदेशगत विवरण |                                               |                             |                            |                      |
|-----------------------------------------------------------|-----------------------------------------------|-----------------------------|----------------------------|----------------------|
| प्रदेश                                                    | उद्योगहरू दर्ताको संख्या (लघु घरेलु तथा साना) | प्रस्तावित रोजगारी (संख्या) | उद्योग संख्या (प्रतिशतमा ) | रोजगारी (प्रतिशतमा ) |
| कोशी                                                      | ९३,९५७                                        | ४,७२,६७४                    | १४.०                       | १४.०                 |
| मधेश                                                      | १,१८,८०२                                      | ४,९१,९७३                    | १७.६                       | १४.५                 |
| बागमती                                                    | १,९६,४१५                                      | ११,४३,२७१                   | २९.२                       | ३३.८                 |
| गण्डकी                                                    | ६९,७८२                                        | ३,३०,७९९                    | १०.४                       | ९.८                  |
| लुम्बिनी                                                  | १,०८,८५८                                      | ५,३८,१४९                    | १६.२                       | १५.९                 |
| कर्णाली                                                   | ३५,६४१                                        | १,८३,८०३                    | ४.३                        | ५.४                  |
| सुदूर-पश्चिम                                              | ४९,७८९                                        | २,२४,८३४                    | ७.४                        | ६.६                  |
| जम्मा                                                     | ६,७३,२४४                                      | ३३,८५,५०३                   | १००                        | १००                  |

तालिका ८.३ मा प्रदेश तहमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण जानकारी दिइएको छ । मधेश प्रदेशमा ७,२७९ वटा उत्पादन प्रतिष्ठान रहेका छन् । यी प्रतिष्ठानमा ८० हजार ७७३ जना व्यक्तिहरू संलग्न छन् । प्रतिष्ठानमा ६८ हजार ४८८ जना कर्मचारी छन् । प्रतिष्ठानहरूबाट वार्षिक आउटपुट २ खर्ब १४ अर्ब ८६ करोड ८७ लाख ५० हजार रुपैया रहेको छ । यसबाट मूल्य अभिवृद्धि भने १ खर्ब ५९ अर्ब ६९ करोड ९१ लाख १२ हजार छ ।

तालिका ८.४ मा मधेश प्रदेशको उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण सूचकहरू दिइएका छन् । मधेश प्रदेशमा B वर्गका उत्पादन प्रतिष्ठानको संख्या २१ वटा रहेको छ, जसमा २९९ जना कर्मचारी छन् । यो वर्गका उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको आउटपुट ३ अर्ब ७९ करोड ७६ लाख २ हजार रुपैया र इनपुट ९२ करोड ९४ लाख ४३ हजार रहेका छन् । यस्ता उत्पादन प्रतिष्ठानको मूल्य अभिवृद्धि २ अर्ब ८६ करोड ८१ लाख ५९ हजार रुपैया छ । यसै गरी, मधेश प्रदेशमा C वर्गका प्रतिष्ठानको संख्या सबभन्दा उच्च (जम्मा ७,१०६) रहेको छ, जसमा ७८,९६० जना कर्मचारी कार्यरत छन् । यो वर्गका प्रतिष्ठानहरूको आउटपुट लगभग १९ करोड ६१ लाख ७५ हजार रहेको छन् भने, तिनीबाट हुने मूल्य अभिवृद्धि लगभग ४ करोड ७५ लाख ३६ हजार रहेको छ ।

| तालिका ८.३: प्रदेश तहमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण जानकारी (प्रदेश स्तरमा तुलनात्मक विवरणको) |                                                 |                          |             |             |             |            |             |            |              |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|--------------------------|-------------|-------------|-------------|------------|-------------|------------|--------------|
| क्र.स.                                                                                                 | सूचक                                            | एकाइ                     | कोशी        | मधेश        | बागमती      | गण्डकी     | लुम्बिनी    | कर्णाली    | सुदूर-पश्चिम |
| १                                                                                                      | उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको संख्या                  | संख्यामा                 | १२,२२५      | ७,२७९       | १८,३३३      | ६८१८       | १०,५०८      | १,६३५      | ३,३८७        |
| २                                                                                                      | संलग्न व्यक्तिहरूको संख्या                      | संख्यामा                 | ९५,९६४      | ८०,७७३      | १५९,७४७     | ४०६३२      | ८७,०६७      | ६,९९६      | २०,०४९       |
| ३                                                                                                      | प्रति प्रतिष्ठान संलग्न व्यक्तिहरूको औसत संख्या | व्यक्ति प्रति प्रतिष्ठान | ७.८         | ११.१        | ८.७         | ६          | ८.३         | ४.३        | ५.९          |
| ४                                                                                                      | कर्मचारी संख्या                                 | संख्या                   | ७३,९१८      | ६८,४८८      | १२६,७६१     | २६६५८      | ६७,१९२      | ४,३६४      | १४,३०५       |
| ५                                                                                                      | प्रति प्रतिष्ठान कर्मचारीहरूको औसत संख्या       | व्यक्ति प्रति प्रतिष्ठान | ६           | ९.४         | ६.९         | ३.९        | ६.४         | २.७        | ४            |
| ६                                                                                                      | प्रतिष्ठानहरूको आउटपुट                          | रु. हजारमा               | २४८,५६१,७४६ | २१४,८६८,७५० | ३९५,३४३,६५५ | ९५,८९४,९६६ | १९७,२७१,१३८ | १०,७७६,०५७ | ३८,४५४,४१७   |
| ७                                                                                                      | प्रतिष्ठानहरूको इनपुट                           | रु. हजारमा               | १७७,१६०,१७९ |             | २७२,१३१,२६३ | ६४,४६८,१३६ | १४१,२१७,५४७ | ६,५७२,७६३  | २५,४०९,८९६   |
| ८                                                                                                      | प्रतिष्ठानहरूको मूल्य अभिवृद्धि                 | रु. हजारमा               | ७१,४०१,५६७  | १५९,६९९,११२ | १२३,२१२,३९२ | ३१,४२६,८३० | ५६,०५३,५९१  | ४,२०३,२९४  | १३,०४४,५२१   |

|    |                                                   |                                |             |            |             |            |             |            |            |
|----|---------------------------------------------------|--------------------------------|-------------|------------|-------------|------------|-------------|------------|------------|
| ९  | एक वर्षमा प्रतिष्ठानहरूको सम्पत्ति सकल थप         | रु. हजारमा                     | १२,५१५,५२५  | ५५,१६९,६३८ | २५,७३१,८००  | ५,१६७,९१०  | ९,०४२,९५१   | ५,९४७,११२  | २,३४८,६१७  |
| १० | वर्षको अन्त्यमा सकल स्थिर सम्पत्ति                | रु. हजारमा                     | १३३,४६४,१३५ | ८,१०९,२४२  | १९६,१७४,१७० | ४६,४६०,३३६ | १२२,४६९,७५७ | २८,९०१,७५९ | २३,०५३,२२९ |
| ११ | प्रतिष्ठानहरूमा संलग्न प्रति व्यक्ति आउटपुट       | रु. हजारमा प्रतिव्यक्ति        | २,५९०.२०    | ६८,९८७,२५२ | २,४७४.८०    | २,३६०.१०   | २,२६५.७०    | १,५४०.३०   | १,९१८      |
| १२ | आउटपुट इनपुट अनुपात                               | अनुपात                         | १.४         | २,६६०.२०   | १.४५        | १.४९       | १.४         | १.६४       | १.५१       |
| १३ | इनपुट आउटपुट अनुपात                               | अनुपात                         | ०.७१        | १          | ०.६९        | ०.६७       | ०.७२        | ०.६१       | ०.६६       |
| १४ | प्रतिष्ठानहरूमा संलग्न प्रति व्यक्ति मूल्य वृद्धि | रु. हजारमा प्रतिव्यक्ति संलग्न | ७४४         | ६८३        | ७७१         | ७७३        | ६४४         | ६०१        | ६५१        |

|    |                                                                                                                           |               |            |            |            |           |            |           |            |
|----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|------------|------------|------------|-----------|------------|-----------|------------|
| १५ | कुल ज्याला,<br>तलब र अन्य<br>लाभहरू<br>(नगद/ प्रकार)<br>कर्मचारीहरूलाई<br>भुक्तानी गरिन्छ                                 | रु.<br>हजारमा | २१,०५१,०६९ | १६,७४५,७५९ | ३८,८२१,५७१ | ७,८०४,७१४ | १८,७२३,०६५ | ३,६६३,९४६ | ३६,६३६,९४६ |
| १६ | औसत ज्याला,<br>तलब र अन्य<br>लाभहरू<br>(नगद/ प्रकार)<br>प्रति व्यक्ति प्रति<br>महिना<br>कर्मचारीहरूलाई<br>भुक्तानी गरिन्छ | रु.<br>हजारमा | २३.७३      | २०.३८      | २५.५२      | २४.४      | २३.२२      | २१.३४     | २१.३४      |

तालिका ८.४: मधेश प्रदेशको उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको महत्त्वपूर्ण सूचकहरू

| क्र. सं. | सूचक                                            | एकाइ                     | मूल्य (कुल) | नेपाल-स्तरीय औद्योगिक वर्गीकरण (NSIC) र प्रतिष्ठानहरूको आकार अनुसारको मूल्य |             |             |            |            |           |
|----------|-------------------------------------------------|--------------------------|-------------|-----------------------------------------------------------------------------|-------------|-------------|------------|------------|-----------|
|          |                                                 |                          |             | B                                                                           | C           |             |            | D          | E         |
|          |                                                 |                          |             |                                                                             | जम्मा       | ठुला        | साना       |            |           |
| १        | उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको संख्या                  | संख्यामा                 | ७,२७९       | २१                                                                          | ७,१०६       | ८५८         | ६,२४८      | ४          | १४८       |
| २        | संलग्न व्यक्तिहरूको संख्या                      | संख्यामा                 | ८०,७७३      | २९९                                                                         | ७८,९६०      | ६१,२२६      | १७,७३४     | ७६९        | ७४५       |
| ३        | प्रति प्रतिष्ठान संलग्न व्यक्तिहरूको औसत संख्या | व्यक्ति प्रति प्रतिष्ठान | ११.१        | १४.२                                                                        | ११.१        | ७१.४        | २.८        | १९२.३      | ५         |
| ४        | कर्मचारी संख्या                                 | संख्या                   | ६८,४८८      | २६८                                                                         | ६६,९६२      | ५९,५९७      | ७,३६५      | ७६२        | ४९६       |
| ५        | प्रति प्रतिष्ठान कर्मचारीहरूको औसत संख्या       | व्यक्ति प्रति प्रतिष्ठान | ९.४         | १२.८                                                                        | ९.४         | ६९.५        | १.२        | १९०.५      | ३.४       |
| ६        | प्रतिष्ठानहरूको आउटपुट                          | रु. हजारमा               | २१४,८६८,७५० | ३,७९७,६०२                                                                   | १९६,१७५,५१६ | १८१,२६८,८४४ | १४,९०६,६७२ | ६,२०३,०२९  | ८,६९२,६०३ |
| ७        | प्रतिष्ठानहरूको इनपुट                           | रु. हजारमा               | १५९,६९९,११२ | ९२९,४४३                                                                     | १४८,६३८,९३० | १३८,०२०,७०३ | १०,६१८,२८७ | ५,२६,२२४७  | ४,८७०,४३२ |
| ८        | प्रतिष्ठानहरूको मूल्य अभिवृद्धि                 | रु. हजारमा               | ५५,१६९,६३८  | २,८६८,१५९                                                                   | ४७,५३६,५२६  | ४३,२४८,१४१  | ४,२८८,३८५  | ९४२,७८२    | ३,८२२,१७१ |
| ९        | एक वर्षमा प्रतिष्ठानहरूको सम्पत्ति सकल थप       | रु. हजारमा               | ८,१०९,२४२   | १४,२४०                                                                      | ५,१५९,८५०   | ५,०८६,२८५   | ७३,५६५     | २,९३३,८४६  | १,३०६     |
| १०       | वर्षको अन्त्यमा सकल स्थिर सम्पत्ति              | रु. हजारमा               | ६८,९८७,२५२  | ५७,४२४                                                                      | ५५,६९७,६८५  | ४५,८७१,६०७  | ९,८२६,०७८  | १२,९५७,४२० | २७४,७२३   |
| ११       | प्रतिष्ठानहरूमा संलग्न प्रति व्यक्ति आउटपुट     | रु. हजारमा प्रतिव्यक्ति  | २,६६०.२०    | १२,७०१.००                                                                   | २,४८४.५०    | २,९६०.७०    | ८४०.६      | ८,०६६.४०   | ११,६६७.९० |
| १२       | आउटपुट-इनपुट अनुपात                             | अनुपात                   | १.३५        | ४.०९                                                                        | १.३२        | १.३१        | १.४०       | १.१८       | १.७८      |
| १३       | इनपुट-आउटपुट अनुपात                             | अनुपात                   | ०.७४        | ०.२४                                                                        | ०.७६        | ०.७६        | ०.७१       | ०.८५       | ०.५६      |

|                                         |                                                                                                      |                                |            |         |            |            |           |         |         |
|-----------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------|------------|---------|------------|------------|-----------|---------|---------|
| १४                                      | प्रतिष्ठानहरूमा संलग्न प्रति व्यक्ति मूल्य वृद्धि                                                    | रु. हजारमा प्रतिव्यक्ति संलग्न | ६८३        | ९,५९३   | ६०२        | ७०६        | २४२       | १,२२६   | ५,१३०   |
| १५                                      | कुल ज्याला, तलब र अन्य लाभहरू (नगद/ प्रकार) कर्मचारीहरूलाई भुक्तानी गरिन्छ                           | रु. हजारमा                     | १६,७४५,७५९ | १३२,७४९ | १६,१२१,३२६ | १४,६९७,२९६ | १,४२४,०३० | २४३,३२१ | २४८,३६३ |
| १६                                      | औसत ज्याला, तलब र अन्य लाभहरू (नगद/ प्रकार) प्रति व्यक्ति प्रति महिना कर्मचारीहरूलाई भुक्तानी गरिन्छ | रु. हजारमा                     | २०.३८      | ४१.२८   | २०.०६      | २०.५५      | १६.११     | २६.६१   | ४१.७३   |
| स्रोत: National Industrial Survey, 2076 |                                                                                                      |                                |            |         |            |            |           |         |         |



तालिका ८.५ ले मधेश प्रदेशमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको प्रकारलाई प्रस्तुत गरेको छ । मधेश प्रदेशमा रहेका उत्पादन प्रतिष्ठानमध्ये ६ हजार ९१८ वटाको व्यक्तिगत स्वामित्व रहेको छ । तिनमा ५० हजार ७७९ जना संलग्न छन् भने ३९ हजार २२१ जना कर्मचारी छन् । त्यसै गरी, १७१ वटा भागिदारी, १३९ वटा प्राइभेट लिमिटेड कम्पनी, १३ वटा पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, १३ वटा सहकारी र चार वटा सहकारी समेत छन् । तालिका ८.६ अनुसार उत्पादन प्रतिष्ठानमध्ये ४२५ वटा सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध छन् ।

| तालिका ८.५: मधेश प्रदेशमा उत्पादन प्रतिष्ठानहरूको कानूनी वैधानिकता |                         |                        |                            |                 |
|--------------------------------------------------------------------|-------------------------|------------------------|----------------------------|-----------------|
| क्र.स.                                                             | कानूनी स्थिति           | प्रतिष्ठानहरूको संख्या | संलग्न व्यक्तिहरूको संख्या | कर्मचारी संख्या |
| 1                                                                  | व्यक्तिगत स्वामित्व     | ६,९१८                  | ५०,७७९                     | ३९,२२१          |
| 2                                                                  | भागीदारी                | १७१                    | ७,७३८                      | ७,३८६           |
| 3                                                                  | प्राइभेट लिमिटेड कम्पनी | १३९                    | १७,८१८                     | १७,४९४          |
| 4                                                                  | पब्लिक लिमिटेड कम्पनी   | १३                     | ३,४२०                      | ३,४०३           |
| 5                                                                  | सहकारी                  | १३                     | १०७                        | १०७             |
| 6                                                                  | सरकारी                  | ४                      | ७७८                        | ७७५             |
| 7                                                                  | अरू                     | २१                     | १३३                        | १०२             |
| जम्मा                                                              |                         | ७,२७९                  | ८०,७७३                     | ६८,४८८          |

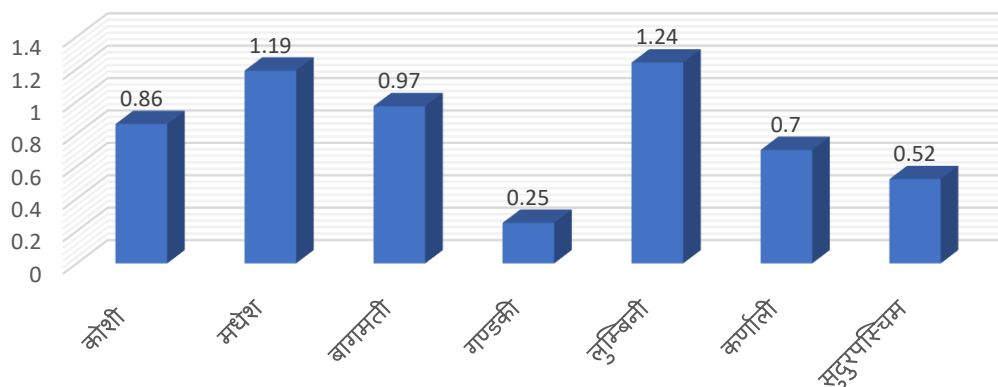
| तालिका ८.६: मधेश प्रदेशका उत्पादन प्रतिष्ठानहरूमा सामाजिक सुरक्षामा आवद्धता |                         |       |        |                                   |      |        |
|-----------------------------------------------------------------------------|-------------------------|-------|--------|-----------------------------------|------|--------|
| उत्पादन प्रतिष्ठानहरू                                                       | सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध |       |        | श्रमिकको योगदान सामाजिक सुरक्षामा |      |        |
|                                                                             | हो                      | होइन  | नभनेको | हो                                | होइन | नभनेको |
| ७,२७९                                                                       | ४२५                     | ६,८५४ |        | ३३६                               | ८७   | -      |

## परिच्छेद ९: सामाजिक क्षेत्र

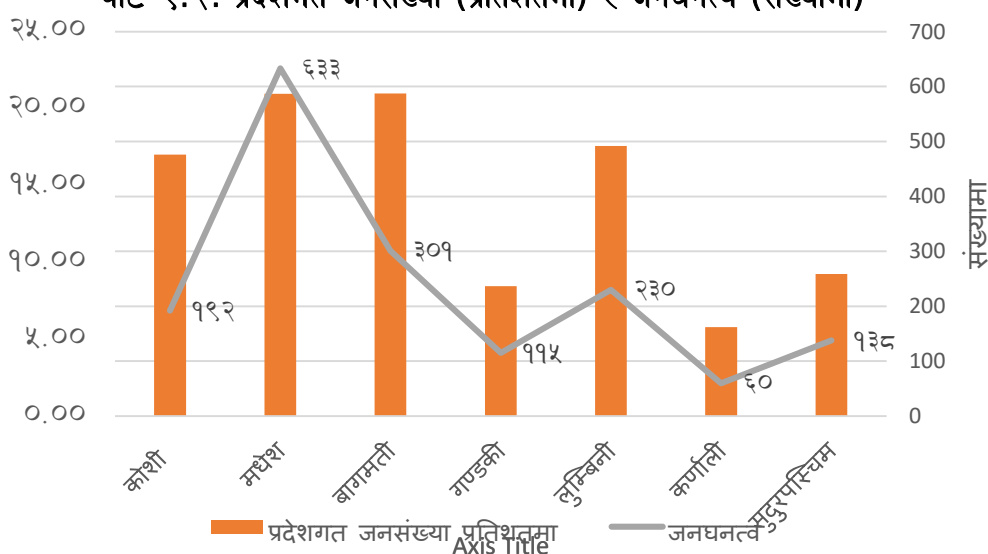
### ९.१ मधेश प्रदेशको जनसंख्या विवरण

देशको कुल जनसंख्यामध्ये मधेश प्रदेशको जनसंख्या करिब २१ प्रतिशत रहेको छ । मधेश प्रदेशको जनघनत्व सातवटै प्रदेशभन्दा धेरै (६३३ प्रति वर्ग कि.मि.) छ । सातवटै प्रदेशमध्ये सबैभन्दा धेरै जनसंख्या वृद्धि दर लुम्बिनी र त्यसपछि मधेश प्रदेशको छ । लुम्बिनीको जनसंख्या वृद्धिदर १.२४ प्रतिशत र मधेश प्रदेशको जनसंख्या वृद्धिदर १.१९ प्रतिशत रहेको छ ।

चार्ट ९.१: प्रदेशगत जनसंख्या वार्षिक वृद्धि दर



चार्ट ९.२: प्रदेशगत जनसंख्या (प्रतिशतमा) र जनघनत्व (संख्यामा)



देशको कुल घरधुरी ६६ लाख ६६ हजार ९३७ मध्ये मधेश प्रदेश प्रदेशमा ११ लाख ५६ हजार ७१५ वटा रहेका छन् । प्रदेशको कुल ६१ लाख १४ हजार ६०० जनसंख्यामध्ये ३० लाख ६५ हजार ७५१ पुरुष र ३० लाख ४८ हजार ८४९ महिला छन् । मधेश प्रदेशको औसत घरपरिवारको आकार ५.२९ रहेका छन् । सातवटै प्रदेशमध्ये सबैभन्दा धेरै यहाँ लैङ्गिक अनुपात १००.५५ रहेको छ । मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै घरधुरी संख्या धनुषामा १ लाख ७७ हजार १४३ र सबैभन्दा कम पर्सा १ लाख १३ हजार ८० छ । मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै जनसंख्या धनुषामा ८ लाख ६७ हजार ७४७ र सबैभन्दा कम पर्सा ६ लाख ५४ हजार ४७१ रहेका छन् । प्रदेशको सबैभन्दा धेरै जनघनत्व धनुषाको ७३५ र सबैभन्दा कम पर्साको ४८४ वर्ग किलोमिटर रहेको छ ।

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै यादव समुदायको (१५.२ प्रतिशत) बसोबास रहेको छ । दोस्रो बढी मुसलमान समुदायको जनसंख्या ७ लाख ९२ हजार ७७६ (१३ प्रतिशत) रहेको छ । तेस्रो बढी तेली समुदायको जनसंख्या ३ लाख २४ हजार ७०५ (५.३ प्रतिशत), र चौथोमा थारू समुदायको ३ लाख १ हजार ३८ (४.९ प्रतिशत) रहेको छ ।

| तालिका ९.१: मधेश प्रदेशमा जनसंख्याको आधारमा पहिलो २० वटा जाति/ समुदायको विवरण |          |          |          |                       |
|-------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|-----------------------|
| जाति/ समुदाय                                                                  | जनसंख्या | महिला    | पुरुष    | कुल जनसंख्याको अनुपात |
| यादव                                                                          | ९,२६,५०८ | ४,७५,९८२ | ४,५०,५२६ | १५.२                  |
| मुसलमान                                                                       | ७,९२,७७६ | ३,८३,७५६ | ४,०९,०२० | १३.०                  |
| तेली                                                                          | ३,२४,७०५ | १,६८,००८ | १,५६,६९७ | ५.३                   |
| थारू                                                                          | ३,०१,०३८ | १,४६,५०० | १,५४,५३८ | ४.९                   |
| कोइरी/ कुशवाहा                                                                | २,७६,१५५ | १,४२,०९७ | १,३४,०५८ | ४.५                   |
| चमार/ हरिजन/ राम                                                              | २,६९,३९६ | १,३४,२०० | १,३५,१९६ | ४.४                   |
| धानुक                                                                         | २,१७,०९६ | १,०८,३५६ | १,०८,७४० | ३.६                   |
| कुर्मी                                                                        | १,८०,५८१ | ९३,५३३   | ८७,०४८   | ३.०                   |
| मुसहर                                                                         | १,७९,१५३ | ८८,१४४   | ९१,००९   | २.९                   |
| दुसाद/ पासवान/ पासी                                                           | १,७६,१९० | ८८,०११   | ८८,१७९   | २.९                   |
| मल्लाह                                                                        | १,४१,६३८ | ७१,४१०   | ७०,२२८   | २.३                   |
| कानु                                                                          | १,३९,०८८ | ७२,६३०   | ६६,४५८   | २.३                   |
| तामाङ                                                                         | १,२२,१९४ | ५९,१३३   | ६३,०६१   | २.०                   |
| तत्मा/ तत्वा                                                                  | १,१७,५०७ | ५८,७४०   | ५८,७६७   | १.९                   |
| खत्वे                                                                         | १,१२,५२१ | ५४,९१६   | ५७,६०५   | १.८                   |
| कलवार                                                                         | १,०१,८६० | ५३,१३५   | ४८,७२५   | १.७                   |
| ब्राह्मण, तराई                                                                | १,०१,०९३ | ५२,३३८   | ४८,७५५   | १.७                   |
| क्षेत्री                                                                      | ९८,००२   | ४८,२४७   | ४९,७५५   | १.६                   |
| केवट                                                                          | ९२,३४६   | ४५,१०८   | ४७,२३८   | १.५                   |
| सुडी                                                                          | ८९,८९६   | ४६,२८०   | ४३,६१६   | १.५                   |

| तालिका ९.२: घरपरिवारको संख्या, लिङ्ग अनुसार जनसंख्या, औसत घरपरिवारको आकार, लिङ्ग अनुपात, जनघनत्व र वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर, NPHC 2021 |              |               |             |             |            |               |              |                |                    |                        |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------|---------------|-------------|-------------|------------|---------------|--------------|----------------|--------------------|------------------------|
| क्षेत्र                                                                                                                                  |              | घरधुरी संख्या | जनसंख्या    |             |            | औसत घरको आकार | लिङ्ग अनुपात | जनसंख्या घनत्व | जनसंख्या NPHC 2011 | वार्षिक वृद्धि दर* (%) |
|                                                                                                                                          |              |               | जम्मा       | पुरुष       | महिला      |               |              |                |                    |                        |
| नेपाल                                                                                                                                    |              | ६६,६६,९३७     | २,९१,६४,५७८ | १,४२,५३,५५१ | १,४९११,०२७ | ४.३७          | ९५.५९        | १९८            | २,६४,९४,५०४        | ०.९२                   |
| प्रदेश                                                                                                                                   | कोशी         | ११,९१,५५६     | ४९,६१,४१२   | २४,१७,३२८   | २५,४४,०८४  | ४.१६          | ९५.०२        | १९२            | ४५,३४,९४३          | ०.८६                   |
|                                                                                                                                          | मधेश         | ११,५६,७१५     | ६१,१४,६००   | ३०,६५,७५१   | ३०,४८,८४९  | ५.२९          | १००.५५       | ६३३            | ५४,०४,१४५          | १.१९                   |
|                                                                                                                                          | बागमती       | १५,७०,९२७     | ६१,१६,८६६   | ३०,४८,६८४   | ३०,६८,१८२  | ३.८९          | ९९.३६        | ३०१            | ५५,२९,४५२          | ०.९७                   |
|                                                                                                                                          | गण्डकी       | ६,६२,४८०      | २४,६६,४२७   | ११,७०,८३३   | १२,९५,५९४  | ३.७२          | ९०.३७        | ११५            | २४,०३,७५७          | ०.२५                   |
|                                                                                                                                          | लुम्बिनी     | ११,४१,९०२     | ५१,२२,०७८   | २४,५४,४०८   | २६,६७,६७०  | ४.४९          | ९२.०१        | २३०            | ४४,९९,२७२          | १.२४                   |
|                                                                                                                                          | कर्णाली      | ३,६६,२५५      | १६,८८,४१२   | ८,२३,७६१    | ८,६४,६५१   | ४.६१          | ९५.२७        | ६०             | १५,७०,४१८          | ०.७०                   |
|                                                                                                                                          | सुदूर-पश्चिम | ५,७७,१०२      | २६,९४,७८३   | १२,७२,७८६   | १४,२१,९९७  | ४.६७          | ८९.५१        | १३८            | २५,५२,५१७          | ०.५२                   |

तालिका ९.३: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूको घरपरिवारको संख्या, लिङ्ग अनुसार जनसंख्या, औसत घरपरिवारको आकार, लिङ्ग अनुपात, जनघनत्व र वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर

| क्षेत्र  | घरधुरी संख्या | जनसंख्या |          |          | औसत घरको आकार | लिङ्ग अनुपात | जनसंख्या घनत्व | जनसंख्या NPHC 2011 | वार्षिक वृद्धि दर* (%) |
|----------|---------------|----------|----------|----------|---------------|--------------|----------------|--------------------|------------------------|
|          |               | जम्मा    | पुरुष    | महिला    |               |              |                |                    |                        |
| सप्तरी   | १,४६,८५४      | ७,०६,२५५ | ३,५१,३६८ | ३,५४,८८७ | ४.८१          | ९९.०१        | ५१८            | ६,३९,२८४           | ०.९६                   |
| सिराहा   | १,४८,५७१      | ७,३९,९५३ | ३,६३,७२४ | ३,७६,२२९ | ४.९८          | ९६.६८        | ६२३            | ६,३७,३२८           | १.४३                   |
| धनुषा    | १,७७,१४३      | ८,६७,७४७ | ४,२९,८९३ | ४,३७,८५४ | ४.९०          | ९८.१८        | ७३५            | ७,५४,७७७           | १.३४                   |
| महोत्तरी | १,३७,९०२      | ७,०६,९९४ | ३,४९,१५९ | ३,५७,८३५ | ५.१३          | ९७.५८        | ७०६            | ६,२७,५८०           | १.१४                   |
| सर्लाही  | १,६४,८९३      | ८,६२,४७० | ४,३५,१३१ | ४,२७,३३९ | ५.२३          | १०१.८२       | ६८५            | ७,६९,७२९           | १.०९                   |
| रौतहट    | १,३७,०३२      | ८,१३,५७३ | ४,०८,४०३ | ४,०५,१७० | ५.९४          | १००.८०       | ७२३            | ६,८६,७२२           | १.६३                   |
| बारा     | १,३१,२४०      | ७,६३,१३७ | ३,८९,७८७ | ३,७३,३५० | ५.८१          | १०४.४०       | ६४१            | ६,८७,७०८           | १.००                   |
| पर्सा    | १,१३,०८०      | ६,५४,४७१ | ३,३८,२८६ | ३,१६,१८५ | ५.७९          | १०६.९९       | ४८४            | ६,०१,०१७           | ०.८२                   |

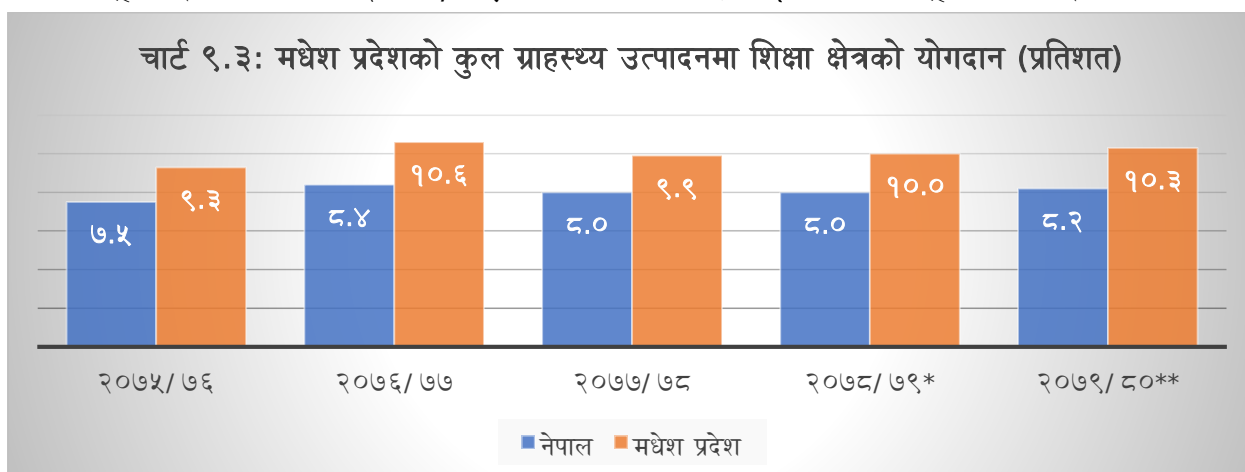
देशमा सबैभन्दा धेरै नेपाली भाषा ४४.८६ प्रतिशत, मैथिली भाषा ११.०५, भोजपुरी भाषा ६.२४ र थारू भाषा ५.८८ प्रतिशत व्यक्तिले बोल्छन् । मधेश प्रदेशमा भने सबैभन्दा धेरै जनसंख्या मैथिली भाषा बोल्नेको रहेको छ । मैथिली भाषा ४१.७३ प्रतिशत, भोजपुरी भाषा १८.८१ प्रतिशत, बज्जिका १८.४४, नेपाली ५.७६, थारू ४.१७, उर्दू ४.०८ र मगही ३.५४ प्रतिशतले बोलिरहेको तथ्यांक छ ।

| तालिका ९.४: नेपालमा बोलिने मातृभाषा (प्रतिशतमा) |             |                                     |
|-------------------------------------------------|-------------|-------------------------------------|
| मातृभाषा                                        | जम्मा       | नेपालमा बोलिने मातृभाषा (प्रतिशतमा) |
| नेपाली                                          | १,३०,८४,४५७ | ४४.८६                               |
| मैथिली                                          | ३२,२२,३८९   | ११.०५                               |
| भोजपुरी                                         | १८,२०,७९५   | ६.२४                                |
| थारू                                            | १७,१४,०९१   | ५.८८                                |
| तामाङ                                           | १४,२३,०७५   | ४.८८                                |
| वज्जिका                                         | ११,३३,७६४   | ३.८९                                |
| अवधी                                            | ८,६४,२७६    | २.९६                                |
| नेपाल भाषा (नेवारी)                             | ८,६३,३८०    | २.९६                                |
| मगर ढूट                                         | ८,१०,३१५    | २.७८                                |
| डोटेली                                          | ४,९४,८६४    | १.७                                 |
| उर्दू                                           | ४,१३,७८५    | १.४२                                |
| याक्थुङ/ लिम्बू                                 | ३,५०,४३६    | १.२                                 |
| गुरुङ                                           | ३,२८,०७४    | १.१२                                |
| मगही                                            | २,३०,११७    | ०.७९                                |
| बैतादेली                                        | १,५२,६६६    | ०.५२                                |
| राई                                             | १,४४,५१२    | ०.५                                 |
| अछामी                                           | १,४१,४४४    | ०.४८                                |
| वान्तवा                                         | १,३८,००३    | ०.४७                                |
| राजवंशी                                         | १,३०,१६३    | ०.४५                                |
| शेर्पा                                          | १,१७,८९६    | ०.४                                 |

| तालिका ९.५: मधेश प्रदेशमा सबभन्दा बढी बोलिने २० वटा मातृभाषा (जनसंख्यामा) |           |           |           |                                     |
|---------------------------------------------------------------------------|-----------|-----------|-----------|-------------------------------------|
| मातृभाषा                                                                  | जम्मा     | पुरुष     | महिला     | मधेश प्रदेशमा बोलिने भाषा प्रतिशतमा |
| मैथिली                                                                    | २५,५१,९१७ | १२,८२,८७९ | १२,६९,०३८ | ४१.७३                               |
| भोजपुरी                                                                   | ११,४९,९६२ | ५,९५,५०९  | ५,५४,४५३  | १८.८१                               |
| बज्जिका                                                                   | ११,२७,२५५ | ५,६६,००४  | ५,६१,२५१  | १८.४४                               |
| नेपाली                                                                    | ३,५२,१०९  | १,७३,१८१  | १,७८,९२८  | ५.७६                                |
| थारू                                                                      | २,५४,६८५  | १,२३,५७८  | १,३१,१०७  | ४.१७                                |
| उर्दू                                                                     | २,४९,६१४  | १,१९,३३८  | १,३०,२७६  | ४.०८                                |
| मगही                                                                      | २,१५,२३६  | १,०१,८०१  | १,१३,४३५  | ३.५२                                |
| तामाङ                                                                     | १,००,६६९  | ४८,६६०    | ५२,००९    | १.६५                                |
| मगर ठूट                                                                   | ४४,३८५    | २१,४२१    | २२,९६४    | ०.७३                                |
| हिन्दी                                                                    | १४,२३२    | ६,६३७     | ७,५९५     | ०.२३                                |
| नेपाल भाषा (नेवारी)                                                       | १२,७९०    | ६,२७३     | ६,५१७     | ०.२१                                |
| दनुवार                                                                    | ८,५३०     | ४,१४१     | ४,३८९     | ०.१४                                |
| उराव                                                                      | ५,२९६     | २,५४४     | २,७५२     | ०.०९                                |
| माझी                                                                      | ४,७३६     | २,३२८     | २,४०८     | ०.०८                                |
| राई                                                                       | ४,६७६     | २,३०३     | २,३७३     | ०.०८                                |
| मुसलमान                                                                   | ४,४०३     | १,९३६     | २,४६७     | ०.०७                                |
| मारवाडी                                                                   | ३,९२६     | २,०२५     | १,९०१     | ०.०६                                |
| गुरुङ                                                                     | १,३३४     | ६३९       | ६९५       | ०.०२                                |
| अवधी                                                                      | १,०२२     | ५२०       | ५०२       | ०.०२                                |
| बंगली                                                                     | ८३१       | ४६१       | ३७०       | ०.०१                                |

## ९.२ मधेश प्रदेशमा साक्षरता

मधेश प्रदेशमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा शिक्षा क्षेत्रको योगदान आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा १०.३ प्रतिशत रहयो । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा शिक्षाको योगदान १० प्रतिशत रहेको थियो ।



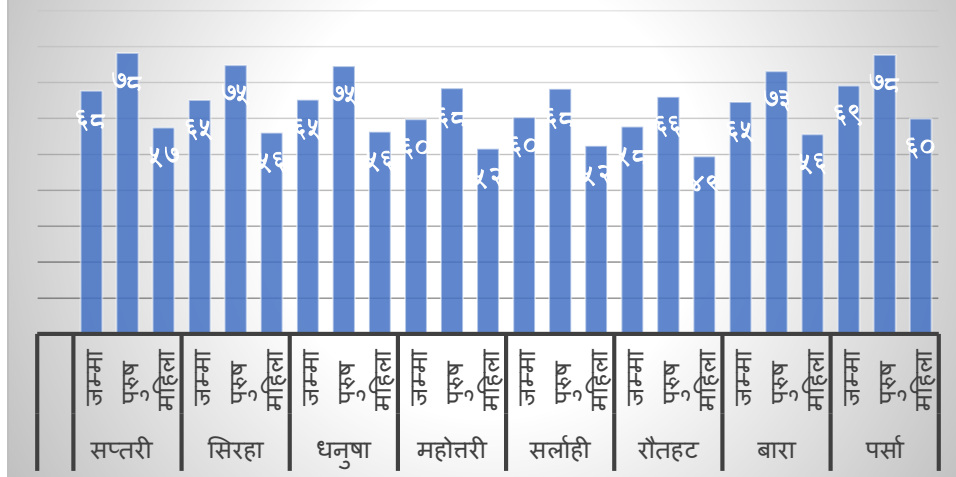
सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशको साक्षरता अवस्था सबैभन्दा न्यून छ । यहाँ ६४ प्रतिशत जनसंख्या साक्षर छन् । महिलाको साक्षरता अवस्था पुरुषको तुलनामा निकै कम छ । साक्षरमध्ये ७२ प्रतिशत पुरुष र ५५ प्रतिशत मात्रै महिला छन् ।

| तालिका ९.६: प्रदेशगत साक्षरताको अवस्था |       |                             |                    |             |
|----------------------------------------|-------|-----------------------------|--------------------|-------------|
| प्रदेश                                 | लिंग  | ५ वर्षभन्दा माथिको जनसंख्या | पढ्न र लेख्न सक्ने | साक्षरता दर |
| कोशी                                   | जम्मा | ४५,७८,४४०                   | ३६,४८,२२५          | ८०          |
|                                        | पुरुष | २२,१८,७०९                   | १९,१०,७५६          | ८६          |
|                                        | महिला | २३,५९,७३१                   | १७,३७,४६९          | ७४          |
| मधेश                                   | जम्मा | ५४,७३,४७८                   | ३४,७७,४१३          | ६४          |
|                                        | पुरुष | २७,२२,४०१                   | १९,७२,४६०          | ७२          |
|                                        | महिला | २७,५१,०७७                   | १५,०४,९५३          | ५५          |
| बागमती                                 | जम्मा | ५७,१८,३८८                   | ४६,९२,३५३          | ८२          |
|                                        | पुरुष | २८,३७,३४१                   | २५,०४,०७९          | ८८          |
|                                        | महिला | २८,८१,०४७                   | २१,८८,२७४          | ७६          |
| गण्डकी                                 | जम्मा | २२,९७,४९७                   | १८,७५,९१०          | ८२          |
|                                        | पुरुष | १०,८०,७२४                   | ९,५९,२८९           | ८९          |
|                                        | महिला | १२,१६,७७३                   | ९,१६,६२१           | ७५          |
| लुम्बिनी                               | जम्मा | ४६,८२,२३७                   | ३६,५५,९३३          | ७८          |
|                                        | पुरुष | २२,२३,६३०                   | १८,९४,०१८          | ८५          |
|                                        | महिला | २४,५८,६०७                   | १७,६१,९१५          | ७२          |
| कर्णाली                                | जम्मा | १५,१९,६११                   | ११,५६,१९४          | ७६          |
|                                        | पुरुष | ७३५,२०३                     | ६,१२,०६९           | ८३          |
|                                        | महिला | ७,८४,४०८                    | ५,४४,१२५           | ६९          |
| सुदूर-पश्चिम                           | जम्मा | २४,५५,६४४                   | १८,७१,९५२          | ७६          |
|                                        | पुरुष | ११,४५,०१८                   | ९,७८,२१५           | ८५          |
|                                        | महिला | १३,१०,६२६                   | ८,९३,७३७           | ६८          |
| नेपाल                                  | जम्मा | २,६७,२५,२९५                 | २,०३,७७,९८०        | ७६          |
|                                        | पुरुष | १,२९,६३,०२६                 | १,०८,३०,८८६        | ८४          |
|                                        | महिला | १,३७,६२,२६९                 | ९५,४७,०९४          | ६९          |

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा बढी साक्षरता भएको जिल्ला पर्सा र सबैभन्दा कम साक्षरता भएको जिल्ला रौतहट रहेको छ । पर्साका ६९ प्रतिशत जनसंख्या साक्षर छन् भने रौतहटका ५८ प्रतिशत मात्रै साक्षर छन् ।



चार्ट ९.४: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा साक्षरताको अवस्था



तालिका ९.७: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा साक्षरताको अवस्था

| जिल्ला   | लिंग  | ५ वर्षभन्दा माथिको जनसंख्या | पढ्न र लेख्न सक्ने | साक्षरता डर |
|----------|-------|-----------------------------|--------------------|-------------|
| सप्तरी   | जम्मा | ६,३९,३५१                    | ४,३२,८०२           | ६८          |
|          | पुरुष | ३,१५,१५४                    | २,४६,४२६           | ७८          |
|          | महिला | ३,२४,१९७                    | १,८६,३७६           | ५७          |
| सिरहा    | जम्मा | ६,६०,७३५                    | ४,३०,२०५           | ६५          |
|          | पुरुष | ३,२०,१७५                    | २,३९,५१४           | ७५          |
|          | महिला | ३,४०,५६०                    | १,९०,६९१           | ५६          |
| धनुषा    | जम्मा | ७,७२,०१०                    | ५,०३,४७६           | ६५          |
|          | पुरुष | ३,७६,२३९                    | २,८०,६०३           | ७५          |
|          | महिला | ३,९५,७७१                    | २,२२,८७३           | ५६          |
| महोत्तरी | जम्मा | ६,३९,६६४                    | ३,७७,५६८           | ६०          |
|          | पुरुष | ३,०८,९४०                    | २,११,२१८           | ६८          |
|          | महिला | ३,२२,७२४                    | १,६६,३५०           | ५२          |
| सर्लाही  | जम्मा | ७,७५,४१०                    | ४,६७,६६९           | ६०          |
|          | पुरुष | ३,८९,१४९                    | २,६५,५११           | ६८          |
|          | महिला | ३,८६,२६१                    | २,०२,१५८           | ५२          |

|       |       |          |          |    |
|-------|-------|----------|----------|----|
| रौतहट | जम्मा | ७,१६,२०० | ४,१३,६३१ | ५८ |
|       | पुरुष | ३,५८,३३५ | २,३६,५५७ | ६६ |
|       | महिला | ३,५७,८६५ | १,७७,०७४ | ४९ |
| बारा  | जम्मा | ६,८५,५०९ | ४,४२,४३१ | ६५ |
|       | पुरुष | ३,४८,८७७ | २,५५,१७० | ७३ |
|       | महिला | ३,३६,६३२ | १,८७,२६१ | ५६ |
| पर्सा | जम्मा | ५,९२,५९९ | ४,०९,६३१ | ६९ |
|       | पुरुष | ३,०५,५३२ | २,३७,४६१ | ७८ |
|       | महिला | २,८७,०६७ | १,७२,१७० | ६० |

### ९.३ विद्यालय संख्या

सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशमा दोस्रो सबैभन्दा कम विद्यालयको संख्या रहेको छ । सबैभन्दा कम कर्णाली प्रदेशमा ३ हजार १८४ र मधेश प्रदेशमा ४ हजार १७४ विद्यालय छन् । मधेश प्रदेशमा ३ हजार ४०१ सामुदायिक र ७५४ वटा संस्थागत विद्यालय रहेका छन् ।

| तालिका ९.८: प्रदेश स्तरमा विद्यालय संख्या |              |                   |                      |                |              |             |              |             |
|-------------------------------------------|--------------|-------------------|----------------------|----------------|--------------|-------------|--------------|-------------|
| विद्यालय<br>को<br>प्रकार                  | प्रदेश       | जम्मा<br>विद्यालय | विद्यालय संख्या तहगत |                |              |             |              |             |
|                                           |              |                   | L_Basic<br>1-5       | U_Basic<br>1-8 | Basic<br>1-8 | Sec<br>9-10 | Sec<br>11-12 | Sec<br>9-12 |
|                                           |              |                   |                      |                |              |             |              |             |
| जम्मा                                     | कोशी         | ६,९६७             | ३,५६९                | १,३१२          | ४,८८१        | १,३२०       | ७६६          | २,०८६       |
|                                           | मधेश         | ४,१७४             | २,३६२                | ७४८            | ३,११०        | ६१२         | ४५२          | १,०६४       |
|                                           | बागमती       | ७,०५९             | २,८८८                | १,०३४          | ३,९२२        | २,०५७       | १,०८०        | ३,१३७       |
|                                           | गण्डकी       | ४,३०९             | २,२७६                | ६३१            | २,९०७        | ७६८         | ६३४          | १,४०२       |
|                                           | लुम्बिनी     | ५,७६८             | ३,००३                | १,०३४          | ४,०३७        | १,०४७       | ६८४          | १,७३१       |
|                                           | कर्णाली      | ३,१८४             | १,९२१                | ५५९            | २,४८०        | ४०४         | ३००          | ७०४         |
|                                           | सुदूर-पश्चिम | ४,२१३             | २,२०६                | ९००            | ३,१०६        | ६५७         | ४५०          | १,१०७       |
|                                           | जम्मा        | ३५,६७४            | १८,२२५               | ६,२१८          | २४,४४३       | ६,८६५       | ४,३६६        | ११,२३१      |
| सामु-<br>दायिक                            | कोशी         | ५,४५७             | ३,२०८                | ९८६            | ४,१९४        | ६८७         | ५७६          | १,२६३       |
|                                           | मधेश         | ३,४०१             | २,१०८                | ५६८            | २,६७६        | ३७८         | ३४७          | ७२५         |
|                                           | बागमती       | ५,११०             | २,६७०                | ८६३            | ३,५३३        | ८४६         | ७३१          | १,५७७       |
|                                           | गण्डकी       | ३,७२८             | २,१८४                | ५४५            | २,७२९        | ५०९         | ४९०          | ९९९         |
|                                           | लुम्बिनी     | ४,५८५             | २,६४९                | ८३३            | ३,४८२        | ६०९         | ४९४          | १,१०३       |
|                                           | कर्णाली      | २,९७३             | १,८३०                | ५३८            | २,३६८        | ३४६         | २५९          | ६०५         |
|                                           | सुदूर-पश्चिम | ३,५७९             | २,००३                | ७०४            | २७०७         | ४९५         | ३७७          | ८७२         |
|                                           | जम्मा        | २८,८३३            | १६,६५२               | ५,०३७          | २१,६८९       | ३,८७०       | ३,२७४        | ७,१४४       |

|               |              |       |       |       |       |       |     |       |
|---------------|--------------|-------|-------|-------|-------|-------|-----|-------|
| संस्था-<br>गत | कोशी         | १,५०५ | ३९५   | ३०६   | ७०१   | ६३०   | १७४ | ८०४   |
|               | मधेश         | ७५४   | ३०३   | १४८   | ४५१   | २१७   | ८६  | ३०३   |
|               | बागमती       | १,९२६ | २९७   | १५४   | ४५१   | १,१७६ | २९९ | १,४७५ |
|               | गण्डकी       | ५९१   | १५२   | ८१    | २३३   | २३४   | १२४ | ३५८   |
|               | लुम्बिनी     | १,१२६ | ३७७   | २००   | ५७७   | ३९९   | १५० | ५४९   |
|               | कर्णाली      | १९६   | ९१    | ४०    | १३१   | ४५    | २०  | ६५    |
|               | सुदूर-पश्चिम | ६३५   | २३९   | १८७   | ४२६   | १४७   | ६२  | २०९   |
|               | जम्मा        | ६,७३३ | १,८५४ | १,११६ | २,९७० | २,८४८ | ९१५ | ३,७६३ |

## ९.४ विद्यालय भर्ना दर

मधेश प्रदेशमा कक्षा १ देखि ८ सम्म १० लाख ७० हजार २३४ जना विद्यार्थी भर्ना भएका छन् । तीमध्ये छात्राको संख्या ५ लाख ४८ हजार ५२ र छात्रको संख्या ५ लाख २२ हजार १८२ रहेको छ । यीमध्ये ९ लाख ३ हजार ५० जना सामुदायिक विद्यालयमा र १ लाख ६७ हजार १८४ जना संस्थागत विद्यालयमा पढ्छन् । सामुदायिक विद्यालयमा पढ्ने छात्राको संख्या ४ लाख ९० हजार ३२१ र छात्रको संख्या ४ लाख १२ हजार ७२९ रहेको छ । त्यसै गरी, संस्थागत विद्यालयमा पढ्ने छात्राको संख्या ५७ हजार ७३१ र छात्रको संख्या १ लाख ९ हजार ४५३ छ ।

मधेश प्रदेशमा कक्षा ९ देखि १२ सम्म २ लाख ४७ हजार विद्यार्थी भर्ना भएका छन् । तीमध्ये छात्राको संख्या १ लाख १८ हजार ४५६ र छात्रको संख्या १ लाख २८ हजार ५४४ रहेको छ । यीमध्ये सामुदायिक विद्यालयमा भर्ना भएका विद्यार्थीको संख्या २ लाख १३ हजार १६५ र संस्थागत विद्यालयमा भर्ना भएका विद्यार्थीको संख्या ३३ हजार ८३५ रहेका छन् । सामुदायिक विद्यालयमा भर्ना भएका छात्राको संख्या १ लाख ०५ हजार ६०५ र छात्रको संख्या १ लाख ७ हजार ५६० छ । कक्षा ९ देखि १२ सम्म संस्थागत विद्यालयमा भर्ना भएका छात्राको संख्या १२ हजार ८५१ र छात्रको संख्या २० हजार ९८४ रहेका छन् ।

तालिका ९.९: कक्षा तहको (१-८) आधारमा विद्यार्थी भर्ना (सन् २०२०-२०२१)

| विद्यालयको प्रकार | प्रदेश       | कक्षा १-५ |           |           | ६-८      |          |           | Basic Level 1-8 |           |            |
|-------------------|--------------|-----------|-----------|-----------|----------|----------|-----------|-----------------|-----------|------------|
|                   |              | छात्रा    | छात्र     | जम्मा     | छात्रा   | छात्र    | जम्मा     | छात्रा          | छात्र     | जम्मा      |
| जम्मा             | कोशी         | २,७६,६०८  | २,८१,२२९  | ५,५७,८३७  | १,५३,४५७ | १,५३,०११ | ३,०६,४६८  | ४,३०,०६५        | ४,३४,२४०  | ८,६४,३०५   |
|                   | मधेश         | ३,९३,३४९  | ३,६७,५४९  | ७,६०,८९८  | १,५४,७०३ | १,५४,६३३ | ३,०९,३३६  | ५,४८,०५२        | ५,२२,१८२  | १,०,७०,२३४ |
|                   | बागमती       | २,९४,९५०  | ३,२५,४८४  | ६,२०,४३४  | १,७४,८४९ | १,८४,७१२ | ३,५९,५६१  | ४,६९,७९९        | ५,१०,१९६  | ९,७९,९९५   |
|                   | गण्डकी       | १,१८,४००  | १,२९,६७६  | २,४८,०७६  | ७५,६६२   | ७७,३२५   | १,५२,९८७  | १,९४,०६२        | २,०७,००१  | ४,०१,०६३   |
|                   | लुम्बिनी     | ३,०९,४३४  | ३,२६,४८७  | ६,३५,९२१  | १,५८,९८६ | १,६२,३४८ | ३,२१,३३४  | ४,६८,४२०        | ४,८८,८३५  | ९,५७,२५५   |
|                   | कर्णाली      | १,५३,०२७  | १,४५,७०८  | २,९८,७३५  | ७८,२५४   | ७३,८०३   | १,५२,०५७  | २,३१,२८१        | २,१९,५११  | ४,५०,७९२   |
|                   | सुदूर-पश्चिम | २,०४,२९७  | १,९५,९७९  | ४,००,२७६  | १,१०,३४८ | १,०४,६८५ | २,१५,०३३  | ३,१४,६४५        | ३,००,६६४  | ६,१५,३०९   |
|                   | जम्मा        | १७,५०,०६५ | १७,७२,११२ | ३५,२२,१७७ | ९,०६,२५९ | ९,१०,५१७ | १८,१६,७७६ | २६,५६,३२४       | २६,८२,६२९ | ५३,३८,९५३  |
| सामुदायिक         | कोशी         | १,९८,५२८  | १,७८,११४  | ३,७६,६४२  | १,१५,६४८ | १,०४,७३१ | २,२०,३७९  | ३,१४,१७६        | २,८२,८४५  | ५,९७,०२१   |
|                   | मधेश         | ३,५२,७४२  | २,९१,९७५  | ६,४४,७१७  | १,३७,५७९ | १,२०,७५४ | २,५८,३३३  | ४,९०,३२१        | ४,१२,७२९  | ९,०३,०५०   |
|                   | बागमती       | १,८८,७२५  | १,८१,७३६  | ३,७०,४६१  | १,१४,०३९ | १,०५,४१८ | २,१९,४५७  | ३,०२,७६४        | २,८७,१५४  | ५,८९,९१८   |
|                   | गण्डकी       | ८५,४६०    | ८४,११२    | १,६९,५७२  | ५८,७६५   | ५४,७३९   | १,१३,५०४  | १,४४,२२५        | १,३८,८५१  | २,८३,०७६   |
|                   | लुम्बिनी     | २,४३,७२२  | २,२५,८९२  | ४,६९,६१४  | १,२८,६६९ | १,१७,४३५ | २,४६,१०४  | ३,७२,३९१        | ३,४३,३२७  | ७,१५,७१८   |
|                   | कर्णाली      | १,४३,५५०  | १,३१,३९४  | २,७४,९४४  | ७४,५२३   | ६८,२२८   | १,४२,७५१  | २,१८,०७३        | १,९९,६२२  | ४,१७,६९५   |
|                   | सुदूर-पश्चिम | १,७४,७१७  | १,४७,५४१  | ३,२२,२५८  | ९७,९०५   | ८२,८७९   | १,८०,७८४  | २,७२,६२२        | २,३०,४२०  | ५,०३,०४२   |
|                   | जम्मा        | १३,८७,४४४ | १२,४०,७६४ | २६,२८,२०८ | ७,२७,१२८ | ६,५४,१८४ | १३,८१,३१२ | २१,१४,५७२       | १८,९४,९४८ | ४०,०९,५२०  |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|              |                  |          |          |          |          |          |          |          |          |           |
|--------------|------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|
| संस्था<br>गत | कोशी             | ७८,०८०   | १,०३,११५ | १,८१,१९५ | ३७,८०९   | ४८,२८०   | ८६,०८९   | १,१५,८८९ | १,५१,३९५ | २,६७,२८४  |
|              | मधेश             | ४०,६०७   | ७५,५७४   | १,१६,१८१ | १७,१२४   | ३३,८७९   | ५१,००३   | ५७,७३१   | १,०९,४५३ | १,६७,१८४  |
|              | बागमती           | १,०६,२२५ | १,४३,७४८ | २,४९,९७३ | ६०,८१०   | ७९,२९४   | १,४०,१०४ | १,६७,०३५ | २,२३,०४२ | ३,९०,०७७  |
|              | गण्डकी           | ३२,९४०   | ४५,५६४   | ७८,५०४   | १६,८९७   | २२,५८६   | ३९,४८३   | ४९,८३७   | ६८,१५०   | १,१७,९८७  |
|              | लुम्बिनी         | ६५,७१२   | १,००,५९५ | १,६६,३०७ | ३०,३१७   | ४४,९१३   | ७५,२३०   | ९६,०२९   | १,४५,५०८ | २,४१,५३७  |
|              | कर्णाली          | ९,४७७    | १४,३१४   | २३,७९१   | ३,७३१    | ५,५७५    | ९,३०६    | १३,२०८   | १९,८८९   | ३३,०९७    |
|              | सुदूर-<br>पश्चिम | २९,५८०   | ४८,४३८   | ७८,०१८   | १२,४४३   | २१,८०६   | ३४,२४९   | ४२,०२३   | ७०,२४४   | १,१२,२६७  |
|              | जम्मा            | ३,६२,६२१ | ५,३१,३४८ | ८,९३,९६९ | १,७९,१३१ | २,५६,३३३ | ४,३५,४६४ | ५,४१,७५२ | ७,८७,६८१ | १३,२९,४३३ |

तालिका ९.१०: कक्षा तहको (९-१२) आधारमा विद्यार्थी भर्ना (सन् २०२०-२०२१)

| विद्यालयको प्रकार | प्रदेश       | ९-१०     |          |           | ११-१२    |          |          | ९-१२     |          |           |
|-------------------|--------------|----------|----------|-----------|----------|----------|----------|----------|----------|-----------|
|                   |              | छात्रा   | छात्र    | जम्मा     | छात्रा   | छात्र    | जम्मा    | छात्रा   | छात्र    | जम्मा     |
| जम्मा             | कोशी         | ९४,८९३   | ९०,९९२   | १,८५,८८५  | ८२,६१४   | ६८,८४५   | १,५१,४५९ | १,७७,५०७ | १,५९,८३७ | ३३७,३४४   |
|                   | मधेश         | ८०,८७९   | ९१,७८९   | १,७२,६६८  | ३७,५७७   | ३६,७५५   | ७४,३३२   | १,१८,४५६ | १,२८,५४४ | २४७,०००   |
|                   | बागमती       | १,१०,६४२ | १,१२,७१५ | २,२३,३५७  | ७१,५९२   | ६३,४३६   | १,३५,०२८ | १,८२,२३४ | १,७६,१५१ | ३५८,३८५   |
|                   | गण्डकी       | ४९,१९७   | ४८,५०४   | ९७,७०१    | ३७,८०४   | ३३,४२३   | ७१,२२७   | ८७,००१   | ८१,९२७   | १६८,९२८   |
|                   | लुम्बिनी     | ९०,०६०   | ८९,२०२   | १,७९,२६२  | ६१,६१९   | ५६,२६४   | १,१७,८८३ | १,५१,६७९ | १,४५,४६६ | २९७,१४५   |
|                   | कर्णाली      | ४४,२१४   | ४१,३४१   | ८५,५५५    | २८,६५३   | २४,९१७   | ५३,५७०   | ७२,८६७   | ६६,२५८   | १३९,१२५   |
|                   | सुदूर-पश्चिम | ६२,३६४   | ५८,०२३   | १,२०,३८७  | ४३,१६०   | ३३,५६२   | ७६,७२२   | १,०५,५२४ | ९१,५८५   | १९७,१०९   |
|                   | जम्मा        | ५,३२,२४९ | ५,३२,५६६ | १०,६४,८१५ | ३,६३,०१९ | ३,१७,२०२ | ६,८०,२२१ | ८,९५,२६८ | ८,४९,७६८ | १,७४५,०३६ |
| सामुदायिक         | कोशी         | ७६,४०१   | ६५,३९८   | १,४१,७९९  | ५६,११९   | ४३,१४५   | ९९,२६४   | १,३२,५२० | १,०८,५४३ | २४१,०६३   |
|                   | मधेश         | ७३,३९१   | ७६,६८३   | १,५०,०७४  | ३२,२१४   | ३०,८७७   | ६३,०९१   | १,०५,६०५ | १,०७,५६० | २१३,१६५   |
|                   | बागमती       | ७५,९१६   | ६४,२०८   | १,४०,१२४  | ४४,८५०   | ३५,१११   | ७९,९६१   | १,२०,७६६ | ९९,३१९   | २२०,०८५   |
|                   | गण्डकी       | ४१,०२९   | ३६,३२५   | ७७,३५४    | २८,१०७   | २३,६५९   | ५१,७६६   | ६९,१३६   | ५९,९८४   | १२९,१२०   |
|                   | लुम्बिनी     | ७५,७४५   | ६६,५१३   | १,४२,२५८  | ४४,७७४   | ३७,०९१   | ८१,८६५   | १,२०,५१९ | १,०३,६०४ | २२४,१२३   |
|                   | कर्णाली      | ४२,७३९   | ३८,९८०   | ८१,७१९    | २६,९९३   | २३,०७३   | ५०,०६६   | ६९,७३२   | ६२,०५३   | १३१,७८५   |
|                   | सुदूर-पश्चिम | ५७,३७९   | ४८,५०१   | १,०५,८८०  | ३४,८३१   | २६,२७१   | ६१,१०२   | ९२,२१०   | ७४,७७२   | १६६,९८२   |
|                   | जम्मा        | ४,४२,६०० | ३,९६,६०८ | ८,३९,२०८  | २,६७,८८८ | २,१९,२२७ | ४,८७,११५ | ७,१०,४८८ | ६,१५,८३५ | १,३२६,३२३ |



|          |              |        |          |          |        |        |          |          |          |          |
|----------|--------------|--------|----------|----------|--------|--------|----------|----------|----------|----------|
| संस्थागत | कोशी         | १८,४९२ | २५,५९४   | ४४,०८६   | २६,४९५ | २५,७०० | ५२,१९५   | ४४,९८७   | ५१,२९४   | ९६,२८१   |
|          | मधेश         | ७,४८८  | १५,१०६   | २२,५९४   | ५,३६३  | ५,८७८  | ११,२४१   | १२,८५१   | २०,९८४   | ३३८३५    |
|          | बागमती       | ३४,७२६ | ४८,५०७   | ८३,२३३   | २६,७४२ | २८,३२५ | ५५,०६७   | ६१,४६८   | ७६,८३२   | १,३८३००  |
|          | गण्डकी       | ८,१६८  | १२,१७९   | २०,३४७   | ९,६९७  | ९,७६४  | १९,४६१   | १७,८६५   | २१,९४३   | ३९८०८    |
|          | लुम्बिनी     | १४,३१५ | २२,६८९   | ३७,००४   | १६,८४५ | १९,१७३ | ३६,०१८   | ३१,१६०   | ४१,८६२   | ७३०२२    |
|          | कर्णाली      | १,४७५  | २,३६१    | ३,८३६    | १,६६०  | १,८४४  | ३,५०४    | ३,१३५    | ४,२०५    | ७३४०     |
|          | सुदूर-पश्चिम | ४,९८५  | ९,५२२    | १४,५०७   | ८,३२९  | ७,२९१  | १५,६२०   | १३,३१४   | १६,८१३   | ३०१२७    |
|          | जम्मा        | ८९,६४९ | १,३५,९५८ | २,२५,६०७ | ९५,१३१ | ९७,९७५ | १,९३,१०६ | १,८४,७८० | २,३३,९३३ | ४,१८,७१३ |

## ९.५ : मधेश प्रदेशमा उच्च शिक्षा

मधेश प्रदेशमा १२३ वटा क्याम्पसहरू रहेका छन् । तीमध्ये आंगिक क्याम्पस ९, सामुदायिक ४१ र निजी ७३ वटा रहेका छन् ।

| तालिका ९.११: प्रदेश स्तरमा क्याम्पसहरूको विवरण |              |       |         |
|------------------------------------------------|--------------|-------|---------|
| क्र.सं.                                        | प्रदेश       | जम्मा | प्रतिशत |
| १                                              | बागमती       | ६२८   | ४३.६१   |
| २                                              | गण्डकी       | १५२   | १०.५६   |
| ३                                              | कर्णाली      | ५६    | ३.८९    |
| ४                                              | लुम्बिनी     | १८८   | १३.०६   |
| ५                                              | मधेश         | १२३   | ८.५४    |
| ६                                              | कोशी         | १९८   | १३.७५   |
| ७                                              | सुदूर-पश्चिम | ९५    | ६.६०    |

| तालिका ९.१२: स्वामित्वका आधारमा प्रदेश स्तरमा क्याम्पसहरूको विवरण |      |      |        |        |          |         |              |       |
|-------------------------------------------------------------------|------|------|--------|--------|----------|---------|--------------|-------|
| स्वामित्व                                                         | कोशी | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूर-पश्चिम | जम्मा |
| आंगिक                                                             | २५   | ९    | ४६     | १७     | १९       | १३      | २१           | १५०   |
| सामुदायिक                                                         | ८१   | ४१   | १७०    | ८३     | ८८       | २५      | ४९           | ५३७   |
| निजी                                                              | ९२   | ७३   | ४१२    | ५२     | ८१       | १८      | २५           | ७५३   |
| जम्मा                                                             | १९८  | १२३  | ६२८    | १५२    | १८८      | ५६      | ९५           | १,४४० |

तालिका ९.१३ मा देखाए अनुसार, मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै त्रिभुवन विश्वविद्यालयबाट सम्बन्धन लिएका क्याम्पस संचालनमा छन् । पोखरा विश्वविद्यालयबाट सम्बन्धन लिएका १८ वटा क्याम्पस संचालनमा छन् । नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालयबाट ३, कृषि वन विश्वविद्यालयबाट एउटा र राजर्षि जनक विश्वविद्यालयबाट एउटा क्याम्पस सम्बन्धन लिएर संचालनमा रहेका छन् ।

| तालिका ९.१३: विश्वविद्यालय स्तरमा क्याम्पसहरूको प्रदेशगत विवरण |      |      |        |        |          |         |              |       |
|----------------------------------------------------------------|------|------|--------|--------|----------|---------|--------------|-------|
| विश्वविद्यालय/ प्रदेश                                          | कोशी | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूर-पश्चिम | जम्मा |
| KU                                                             | २    | ०    | १८     | १      | ३        | ०       | ०            | २४    |
| KAHS                                                           | ०    | ०    | ०      | ०      | ०        | १       | ०            | १     |
| LBU                                                            | ०    | ०    | ८      | ०      | ४        | ०       | ०            | १२    |
| PoKu                                                           | १    | ०    | ३९     | १२     | ११       | ०       | ४            | ६७    |
| PU                                                             | २७   | १८   | ६३     | ५      | ५        | ०       | ०            | ११८   |
| TU                                                             | १६२  | १००  | ४८७    | १२५    | १५३      | ४४      | ७३           | १,१४४ |
| MWU                                                            | ०    | ०    | १      | ०      | ३        | ९       | ०            | १३    |
| PAHS                                                           | ०    | ०    | १      | ०      | ०        | ०       | ०            | १     |
| FWU                                                            | ०    | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | १६           | १६    |
| BPKIHS                                                         | १    | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | ०            | १     |
| NSU                                                            | २    | ३    | ४      | ५      | ५        | ०       | १            | २०    |
| AFU                                                            | ३    | १    | ४      | २      | ४        | २       | १            | १७    |
| NAMS                                                           | ०    | ०    | २      | ०      | ०        | ०       | ०            | २     |
| NOU                                                            | ०    | ०    | १      | ०      | ०        | ०       | ०            | १     |
| RJU                                                            | ०    | १    | ०      | ०      | ०        | ०       | ०            | १     |
| PokAHS                                                         | ०    | ०    | ०      | १      | ०        | ०       | ०            | १     |
| GU                                                             | ०    | ०    | ०      | १      | ०        | ०       | ०            | १     |
| Total                                                          | १९८  | १२३  | ६२८    | १५२    | १८८      | ५६      | ९५           | १४४०  |

मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै व्यवस्थापन र शिक्षा संकायमा पढाइ हुने क्याम्पसहरू रहेका छन् । व्यवस्थापनका ७१, शिक्षाका ६८, मानविकी र समाजशास्त्रका २३, विज्ञान तथा प्रविधिका ११, स्वास्थ्य विज्ञानका ८, कानूनका २, संस्कृतका २, र कृषि, आयुर्वेद र इन्जिनियरिङका एक-एक क्याम्पस संचालनमा छन् ।

| तालिका ९.१४: विभिन्न विषयहरूको आधारमा क्याम्पसहरूको प्रदेशगत विवरण |      |      |        |        |          |         |              |       |
|--------------------------------------------------------------------|------|------|--------|--------|----------|---------|--------------|-------|
| विषयहरू                                                            | कोशी | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूर-पश्चिम | जम्मा |
| कृषि                                                               | ५    | १    | ५      | २      | ७        | ३       | २            | २५    |
| पशुपालन आदि                                                        | ०    | ०    | ३      | ०      | ०        | ०       | ०            | ३     |
| आयुर्वेद                                                           | ०    | १    | १      | ०      | २        | ०       | ०            | ४     |
| वन                                                                 | ०    | ०    | ४      | १      | ०        | ०       | ०            | ५     |
| स्वास्थ्य विज्ञान                                                  | १०   | ८    | ४६     | १०     | ९        | १       | ०            | ८४    |
| इन्जिनियरिङ                                                        | २    | १    | २२     | ५      | ३        | १       | २            | ३६    |
| विज्ञान तथा प्रविधि                                                | १५   | ११   | ४४     | ५      | ९        | १       | ६            | ९१    |
| मानविकी र समाज शास्त्र                                             | ४५   | २३   | १९७    | २७     | ४३       | ९       | ३०           | ३७४   |
| व्यवस्थापन                                                         | ११७  | ७१   | ३८९    | १००    | १२१      | २०      | ६३           | ८८१   |
| शिक्षा                                                             | ९३   | ६८   | १३९    | ७०     | ९०       | ३७      | ६६           | ५६३   |
| कानून                                                              | ३    | २    | ५      | २      | ४        | १       | ०            | १७    |
| बौद्ध                                                              | ०    | ०    | ६      | ०      | १        | ०       | ०            | ७     |
| संस्कृत                                                            | २    | २    | २      | ५      | ४        | ०       | १            | १६    |

मधेश प्रदेशमा एसईई उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ७.६१ प्रतिशत छ । प्लस टु उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ९.७४ प्रतिशत, स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या ३.३१ प्रतिशत छन् । स्नातकोत्तर सो भन्दा माथि उत्तीर्ण विद्यार्थीको संख्या १.३९ प्रतिशत रहेको छ ।

| तालिका ९.१५: मधेश प्रदेशका जिल्लाहरूमा प्राथमिक, एसएलसी/एसईई, प्रमाणपत्र तह (प्लस २), स्नातक, र स्नातकोत्तर शिक्षा हासिल गरेको जनसंख्या (५ वर्ष वा सो भन्दा माथि उमेर समूहको) |       |                |          |           |             |           |                      |           |        |           |             |                 |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|----------------|----------|-----------|-------------|-----------|----------------------|-----------|--------|-----------|-------------|-----------------|
| प्रदेश                                                                                                                                                                        | लिंग  | जम्मा जनसंख्या | प्राथमिक | प्रतिशतमा | एसएलसी/एसईई | प्रतिशतमा | प्रमाणपत्र वा प्लस २ | प्रतिशतमा | स्नातक | प्रतिशतमा | स्नातकोत्तर | स्नातकोत्तर (%) |
| सप्तरी                                                                                                                                                                        | जम्मा | ४,३३,६१२       | २२,८४०   | ५.२७      | ४३,७२१      | १०.०८     | ४६,७७०               | १०.७९     | १८,१०३ | ४.१७      | ६,५११       | १.५०            |
|                                                                                                                                                                               | पुरुष | २,४६,९५२       | १२,६८५   | ५.१४      | २६,१२०      | १०.५८     | २७,९१७               | ११.३०     | १२,२७६ | ४.९७      | ५,०१०       | २.०३            |
|                                                                                                                                                                               | महिला | १,८६,६६०       | १०,१५५   | ५.४४      | १७,६०१      | ९.४३      | १८,८५३               | १०.१०     | ५,८२७  | ३.१२      | १,५०१       | ०.८०            |
| सिराहा                                                                                                                                                                        | जम्मा | ४,३१,७७०       | २९,८८८   | ६.९२      | ३८,८००      | ८.९९      | ४२,९९९               | ९.९६      | १४,७७४ | ३.४२      | ६,४९३       | १.५०            |
|                                                                                                                                                                               | पुरुष | २,४०,४०७       | १७,१०२   | ७.११      | २२,३२२      | ९.२९      | २५,३२३               | १०.५३     | १०,०६७ | ४.१९      | ५,०४७       | २.१०            |
|                                                                                                                                                                               | महिला | १,९१,३६३       | १२,७८६   | ६.६८      | १६,४७८      | ८.६१      | १७,६७६               | ९.२४      | ४,७०७  | २.४६      | १,४४६       | ०.७६            |
| धनुषा                                                                                                                                                                         | जम्मा | ५,०४,४२४       | ३४,०७२   | ६.७५      | ४१,३९२      | ८.२१      | ५१,९३४               | १०.३०     | २०,४०२ | ४.०४      | ८,४८०       | १.६८            |
|                                                                                                                                                                               | पुरुष | २,८१,२१७       | १९,३०२   | ६.८६      | २४,२३७      | ८.६२      | ३०,५२९               | १०.८६     | १४,०५४ | ५.००      | ६,५८४       | २.३४            |
|                                                                                                                                                                               | महिला | २,२३,२०७       | १४,७७०   | ६.६२      | १७,१५५      | ७.६९      | २१,४०५               | ९.५९      | ६,३४८  | २.८४      | १,८९६       | ०.८५            |
| महोत्तरी                                                                                                                                                                      | जम्मा | ३,७९,५०८       | २५,४०२   | ६.६९      | २९,३०८      | ७.७२      | ३६,६५४               | ९.६६      | ११,३०० | २.९८      | ४,५५६       | १.२०            |
|                                                                                                                                                                               | पुरुष | २,१२,२८२       | १३,८५४   | ६.५३      | १७,३८९      | ८.१९      | २१,८४९               | १०.२९     | ७,६४५  | ३.६०      | ३,४९५       | १.६५            |
|                                                                                                                                                                               | महिला | १,६७,२२६       | ११,५४८   | ६.९१      | ११,९१९      | ७.१३      | १४,८०५               | ८.८५      | ३,६५५  | २.१९      | १,०६१       | ०.६३            |
| सर्लाही                                                                                                                                                                       | जम्मा | ४,६५,९५३       | २८,४८९   | ६.११      | ३३,०२५      | ७.०९      | ५०,४७२               | १०.८३     | १३,२५८ | २.८५      | ५,८३९       | १.२५            |
|                                                                                                                                                                               | पुरुष | २,६४,७७३       | १५,८१७   | ५.९७      | १९,३४९      | ७.३१      | २९,०८१               | १०.९८     | ८,६६२  | ३.२७      | ४,३०८       | १.६३            |
|                                                                                                                                                                               | महिला | २,०१,१८०       | १२,६७२   | ६.३०      | १३,६७६      | ६.८०      | २१,३९१               | १०.६३     | ४,५९६  | २.२८      | १,५३१       | ०.७६            |

|       |       |          |        |      |        |      |        |      |        |      |       |      |
|-------|-------|----------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|-------|------|
| रौतहट | जम्मा | ४,१५,४९५ | २८,४७९ | ६.८५ | २६,३८८ | ६.३५ | ३६,६०२ | ८.८१ | १०,४०६ | २.५० | ४,१५६ | १.०० |
|       | पुरुष | २,३७,५३८ | १५,१८२ | ६.३९ | १६,२५९ | ६.८४ | २२,४७६ | ९.४६ | ७,१४५  | ३.०१ | ३,२०२ | १.३५ |
|       | महिला | १,७७,९५७ | १३,२९७ | ७.४७ | १०,१२९ | ५.६९ | १४,१२६ | ७.९४ | ३,२६१  | १.८३ | ९५४   | ०.५४ |
| बारा  | जम्मा | ४,४३,२५९ | २७,०२६ | ६.१० | २८,९५४ | ६.५३ | ३८,५१६ | ८.६९ | १०,९७९ | २.४८ | ४,९५८ | १.१२ |
|       | पुरुष | २,५५,५७५ | १४,५६५ | ५.७० | १७,४९० | ६.८४ | २२,९०० | ८.९६ | ७,१५४  | २.८० | ३,६१९ | १.४२ |
|       | महिला | १,८७,६८४ | १२,४६१ | ६.६४ | ११,४६४ | ६.११ | १५,६१६ | ८.३२ | ३,८२५  | २.०४ | १,३३९ | ०.७१ |
| पर्सा | जम्मा | ४,११,११९ | २४,४७९ | ५.९५ | २३,६९१ | ५.७६ | ३५,८३३ | ८.७२ | १६,१८३ | ३.९४ | ७,६७२ | १.८७ |
|       | पुरुष | २,३८,२४६ | १३,३१२ | ५.५९ | १४,११४ | ५.९२ | २१,५६८ | ९.०५ | १०,९८६ | ४.६१ | ५,७०० | २.३९ |
|       | महिला | १,७२,८७३ | ११,१६७ | ६.४६ | ९,५७७  | ५.५४ | १४,२६५ | ८.२५ | ५,१९७  | ३.०१ | १,९७२ | १.१४ |

## ९.६ प्राविधिक शिक्षा

मधेश प्रदेशका ९१ वटा सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रम संचालनमा छन् । तीमध्ये प्रि-डिप्लोमा ३५ र डिप्लोमाका ८२ वटा कार्यक्रम संचालनमा छन् । मधेश प्रदेशमा ९-१२ प्राविधिक शिक्षा धारका ७७ वटा विद्यालय रहेका छन् ।

| तालिका ९.१६: प्रदेश तहमा प्राविधिक शिक्षा (९-१२) को विवरण               |                      |
|-------------------------------------------------------------------------|----------------------|
| प्रदेश                                                                  | प्राविधिक धार (९-१२) |
| कोशी प्रदेश                                                             | ८३                   |
| मधेश प्रदेश                                                             | ७७                   |
| बागमती प्रदेश                                                           | ७२                   |
| गण्डकी प्रदेश                                                           | ४२                   |
| लुम्बिनी प्रदेश                                                         | ९२                   |
| कर्णाली प्रदेश                                                          | २७                   |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                     | ४१                   |
| जम्मा                                                                   | ४३४                  |
| स्रोत: प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा र सीप विकास (तथ्यगत विवरण), २०७६ |                      |

| तालिका ९.१७: सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रम (टेक्स) को विवरण |                     |                 |                           |          |                 |
|-------------------------------------------------------------------------------|---------------------|-----------------|---------------------------|----------|-----------------|
| क्र.सं.                                                                       | प्रदेश              | विद्यालय संख्या | सञ्चालित कार्यक्रम संख्या |          | जम्मा कार्यक्रम |
|                                                                               |                     |                 | प्रि-डिप्लोमा             | डिप्लोमा |                 |
| १                                                                             | कोशी प्रदेश         | ४४              | ३३                        | ३६       | ६९              |
| २                                                                             | मधेश प्रदेश         | ९१              | ३५                        | ८२       | ११७             |
| ३                                                                             | बागमती प्रदेश       | ११७             | ६९                        | ८८       | १५७             |
| ४                                                                             | गण्डकी प्रदेश       | ५९              | ३९                        | ३८       | ७७              |
| ५                                                                             | लुम्बिनी प्रदेश     | ८८              | ६४                        | ८३       | १४७             |
| ६                                                                             | कर्णाली प्रदेश      | १०७             | ६९                        | ७९       | १४८             |
| ७                                                                             | सुदूर-पश्चिम प्रदेश | १३०             | १०५                       | ७६       | १८१             |
| जम्मा                                                                         |                     | ६३६             | ४१४                       | ४८२      | ८९६             |

मधेश प्रदेशमा निजी सम्बन्धनबाट स्वीकृती प्राप्त गरेका शिक्षण संस्थाको संख्या ५५ वटा रहेका छन् । जसमा ३९ वटा प्रि-डिप्लोमा र ६५ वटा डिप्लोमा कार्यक्रम संचालनमा छन् । त्यसै गरी, यहाँ ११८ वटा छोटो अवधिका तालिम दिने निजी संस्था रहेका छन् ।

| तालिका ९.१८: निजी सम्बन्धन स्वीकृति प्राप्त शिक्षण संस्था र कार्यक्रम |                     |                      |               |          |                 |
|-----------------------------------------------------------------------|---------------------|----------------------|---------------|----------|-----------------|
| क्र.सं.                                                               | प्रदेश              | शिक्षण संस्था संख्या | कार्यक्रम     |          | जम्मा कार्यक्रम |
|                                                                       |                     |                      | प्रि-डिप्लोमा | डिप्लोमा |                 |
| १                                                                     | कोशी प्रदेश         | ५४                   | ३९            | ७२       | १११             |
| २                                                                     | मधेश प्रदेश         | ५५                   | ३९            | ६५       | १०४             |
| ३                                                                     | बागमती प्रदेश       | १४५                  | ७१            | २०५      | २७६             |
| ४                                                                     | गण्डकी प्रदेश       | ३५                   | २८            | ३०       | ५८              |
| ५                                                                     | लुम्बिनी प्रदेश     | ८४                   | ४९            | ७८       | १२७             |
| ६                                                                     | कर्णाली प्रदेश      | १८                   | ३३            | ७        | ४०              |
| ७                                                                     | सुदूर-पश्चिम प्रदेश | ३१                   | ३१            | २०       | ५१              |
| जम्मा                                                                 |                     | ४२२                  | २९०           | ४७७      | ७६७             |

| तालिका ९.१९: सम्बन्धन प्राप्त छोटो अवधिका तालिम प्रदायक निजी संस्थाहरू |                     |               |
|------------------------------------------------------------------------|---------------------|---------------|
| क्र.सं.                                                                | प्रदेश              | संस्था संख्या |
| १                                                                      | कोशी प्रदेश         | १८९           |
| २                                                                      | मधेश प्रदेश         | ११८           |
| ३                                                                      | बागमती प्रदेश       | ७३३           |
| ४                                                                      | गण्डकी प्रदेश       | ९९            |
| ५                                                                      | लुम्बिनी प्रदेश     | २३०           |
| ६                                                                      | कर्णाली प्रदेश      | ६७            |
| ७                                                                      | सुदूर-पश्चिम प्रदेश | १२४           |
| जम्मा                                                                  |                     | १५६०          |

### ९.७ मधेश प्रदेशमा स्वास्थ्य सेवा

केन्द्रीय तथ्यांक विभागको सन् २०२१ को प्रतिवेदन अनुसार मधेश प्रदेशमा १५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहका महिलामध्ये २ हजार ३६१ जना महिलाको मृत्यु भएको देखिन्छ । मृतकमध्ये १४६ जना गर्भवती थिए । तथ्यांक अनुसार १ लाख जन्मेका बच्चामा १५१ जनाको मृत्यु भएको छ ।



| तालिका ९.२०: मातृ मृत्यु दरको प्रदेशगत विवरण |                                               |                      |                                 |                                                             |                                               |
|----------------------------------------------|-----------------------------------------------|----------------------|---------------------------------|-------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------|
| प्रदेश                                       | प्रजनन् उमेर (१५-४९) का महिलाको मृत्यु संख्या | जीवित जन्मको संख्या* | गर्भावस्थामा मातृ मृत्यु संख्या | गर्भावस्थसँग सम्बन्धित प्रजनन् उमेरको मातृ मृत्यु (प्रतिशत) | प्रति १ लाख जीवित जन्ममा मातृ मृत्युको अनुपात |
| कोशी                                         | २,६१९                                         | ६४,१९०               | १०४                             | ४                                                           | १६२                                           |
| मधेश                                         | २,३६१                                         | ९६,५५७               | १४६                             | ६                                                           | १५१                                           |
| बागमती                                       | २,४१३                                         | ७०,३८०               | ७२                              | ३                                                           | १०२                                           |
| गण्डकी                                       | १,०८३                                         | २७,९४०               | ४६                              | ४                                                           | १६५                                           |
| लुम्बिनी                                     | २,६१३                                         | ७६,२४३               | १६२                             | ६                                                           | २१२                                           |
| कर्णाली                                      | ६५७                                           | ३१,३२३               | ५९                              | ९                                                           | १८८                                           |
| सुदूर-पश्चिम                                 | १,२३०                                         | ४६,३०२               | ६४                              | ५                                                           | १३८                                           |
| नेपाल                                        | १२,९७६                                        | ४१२,९३५              | ६५३                             | ५                                                           | १५८                                           |

स्रोत: A Report on Maternal Mortality, 2021, CBS

सबैभन्दा धेरै ६७.९ प्रसवोत्तर अवस्थामा महिलाको मृत्यु हुने गरेको पाइएको छ । त्यसै गरी, गर्भावस्थामा २७.६ प्रतिशत र बच्चा डेलिभरीमा ४.५ प्रतिशत महिलाको मृत्यु भएको तथ्यांक छ ।

| तालिका ९.२१: मातृ मृत्युको पृष्ठभूमि/ कारणहरू |            |      |         |      |                         |      |     |     |      |
|-----------------------------------------------|------------|------|---------|------|-------------------------|------|-----|-----|------|
| प्रदेश                                        | गर्भावस्था |      | डेलिभरी |      | प्रसवोत्तर (Postpartum) |      | कुल | कुल |      |
|                                               | सं.        | %    | सं.     | %    | सं.                     | %    | %   | सं. | %    |
| कोशी                                          | ३०         | ३०.३ | १२      | १२.१ | ५७                      | ५७.६ | १०० | ९९  | १६.२ |
| मधेश                                          | ३७         | २७.६ | ६       | ४.५  | ९१                      | ६७.९ | १०० | १३४ | २१.९ |
| बागमती                                        | २४         | ३५.८ | १       | १.५  | ४२                      | ६२.७ | १०० | ६७  | ११   |
| गण्डकी                                        | १३         | ३०.२ | १       | २.३  | २९                      | ६७.४ | १०० | ४३  | ७    |
| लुम्बिनी                                      | ५०         | ३२.५ | ६       | ३.९  | ९८                      | ६३.६ | १०० | १५४ | २५.२ |
| कर्णाली                                       | २०         | ३७   | ७       | १३   | २७                      | ५०   | १०० | ५४  | ८.८  |
| सुदूर-पश्चिम                                  | २५         | ४१.७ | ३       | ५    | ३२                      | ५३.३ | १०० | ६०  | ९.८  |

मधेश प्रदेशमा उमेर अनुसार उचाइ नपुगेको बालबालिकाको संख्या ६८७ रहेको पाइएको छ । उचाइ अनुसार तौल नपुगेको बालबालिकाको संख्या पनि यहीँ संख्यामा छ । त्यसै गरी, उमेर अनुसार तौल नपुगेको बालबालिकाको संख्या ६९१ जना रहेका छन् ।

| तालिका ९.२२: बालबालिकाको कुपोषण अवस्था |                    |                    |                    |
|----------------------------------------|--------------------|--------------------|--------------------|
|                                        | उमेरको लागि उचाइ   | उचाइको लागि वजन    | उमेरको लागि वजन    |
| पृष्ठभूमि विशेषताहरू                   | बालबालिकाको संख्या | बालबालिकाको संख्या | बालबालिकाको संख्या |
| कोशी                                   | ४८१                | ४८०                | ४८७                |
| मधेश                                   | ६८७                | ६८७                | ६९१                |
| बागमती                                 | ४१७                | ४१७                | ४२०                |
| गण्डकी                                 | १८२                | १८२                | १८२                |
| लुम्बिनी                               | ४३५                | ४३१                | ४३५                |
| कर्णाली                                | १९५                | १९५                | १९५                |
| सुदूर-पश्चिम                           | २३३                | २३६                | २३३                |

प्रदेशगत रूपमा बालबालिकामा हल्का र मध्यम खालको रक्तअल्पता (एनीमिया) को दर मधेश प्रदेशमा सबभन्दा बढी छ । तालिका ९.२३ अनुसार, मधेश प्रदेशमा नमुना लिइएका मध्ये आधा (५०.६%) मा, अर्थात् ६९९ जनामा, रक्तअल्पता देखिएको छ । रक्तअल्पता सबभन्दा कम गण्डकी प्रदेशमा (३०.७%) रहेको छ ।

| तालिका ९.२३: प्रदेश तहमा हेमोग्लोबिन अनुसार रक्तअल्पता (एनीमिया) को स्थिति                       |                    |                         |                       |                     |                     |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|-------------------------|-----------------------|---------------------|---------------------|
| प्रदेश                                                                                           | जम्मा (<11.0g/ dl) | हल्का (10.0-10.9 g/ dl) | मध्यम (7.0-9.9 g/ dl) | गम्भीर (<7.0 g/ dl) | बालबालिकाको संख्या* |
| कोशी                                                                                             | ३३.९               | १९.९                    | १४.०                  | ०                   | ४२२                 |
| मधेश                                                                                             | ५०.६               | २८.०                    | २१.९                  | ०.६                 | ६९९                 |
| बागमती                                                                                           | ४२.५               | २३.८                    | १८.६                  | ०                   | ३५९                 |
| गण्डकी                                                                                           | ३०.७               | १९.६                    | ११.१                  | ०                   | १६८                 |
| लुम्बिनी                                                                                         | ४८.९               | २७.७                    | २०.४                  | ०.८                 | ३९२                 |
| कर्णाली                                                                                          | ३९.८               | २५.०                    | १४.५                  | ०.३                 | १७९                 |
| सुदूर-पश्चिम                                                                                     | ४५.४               | २३.७                    | २०.२                  | १.६                 | २०४                 |
| *६-५९ महिना उमेरका बालबालिकाको प्रतिशतलाई एनीमियाको आधारमा वर्गीकरण गरिएको छ<br>स्रोत: NDHS 2022 |                    |                         |                       |                     |                     |

प्रदेशगत रूपमा मृत जन्म र नवजात शिशुको मृत्यु (०-२७ दिनसम्म मृत्यु) को तथ्यांक नेपाल जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण २०१६ को मात्र उपलब्ध छ । तालिका ९.२४ मा देखाइए अनुसार मधेश प्रदेशमै यी दरहरू सबभन्दा बढी छन् । मधेश प्रदेशमा सबभन्दा बढी मृत जन्म दर २९.२% र नवजात शिशुको मृत्यु दर ३०.६ रहेको छ भने, सबभन्दा कम गण्डकी प्रदेशमा क्रमशः ६.५ र ४.१ रहेको छ ।

| तालिका ९.२४: मृत जन्म र नवजात मृत्युको प्रतिशत वितरण |                       |                                                   |
|------------------------------------------------------|-----------------------|---------------------------------------------------|
| प्रदेश                                               | मृत जन्म (Stillbirth) | नवजात मृत्यु (Neonatal death)<br>(०-२७ दिन सम्म ) |
| कोशी                                                 | १७.७                  | १५.३                                              |
| मधेश                                                 | २९.२                  | ३०.६                                              |
| बागमती                                               | १६.१                  | ७.८                                               |
| गण्डकी                                               | ६.५                   | ४.१                                               |
| लुम्बिनी                                             | १५.३                  | १८.६                                              |
| कर्णाली                                              | ७.१                   | ९.८                                               |
| सुदूर-पश्चिम                                         | ८.०                   | १४.०                                              |
| स्रोत: NDHS 2016                                     |                       |                                                   |

## परिच्छेद १०: सुशासन, लैंगिक उत्तरदायित्व, र जलवायु परिवर्तन

### १०.१ सुशासनको अवस्था

सुशासन राष्ट्रिय एजेन्डा हो। सुशासन मधेश प्रदेशको पनि प्राथमिक एजेन्डा हो। सेवाग्राही जनतालाई चुस्त-दुरुस्त सेवा उपलब्ध गराउन मधेश प्रदेशमा विभिन्न प्रदेश-स्तरीय संरचनाहरू स्थापना गरिएका छन्। मधेश प्रदेशमा प्रदेश सभा व्यवस्थापिका, मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय सहित १२ मन्त्रालय, प्रदेश लोकसेवा आयोग, प्रदेश नीति तथा योजना आयोग लगायतका संरचनाहरू स्थापना भएका छन्।

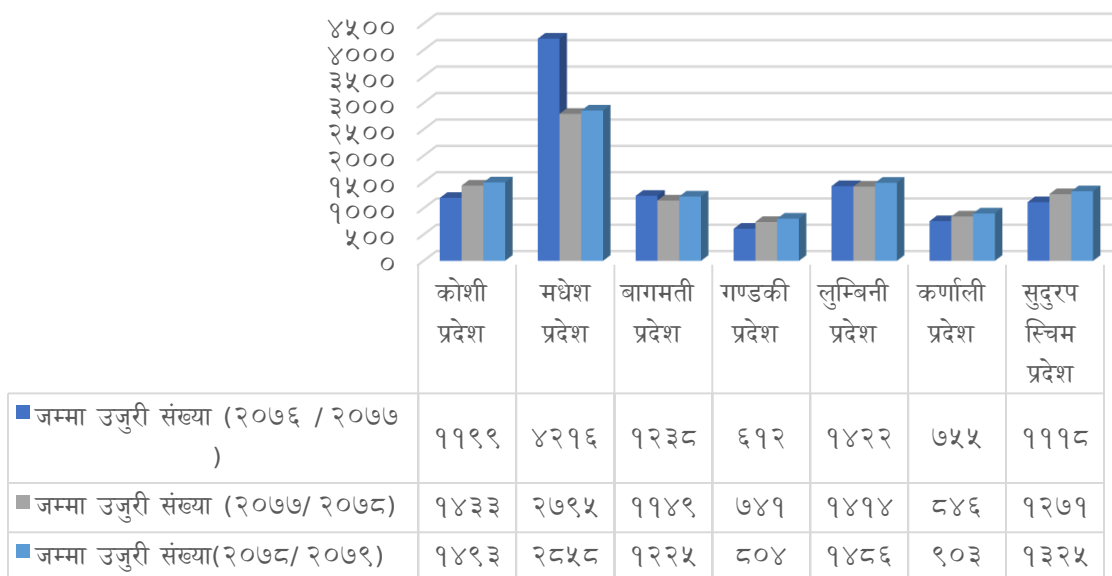
सुशासनको लागि संस्थागत संरचनाका साथै नीतिगत व्यवस्था पनि अनिवार्य हुन्छ। यसका लागि आवश्यक कानून निर्माण पहिलो आधार हो। मधेश प्रदेश सरकार अन्तर्गतको सार्वजनिक प्रशासनलाई पारदर्शी, जवाफदेही, सहभागितामूलक तथा नागरिकमैत्री बनाउन, विधिको शासन, भ्रष्टाचारमुक्त र चुस्त प्रशासन तथा सार्वजनिक स्रोतको कुशल व्यवस्थापनका माध्यमबाट मधेश प्रदेशमा सुशासनको प्रत्याभूति गर्न जनलोकपाल आयोग गठन गरिएको छ। प्रदेश स्थापना भएदेखि आर्थिक वर्ष २०७९/८० सम्ममा मधेश प्रदेश सभाले विकास, सुशासन र लोकतन्त्रको सुदृढीकरणको लागि ५६ वटा कानूनहरू निर्माण गरेको छ (हेर्नुहोस् परिशिष्ट १)।

### १०.१.१ अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको कार्यालयमा सातवटै प्रदेशमध्ये मधेश प्रदेशबाट सबैभन्दा धेरै उजुरी दर्ता हुने गरेको पाइएको छ। आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा २ हजार ८ सय ५८ वटा उजुरी परेको तथ्यांक छ। तीमध्ये ६९.५२ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको छ। त्यसअघि आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा अख्तियारमा २ हजार ७ सय ९५ वटा उजुरी दर्ता भएको थियो, जसमध्ये ६३.०४ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको तथ्यांकमा उल्लेख छ। आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा ४ हजार २ सय १६ वटा उजुरी दर्ता भएको थियो। तीमध्ये ६५.२८ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको थियो। आयोगको कार्यालयमा सबैभन्दा कम उजुरी भने गण्डकी प्रदेशबाट पर्ने गरेको देखिन्छ। आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा यस प्रदेशबाट ६ सय १२ उजुरी परेकोमा ६३.०७ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको थियो। २०७७/७८ मा भने ७ सय ४१ उजुरी दर्ता भएकोमा ६३.०२ प्रतिशत मुद्दा फछ्यौट भएको थियो। त्यसै गरी, आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा अख्तियारको कार्यालयमा ८ सय ४ वटा उजुरी दर्ता हुँदा ७२.२९ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको तथ्यांकमा उल्लेख छ।

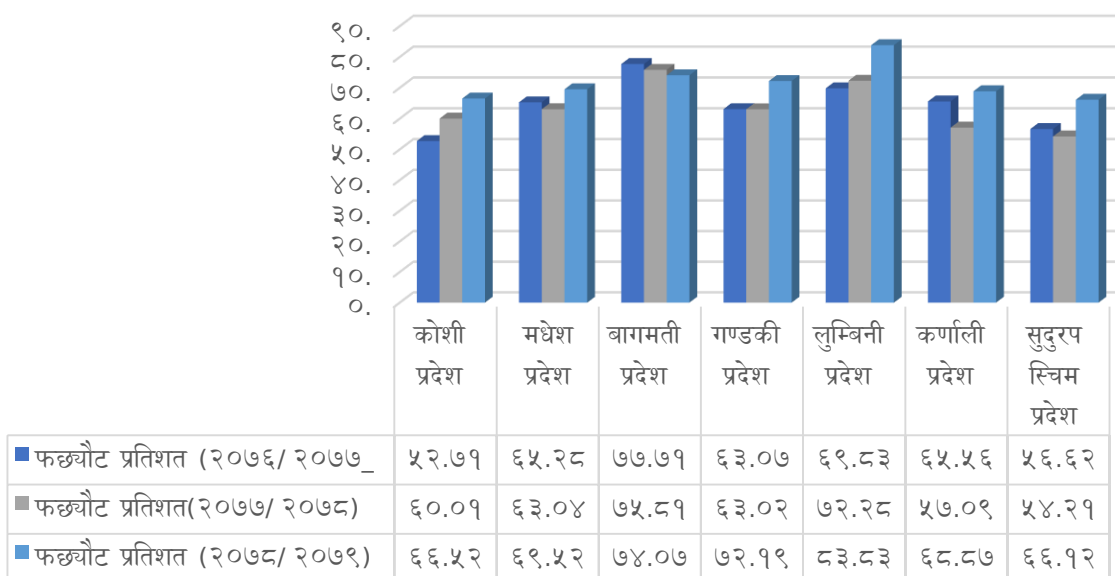
| तालिका १०.१: विगत तीन आ.व.मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरू तथा फछ्यौटको स्थानीय सरकार र मातहत निकायहरूको आधारमा प्रदेशगत विवरण |              |                              |                          |                              |                          |                              |                          |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------|------------------------------|--------------------------|------------------------------|--------------------------|------------------------------|--------------------------|
| क्र. स.                                                                                                                                                | प्रदेश       | २०७६/७७                      |                          | २०७७/७८                      |                          | २०७८/७९                      |                          |
|                                                                                                                                                        |              | जम्मा उजुरी संख्या (२०७६/७७) | फछ्यौट प्रतिशत (२०७६/७७) | जम्मा उजुरी संख्या (२०७७/७८) | फछ्यौट प्रतिशत (२०७७/७८) | जम्मा उजुरी संख्या (२०७८/७९) | फछ्यौट प्रतिशत (२०७८/७९) |
| १                                                                                                                                                      | कोशी         | १,१९९                        | ५२.७१                    | १,४३३                        | ६०.०१                    | १,४९३                        | ६६.५२                    |
| २                                                                                                                                                      | मधेश         | ४,२१६                        | ६५.२८                    | २,७९५                        | ६३.०४                    | २,८५८                        | ६९.५२                    |
| ३                                                                                                                                                      | बागमती       | १,२३८                        | ७७.७१                    | १,१४९                        | ७५.८१                    | १,२२५                        | ७४.०७                    |
| ४                                                                                                                                                      | गण्डकी       | ६१२                          | ६३.०७                    | ७४१                          | ६३.०२                    | ८०४                          | ७२.१९                    |
| ५                                                                                                                                                      | लुम्बिनी     | १,४२२                        | ६९.८३                    | १,४१४                        | ७२.२८                    | १,४८६                        | ८३.८३                    |
| ६                                                                                                                                                      | कर्णाली      | ७५५                          | ६५.५६                    | ८४६                          | ५७.०९                    | ९०३                          | ६८.८७                    |
| ७                                                                                                                                                      | सुदूर-पश्चिम | १,११८                        | ५६.६२                    | १,२७१                        | ५४.२१                    | १,३२५                        | ६६.१२                    |
| स्थानीय निकायको जम्मा                                                                                                                                  |              | १०,५६०                       | ६४.९                     | ९,६४९                        | ६३.७८                    | १०,०९४                       | ७१.६४                    |
| संघीय निकायको जम्मा                                                                                                                                    |              | १२,०२१                       | ७०.७१                    | ८,०३०                        | ७२.८४                    | ९,२९९                        | ७०.९३                    |
| प्रदेशका निकायको जम्मा                                                                                                                                 |              | २,५७१                        | ६२.१९                    | २,५४०                        | ५८.०३                    | २,७१६                        | ६५.९४                    |
| स्रोत : अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग                                                                                                               |              |                              |                          |                              |                          |                              |                          |

चार्ट १०.१: आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीको प्रदेशगत विवरण



स्रोत : अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

चार्ट १०.२: आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीको फछ्यौट विवरण (प्रतिशत)



अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको तथ्यांक अनुसार देशभरबाट परेको जम्मा उजुरी संख्यामध्ये स्थानीय तहका सबैभन्दा धेरै उजुरी दर्ता भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा जम्मा १० हजार ५ सय ६० वटा उजुरी दर्ता भएकोमा ६४.९ प्रतिशत उजुरी फछ्यौट भएको थियो । जसमा सबैभन्दा धेरै उजुरी मधेश प्रदेशबाट मात्र ४ हजार २ सय १६ वटा रहेका छन् । यस प्रदेशका योजना तथा कार्यक्रममा अनियमितता भएका २८१ वटा उजुरी परेको थियो । त्यसै गरी, मधेश प्रदेशमा संचालित संघका योजना तथा कार्यक्रममा अनियमितता भएको भन्दै १ हजार ५ सय ८ वटा उजुरी परेको हो । अख्तियारमा परेको जम्मा उजुरी संख्याको २८.५३ प्रतिशत उजुरी मधेश प्रदेशबाटै परेको थियो । यसपछि बागमती प्रदेशबाट उजुरी परेको थियो । संघका ३ हजार ३ सय ७७, प्रदेशका ३ सय १२ र स्थानीय तहका १ हजार २ सय ३८ वटा उजुरी परेको हो । सोही आर्थिक वर्षमा सबैभन्दा कम उजुरी भने गण्डकी प्रदेशबाट परेको थियो । यस प्रदेशबाट संघका ४ सय ८२, प्रदेशका २ सय ५२, स्थानीय तहका ६ सय १२ गरी जम्मा एक हजार ३ सय ४६ वटा उजुरी परेको थियो । कर्णाली प्रदेशबाट संघका ४ सय ३८, प्रदेशका २ सय ७१ र स्थानीय तहका ७ सय ५५ वटा उजुरी दर्ता भएको थियो ।

| तालिका १०.२: आ.व. २०७६/७७ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण |                                                                       |        |        |            |           |               |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------|--------|--------|------------|-----------|---------------|
| क्र.सं.                                                                                                                     | प्रदेश                                                                | संघ    | प्रदेश | स्थानीय तह | कुल जम्मा | उजुरी प्रतिशत |
| १                                                                                                                           | कोशी प्रदेश                                                           | ८८५    | ३८६    | १,१९९      | २,४७०     | ११.७४         |
| २                                                                                                                           | मधेश प्रदेश                                                           | १,५०८  | २८१    | ४,२१६      | ६,००५     | २८.५३         |
| ३                                                                                                                           | बागमती प्रदेश                                                         | ३३७७   | ३१२    | १,२३८      | ४,९२७     | २३.४१         |
| ४                                                                                                                           | गण्डकी प्रदेश                                                         | ४८२    | २५२    | ६१२        | १,३४६     | ६.३९          |
| ५                                                                                                                           | लुम्बिनी प्रदेश                                                       | ९०३    | ३८९    | १,४२२      | २,७१४     | १२.८९         |
| ६                                                                                                                           | कर्णाली प्रदेश                                                        | ४३८    | २७१    | ७५५        | १,४६४     | ६.९६          |
| ७                                                                                                                           | सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                   | ३२४    | ६८०    | १,११८      | २,१२२     | १०.०८         |
|                                                                                                                             | प्रदेशगत जम्मा                                                        | ७,९१७  | २,५७१  | १०,५६०     | २१,०४८    | १००           |
|                                                                                                                             | अन्य (गैरकानुनी सम्पत्ति, झूटा शैक्षिक प्रमाणपत्र, विश्वविद्यालय आदि) | ४,१०४  |        |            | ४,१०४     |               |
|                                                                                                                             | कुल जम्मा                                                             | १२,०२१ | २,५७१  | १०,५६०     | २५,१५२    |               |
| स्रोत : अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग                                                                                    |                                                                       |        |        |            |           |               |

आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग र आयोग मातहतका कार्यालयमा जम्मा २२ हजार ६ सय २५ वटा उजुरी परेको थियो । जसमध्ये संघका सबैभन्दा धेरै १० हजार ४ सय ३६ वटा उजुरी दर्ता भएको थियो । स्थानीय तहको ९ हजार ६ सय ४९ वटा उजुरी परेको थियो भने प्रदेशका जम्मा २ हजार ५ सय ४० वटा उजुरी दर्ता गरिएको थियो । तीमध्ये मधेश प्रदेशबाट सबैभन्दा धेरै २४.५६ प्रतिशत

उजुरी परेको थियो । यस प्रदेशका स्थानीय तहबाट २ हजार सात सय ९५, संघबाट १ हजार ९ सय १६ र प्रदेशबाट २ सय ४५ वटा उजुरी परेको थियो । बागमती प्रदेशबाट २२.५९ प्रतिशत उजुरी परेको थियो । तीमध्ये संघका ३ हजार १ सय ७९, प्रदेशका २ सय ४० र स्थानीय तहका १ हजार १ सय ४९ वटा उजुरी परेको थियो । सबैभन्दा कम गण्डकी प्रदेशबाट ७.१६ र कर्णालीबाट ७.९८ प्रतिशत उजुरी परेका थिए । गण्डकी प्रदेशबाट संघका ५ सय १९, प्रदेशका १ सय ८७ र स्थानीय तहका १ हजार ४ सय ४७ वटा उजुरी परेको थियो । कर्णाली प्रदेशबाट संघका ४ सय २०, प्रदेशका ३ सय ४७ र स्थानीय तहका ८ सय ४६ वटा उजुरी दर्ता भएको तथ्यांक छ ।

| तालिका १०.३: आ.व. २०७७/७८ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण |                                                                       |        |        |            |           |               |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------|--------|--------|------------|-----------|---------------|
| क्र. स.                                                                                                                     | प्रदेश                                                                | संघ    | प्रदेश | स्थानीय तह | कुल जम्मा | उजुरी प्रतिशत |
| १                                                                                                                           | कोशी प्रदेश                                                           | ७३८    | ३६५    | १,४३३      | २,५३६     | १२.५४         |
| २                                                                                                                           | मधेश प्रदेश                                                           | १,९१६  | २५४    | २,७९५      | ४,९६५     | २४.५६         |
| ३                                                                                                                           | बागमती प्रदेश                                                         | ३,१७९  | २४०    | १,१४९      | ४,५६८     | २२.५९         |
| ४                                                                                                                           | गण्डकी प्रदेश                                                         | ५१९    | १८७    | ७४१        | १,४४७     | ७.१६          |
| ५                                                                                                                           | लुम्बिनी प्रदेश                                                       | ८९०    | ४७०    | १,४१४      | २,७७४     | १३.७२         |
| ६                                                                                                                           | कर्णाली प्रदेश                                                        | ४२०    | ३४७    | ८४६        | १,६१३     | ७.९८          |
| ७                                                                                                                           | सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                   | ३६८    | ६७७    | १,२७१      | २,३१६     | ११.४५         |
|                                                                                                                             | प्रदेशगत जम्मा                                                        | ८,०३०  | २,५४०  | ९,६४९      | २०,२१९    | १००           |
|                                                                                                                             | उजुरी प्रतिशत                                                         | ३९.७२  | १२.५६  | ४७.७२      | १००.      |               |
|                                                                                                                             | अन्य (गैरकानुनी सम्पत्ति, झूटा शैक्षिक प्रमाणपत्र, विश्वविद्यालय आदि) | २,४०६  |        |            | २५        |               |
|                                                                                                                             | कुल जम्मा                                                             | १०,४३६ | २,५४०  | ९,६४९      | २२,६२५    |               |

स्रोत : अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग र आयोग मातहतका कार्यालयमा २४ हजार ३ सय ३१ वटा उजुरी दर्ता भएको छ । तीमध्ये संघका सबैभन्दा धेरै १० हजार ९ सय २७, स्थानीय तहका १० हजार ६ सय ८८ र प्रदेशका २ हजार ७ सय १६ वटा रहेको छ । यस आर्थिक वर्षमा मधेश प्रदेश र बागमती प्रदेशबाटै सबैभन्दा धेरै उजुरी परेका छन् । मधेश प्रदेशबाट २४.२५ र बागमती प्रदेशबाट २४.१३ प्रतिशत उजुरी परेको हो । मधेश प्रदेशका स्थानीय तहबाट ३ हजार ३ सय ५०, संघबाट १ हजार



७ सय ३९ र प्रदेशबाट ४ सय १७ वटा उजुरी अख्तियारमा दर्ता भएको हो । बागमती प्रदेशमा संघबाट ३ हजार ८ सय ९९, प्रदेशबाट २ सय ९१ र स्थानीय तहबाट १ हजार २ सय ८८ वटा उजुरी परेको हो । सबैभन्दा कम उजुरी लुम्बिनी प्रदेशबाट यस आर्थिक वर्षमा परेको छ । संघबाट १ हजार १ सय ६९, प्रदेशबाट ३ सय ९१, स्थानीय तहबाट १ हजार ६ सय २० वटा उजुरी दर्ता भएको हो । त्यसै गरी, गण्डकी प्रदेशबाट संघका ५ सय ९६, प्रदेशका २ सय २९ र स्थानीय तहमा ९ सय ६ वटा गरी जम्मा १ हजार ७ सय ३१ वटा उजुरी दर्ता भएको तथ्यांक छ ।

| तालिका १०.४: आ.व. २०७८/७९ मा आयोग र आयोगका मातहत कार्यालयहरूमा दर्ता भएका उजुरीहरूको तीन तहका सरकारका आधारमा प्रदेशगत विवरण |                                              |        |        |            |           |               |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------|--------|--------|------------|-----------|---------------|
| क्र. स.                                                                                                                     | प्रदेश                                       | संघ    | प्रदेश | स्थानीय तह | कुल जम्मा | उजुरी प्रतिशत |
| १                                                                                                                           | कोशी प्रदेश                                  | ९२१    | ३०५    | १,४१०      | २,६३६     | ११.६१         |
| २                                                                                                                           | मधेश प्रदेश                                  | १,७३९  | ४१७    | ३,३५०      | ५,५०६     | २४.२५         |
| ३                                                                                                                           | बागमती प्रदेश                                | ३,८९९  | २९१    | १,२८८      | ५,४७८     | २४.१३         |
| ४                                                                                                                           | गण्डकी प्रदेश                                | ५९६    | २२९    | ९०६        | १,७३१     | ७.६२          |
| ५                                                                                                                           | लुम्बिनी प्रदेश                              | १,१६९  | ३९१    | १,६२०      | ३,१८०     | ४.०१          |
| ६                                                                                                                           | कर्णाली प्रदेश                               | ५०१    | ४०५    | ९५१        | १,८५७     | ८.१८          |
| ७                                                                                                                           | सुदूर-पश्चिम प्रदेश                          | ४७४    | ६७८    | १,१६३      | २,३१५     | १०.२०         |
|                                                                                                                             | प्रदेशगत जम्मा                               | ९,२९९  | २,७१६  | १०,६८८     | २२,७०३    | १००           |
|                                                                                                                             | उजुरी प्रतिशत                                | ४०.९६  | ११.९६  | ४७.०८      | १००       |               |
|                                                                                                                             | अन्य (गैरकानुनी सम्पत्ति, विश्वविद्यालय आदि) | १,६२८  |        |            | १,६२८     |               |
|                                                                                                                             | कुल जम्मा                                    | १०,९२७ | २,७१६  | १०,६८८     | २४,३३१    |               |

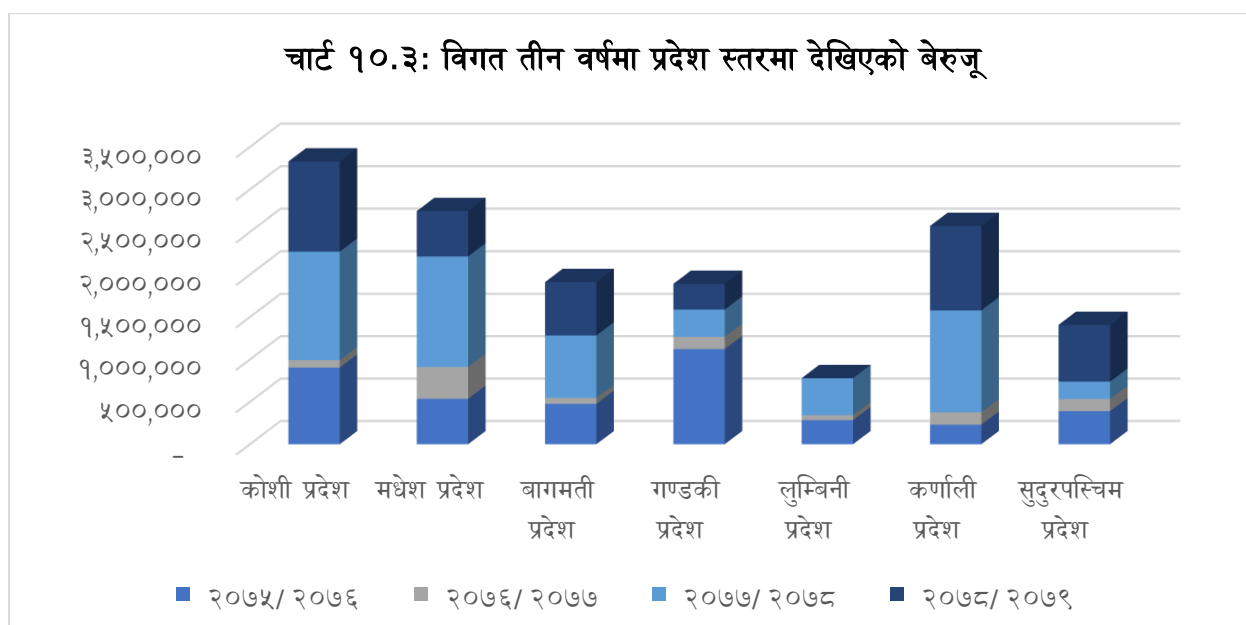
स्रोत : अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग

### १०.१.२. मधेश प्रदेशमा बेरूजको स्थिति

विगत तीन आर्थिक वर्षयता प्रदेश स्तरमा कोशीपछि मधेश प्रदेशमा सबैभन्दा धेरै बेरूज रकम ठहर भएको देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा मधेश प्रदेशमा ५३ करोड ३४ लाख ७४ हजार रुपैयाँ बेरूज देखिएको छ । यस आर्थिक वर्षमा कोशी प्रदेशको बेरूज सबैभन्दा धेरै १ अर्ब ५ करोड ९२ लाख ५२ हजार रुपैयाँ रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा मधेश प्रदेशको बेरूज १ अर्ब ३० करोड ९ लाख ४६ हजार रहेको छ । यही आर्थिक वर्षमा भने कोशी प्रदेशको बेरूज १ अर्ब २७ करोड ७५ लाख ३१ हजार रुपैयाँ रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा मधेश प्रदेशको बेरूज ३७ करोड ५५ लाख १७ हजार

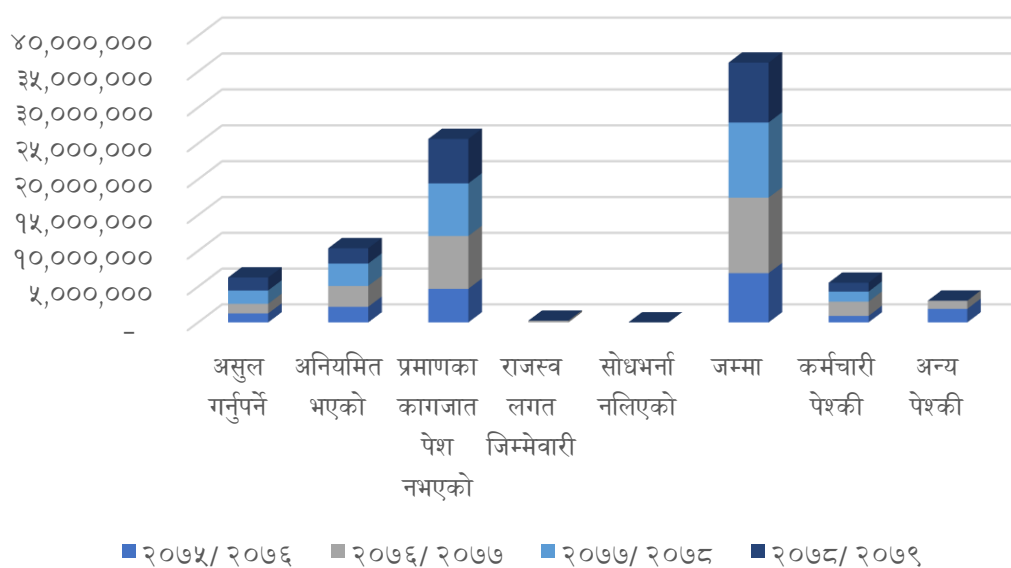
रुपैया देखिएको छ भने कोशी प्रदेशको ८ करोड ७८ लाख ९४ हजार रुपैया रहेको छ । सबैभन्दा कम बेरुजू देखिएको प्रदेश गण्डकी रहेको छ । यहाँ आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा ३० करोड ३३ लाख ५ हजार रुपैया बेरुजू देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा यस प्रदेशको बेरुजू ३२ करोड ६ लाख ९० हजार रुपैया रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा गण्डकी प्रदेशको बेरुजू रकम १४ करोड ५६ लाख ९७ हजार छ ।

| तालिका १०.५: विगत तीन वर्षमा प्रदेश स्तरमा देखिएको बेरुजू (रु. हजारमा) |           |          |           |           |
|------------------------------------------------------------------------|-----------|----------|-----------|-----------|
| प्रदेश                                                                 | २०७५/७६   | २०७६/७७  | २०७७/७८   | २०७८/७९   |
| कोशी प्रदेश                                                            | ९,०४,१७०  | ८७,८९४   | १२,७७,५३१ | १०,५९,२५२ |
| मधेश प्रदेश                                                            | ५,३६,००८  | ३,७५,५१७ | १३,००,९४६ | ५,३३,४७४  |
| बागमती प्रदेश                                                          | ४,७६,६०५  | ६९,३८०   | ७,३६,३३६  | ६,२९,३०३  |
| गण्डकी प्रदेश                                                          | ११,२१,३५५ | १,४५,६९७ | ३,२०,६९०  | ३,०३,३०५  |
| लुम्बिनी प्रदेश                                                        | २,८३,४७३  | ५९,७५६   | ४,६५,२७९  | १०,५६,७३४ |
| कर्णाली प्रदेश                                                         | २,२९,३४३  | १,४८,१४३ | १२,००,१९४ | ९,९३,१४८  |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                    | ३,८९,७५५  | १,४४,४६२ | २,०४,००३  | ६,६९,१८४  |
| स्रोत : महालेखा परीक्षकको कार्यालयको प्रतिवेदन                         |           |          |           |           |



मधेश प्रदेशका स्थानीय तहमा आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा २ अर्ब १३ करोड ७२ लाख १ हजार रुपैयाँ अनियमित भएको देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा ३ अर्ब १३ करोड ३० लाख ६४ हजार रुपैयाँ मधेश प्रदेशका स्थानीय तहमा बेरुजू देखिएको थियो । त्यसै गरी, आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा २ अर्ब ९१ करोड ७१ लाख २५ हजार रुपैयाँ बेरुजू ठहर भएको छ । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा मधेश प्रदेशका स्थानीय तहका विभिन्न योजना तथा कार्यक्रमका प्रमाणको कागजात पेश नभएका बेरुजू रकम ६ अर्ब १९ करोड ४१ लाख ९७ हजार रुपैयाँ रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा प्रमाणका कागजात पेश नभएका आधारमा ७ अर्ब ३४ करोड २८ लाख ६१ हजार रुपैयाँ बेरुजू देखिएको छ । सोही आधारमा आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा ७ अर्ब ३९ करोड ४ लाख ८१ हजार रुपैयाँ बेरुजू देखिएको हो । आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा कर्मचारी पेशकी र अन्य पेशकी गरी १ अर्ब २४ करोड रुपैयाँ बेरुजू देखिएको छ भने सोही पेशकीमा आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा १ अर्ब ४० करोड ८३ लाख २१ हजार रुपैयाँ बेरुजू देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा कर्मचारी र अन्य पेशकीमा ३ अर्ब १२ करोड ३० लाख ५३ हजार रुपैयाँ बेरुजू देखिएको हो । बेरुजू रकममध्ये आर्थिक वर्ष २०७८/७९ मा १ अर्ब ८२ करोड ५४ लाख ३६ हजार रुपैयाँ असुल गर्नुपर्ने देखिएको छ । आर्थिक वर्ष २०७७/७८ मा असुल गर्नुपर्ने बेरुजू रकम १ अर्ब ८५ करोड ६८ लाख ४१ हजार रुपैयाँ रहेको छ । त्यसै गरी, आर्थिक वर्ष २०७६/७७ मा १ अर्ब ३५ करोड २१ लाख २० हजार रुपैयाँ असुल गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

चार्ट १०.४: मधेश प्रदेशको स्थानीय सरकारहरूमा बेरुजूको स्थिति



| तालिका १०.६: मधेश प्रदेशको स्थानीय सरकारहरूमा बेरुजूको स्थिति |                 |              |                           |                       |                 |             |                |            |           |
|---------------------------------------------------------------|-----------------|--------------|---------------------------|-----------------------|-----------------|-------------|----------------|------------|-----------|
| आ.व.                                                          | असुल गर्नुपर्ने | अनियमित भएको | प्रमाणका कागजात पेश नभएको | राजस्व लगत जिम्मेवारी | सोधभर्ना नलिएको | जम्मा       | कर्मचारी पेशकी | अन्य पेशकी | जम्मा     |
| २०७५/७६                                                       | १२,५५,२७४       | २१,८५,८५९    | ४६,९८,१०९                 | ०                     | ०               | ६८,८३,९६८   | ९,१२,३३१       | १८,९४,८३६  | २८,०७,१६७ |
| २०७६/७७                                                       | १३,५२,१२०       | २९,१७,१२५    | ७३,९०,४८१                 | २,४४,९०४              | ०               | १,०५,५२,५१० | १९,८७,४९४      | ११,३५,५५९  | ३१,२३,०५३ |
| २०७७/७८                                                       | १८,५६,८४१       | ३१,३३,०६४    | ७३,४२,८६१                 | ०                     | २,५००           | १,०४,७८,४२५ | १४,०८,३२१      | ०          | १४,०८,३२१ |
| २०७८/७९                                                       | १८,२५,४३६       | २१,३७,२०१    | ६१,९४,१९७                 | ०                     | ३,७२५           | ८३,३५,१२३   | १२,४४,९५१      | ०          | १२,४४,९५१ |
| स्रोत: महालेखा परीक्षकको कार्यालयको प्रतिवेदन                 |                 |              |                           |                       |                 |             |                |            |           |

## १०.२ लैंगिक उत्तरदायी बजेट तथा जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण बजेट

मधेश प्रदेशले आ.व. २०७८/७९ देखि लैंगिक उत्तरदायित्व बहन र जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरणको लागि बजेट छुट्ट्याउने अभ्यास सुरु गरेको छ । विगत दुई वर्षको यस्तो बजेटलाई तालिका १०.७ मा प्रस्तुत गरिएको छ । लैंगिक उत्तरदायी बजेट अन्तर्गत महिलालाई ५० प्रतिशत वा सोभन्दा बढी प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने क्रियाकलाप अनुसारको बजेटको हिस्सा आ.व. २०७८/२०७९ र २०७९/२०८० मा क्रमशः ५१.४० र ५२.०९ रहेको छ । यस्तो बजेटको अप्रत्यक्ष लाभ भने तटस्थको तुलनामा धेरै कम देखिएको छ । अप्रत्यक्ष लाभ भविष्यमा बढी हुँदै जाने आशा गर्न सकिन्छ ।

| तालिका १०.७: विगत दुई वर्षको लैंगिक उत्तरदायी बजेट (रु. हजारमा) |                        |         |                          |         |                 |         |
|-----------------------------------------------------------------|------------------------|---------|--------------------------|---------|-----------------|---------|
| आ.व.                                                            | प्रत्यक्ष लाभ(संकेत १) |         | अप्रत्यक्ष लाभ (संकेत २) |         | तटस्थ (संकेत ३) |         |
|                                                                 | रकम                    | प्रतिशत | रकम                      | प्रतिशत | रकम             | प्रतिशत |
| २०७८/२०७९                                                       | १,७३,७०,३९५            | ५१.४०   | ४८,१६,७३४                | १४.२५   | १,१६,०४,३०१     | ३४.३५   |
| २०७९/२०८०                                                       | २,४४,२२,४५६            | ५२.०९   | १,०२,६९,०१७              | २१.९०   | १,२१,८९,४७३     | २६.००   |

यसै गरी, तालिका १०.८ ले विगत दुई वर्षमा जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण बजेट प्रस्तुत गरेको छ । यस अन्तर्गत ५० प्रतिशत वा सोभन्दा बढी प्रत्यक्ष लाभ पुग्ने क्रियाकलाप अनुसारको बजेटको हिस्सा आ.व. २०७८/७९ र २०७९/८० मा क्रमशः ११.४० र ११.६९ रहेको छ । यस्तो बजेटको अप्रत्यक्ष लाभ भने तटस्थको तुलनामा अत्यन्तै कम देखिएको छ । अप्रत्यक्ष लाभ भविष्यमा बढी हुँदै जाने आशा गर्न सकिन्छ ।

| तालिका १०.८: विगत दुई वर्षको जलवायु परिवर्तन प्रभाव न्यूनीकरण बजेट (रु. हजारमा) |                        |         |                          |         |                 |         |
|---------------------------------------------------------------------------------|------------------------|---------|--------------------------|---------|-----------------|---------|
| आर्थिक वर्ष                                                                     | प्रत्यक्ष लाभ(संकेत १) |         | अप्रत्यक्ष लाभ (संकेत २) |         | तटस्थ (संकेत ३) |         |
|                                                                                 | रकम                    | प्रतिशत | रकम                      | प्रतिशत | रकम             | प्रतिशत |
| २०७८/२०७९                                                                       | ३८,५२,८९०              | ११.४०   | ६१,९८,८५७                | १८.३४   | २,३७,३९,६८३     | ७०.२५   |
| २०७९/२०८०                                                                       | ५४,७९,६३७              | ११.६९   | १,०९,८४,७५४              | २३.४३   | ३,०४,१६,५५५     | ६४.८८   |

## १०.३ प्रदेश लोक सेवा आयोग, मधेश प्रदेश

मधेश प्रदेशको प्रदेश लोक सेवा आयोगले आ.व. २०७७/२०७८ देखि प्रदेश सरकारका विभिन्न पदका लागि दरखास्त आह्वान गरी पदपूर्ति गर्दै आएको छ । तालिका १०.९ अनुसार सो आ.व.मा आयोगले ९७ वटा विज्ञापन निकाल्दा २,३४८ जना निवेदकहरूबाट दरखास्त बापत कुल राजस्व ३७ लाख ९८ हजार ३०० सय रुपैयाँ संकलन गरेको थियो । यसै गरी, २०७८/२०७९ मा आयोगले १०८ वटा विज्ञापन निकाल्दा ४६,२८० जना निवेदकहरूबाट दरखास्त बापत कुल राजस्व २ करोड ८५ लाख ७९ हजार ३३५ रुपैयाँ संकलन गरेको थियो । लगभग उत्तिकै पदका लागि दरखास्त दिने निवेदकहरूको संख्या एक वर्षमै बीसौं गुणाले बढ्नाले प्रदेश सरकारको राजस्व पनि बढेको छ ।

| तालिका १०.९: प्रदेश लोक सेवा आयोग, मधेश प्रदेशले आह्वान गरेको दरखास्त, राजस्व, र पदपूर्ति |                 |                          |                             |                  |    |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------|--------------------------|-----------------------------|------------------|----|
| आ.व.                                                                                      | विज्ञापन संख्या | विज्ञापनमा परेको दरखास्त | दरखास्त बापत प्राप्त राजस्व | पदपूर्तिको विवरण |    |
| २०७७/७८                                                                                   | ९७              | २,३४८                    | ३७,९८,३००                   |                  | ०  |
| २०७८/७९                                                                                   | १०८             | ४६,२८०                   | २,८५,७९,३३५                 |                  | १७ |
| स्रोत: प्रदेश लोक सेवा आयोग, मधेश प्रदेश                                                  |                 |                          |                             |                  |    |

## अनुसूचीहरू

| अनुसूची १.१: मधेश प्रदेश तथा कुल नेपालको वार्षिक मूल्य अभिवृद्धि, औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार (प्रचलित मूल्यमा) (रु. दश लाखमा) |             |          |          |          |           |           |         |         |          |           |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|----------|----------|-----------|-----------|---------|---------|----------|-----------|
| औद्योगिक वर्गीकरण                                                                                                           | मधेश प्रदेश |          |          |          |           | कुल नेपाल |         |         |          |           |
|                                                                                                                             | २०७५/७६     | २०७६/७७  | २०७७/७८  | २०७८/७९* | २०७९/८०** | २०७५/७६   | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९* | २०७९/८०** |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                                                                                     | १,६४,४९२    | १,६४,९८१ | १,८३,१२९ | १,९७,५३६ | २,१६,५८७  | ८३२,८८७   | ८६२,५१८ | ९५८,४९५ | १०३९,०७३ | ११३२,७५१  |
| खानी तथा उत्खनन                                                                                                             | ३,१३४       | ,८५९     | ,८५९     | ९७७      | १,०१६     | २१,९९९    | २०,४४३  | २०,४४८  | २३,२५४   | २४,१८५    |
| उत्पादनमूलक उद्योग                                                                                                          | २७,३११      | २४,७५६   | २९,५४०   | ३३,९५१   | ३५,४००    | १९२,२३०   | १७४,०१४ | २०७,४४४ | २३९,७२३  | २४९,६९४   |
| विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा                                                                          | २,०३४       | २,३२३    | २,६०३    | ३,९३२    | ४,१२४     | ३३,८५९    | ४०,३७५  | ४२,०४७  | ६४,२८१   | ७६,९८८    |
| पानी आपूर्ति, ढल फोहर व्यवस्थापन तथा पुनः उत्पादनका क्रियाकलापहरू                                                           | ३,७४२       | ३,८१८    | ३,९३३    | ३,९९८    | ४,०८७     | १९,७२४    | २०,१२४  | २०,७२८  | २१,०७२   | २१,५४३    |
| निर्माण                                                                                                                     | २३,१७८      | २१,२०६   | २२,१०५   | २४,३४९   | २५,८१४    | २३४,२६१   | २१३,५३० | २२२,५८८ | २४५,१८५  | २५९,२९५   |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा                                                                      | ६६,५७९      | ६२,८४६   | ७०,७४३   | ८३,९५१   | ८८,२२०    | ५,४३,०४५  | ५१४,९७७ | ५७९,६८४ | ६८७,९१५  | ७२२,८९७   |
| यातायात तथा भण्डारण                                                                                                         | २७,८३०      | २३,२५५   | २५,३२६   | ३३,१४१   | ४१,११८    | २१५,७९७   | १८०,३२३ | १९६,३८० | २५६,९८०  | ३१८,८३४   |
| आवास तथा भोजन सेवा                                                                                                          | ३,६२३       | २,४१५    | २,८१५    | ३,४५९    | ४,४५६     | ७५,६५०    | ५०,४३३  | ५८,७७९  | ७२,२४३   | ९३,०५१    |
| सूचना तथा संचार                                                                                                             | १२,५७१      | १३,०५२   | १४,०२५   | १४,९१७   | १५,७०७    | ७४,१२२    | ७६,९५६  | ८२,६९३  | ८७,९५३   | ९२,६१४    |
| वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलापहरू                                                                                              | १३,३९५      | १६,०८९   | १७,७३०   | २०,८०७   | २४,७५७    | २०७,१३४   | २४१,९४५ | २५३,२८४ | २९१,०१२  | ३४६,२५५   |
| घरजग्गा कारोबारको सेवा                                                                                                      | १२,४३२      | १३,५७८   | १४,०२६   | १५,१३७   | १७,०७७    | २९५,७१५   | ३२२,९५६ | ३३३,६१२ | ३५६,४५६  | ३९२,९९३   |
| पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्रियाकलापहरू                                                                               | १,७६९       | १,९११    | २,००६    | २,२०४    | २,४६०     | ३२,७२३    | ३५,३५२  | ३७,०९८  | ४०,७६९   | ४५,४९७    |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|                                                                                                             |          |          |          |          |          |          |          |          |          |          |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                   | १,७४५    | १,९०२    | १,९९५    | २,०८२    | २,३१२    | २५,४७१   | २७,७७१   | २९,१२१   | ३०,३९०   | ३३,७५३   |
| सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा                                                         | ३१,२८४   | ३९,५९९   | ४१,१७३   | ४५,६२६   | ५४,७६२   | २१८,५७१  | २७६,६६०  | २८७,६५६  | ३१८,७७०  | ३८२,५९६  |
| शिक्षा                                                                                                      | ४१,४२८   | ४७,४५०   | ४८,७९८   | ५५,५७१   | ६३,४७१   | २५१,५८६  | २८८,४५९  | २९६,६६४  | ३३७,८३९  | ३८५,८७२  |
| मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य                                                                            | ६,२४२    | ७,५६६    | ८,१८७    | ९,३०१    | ११,२८३   | ४९,७७६   | ६०,३२८   | ६५,२७९   | ७४,१६३   | ८९,९७०   |
| अन्य सेवाका क्रियाकलापहरू (कला, मनोरञ्जन, घरायसी कार्यका गतिविधिहरू, स्व-उपभोगका लागि गरिने उत्पादनहरू आदि) | १,७५६    | २,०९२    | २,२४५    | २,४५४    | २,७१४    | १७,९३३   | २१,३६३   | २२,९३३   | २५,०६६   | २७,७०४   |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा)                                                                    | ४,४४,५४६ | ४,४९,६९७ | ४,९१,२३४ | ५,५३,३९३ | ६,१५,३६५ | ३३४२,४८१ | ३४२८,५२५ | ३७१४,९३४ | ४२१२,१४५ | ४६९६,४९४ |
| खुद वस्तु तथा सेवा उत्पादन कर                                                                               | ५८,९९२   | ६१,७४७   | ८५,७००   | ९७,०८५   | ९२,१४५   | ५१६,४५०  | ४६०,१७९  | ६३७,६१७  | ७२१,५५२  | ६८४,८४१  |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा)                                                                  | ५,०३,५३७ | ५,११,४४४ | ५,७६,९३४ | ६,५०,४७७ | ७,०७,५१० | ३८५८,९३१ | ३८८८,७०४ | ४३५२,५५० | ४९३३,६९७ | ५३८१,३३५ |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                                                       |          |          |          |          |          |          |          |          |          |          |



| अनुसूची १.२: मधेश प्रदेश तथा कुल नेपालको वार्षिक मूल्य अभिवृद्धि, औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार (२०१०/११ को आधारभूत मूल्यमा) (रु. दश लाखमा) |             |          |          |          |           |           |         |         |          |           |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|----------|----------|----------|-----------|-----------|---------|---------|----------|-----------|
| औद्योगिक वर्गीकरण                                                                                                                      | मधेश प्रदेश |          |          |          |           | कुल नेपाल |         |         |          |           |
|                                                                                                                                        | २०७५/७६     | २०७६/७७  | २०७७/७८  | २०७८/७९* | २०७९/८०** | २०७५/७६   | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९* | २०७९/८०** |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                                                                                                | १,२४,०९६    | १,२०,८२७ | १,२३,८२२ | १,२५,८५१ | १,३०,०२७  | ६१४,२९२   | ६२९,२२९ | ६४७,१५४ | ६६१,६५५  | ६७९,७१०   |
| खानी तथा उत्खनन                                                                                                                        | ६३२         | ६१०      | ६४२      | ६९९      | ७०६       | १५,१३४    | १४,७९७  | १५,४८५  | १६,८५४   | १७,०४१    |
| उत्पादनमूलक उद्योग                                                                                                                     | १७,५८९      | १५,८४९   | १७,४९७   | १८,५६८   | १८,०१९    | १२४,४०३   | ११३,१७१ | १२२,९६८ | १३१,२५७  | १२८,५८०   |
| विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा                                                                                     | १,५०६       | १,७२१    | १,८९६    | २२९४     | २,५५७     | २३,६१७    | २८,२२४  | २९,४०३  | ४५,०८९   | ५३,८१९    |
| पानी आपूर्ति, ढल फोहर व्यवस्थापन तथा पुनः उत्पादनका क्रियाकलापहरू                                                                      | २,९४०       | २,९९७    | ३,०३९    | ३१०४     | ३,१८९     | १५,५१०    | १५,८४३  | १६,०५६  | १६,३८१   | १६,७३६    |
| निर्माण                                                                                                                                | १५,०५४      | १४,२७१   | १५,२७६   | १६,४७८   | १६,०८६    | १५२,८०१   | १४६,०९५ | १५६,३१५ | १६७,३७८  | १६२,९९६   |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा                                                                                 | ४३,३४५      | ३७,९१०   | ४०,३८८   | ४३,३८४   | ४१,९५०    | ३५२,१९४   | ३१२,०८० | ३३२,७९८ | ३५७,६११  | ३४७,०१६   |
| यातायात तथा भण्डारण                                                                                                                    | १६,५०१      | १४,५९६   | १५,३७४   | १६,१६३   | १६,०८१    | १२७,८६३   | ११२,७८३ | ११७,७८५ | १२३,२१३  | १२४,६२२   |
| आवास तथा भोजन सेवा                                                                                                                     | १,८७३       | १,११५    | १,२९६    | १,४५८    | १,६९९     | ३८,३४८    | २४,२४५  | २६,८४७  | ३०,२३१   | ३५,८४३    |
| सूचना तथा संचार                                                                                                                        | १३,२३४      | १३,४६२   | १४,०१०   | १४,५२३   | १५,१०५    | ७८,०८४    | ७९,६६२  | ८२,५८९  | ८५,९९८   | ८९,४९७    |
| वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलापहरू                                                                                                         | ७,२८२       | ७,४२८    | ८,१४७    | ८,९३१    | ९,५७८     | ११२,६६७   | ११२,२७४ | ११७,५०४ | १२५,५९३  | १३४,७५१   |
| घरजग्गा कारोबारको सेवा                                                                                                                 | ६,९१६       | ६,९१५    | ७,०२१    | ७,०८७    | ७,३२३     | १६८,२६९   | १७१,७६६ | १७६,५१६ | १७९,३८७  | १८३,२८२   |
| पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्रियाकलापहरू                                                                                          | १,०३७       | १,०४८    | १,०६२    | १,०९७    | १,१३७     | १९,१८४    | १९,४७६  | १९,७६९  | २०,४६१   | २१,३४०    |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|                                                                                                             |          |          |          |          |          |          |          |          |          |          |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|----------|
| प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                   | १,०२७    | १,०४२    | १,०६५    | १,०८७    | १,१३५    | १४,९७२   | १५,३००   | १५,६५१   | १५,९९४   | १६,७९६   |
| सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा                                                         | १३,७२१   | १५,२७६   | १५,०५९   | १५,६७४   | १६,५०४   | ९५,८६५   | १०१,७६९  | १०५,२१३  | १०९,५०५  | ११५,३०९  |
| शिक्षा                                                                                                      | १९,८२०   | २०,३२४   | २१,१३५   | २२,१४०   | २२,९३०   | १२०,०६०  | १२३,९०४  | १२८,७६०  | १३४,७६०  | १४०,२३९  |
| मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य                                                                            | ३,२७८    | ३,४३८    | ३,६६७    | ३,९२७    | ४,१६२    | २६,१४३   | २७,५०२   | २९,३१६   | ३१,३६६   | ३३,४०९   |
| अन्य सेवाका क्रियाकलापहरू (कला, मनोरञ्जन, घरायसी कार्यका गतिविधिहरू, स्व-उपभोगका लागि गरिने उत्पादनहरू आदि) | ९६१      | ९७८      | १,०११    | १,०५७    | १,१०६    | ९,८५७    | १०,०३१   | १०,३७०   | १०,८३५   | ११,३९९   |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                                                                     | १,२४,०९६ | १,२०,८२७ | १,२३,८२२ | १,२५,८५१ | १,३०,०२७ | ६१४,२९२  | ६२९,२२९  | ६४७,१५४  | ६६१,६५५  | ६७९,७१०  |
| गैर कृषि                                                                                                    | १,६६,७१७ | १,५८,९७९ | १,६७,५८७ | १,७७,६७० | १,७९,२६७ | १४९४,९७१ | १४२८,९२० | १५०३,३४४ | १६०१,९१५ | १६३२,६७४ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (आधारभूत मूल्यमा)                                                                    | २,९०,८१३ | २,७९,८०६ | २,९१,४०९ | ३,०३,५२१ | ३,०९,२९४ | २१०९,२६३ | २०५८,१४९ | २१५०,४९८ | २२६३,५७० | २३१२,३८३ |
| खुद वस्तु तथा सेवा उत्पादन कर                                                                               | २६,३२७   | ३०,८९२   | ३३,२१६   | ३६,१४०   | ३६,१२१   | २३०,४८०  | २२६,१५०  | २४४,३२०  | २६५,६७४  | २६३,८६७  |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (उत्पादकको मूल्यमा)                                                                  | ३,१७,१३९ | ३,१०,६९८ | ३,२४,६२६ | ३,३९,६६० | ३,४५,४१५ | २३३९,७४३ | २२८४,३०० | २३९४,८१८ | २५२९,२४३ | २५७६,२५१ |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                                                       |          |          |          |          |          |          |          |          |          |          |

| अनुसूची १.३: नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा मधेश प्रदेशको योगदान, औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार (प्रचलित मूल्यमा) |         |         |         |          |           |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------|---------|----------|-----------|
| औद्योगिक वर्गीकरण                                                                                              | २०७५/७६ | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९* | २०७९/८०** |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                                                                        | १९.७    | १९.१    | १९.१    | १९.०     | १९.१      |
| खानी तथा उत्खनन                                                                                                | १४.२    | ४.२     | ४.२     | ४.२      | ४.२       |
| उत्पादनमूलक उद्योग                                                                                             | १४.२    | १४.२    | १४.२    | १४.२     | १४.२      |
| विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा                                                             | ६.०     | ५.८     | ६.२     | ६.१      | ५.४       |
| पानी आपूर्ति, ढल फोहर व्यवस्थापन तथा पुनः उत्पादनका क्रियाकलापहरू                                              | १९.०    | १९.०    | १९.०    | १९.०     | १९.०      |
| निर्माण                                                                                                        | ९.९     | ९.९     | ९.९     | ९.९      | १०.०      |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा                                                         | १२.३    | १२.२    | १२.२    | १२.२     | १२.२      |
| यातायात तथा भण्डारण                                                                                            | १२.९    | १२.९    | १२.९    | १२.९     | १२.९      |
| आवास तथा भोजन सेवा                                                                                             | ४.८     | ४.८     | ४.८     | ४.८      | ४.८       |
| सूचना तथा संचार                                                                                                | १७.०    | १७.०    | १७.०    | १७.०     | १७.०      |
| वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलापहरू                                                                                 | ६.५     | ६.६     | ७.०     | ७.२      | ७.२       |
| घरजग्गा कारोबारको सेवा                                                                                         | ४.२     | ४.२     | ४.२     | ४.२      | ४.३       |
| पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्रियाकलापहरू                                                                  | ५.४     | ५.४     | ५.४     | ५.४      | ५.४       |
| प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                      | ६.९     | ६.९     | ६.९     | ६.९      | ६.९       |
| सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा                                                            | १४.३    | १४.३    | १४.३    | १४.३     | १४.३      |
| शिक्षा                                                                                                         | १६.५    | १६.४    | १६.४    | १६.४     | १६.४      |
| मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य                                                                               | १२.५    | १२.५    | १२.५    | १२.५     | १२.५      |
| अन्य सेवाका क्रियाकलापहरू (कला, मनोरञ्जन, घरायसी कार्यका गतिविधिहरू, स्व-उपभोगका लागि गरिने उत्पादनहरू आदि)    | ९.८     | ९.८     | ९.८     | ९.८      | ९.८       |
| औसत                                                                                                            | १३.०    | १३.२    | १३.३    | १३.१     | १३.१      |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                                                          |         |         |         |          |           |

| अनुसूची १.४: आ.व. २०७८/७९ को मधेश प्रदेशको कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको, औद्योगिक वर्गीकरण अनुसारको संरचना (प्रचलित मूल्यमा) |              |              |              |              |               |              |              |              |              |               |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|---------------|--------------|--------------|--------------|--------------|---------------|
| औद्योगिक वर्गीकरण                                                                                                        | मधेश प्रदेश  |              |              |              |               | कुल नेपाल    |              |              |              |               |
|                                                                                                                          | २०७५<br>/ ७६ | २०७६<br>/ ७७ | २०७७<br>/ ७८ | २०७८/<br>७९* | २०७९/<br>८०** | २०७५<br>/ ७६ | २०७६<br>/ ७७ | २०७७<br>/ ७८ | २०७८/<br>७९* | २०७९/<br>८०** |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                                                                                  | ३७.०         | ३६.७         | ३७.३         | ३५.७         | ३५.२          | २४.९         | २५.२         | २५.८         | २४.७         | २४.९          |
| खानी तथा उत्खनन                                                                                                          | ०.७          | ०.२          | ०.२          | ०.२          | ०.२           | ०.७          | ०.६          | ०.६          | ०.६          | ०.५           |
| उत्पादनमूलक उद्योग                                                                                                       | ६.९          | ५.५          | ६.०          | ६.९          | ५.८           | ५.८          | ५.९          | ५.६          | ५.७          | ५.३           |
| विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा                                                                       | ०.५          | ०.५          | ०.५          | ०.७          | ०.७           | १.०          | १.२          | १.१          | १.५          | १.६           |
| पानी आपूर्ति, ढल फोहर व्यवस्थापन तथा पुनः<br>उत्पादनका क्रियाकलापहरू                                                     | ०.८          | ०.८          | ०.८          | ०.७          | ०.७           | ०.६          | ०.६          | ०.६          | ०.५          | ०.५           |
| निर्माण                                                                                                                  | ५.२          | ४.७          | ४.५          | ४.४          | ४.२           | ७.०          | ६.२          | ६.०          | ५.८          | ५.५           |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल<br>मर्मत सेवा                                                                | १५.०         | १४.०         | १४.४         | १५.२         | १४.३          | १६.२         | १५.०         | १५.६         | १६.३         | १५.४          |
| यातायात तथा भण्डारण                                                                                                      | ६.३          | ५.२          | ५.२          | ६.०          | ६.७           | ६.५          | ५.३          | ५.३          | ६.९          | ६.८           |
| आवास तथा भोजन सेवा                                                                                                       | ०.८          | ०.५          | ०.६          | ०.६          | ०.७           | २.३          | १.५          | १.६          | १.७          | २.०           |
| सूचना तथा संचार                                                                                                          | २.८          | २.९          | २.९          | २.७          | २.६           | २.२          | २.२          | २.२          | २.९          | २.०           |
| वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलापहरू                                                                                           | ३.०          | ३.६          | ३.६          | ३.८          | ४.०           | ६.२          | ७.१          | ६.८          | ६.९          | ७.४           |
| घरजग्गा कारोबारको सेवा                                                                                                   | २.८          | ३.०          | २.९          | २.७          | २.८           | ८.८          | ९.४          | ९.०          | ८.५          | ८.४           |
| पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्रियाकलापहरू                                                                            | ०.४          | ०.४          | ०.४          | ०.४          | ०.४           | १.०          | १.०          | १.०          | १.०          | १.०           |
| प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                                | ०.४          | ०.४          | ०.४          | ०.४          | ०.४           | ०.८          | ०.८          | ०.८          | ०.७          | ०.७           |
| सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक<br>सुरक्षा                                                                   | ७.०          | ८.८          | ८.४          | ८.२          | ८.९           | ६.५          | ८.१          | ७.७          | ७.६          | ८.१           |
| शिक्षा                                                                                                                   | ९.३          | १०.६         | ९.९          | १०.०         | १०.३          | ७.५          | ८.४          | ८.०          | ८.०          | ८.२           |
| मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य                                                                                         | १.४          | १.७          | १.७          | १.७          | १.८           | १.५          | १.८          | १.८          | १.८          | १.९           |
| अन्य सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                                                | ०.४          | ०.५          | ०.५          | ०.४          | ०.४           | ०.५          | ०.६          | ०.६          | ०.६          | ०.६           |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                                                                    |              |              |              |              |               |              |              |              |              |               |

अनुसूची १.५: कुल नेपाल तथा मधेश प्रदेशको औद्योगिक वर्गीकरण अनुसार गार्हस्थ्य उत्पादनको वृद्धिदर

| औद्योगिक वर्गीकरण                                                 | मधेश प्रदेश |         |         |          |           | कुल नेपाल |         |         |          |           |
|-------------------------------------------------------------------|-------------|---------|---------|----------|-----------|-----------|---------|---------|----------|-----------|
|                                                                   | २०७५/७६     | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९* | २०७९/८०** | २०७५/७६   | २०७६/७७ | २०७७/७८ | २०७८/७९* | २०७९/८०** |
| कृषि, वन तथा मत्स्यपालन                                           | ५.९७        | -२.६३   | २.४८    | १.६४     | ३.३२      | ५.१६      | २.४३    | २.८५    | २.२४     | २.७३      |
| खानी तथा उत्खनन                                                   | १८.६७       | -३.४६   | ५.२३    | ८.९०     | ०.८९      | १७.६२     | -२.२३   | ४.६५    | ८.८४     | १.११      |
| उत्पादनमूलक उद्योग                                                | ७.३९        | -९.८९   | १०.४०   | ६.१२     | -२.९६     | ६.५२      | -९.०३   | ८.६६    | ६.७४     | -२.०४     |
| विद्युत, ग्यास, वाष्प तथा वातानुकूलित आपूर्ति सेवा                | ७.००        | १४.२६   | १०.१७   | २०.९९    | ११.५०     | ९.६१      | १९.५१   | ४.१८    | ५३.३५    | १९.३६     |
| पानी आपूर्ति, ढल फोहर व्यवस्थापन तथा पुनः उत्पादनका क्रियाकलापहरू | १.२७        | १.९३    | १.४०    | २.१२     | २.७५      | १.२२      | २.१५    | १.३५    | २.०२     | २.१६      |
| निर्माण                                                           | ८.३१        | -५.२०   | ७.०५    | ७.८६     | -२.३८     | ७.४८      | -४.३९   | ७.००    | ७.०८     | -२.६२     |
| थोक तथा खुद्रा व्यापार, गाडी तथा मोटर साइकल मर्मत सेवा            | १६.४८       | -१२.५४  | ६.५४    | ७.४२     | -३.३०     | ८.११      | ११.३९   | ६.६४    | ७.४६     | -२.९६     |
| यातायात तथा भण्डारण                                               | १०.०८       | -११.५५  | ५.३४    | ५.१३     | -०.५०     | ८.७७      | ११.७९   | ४.४४    | ४.६१     | १.१४      |
| आवास तथा भोजन सेवा                                                | ९.९४        | -४०.४९  | १६.२९   | १२.४७    | १६.५४     | ९.९२      | ३६.७८   | ३       | १२.६१    | १८.५६     |
| सूचना तथा संचार                                                   | ७.२२        | १.७२    | ४.०७    | ३.६६     | ४.०१      | ७.०५      | २.०२    | ३.६७    | ४.१३     | ४.०७      |
| वित्तीय तथा बिमा क्रियाकलापहरू                                    | १०.५०       | २.००    | ९.६९    | ९.६२     | ७.२५      | ६.३५      | -०.३५   | ४.६६    | ६.८८     | ७.२९      |

आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|                                                                                                             |      |       |       |      |      |      |       |      |      |      |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------|-------|-------|------|------|------|-------|------|------|------|
| घरजग्गा कारोबारको सेवा                                                                                      | १.७७ | -०.०१ | १.५४  | ०.९४ | ३.३३ | ३.७५ | २.०८  | २.७७ | १.६३ | २.१७ |
| पेशागत, वैज्ञानिक तथा प्राविधिक क्रियाकलापहरू                                                               | ६.२५ | १.१२  | १.३५  | ३.२७ | ३.६० | ५.६१ | १.५२  | १.५१ | ३.५० | ४.३० |
| प्रशासनिक तथा सहयोगी सेवाका क्रियाकलापहरू                                                                   | ६.९० | १.५०  | २.१३  | २.१३ | ४.४२ | ६.४४ | २.१९  | २.३० | २.१९ | ५.०१ |
| सामान्य प्रशासन, रक्षा र अत्यावश्यक सामाजिक सुरक्षा                                                         | ५.१२ | ११.३३ | -१.४२ | ४.०८ | ५.३० | ५.१२ | ६.१६  | ३.३८ | ४.०८ | ५.३० |
| शिक्षा                                                                                                      | ५.९१ | २.५५  | ३.९९  | ४.७५ | ३.५७ | ५.९८ | ३.२०  | ३.९२ | ४.६६ | ४.०७ |
| मानव स्वास्थ्य तथा सामाजिक कार्य                                                                            | ६.७६ | ४.८७  | ६.६६  | ७.१० | ५.९७ | ६.६९ | ५.२०  | ६.६० | ६.९९ | ६.५१ |
| अन्य सेवाका क्रियाकलापहरू (कला, मनोरञ्जन, घरायसी कार्यका गतिविधिहरू, स्व-उपभोगका लागि गरिने उत्पादनहरू आदि) | ५.९८ | १.७७  | ३.३५  | ४.५८ | ४.६४ | ५.९२ | १.७७  | ३.३८ | ४.४८ | ५.२१ |
| औसत (आधारभूत मूल्यमा)                                                                                       | ७.८९ | -३.७८ | ४.१५  | ४.१६ | १.९० | ६.३९ | -२.४२ | ४.४९ | ५.२६ | २.१६ |
| औसत (खरिदकर्ताको मूल्यमा)                                                                                   | ८.०० | -२.०३ | ४.४८  | ४.६३ | १.६९ | ६.६६ | -२.३७ | ४.८४ | ५.६१ | १.८६ |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                                                       |      |       |       |      |      |      |       |      |      |      |

| अनुसूची: १.६: कुल नेपाल तथा मधेश प्रदेशको प्राथमिक, द्वितीय तथा तृतीय संरचना तथा वृद्धिदर |             |             |             |              |               |             |             |             |              |               |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|-------------|-------------|-------------|--------------|---------------|-------------|-------------|-------------|--------------|---------------|
| विवरण                                                                                     | मधेश प्रदेश |             |             |              |               | कुल नेपाल   |             |             |              |               |
|                                                                                           | २०७५/<br>७६ | २०७६/<br>७७ | २०७७/<br>७८ | २०७८/<br>७९* | २०७९/<br>८०** | २०७५/<br>७६ | २०७६/<br>७७ | २०७७/<br>७८ | २०७८/<br>७९* | २०७९/<br>८०** |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन<br>(प्रचलित मूल्यमा) (रु. दस<br>लाखमा)                             | ४,४४,५४६    | ४,४९,६९७    | ४,९१,२३४    | ५,५३,३९३     | ६,१५,३६५      | ३३,४२,४८१   | ३४,२८,५२५   | ३७,१४,९३४   | ४२,१२,१४५    | ४६,९६,४९४     |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                                          | १,६७,६२६    | १,६५,८४०    | १,८३,९८८    | १,९८,५१३     | २,१७,६०२      | ८,५४,८८६    | ८,८२,९६१    | ९,७८,९४३    | १०,६२,३२७    | ११,५६,९३६     |
| द्वितीय क्षेत्र                                                                           | ५६,२६६      | ५२,१०३      | ५८,१८०      | ,६६,२३०      | ६९,४२६        | ४,८०,०७४    | ४,४८,०४२    | ४,९२,८०७    | ५,७०,२६२     | ६,०७,५२१      |
| तृतीय क्षेत्र                                                                             | २,२०,६५४    | २,३१,७५४    | २,४९,०६७    | २,८८,६५०     | ३,२८,३३७      | २०,०७,५२१   | २०,९७,५२२   | २२,४३,१८४   | २५,७९,५५७    | २९,३२,०३७     |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन<br>(आधारभूत मूल्यमा)<br>(रु. दस लाखमा)                             | २,९०,८१३    | २,७९,८०६    | २,९१,४०९    | ३,०३,५२१     | ३,०९,२९४      | २१,०९,२६३   | २०,५८,१४९   | २१,५०,४९८   | २२,६३,५७०    | २३,१२,३८३     |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                                          | १,२४,७२८    | १,२१,४३७    | १,२४,४६४    | १,२६,५५०     | १,३०,७३२      | ६,२९,४२६    | ६,४४,०२६    | ६,६२,६३८    | ६,७८,५०८     | ६,९६,७५१      |
| द्वितीय क्षेत्र                                                                           | ३७,०८९      | ३४,८३८      | ३७,७०९      | ४०,४४३       | ३९,८५१        | ३,१६,३३१    | ३,०३,३३२    | ३,२४,७४२    | ३,६०,१०६     | ३,६२,१३१      |
| तृतीय क्षेत्र                                                                             | १,२८,९९५    | १,२३,५३२    | १,२९,२३६    | १,३६,५२७     | १,३८,७११      | ११,६३,५०६   | ११,१०,७९१   | ११,६३,११७   | १२,२४,९५५    | १२,५३,५०१     |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर<br>(प्रतिशत)                                              |             |             |             |              |               |             |             |             |              |               |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                                          | ६.०         | -२.६        | २.५         | १.७          | ५.०           | ५.४         | २.३         | २.९         | २.४          | २.७           |
| द्वितीय क्षेत्र                                                                           | ७.२         | -६.१        | ८.२         | ७.३          | ५.७           | ६.९         | -४.१        | ७.१         | १०.९         | ०.६           |
| तृतीय क्षेत्र                                                                             | १०.०        | -४.२        | ४.६         | ५.६          | ७.३           | ६.८         | -४.५        | ४.७         | ५.३          | २.३           |

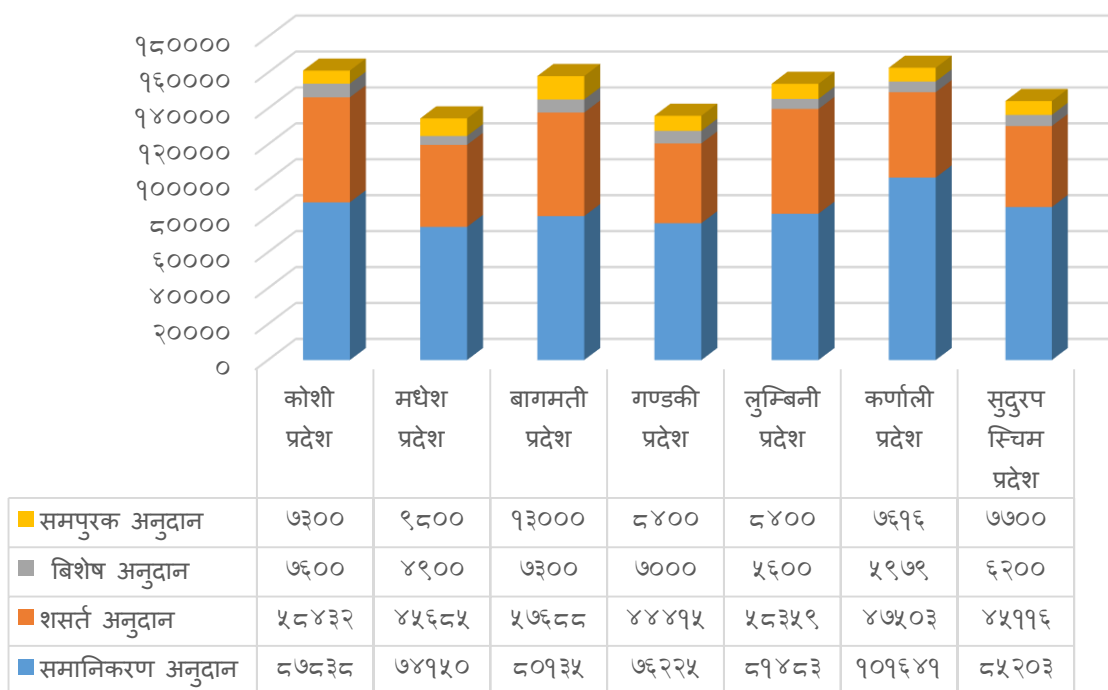
आर्थिक सर्वेक्षण २०७९/८०, मधेश प्रदेश

|                                                                         |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|-------------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| डिफ्लेटर सहितको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन वृद्धिदर (Implicit GDP Deflator) |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                        | १३४.४ | १३६.६ | १४७.८ | १५६.९ | १६६.४ | १३५.८ | १३७.१ | १४७.७ | १५६.६ | १६६.० |
| द्वितीय क्षेत्र                                                         | १५१.७ | १४९.६ | १५४.३ | १६३.८ | १७४.२ | १५१.८ | १४७.७ | १५१.८ | १५८.४ | १६७.८ |
| तृतीय क्षेत्र                                                           | १७१.१ | १८७.६ | १९२.७ | २११.४ | २३६.७ | १७२.५ | १८८.८ | १९२.९ | २१०.६ | २३३.९ |
| कुल गार्हस्थ्य उत्पादनको संरचना (प्रतिशत)                               |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
| प्राथमिक क्षेत्र                                                        | ३७.७  | ३६.९  | ३७.५  | ३५.९  | ३५.४  | २५.६  | २५.८  | २६.४  | २५.२  | २४.६  |
| द्वितीय क्षेत्र                                                         | १२.७  | ११.६  | ११.८  | १२.०  | ११.३  | १४.४  | १३.१  | १३.३  | १३.५  | १२.९  |
| तृतीय क्षेत्र                                                           | ४९.६  | ५१.५  | ५०.७  | ५२.२  | ५३.४  | ६०.१  | ६१.२  | ६०.४  | ६१.२  | ६२.४  |
| *संशोधित **प्रारम्भिक                                                   |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |



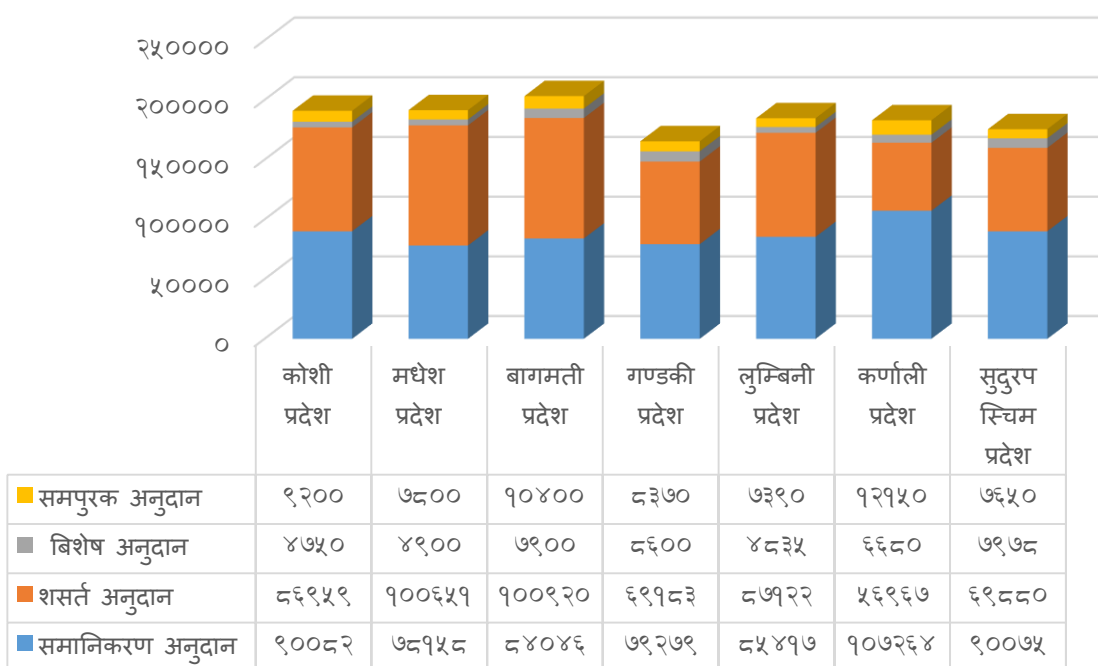
| अनुसूची तालिका २.१: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०८०/८१ (रु. लाखमा) |                 |              |              |               |           |
|--------------------------------------------------------------------------|-----------------|--------------|--------------|---------------|-----------|
| शीर्षक                                                                   | समानिकरण अनुदान | शसर्त अनुदान | बिशेष अनुदान | समपुरक अनुदान | जम्मा     |
| कोशी प्रदेश                                                              | ८७,८३८          | ५८,४३२       | ७,६००        | ७,३००         | १६९,१७०   |
| मधेश प्रदेश                                                              | ७४,१५०          | ४५,६८५       | ४,९००        | ९,८००         | १३४,५३५   |
| बागमती प्रदेश                                                            | ८०,१३५          | ५७,६८८       | ७,३००        | १३,०००        | १५८,१२३   |
| गण्डकी प्रदेश                                                            | ७६,२२५          | ४४,४१५       | ७,०००        | ८,४००         | १३६,०४०   |
| लुम्बिनी प्रदेश                                                          | ८१,४८३          | ५८,३५९       | ५,६००        | ८,४००         | १५३,८४२   |
| कर्णाली प्रदेश                                                           | १०१,६४१         | ४७,५०३       | ५,९७९        | ७,६१६         | १६२,७३९   |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                      | ८५,२०३          | ४५,११६       | ६,२००        | ७,७००         | १४४,२१९   |
| जम्मा                                                                    | ५८६,६७५         | ३५७,१९८      | ४४,५७९       | ६२,२१६        | १,०५०,६६८ |

अनुसूची चार्ट २.१: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०८०/८१ (रु. लाखमा)



| अनुसूची तालिका २.२: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७९/८० (रु. लाखमा) |                 |              |              |               |           |
|--------------------------------------------------------------------------|-----------------|--------------|--------------|---------------|-----------|
| शीर्षक                                                                   | समानिकरण अनुदान | शसर्त अनुदान | बिशेष अनुदान | समपुरक अनुदान | जम्मा     |
| कोशी प्रदेश                                                              | ९०,०८२          | ८६,९५९       | ४,७५०        | ९,२००         | १९०,९९१   |
| मधेश प्रदेश                                                              | ७८,१५८          | १००,६५१      | ४,९००        | ७,८००         | १९१,५०९   |
| बागमती प्रदेश                                                            | ८४,०४६          | १००,९२०      | ७,९००        | १०,४००        | २०३,२६६   |
| गण्डकी प्रदेश                                                            | ७९,२७९          | ६९,१८३       | ८,६००        | ८,३७०         | १६५,४३२   |
| लुम्बिनी प्रदेश                                                          | ८५,४१७          | ८७,१२२       | ४,८३५        | ७,३९०         | १८४,७६४   |
| कर्णाली प्रदेश                                                           | १०७,२६४         | ५६,९६७       | ६,६८०        | १२,१५०        | १८३,०६१   |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश                                                      | ९०,०७५          | ६९,८८०       | ७,९७८        | ७,६५०         | १७५,५८३   |
| जम्मा                                                                    | ६१४,३२१         | ५७१,६८२      | ४५,६४३       | ६२,९६०        | १,२९४,६०६ |

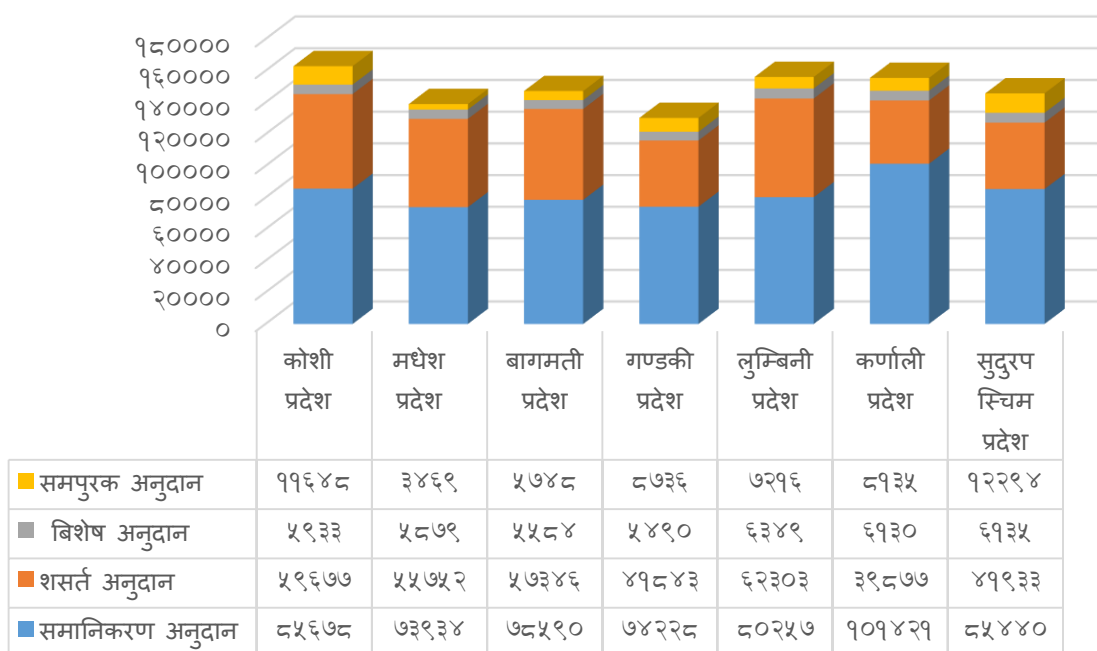
अनुसूची चार्ट २.२: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७९/८० (रु. लाखमा)



अनुसूची तालिका २.३: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९ (रु. लाखमा)

| शीर्षक              | समानिकरण अनुदान | शसर्त अनुदान | बिशेष अनुदान | समपुरक अनुदान | जम्मा     |
|---------------------|-----------------|--------------|--------------|---------------|-----------|
| कोशी प्रदेश         | ८५,६७८          | ५९,६७७       | ५,९३३        | ११,६४८        | १६२,९३६   |
| मधेश प्रदेश         | ७३,९३४          | ५५,७५२       | ५,८७९        | ३,४६९         | १३९,०३४   |
| बागमती प्रदेश       | ७८,५९०          | ५७,३४६       | ५,५८४        | ५,७४८         | १४७,२६८   |
| गण्डकी प्रदेश       | ७४,२२८          | ४९,८४३       | ५,४९०        | ८,७३६         | १३०,२९७   |
| लुम्बिनी प्रदेश     | ८०,२५७          | ६२,३०३       | ६,३४९        | ७,२९६         | १५६,१२५   |
| कर्णाली प्रदेश      | १०१,४२९         | ३९,८७७       | ६,९३०        | ८,९३५         | १५५,५६३   |
| सुदूर-पश्चिम प्रदेश | ८५,४४०          | ४९,९३३       | ६,९३५        | १२,२९४        | १४५,६०२   |
| जम्मा               | ५७९,५४८         | ३५८,७३९      | ४९,५००       | ५७,२४६        | १,०३७,०२५ |

अनुसूची चार्ट २.४: अन्तर-सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण, २०७८/७९ (रु. लाखमा)

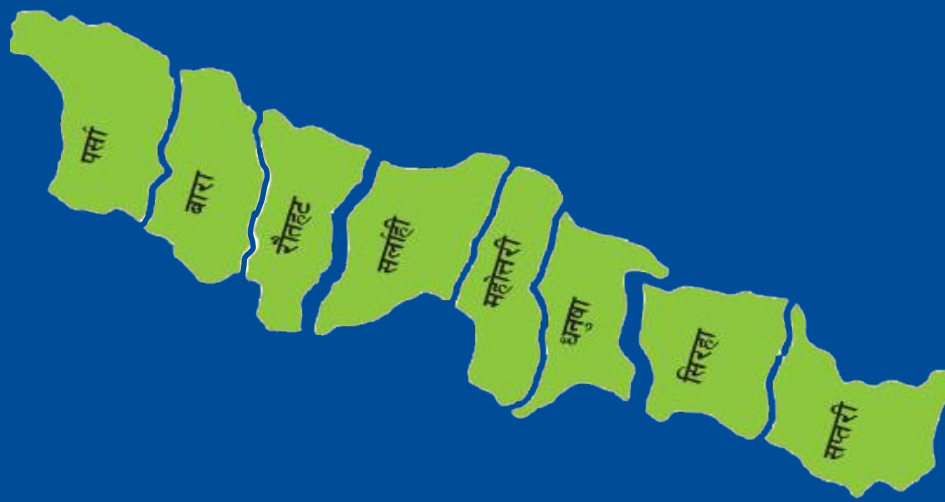


| अनुसूची ३: मधेश प्रदेश सभाबाट हालसम्म पारित भएका ऐनहरूको विवरणहरू |                                                                                        |                     |                                           |
|-------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|-------------------------------------------|
|                                                                   | प्रादेशिक ऐनको नाम                                                                     | प्रमाणीकरण मिति     | सम्बन्धित मन्त्रालय                       |
| १                                                                 | प्रदेश आर्थिक कार्यविधि ऐन, २०७४                                                       | २०७४/१२/२९          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| २                                                                 | प्रदेश नं. २ को विनियोजन ऐन, २०७५                                                      | २०७५/०१/२१          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| ३                                                                 | प्रदेशको सार्वजनिक लिखत प्रमाणीकरण ऐन, २०७५                                            | २०७५/०२/३०          | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| ४                                                                 | प्रदेश सभाका पदाधिकारी तथा सदस्यहरूको पारिश्रमिक तथा सुविधा सम्बन्धी ऐन, २०७५          | २०७५/०३/१७          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| ५                                                                 | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीहरूको पारिश्रमिक तथा सुविधा सम्बन्धी ऐन, २०७५                 | २०७५/०३/१७          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| ६                                                                 | प्रदेश विनियोजन ऐन २०७५                                                                | २०७५/०३/२९          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| ७                                                                 | प्रदेश आर्थिक ऐन २०७५                                                                  | २०७५/०३/३२          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| ८                                                                 | प्रदेश वित्तीय हस्तान्तरण व्यवस्थापन ऐन, २०७५                                          | २०७५/०३/३२          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| ९                                                                 | प्रदेश नं. २ का स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यहरूले पाउने सुविधाको सम्बन्धी ऐन, २०७५ | २०७५/०३/३२<br>खारेज | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| १०                                                                | प्रदेश नीति आयोग गठन तथा कार्य सञ्चालन ऐन, २०७५                                        | २०७५/०४/२५          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| ११                                                                | प्रदेश आकस्मिक कोष सञ्चालन ऐन, २०७५                                                    | २०७५/०६/२४          | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| १२                                                                | मुख्य न्यायाधिवक्ताको काम कर्तव्य र अधिकार तथा सेवाका शर्त सम्बन्धी ऐन, २०७५           | २०७५/०६/२५          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| १३                                                                | प्रदेश नं.२ को विपद् व्यवस्थापन ऐन, २०७५                                               | २०७५/०६/२६          | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| १४                                                                | प्रदेश नं. २ को प्रशासकीय कार्यविधि (नियमित गर्ने) ऐन, २०७५                            | २०७५/०९/०१          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| १५                                                                | प्रदेश नं. २ को सार्वजनिक प्रशासनका लागि करारमा कर्मचारी भर्ना सम्बन्धी ऐन, २०७५       | २०७५/०९/०१          | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |

|    |                                                                                            |            |                                           |
|----|--------------------------------------------------------------------------------------------|------------|-------------------------------------------|
| १६ | प्रदेश प्रहरी ऐन, २०७५                                                                     | २०७५/०९/१५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| १७ | प्रदेश आर्थिक कार्यविधि (पहिलो संशोधन) ऐन, २०७६                                            | २०७६/०२/३१ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| १८ | प्रदेश आर्थिक ऐन, २०७६                                                                     | २०७६/०२/३१ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| १९ | प्रदेश सभाका पदाधिकारी तथा सदस्यहरूको पारिश्रमिक र सुविधा सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) ऐन, २०७६ | २०७६/०३/३१ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| २० | विनियोजन ऐन २०७६                                                                           | २०७६/०३/३१ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| २१ | प्रदेश लोकसेवा आयोग ऐन, २०७६                                                               | २०७६/०५/०४ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| २२ | प्रादेशिक सडक ऐन, २०७६                                                                     | २०७६/०७/६  | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय           |
| २३ | दलित सशक्तीकरण ऐन, २०७६                                                                    | २०७६/०८/२४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                   |
| २४ | स्थानीय तहका पदाधिकारी तथा सदस्यहरूले पाउने सुविधा सम्बन्धी ऐन, २०७७                       | २०७७/०३/३१ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| २५ | आर्थिक ऐन, २०७७                                                                            | २०७७/०३/३१ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| २६ | विनियोजन ऐन, २०७७                                                                          | २०७७/०३/३१ | आर्थिक मामिला तथा योजना मन्त्रालय         |
| २७ | प्रदेश एफ.एम. रेडियो तथा टेलिभिजन सञ्चालन सम्बन्धी ऐन, २०७७                                | २०७७/०४/०५ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| २८ | गाउँ सभा र नगर सभाको कानून निर्माण प्रक्रिया सम्बन्धी ऐन, २०७७                             | २०७७/०४/०५ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| २९ | प्रदेश जनलोकपाल ऐन, २०७७                                                                   | २०७७/०५/०३ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| ३० | प्रदेश सञ्चार सम्बन्धी ऐन, २०७७                                                            | २०७७/०५/०३ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| ३१ | प्रादेशिक विद्युत ऐन, २०७७                                                                 | २०७७/०६/२५ | भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय           |
| ३२ | गाउँसभा/नगर सभा/ जिल्ला सभा कार्य सञ्चालन (कार्यविधि) ऐन, २०७७                             | २०७७/०६/२५ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |
| ३३ | प्रदेश अनुसन्धान ब्यूरो ऐन, २०७७                                                           | २०७७/०७/०४ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय        |
| ३४ | प्रदेश दुग्ध विकास बोर्ड (स्थापना र सञ्चालन) ऐन, २०७७                                      | २०७७/०७/०४ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय  |
| ३५ | मधेश स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान ऐन, २०७७                                                 | २०७७/०७/२५ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                   |
| ३६ | प्रदेश वन ऐन, २०७७                                                                         | २०७७/०९/०१ | उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय    |
| ३७ | प्रदेश बाल अधिकार सम्बन्धी ऐन, २०७७                                                        | २०७७/०९/२९ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                   |
| ३८ | प्रदेश निजामती सेवा ऐन, २०७७                                                               | २०७७/१०/२८ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषदको कार्यालय |

|    |                                                                                                    |            |                                            |
|----|----------------------------------------------------------------------------------------------------|------------|--------------------------------------------|
| ३९ | प्रदेश सरकारको अर्थ सम्बन्धी प्रस्तावलाई कार्यान्वयन गर्न बनेको ऐन                                 | २०७७/०३/३१ | अर्थ मन्त्रालय                             |
| ४० | आर्थिक वर्ष २०७८/ २०७९ को प्रदेश सञ्चित कोषबाट केही रकम खर्च गर्न सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको ऐन | २०७७/०३/३१ | अर्थ मन्त्रालय                             |
| ४१ | प्रदेश पदक सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको ऐन                                                        | २०७८/०७/१६ | आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय         |
| ४२ | प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय सम्बन्धी व्यवस्था गर्न बनेको अध्यादेश                                    | २०७८/०७/२३ |                                            |
| ४३ | प्राविधिक विश्वविद्यालय सम्बन्धी व्यवस्था गर्न बनेको अध्यादेश                                      | २०७८/०७/२३ |                                            |
| ४४ | स्वास्थ्य सेवा सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको ऐन                                                    | २०७८/०८/१० | सामाजिक विकास मन्त्रालय                    |
| ४५ | जाँचबुझ आयोगको गठन तथा काम कर्तव्य र अधिकारको सम्बन्धमा व्यवस्था गर्न बनेको ऐन, २०७९               | २०७८/१२/१४ | मुख्य मन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्को कार्यालय |
| ४६ | मधेश कृषि विश्वविद्यालय ऐन, २०७९                                                                   | २०७९/०१/१४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                    |
| ४७ | मधेश विश्वविद्यालय ऐन, २०७९                                                                        | २०७९/०१/१४ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                    |
| ४८ | मधेश प्रदेश आर्थिक ऐन, २०७९                                                                        | २०७९/०३/३१ | अर्थ मन्त्रालय                             |
| ४९ | मधेश प्रदेश विनियोजन ऐन, २०७९                                                                      | २०७९/०४/०१ | अर्थ मन्त्रालय                             |
| ५० | प्रदेश प्राविधिक शिक्षा तथा व्यावसायिक तालिम परिषद् ऐन, २०७९                                       | २०७९/०५/०६ | सामाजिक विकास मन्त्रालय                    |
| ५१ | प्रदेश संचार सम्बन्धी (पहिलो संशोधन) ऐन, २०७९                                                      | २०७९/०५/०६ | गृह तथा सञ्चार मन्त्रालय                   |
| ५२ | प्रदेश संस्था दर्ता ऐन, २०७९                                                                       | २०७९/०५/०६ | गृह तथा सञ्चार मन्त्रालय                   |
| ५३ | प्रदेश खोप ऐन, २०७९                                                                                | २०७९/०५/३० | सामाजिक विकास मन्त्रालय                    |
| ५४ | प्रदेश सहकारी ऐन, २०७९                                                                             | २०७९/०६/०९ | भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय   |
| ५५ | प्रदेश कर तथा गैरकर राजस्व सम्बन्धी ऐन, २०७९                                                       | २०७९/०६/०९ | अर्थ मन्त्रालय                             |
| ५६ | प्रदेश सभा सचिवालय सम्बन्धी ऐन, २०७९                                                               | २०७९/०६/१४ | प्रदेश सभा सचिवालय                         |

स्रोत: मधेश प्रदेश सरकारबाट सुशासन प्रवर्द्धनको लागि सुझाव पेश गर्न गठित उच्चस्तरीय समितिको प्रतिवेदन, २०७९



मधेश प्रदेश  
अर्थ मन्त्रालय  
२०८०